बृहत् कुंडली

सबसे विस्तृत, सुंदर व सटीक कुंडली

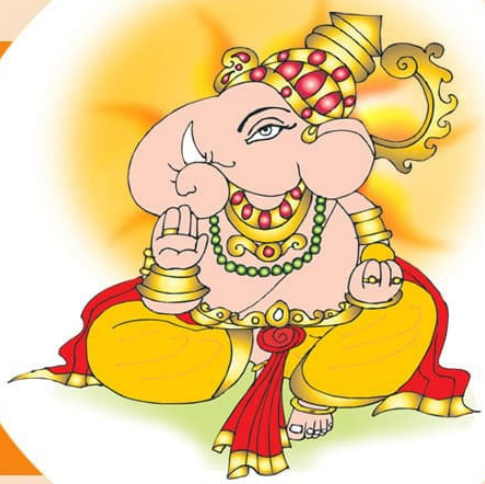

Pooja Sharma

23:8:1978
23:53:18
Delhi(28N40 77E13 5.5)

AstroSage

World's No. 1 Astrology Portal & App

मुख्य विवरण

व्यक्ति विवरण	अवकहडा चक्र
लिंग : स्त्री	पाया (राशि आधारित) : लोह
जन्म दिनांक : 23 : 8 : 1978	वर्ण : क्षत्रिय
जन्म समय : 23 : 53 : 18	योनि : गज
जन्म दिन : बुधवार	गण : मानव
इष्टकाल : 044-57-39	वश्य : चतुष्पद
जन्म स्थान : Delhi	नाड़ी : मध्य
टाइम जोन : 5.5	दशा भोग्य : शुक्र 15 व 5 मा 1 दि
अक्षांश : 28 : 40 : N	लग्न : वृषभ
रेखांश : 77 : 13 : E	लग्न स्वामी : शुक्र
स्थानीय समय संशोधन : 00 : 21 : 07	राशि : मेष
युद्ध कालिक संशोधन : 00 : 00 : 00	राशि स्वामी : मंगल
स्थानीय औसत समय : 23:32:10	नक्षत्र-पद : भरणी-1
जन्म समय - जीएमटी : 18:23:18	नक्षत्र स्वामी : शुक्र
तिथि : षष्ठी	जुलियन दिन : 2443744
हिन्दू दिन : बुधवार	सूर्य राशि (हिन्दू) : सिंह
पक्ष : कृष्ण	सूर्य राशि (पाश्चात्य) : कन्या
योग : वृद्धि	अयनांश : 023-33-30
करण : वणिज	अयनांश नाम : लाहिड़ी
सूर्योदय : 05 : 54 : 14	अक्ष से झुकाव : 023-26-31
सूर्यास्त : 18 : 53 : 28	साम्पातिक काल : 21 : 38 : 53

राशि	लग्न	नक्षत्र-पद
मेष	वृषभ	भरणी-1
राशि स्वामी	**लग्न स्वामी**	**नक्षत्र स्वामी**
मंगल	शुक्र	शुक्र

घात एंव अनुकूल बिन्दु

घात (अशुभ)

रविवार दिन	बव करण	मेष लग्न	कार्तिक माह
मघा नक्षत्र	1 प्रहर	मेष राशि	1, 6, 11 तिथि
विषकुम्भ योग	बुध ग्रह		

अनुकूल बिन्दु

5 भाग्यांक	2, 7, 9 शुभ अंक	4, 8 अशुभ अंक	14,23,32,41,50 शुभ वर्ष
गुरुवार भाग्यशाली दिन	गुरु, सूर्य, चंद्र शुभ ग्रह	मिथुन, सिंह, धनु मित्र राशियां	कर्क, तुला, धनु, कुम्भ शुभ लग्न
सुवर्ण भाग्यशाली धातु	लाल, मूंगा भाग्यशाली रत्न		

ग्रह स्थिति

आपकी राहु में गुरु में गुरु की प्रत्यंदशा चल रही है जो कि 07 अक्तूबर 2019 से 02 फ़रवरी 2020 तक चलेगी |

लग्न

वृषभ
रोहिणी

सूर्य

सिंह
मधा

चंद्र

मेष
भरणी

मंगल

कन्या
हस्त

बुध

कर्क
आश्लेषा

गुरू

कर्क
पुष्य

शुक्र

कन्या
हस्त

शनि

सिंह
मधा

राहु

कन्या
उ०फाल्गुनी

केतु

मीन
उ०भाद्रपद

यूरे

तुला
स्वाती

नेप

वृश्चिक
ज्येष्ठा

प्लू

कन्या
हस्त

ग्रह	राशि	रेखांश	नक्षत्र	पद	व	अ	संबंध
लग्न	वृषभ	15-30-14	रोहिणी	2	--	--	--
सूर्य	सिंह	06-42-30	मधा	3	मा	--	स्व-राशि
चंद्र	मेष	16-23-10	भरणी	1	मा	--	मित्र राशि
मंगल	कन्या	18-40-48	हस्त	3	मा	--	शत्रु राशि
बुध	कर्क	28-16-43	आश्लेषा	4	व	अ	शत्रु राशि
गुरू	कर्क	03-54-40	पुष्य	1	मा	--	उच्च राशि
शुक्र	कन्या	22-40-42	हस्त	4	मा	--	नीच राशि
शनि	सिंह	09-57-57	मधा	3	मा	अ	शत्रु राशि
राहु	कन्या	04-33-40	उ0फाल्गुनी	3	व	--	--
केतु	मीन	04-33-40	उ0भाद्रपद	1	व	--	--
यूरे	तुला	19-15-30	स्वाती	4	मा	--	--
नेप	वृश्चिक	21-58-28	ज्येष्ठा	2	व	--	--
प्लू	कन्या	21-19-34	हस्त	4	मा	--	--

नोट: [अ] - अस्त [मा] - मार्गी [व] -वक्री [ग्र] -ग्रहण

लग्न कुण्डली

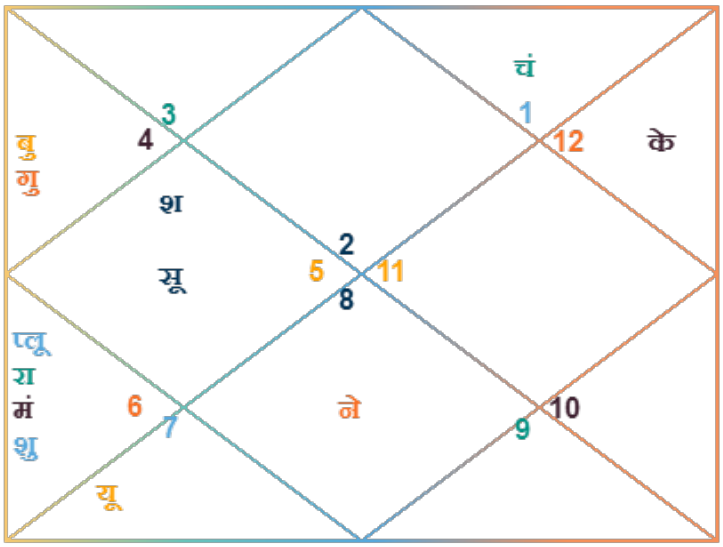

नवमांश कुण्डली

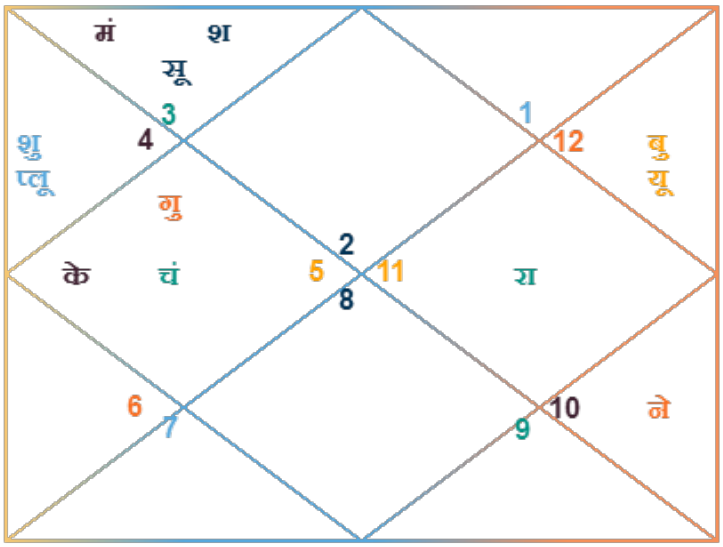

चलित तालिका एवं चलित चक्र

भाव	राशि	भाव आरंभ	राशि	भाव मध्य
1	मेष	27 . 43 . 16	वृषभ	15 . 30 . 14
2	वृषभ	27 . 43 . 16	मिथुन	09 . 56 . 17
3	मिथुन	22 . 09 . 19	कर्क	04 . 22 . 21
4	कर्क	16 . 35 . 23	कर्क	28 . 48 . 24
5	सिंह	16 . 35 . 23	कन्या	04 . 22 . 21
6	कन्या	22 . 09 . 19	तुला	09 . 56 . 17
7	तुला	27 . 43 . 16	वृश्चिक	15 . 30 . 14
8	वृश्चिक	27 . 43 . 16	धनु	09 . 56 . 17
9	धनु	22 . 09 . 19	मकर	04 . 22 . 21
10	मकर	16 . 35 . 23	मकर	28 . 48 . 24
11	कुंभ	16 . 35 . 23	मीन	04 . 22 . 21
12	मीन	22 . 09 . 19	मेष	09 . 56 . 17

चलित चक्र

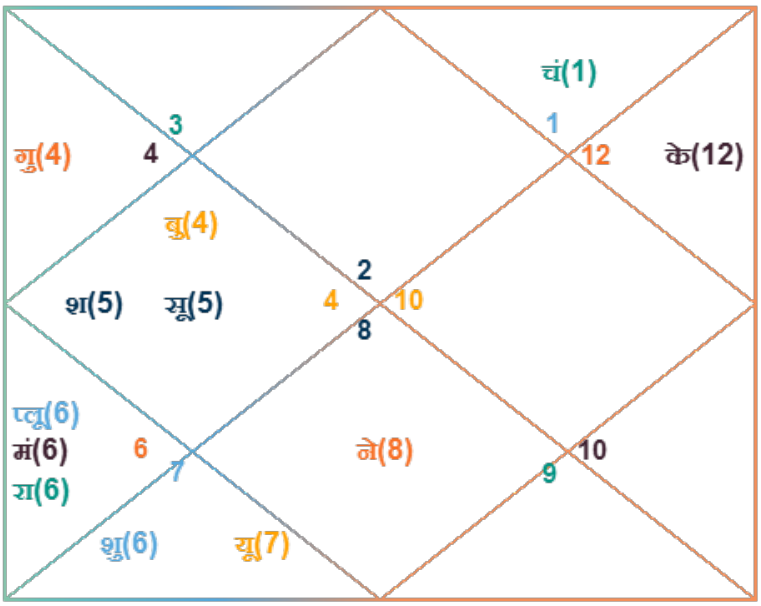

आपकी कुंडली के प्रमुख बिंदु

आपके जीवन की महत्वाकांक्षा

सुखों की प्राप्ति

आपकी जीवन ऊर्जा

आपका साथी

जीवन का उद्देश्य

जीवन में ऊँचाई हासिल करना

आपकी ताक़त / प्रतिभा

शारीरिक तंदुरुस्ती

आपकी कमज़ोरी

अपनी ही धुन में मगन रहना

आपका प्रधान वाक्य

मैं हूँ ना

जीवन जीने की दिशा

ज़मीन से जुड़कर काम करना

जीवन का प्रतीक

आपकी मेहनत

आपकी लग्न रिपोर्ट

आपका लग्न है:

वृषभ

वैदिक ज्योतिष में लग्न का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। बालक के जन्म के समय में जो राशि पूर्वीय क्षितिज पर उदित होती है। वह राशि लग्न राशि कहलाती है। तथा यह राशि जिस भाव में पड़ती है। वह भाव लग्न भाव कहलाता है। लग्न ज्योतिष से एक व्यक्ति के जीवन की सूक्ष्मतम घटनाओं का अध्ययन करने में सहायता मिलती है। जबकि दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और वार्षिक भविष्वाणियां चन्द्र राशि और सूर्य राशि पर आधारित होती है।

स्वास्थ्य वृषभ लग्न के लिए

वृषभ लग्न आपको एक मजबूत और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान कर रहा है। लेकिन कुछ शारीरिक समस्याओं का सामना आपको जीवन भर करना पड़ सकता है। विशेष रूप से आप तंत्रिका तंत्र से संबंधित बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं। यदि आपका जन्म मई मास में हुआ है तो आपको अधिक वजन की भी समस्या हो सकती है। कभी कभी यौन रोग आपको अपने प्रभाव में ले सकते है। इसके अलावा जीवन में ग्रीवा कशेरुक,निचले जबड़े, दांत,ठोड़ी और तालु की समस्याएं होने की संभावनाएं भी बनती है। गुर्दे,गुप्तांग, मूत्राशय,गर्दन और गले में होने वाले रोगों से आपको सतर्क रहना चाहिए।

स्वभाव व व्यक्तित्व वृषभ लग्न के लिए

वृषभ लग्न के अंतर्गत जन्म लेने के कारण आप कुछ अव्यवहारिक हो सकते है। जिसके कारण नए लोगों को आप न भाये। अपने शांत और अंतर्मुखी व्यवहार, के कारण नए लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते है। अगर आपके साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जाता और समझा भी नहीं जाता, तो आपमें दूसरों के प्रति आक्रोश और रूढ़िवादिता की भावना उत्पन्न हो सकती है। आपको अक्सर नए दोस्त बनाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिसके कारण आप नए लोगों से मिलने में संकोच करते हैं। आप विश्वसनीय और व्यवहारिक प्रकृति के हो सकते है। आपका यह स्वभाव आपको कारोबार में आपको अच्छी सफलता दिला सकता है। आपके व्यक्तित्व में कामुकता का भाव भी हो सकता है। इसके कारण आप सभी क्षेत्रों में भौतिक सुख प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहते हैं और आप काफी उद्यमी प्रकृति के भी हो सकते है। आप अपने कार्यों को अपने अनुसार निश्चित समय में पूरा करते है। व दूसरे लोगों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना भी करते है तथा उनकी प्रतिभा की भी खुलकर तारीफ करते हैं। उस समय आपका व्यवहार किसी बॉस के समान भी हो सकता है। आपकी राशि के व्यक्तियों को आसानी से आकर्षित नहीं किया जा सकता और अगर ऐसा किया भी जाता है तो काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। आप लोग अपने मूल्य और सिद्धांतों के प्रति काफी अडिग रहते हैं, और आपके दृष्टिकोण को बदलना आसान नहीं होता है। आपकी स्नेही प्रकृति और सच्चाई की सराहना करने का गुण, दूसरों को आपकी और आकर्षित करता है। इसी के कारण आप एक चुम्बकीय व्यक्तित्व के स्वामी है। आप स्वभाव से आवेगी नहीं होंगे लेकिन लेकिन अगर आप के साथ जबदस्ती का व्यवहार किया जाए तो आप उग्र हो सकते हैं। कई बार आप पूर्वाग्रही और जिद्दी भी हो सकते है। आप काफी सावधानी से अपने दोस्तों का चयन करते हैं। तथा आप झूठ बोलना पसंद नहीं करते हैं हालांकि आपको आसानी से मनाया जा सकता है।

शारीरिक रूप-रंग वृषभ लग्न के लिए

वृषभ लग्न के लोगों में कम उचाई वाले और कभी कभी दुबले कद काठी के होते हैं। आमतौर पर आप लोग सुंदर कद काठी, ऊंची नाक, चमकदार आँख और कामुक होठ वाले होते हैं। आपका जितना चेहरा सुंदर देखने में होता है उतना आप भाग्यशाली नहीं होते है। आपकी शारीरिक संरचना चौकोर आकार ही होती है। आप लोगों के पीठ पर कुछ निशान भी होते हैं। वृषभ लग्न के लोग मेलजोल वाले होते हैं।

चंद्र राशि

आपकी राशि

मेष

चंद्र राशि क्या है?

भारतीय ज्योतिष में सूर्य राशि से ज्यादा चंद्र राशि को महत्व दिया गया है। यहां तक कि भारतीय ज्योतिष में चंद्र राशि को लग्न की जगह प्रयोग करने की सलाह दी गई है, अगर चंद्र लग्न से ज्यादा बलशाली हो। चंद्र राशि से वे कई बातें पता चल सकती हैं जो कि सूर्य राशि से पता नहीं चल पाती हैं।

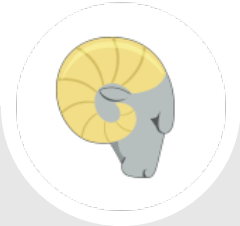

स्वास्थ्य मेष राशि के लिए

मेष लग्न के लोगों को सिरदर्द पीड़ा,विशेष रूप से सिरदर्द,लू लगना,नसों का दर्द,और अवसाद जैसे रोग शीघ्र प्रभावित कर सकते है। इसके अलावा आपको अपच और स्नायु संबंधी विकार भी कष्ट दे सकते हैं। उतावलापन और शारीरिक समर्पण के कारण दुर्घटना और शारीरिक छोटो की संभावना भी आपके साथ बनी रहती है। कभी कभी बवासीर की शिकायत आपके कष्ट का कारण बनती है। आपके सिर या चेहरे पर पैदाइशी निशान हो सकते हैं। आपको उच्च रक्तचाप आदि जैसे रोगों के प्रति सावधान रहना चाहिए।

स्वभाव व व्यक्तित्व मेष राशि के लिए

मेष लग्न आपको ऊर्जावान और ताकतवर बना रही है। आपमें गजब की नेतृत्व शक्ति पाई जाती है। आप हमेशा पहल करने को तैयार रहते है। आपका सबसे खास गुण आपकी शक्ति और किसी कार्य की पहल करने को हमेशा तैयार रहना है। आपके व्यक्तित्व की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता, आपका निर्भीक होना है। आप जन्मजात नेतृत्व क्षमता रखते है। आपकी लग्न के लोग दूसरों के आदेश को पसंद नहीं करते यहां तक की अपने बॉस को भी नहीं। किसी के सामने ना झुकना ही आपका आकर्षण है। इन लक्ष्यों के कारण आपके व्यवहार में कभी कभी आक्रामकता तो कभी दयालुपन की भावना पैदा हो सकती है। इसके विपरीत कभी कभी आपको आसानी से मनाया या फुसलाया जा सकता है। आपमें एक स्पष्ट वक्ता और अक्सर बड़बोलेपन की प्रवृति सामने आती है। कुछ अवधि के लिए आपमें अव्यवहारिकता का भाव भी आ सकता है। जिसके कारण आप आसानी से किसी भी बहस या झगडें के शिकार हो सकते है। आपकी लग्न के लोग काफी जिद्दी होते है और अचानक क्रोधित होने के कारण लोगों को अक्सर आश्चर्य में डाल देते है,लेकिन आपको आसानी से बहला फुसलाकर मनाया या शांत किया जा सकता है। आवेग में आ जाने के कारण कभी कभी आपको कुछ गंभीर परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। आपको पानी के बहुत शौकीन नहीं होते है, परन्तु कला और कोमलता के बड़े प्रशंसक हो सकते है। आप तब तक आराम नहीं करते जब तक आप निश्चित लक्ष्य को पाने में सफल नहीं हो जाते है। इस लग्न के अंतर्गत जन्म लेने के कारण आप समझदार, लुभावने यहां तक की कई बार भावनात्मक प्रकृति के भी हो सकते है।

शारीरिक रूप-रंग मेष राशि के लिए

मेष लग्न आपको मजबूत और आकर्षक शरीर का बना रहा है। आपके सुन्दर नाक नख्श व स्पष्ट ठोड़ी, नाक और मुंह वाले होने की संभावनाएं बन रही है। आपकी लग्न के लोग औसत ऊंचाई और घुंघरीले बाल वाले और शारिरिक रूप से मजबूत होते हैं। आपकी शारीरिक बनावट से आपकी ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। साधारणतया आपके बाल भूरे होते हैं। आपके माथे पर कोई निशान जरूर होता है। अधिकांशतया आपकी नसें स्पष्ट दिखने वाली होती है और आपके शरीर पर चोटों के निशान पाए जाते हैं।

आपकी नक्षत्र रिपोर्ट

आपका नक्षत्र	आपका नक्षत्र चरण
भरणी	1

नक्षत्र क्या है?

हिन्दू ज्योतिष में नक्षत्रों का विशेष महत्व है। आकाश को यदि 27 (कभी-कभी 28) बराबर भागों में विभाजित किया जाए, तो प्रत्येक भाग एक नक्षत्र कहलाता है। हर नक्षत्र को बराबर-बराबर चार पदों में भी विभाजित किया गया है। ज्योतिष की अवधारणा के अनुसार हर पद एक अक्षर को इंगित करता है। प्रायः किसी व्यक्ति के जन्म के समय चन्द्रमा जिस पद में होता है, उससे जुड़े अक्षर से उस व्यक्ति का नाम रखा जाता है।

भरणी नक्षत्र फल 'नक्षत्र फल बृहत जातक के अनुसार

आपका जन्म भरणी नक्षत्र में हुआ है इसलिए स्वभाव से आप बड़े दिल वाले और किसी की बात का बुरा न मानने वाले हैं। आपके नेत्र बड़े और आकर्षक हैं तथा आप आँखों के द्वारा ही अपने मनोभाव व्यक्त करने में सक्षम हैं; कदाचित आपकी आँखें बोलती हुई प्रतीत होती हैं। आपकी मुस्कान मनमोहक है; अपनी इसी दिलफ़रेब मुस्कान और क़ातिलाना अंदाज़ से आप किसी को भी अपना ग़ुलाम बना लेते हैं। आपमें एक ज़बरदस्त आकर्षण है। यदि आपके मन में कोई भारी तूफ़ान चल रहा हो तो भी ऊपर से आप शांत दिखाई पड़ते हैं। आप व्यावहारिक हैं इसलिए दूरगामी परिणाम की कोई चिंता नहीं करते। आप जीवन को जीवंत तरीक़े-से जीते हैं और जोख़िम उठाना व साहसिक पहल करना आपको अच्छा लगता है। यदि आपको सही मार्गदर्शन और स्नेहपूर्ण सहयोग मिले तो आप अपना लक्ष्य शीघ्र पा लेते हैं। आप तिकड़मबाज़ी से दूर हमेशा सीधे तौर-तरीक़ों को अपनाने में विश्वास रखते हैं। अपनी अंतरात्मा के विरुद्ध आप कोई काम नहीं करते हैं और हमेशा अपनी बात साफ़-साफ़ कहते हैं – आपको इसकी कोई चिंता नहीं होती भले ही आपके संबंध ख़राब हो जाएँ। आप ईमानदार हैं और स्वाभिमानी होना भी आपका एक विशेष गुण है, इसलिए अपना हर काम ख़ुद करने में यक़ीन करते हैं। भरणी नक्षत्र का स्वामी शुक्र है जोकि एक शुभ, सौंदर्यप्रिय, और कलाप्रिय ग्रह भी है। इसलिए आप चतुर, सौंदर्यप्रिय, भौतिकतावादी, संगीतप्रिय, कलाप्रिय, घूमने-फिरने के शौक़ीन हैं। आपको अच्छे कपड़े पहनने में और राजसी ठाठ-बाट से जीवन जीने में आनंद आता है। कला, गायन, खेल-कूद में भी आपकी रुचि है। स्त्रियों के लिए यह नक्षत्र विशेष शुभ माना गया है, क्योंकि यह नक्षत्र स्त्रियोचित गुणों में बढ़ोतरी करता है (शुक्र के प्रभाव के कारण, क्योंकि शुक्र एक सौंदर्यप्रधान, कलाप्रिय ग्रह है)। आप आशावादी हैं और अपने माता-पिता तथा बड़ो का आदर करने वाले हैं। अवसरों की प्रतीक्षा करना आपकी आदत नहीं है बल्कि आप ख़ुद अवसरों की तलाश में निकल पड़ते

हैं। आपका पारिवारिक जीवन भी सुखी होगा और आप न केवल अपने जीवनसाथी को प्रिय होंगे, बल्कि अपने गुणों के कारण उनपर शासन भी करेंगे।

शिक्षा और आय : आप संगीत, नृत्य, गायन, चित्रकारी व अभिनय के क्षेत्र, मनोरंजन व रंगमंच से जुड़े कार्य, मॉडलिंग, फ़ैशन डिज़ाइनिंग, फ़ोटोग्राफ़ी व वीडियो एडिटिंग, रूप व सौंदर्य से जुड़े व्यवसाय, प्रशासनिक कार्य, कृषि अर्थात खेती-बाड़ी का कार्य, कला-विज्ञापन, वाहन से जुड़े कार्य, होटल से जुड़े कार्य, न्यायधीश और वक़ालत आदि से जुड़े क्षेत्रों में विशेष सफल हो सकते हैं। धन-संग्रह करने में भी आपकी विशेष रुचि है।

पारिवारिक जीवन : अपने परिवार से आप अत्यधिक प्रेम करते हैं और उनसे एक दिन भी अलग नहीं रहना चाहते। 23 वर्ष से 27 वर्ष में आपका विवाह होने की संभावना है। अपने परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ आप ख़ूब ख़र्च करते हैं क्योंकि अपने परिवार की हर छोटी-बड़ी ज़रूरतों को पूरा करना आपको महत्वपूर्ण लगता है। अपने जीवनसाथी से आपको पूरा स्नेह, भरपूर सहयोग व विश्वास मिलेगा। अपने परिवार में बड़े-बूढ़ों का भी आप ख़ूब आदर करते हैं और अपने परिवार के हर सदस्य की ज़रूरतों का पूरा ख़याल रखते हैं। इसी वजह से आपका पारिवारिक जीवन भी काफ़ी ख़ुशहाल रहने की संभावना है।

पंचांग फल

जन्म वार, जन्म तिथि, जन्म नक्षत्र, जन्म योग तथा जन्म करण इन पाँचों को मिलाकर पंचांग फल की गणना की गई है। जन्म के समय उपरोक्त सभी पाँचों कारकों को ध्यान में रखने के बाद जातक के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव की गणना की जाती है। आपकी कुंडली में पंचांग फल निम्न प्रकार वर्णित है:

षष्ठी तिथि	**बुधवार** दिन	**वृद्धि** योग
वणिक करण	**भरणी** नक्षत्र	

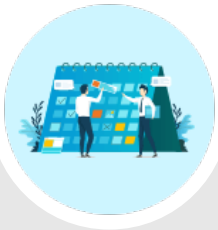

तिथि: षष्ठी

आपका जन्म षष्ठी तिथि में हुआ है। इस तिथि में जन्म लेने की वजह से हो सकता है आपके शरीर पर कोई निशान हो। आप दृढ निश्चयी होंगे और जीवन में बड़े फैसले लेंगे। आप सुंदर और करिश्माई व्यक्तित्व के धनी होंगे। यह छवि आपकी बुद्धिमता को प्रदर्शित करेगी। आपका झुकाव विपरीत लिंग के लोगों के प्रति रहेगा। इसके अलावा आपके अंदर धन और प्रसिद्धि पाने की लालसा रहेगी।

हिन्दू दिन: बुधवार

आपका जन्म बुधवार के दिन हुआ है इसलिए आप सुंदर चेहरे और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होंगे। आप अपनी भाषा और वाणी से सामाजिक जीवन में हर किसी व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। इसके अलावा कार्य स्थल पर भी आप बुद्धिमानी और कार्य कौशल से सबको प्रभावित करेंगे। कूटनीतिक व्यवहार करने में आपको महारथ प्राप्त होगी। आप लेखन, कविता और पत्रकारिता जैसे क्षेत्र को अपना पेशा बनाएंगे।

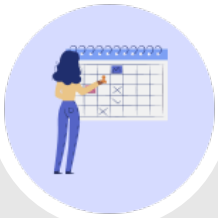

योग: वृद्धि

इस योग में जन्म लेने से आप शारीरिक और व्यवहारिक दोनों रूप से आकर्षक होंगे। चरित्रवान होने के साथ-साथ आप बुद्धिमान भी होंगे। आप आयात और निर्यात से जुड़ा व्यवसाय कर सकते हैं। वृद्धि योग में जन्म लेने का अच्छा प्रभाव केवल आप ही नहीं बल्कि आपकी बीवी और बच्चों पर भी देखने को मिलेगा। इसके फलस्वरूप उनमें भी आपकी तरह सामान गुण होंगे।

करण: वणिक

आपका जन्म वणिक करण में हुआ है। इसके प्रभाव से आप कई प्रकार की कलाओं में निपुण होंगे। आप हमेशा खुश और संतुष्ट रहेंगे। आप जिस समाज में रहेंगे वहां आपका सम्मान किया जाएगा। आप स्वयं का व्यवसाय करके अपनी आजीविका चलाएंगे। आप बहुत चालाक होंगे लेकिन आपके चेहरे पर सदा मुस्कुराहट रहेगी।

नक्षत्र: भरणी

भरणी नक्षत्र में जन्म लेने की वजह से आप रोग रहित जीवन व्यतीत करेंगे। आप हमेशा सत्य और न्याय के लिए लड़ेंगे। आप बेहद साहसी और कामकाज में चतुर होंगे। आप खुशहाल और समृद्धिशाली जीवन व्यतीत करेंगे।

विस्तृत भविष्यफल

चरित्र

आप एक संवेदनशील एवं भावुक व्यक्ति हैं। जीवन की कठनाइयों का आप पर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा प्रभाव पड़ता है परिणामस्वरूप आप जीवन के कुछ सुखद पल खो देते हैं। दूसरों द्वार कही गयीं बातों को आप दिल पर ले लेते हैं। अतः कुछ एसी बातें है जो आपको दुःख देती हैं परन्तु उस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिये।आपके कार्य करने का तरीका शान्तिपूर्ण है,परिणामस्वरूप आप अपने सहकर्मियों की नजर में मजबूत इच्छाशक्ति एवं दृढ-निश्चयी वाले व्यक्ति प्रतीत होते हैं। आपकी यह प्रवृत्ति आपको अपना लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करती है।आप बोलने से अधिक सोचते हैं और आपका यह चिन्तनतार्किक होता है। लोग आपसे सलाह मांगने इसलिये आते हैं क्योंकि आपका निर्णयपालन करने योग्य और निष्पक्ष होता है।आपमें अनेक उत्तम गुण हैं। आप एक सहानुभूतिपूर्ण मनुष्य हैं, जोकि आपको एक अच्छा मित्र बनाता है। आप अनुरागी व देशभक्त हैं, यही कारण है कि आप एक अच्छे नागरिक भी हैं। आप प्यारे माताध्पिता होंगे।आप अपने माता-पिता की इच्छानुसार कार्य करेंगे। निश्चय ही आपकी ये अच्छाइयां दूसरों पर भारी पड़ेंगी।

सौभाग्य व संतुष्टि

आप दूसरों के साथ का पूरा आनन्द लेते हैं। आप हंसमुख और खुशमिजाज हैं एवं हंसने में संकोच नहीं करते तथा प्रायः अच्छा'सेंस आॅफ ह्यूमर' रखते हैं। आपका मन सौन्दर्य से अत्यन्त प्रभावित रहता है और आप इसे प्रमुखता से अपन आस-पास के वातावरण में दिखाते हैं। जो व्यक्ति अपने चारों ओर सुन्दरता ला सकता है, वह सदैव आनन्दोन्मुखी होता है।

जीवन शैली

आप दूसरों की प्रशंसा करने में प्रायः कंजूसी करते हैं, जिस कारण आप विरोध के पात्र बन जाते हैं। आप के मन जो कुछ भी हो उसे आज से ही कहना आरम्भ करें। परिणामस्वरूप आप लोगों से बेहतर सम्बन्ध पायेंगे।

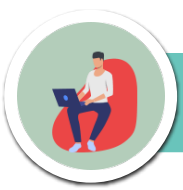

रोजगार

आपको ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए जिसमें आप समूह में काम करते हों और जहाँ कार्य सम्पन्न करने की समय-सीमा अनिश्चित हो।आपको कोई ऐसा कार्यक्षेत्र चुनना चाहिए, जहाँ सहभागिता से काम होता

हो,उदाहरणार्थ समूह का नेतृत्व करना आदि।

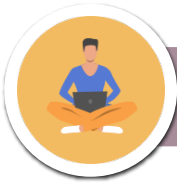

व्यवसाय

आप ज्यादा कार्य करने के लिये उपयुक्त नहीं हैं, न ही आप अत्यधिक उत्तरदायित्व वहन कर सकते हैं। हांलाकि आपको काम करने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन उसमें अत्यधिक उत्तरदायित्व नहीं होना चाहिए। आप किसी भी तरह के कार्य को अपने हाथ में लेने के लिये सदैव तैयार रहते हैं, पर आपका स्वच्छ व व्यवस्थित कार्यों की तरफ विशेष रूझान है। साथ ही, शायद आपने यह ध्यान दिया होगा कि ऐसा कोई भी कार्य जिसके द्वारा आप प्रकाश में आते हैं,वह अपेक्षाकृत आपको ज्यादा आकर्षित करता है, बजाय कि ऐसा कोई कार्य जो शान्ति में अकेले किया जाए। निश्चित तौर पर आपका स्वभाव शान्त वातावरण को सहन नहीं कर पाता है, बल्कि यह सदैव प्रकाशमान एवं प्रसन्नचित्त वातावरण को तलाशता रहता है।

स्वास्थ्य

आपके अन्दर प्रचुर ऊर्जा है। आप हृष्ट-पुष्ट हैं व साधारणतः आप किसी प्रकार के रोग से ग्रसित नहीं होंगे, जब तक कि आप जरूरत से बहुत ज्यादा कार्य नहीं करते। सिर्फ इसलिये कि आप मोमबत्ती को दोनों सिरों से जला सकते हैं, आपको यह करने के बारे में नहीं सोचना चाहिए। आपको अपने प्रति संयमी होना चाहिए और अपने स्वास्थ्य-कोष में से जरूरत से ज्यादा लेने का प्रयास नहीं करना चाहिए अन्यथा आप जीवन के उत्तरार्ध में गम्भीर बीमारियों को निमन्त्रण दे सकते हैं। बीमारी यदि प्रायः नहीं आती है, तो अचानक ही आएगी। यद्यपि उसने परिपक्व होने में काफी लम्बा समय लिया होगा। आप थोड़ा सा दिमाग लगाने पर पाएंगे कि आपने रोग को स्वयं ही आमन्त्रित किया है। इसमें कोई शक नहीं है कि आप उससे बच सकते थे। आपके नेत्र आपकी कमजोरी हैं और कृपया उसका ख्याल रखें। आप पैंतीस की उम्र के बाद नेत्र-विकार से ग्रसित हो सकते हैं।

रुचि

आपको अपने मिजाज के अनुरूप ही अपने फुरसत के लम्हों को बिताना चाहिए। यह देखते हुए कि आप आराम पसन्द हैं, आप श्रम व थकावट भरे खेलों को पसन्द नहीं करते हैं। आप दूसरों की संगति पसन्द करते हैं और जीवन के उज्ज्वल भाग को देखते हैं। ताश खेलना आपको पसन्द है, लेकिन सिर्फ तभी जब उसमें पैसा जुड़ा हुआ हो। यहां पर आपको जुए के प्रति सावधान करने की आवश्यकता है। यदि आपने एक बार इसे अनुमति दी, तो यह आप पर नियन्त्रण कर सकता है।

प्रेम आदि

प्रेम सम्बन्धों में भी आप उतने ही ऊर्जावान होंगे, जितने कि आप काम एवं खेल में हैं। एक बार आप प्यार में पड़ गये, तो आप अपने चहेते को प्रतिपल अपने पास रखना चाहेंगे। हालांकि आप अपने कार्य की अनदेखी नहीं करेंगे, परन्तु एक बार वो खत्म हो गया तो आप अपने प्रिय से मिलने को निकल पड़ेंगे। जब आपका विवाह हो जाएगा तो आप अपने घर पर अधिक ध्यान देंगे। आप अक्सर जीवनसाथी की व्यापारिक मामलों में मदद करेंगे।

वित्त

आपके जीवन में वित्त सम्बन्धी कई उतार-चढ़ाव आएंगे, मुख्यतः आपकी जल्दबाजी एवं अपनी क्षमता से अधिक का काम करने के कारण।आप एक सफल कम्पनी प्रमोटर, शिक्षक, वक्ता या आयोजक हो सकते हैं। आपके अन्दर सदैव से ही पैसा बनाने की क्षमता है, लेकिन साथ ही साथ इस दौरान आपके कई शत्रु बन सकते हैं। आपके व्यापार व उद्योग से अच्छी धनार्जन की उम्मीद है और आपके जीवन में असीम धनार्जन की अनेक अवसर आएंगे यदि आप अपनी इच्छा शक्ति पर काबू रखते हैं। जो कि समय-समय पर खर्चीले मुकदमों या आपके शक्तिशाली शत्रुओं की वजह से आपके हाथ से जा सकते हैं। अतः आपको लोगों के नियंत्रण की विद्या सीखने का प्रयास करना चाहिये एवं मतभेदों से भी बचना चाहिये।

शिक्षा

आप एक अच्छी संवाद शैली के लिए जाने जाएंगे और आपके कम्युनिकेशन स्किल इतने बेहतर होंगे कि वह आपको भीड़ में सबसे आगे लेकर जाएंगे। आपकी बुद्धि तीव्र होगी और स्मरण शक्ति भी गजब की होगी इसी वजह से आप किसी भी बात को आसानी से और लंबे समय तक याद रख पाएंगे। आपके जीवन की यही सबसे बड़ी विशेषता होगी और उसी के बल पर आप अपनी शिक्षा को अच्छे से पूरा कर पाएंगे और उसमें सफलता अर्जित कर पाएंगे। आपके मन में शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करने की भी इच्छा विशेष रूप से जागेगी। गणित, सांख्यिकी, तार्किक क्षमता आदि के मामले में आप काफी मजबूत साबित होंगे और इन के दम पर अपनी शिक्षा में सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आपको बीच-बीच में अपनी एकाग्रता को प्राप्त करने के लिए प्रयास करना होगा क्योंकि अत्यधिक सोच विचार करना आपको पसंद है, लेकिन यही आपकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। इससे बचने का प्रयास करेंगे तो जीवन में और शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम शिखर पर पहुंच सकते हैं।

ज्योतिष में ग्रह विचार

सूर्य विचार

चतुर्थ भाव	सिंह राशि	स्व-राशि संबंध	भरणी नक्षत्र

आपकी कुण्डली में सूर्य सिंह राशि में स्थित है, जो की सूर्य की स्व-राशि है। सूर्य चौथे, घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में चौथे घर में स्थित है। सूर्य की दृष्टि दसवें घर पर है।

यहां स्थित सूर्य आपको आर्थिक रूप से समृद्धशाली बना सकता है, क्योंकि यह आपके भीतर बचत करने की प्रवृत्ति देगा। आप देखने में रूपवान तो हो सकते हैं लेकिन कुछ चिन्ताएं भी आपको घेरे रह सकती हैं। यहां स्थित सूर्य माता पिता की सेवा से वंचित करवाता है। या तो आप दूर रहने के कारण माता पिता की सेवा नहीं कर पाएंगे या फिर साथ रहकर आपसी मनटाव से ग्रस्त रह सकते हैं।

सूर्य की यह स्थिति भाइयों के आपसी सद्भाव में बाधक बनती है। लेकिन यह स्थिति आपको किसी गुप्त विद्या का ज्ञान दे सकती है। हो सकता है कि आप अपनी जन्मभूमि को अधिक महत्त्व न दे पाएं लेकिन फिर भी आप किसी को हानि पहुचाने से डरेंगे। आपको सोने चांदी के व्यापार से लाभ मिलेगा। आपकी अधिकतर यात्रांए भी लाभकारी सिद्ध होंगी।

यदि आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, कुछ नया बनाएंगे या शोध करेंगे तो यह आपके लिए लाभप्रद रहेगा। कोई भी बुरी लत न लगने दें अन्यथा आपको अपनी बुरी लत को छोडने में बडी कठिनाई होगी। आपका ससुराल पक्ष कुछ हद तक समस्याग्रस्त रह सकता है। आपको भी आंखों से संम्बंधित परेशानियां हो सकती हैं। आपको चाहिए कि लालच को आने पास भी न फटकने दें अन्यथा आर्थिक संकट परेशान कर सकता है।

चंद्र विचार

द्वादश भाव	मेष राशि	मित्र राशि संबंध	मधा नक्षत्र

आपकी कुण्डली में चन्द्र मेष राशि में स्थित है, जो की चन्द्र की मित्र राशि है। चन्द्र तीसरे, घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में बारहवें घर में स्थित है। चन्द्र की दृष्टि छठें घर पर है। मंगल की पूर्ण दृष्टि चन्द्र पर है।

बारहवें भाव में स्थित चंद्रमा आपको एकांत प्रेमी बना सकता है। हांलाकि आप एकांत में जाकर भली

प्रकार से चिंतन कर पाएंगे क्योंकि आप एक चिंतनशील व्यक्ति हैं। आप एक मृदुभाषी व्यक्ति हैं लेकिन आपके खर्चे बहुत होंगे। आपमें क्रोध की अधिकता देखने को मिलेगी। आपकों आखों से सम्बंधित परेशानी के अलावा कफ से सम्बंधित परेशानियां भी हो सकती हैं।

आप थोडे से आलसी और भावनात्मक रूप से परेशान रह सकते हैं। प्रेम और रहस्य से संबंधित विषयों में आपकी रुचि अधिक होगी। विदेश यात्राएं करने में भी आपकी अच्छी खासी रुचि होगी, साथ ही आपको विदेश यात्राएं करने के मौके भी खूब मिलेंगे। आपके शत्रुओं की संख्या अधिक हो सकती है। आपका जुडाव किसी अस्पताल या धार्मिक संस्थान के साथ हो सकता है।

आपको अपने जीवन काल में कई प्रतिबंधों का सामना करना पड सकता है। व्यवसायिक मामलों की आपको बहुत जानकारी नहीं हो पाएगी। इस कारण से इन मामलों से आपको दूर रहना पड सकता है। आप अपने खर्चों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। हांलाकि ये खर्चे आप ही करेंगे फिर भी इन्हीं खर्चों के कारण आपको अपने अन्य कामों में परेशानियों का अनुभव होगा।

मंगल विचार

पंचम भाव	कन्या राशि	शत्रु राशि संबंध	भरणी नक्षत्र

आपकी कुण्डली में मंगल कन्या राशि में स्थित है, जो की मंगल की शत्रु राशि है। मंगल बारहवें, सातवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में पांचवें घर में स्थित है। मंगल की दृष्टि आठवें, ग्यारहवें, बारहवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि मंगल पर है।

पांचवे भाव में स्थित मंगल आपमें चंचलता देने के साथ-साथ आपको बुद्धिमान बनाता है लेकिन आपके स्वभाव में उग्रता जल्द ही आ जाती है। यदि आप कुसंगति के स्वयं को नहीं बचाएंगे तो आप भी व्यसनी हो जाएंगे। छल कपट से दूर रहना भी आपके लिए हितकर होगा। आपको पेट से सम्बंधित परेशानियां भी समय-समय पर परेशान कर सकती है अत: खान-पान पर संयम रखना जरूरी होगा।

ज्यादतियों और सट्टे बाजारी के शौक के कारण आपको घाटा भी उठाना पड सकता है। इन कारणों से आप तनावग्रस्त और आक्रामक हो सकते है। हांलाकि आप बुद्धिमान व्यक्ति हैं लेकिन कोई-कोई निर्णय बिना विवेक के भी ले सकते हैं। आपका प्रथम पुत्र बहुत जल्द गुस्सा करने वाला होगा, उसे दुर्घटनाओं और चोट लगने का भय बना रहेगा। कोई संतान अवज्ञाकारी भी हो सकती है।

आपकी संतान शल्य चिकित्सा के माध्यम से हो सकती है। आप पेट की तकलीफों और कब्जजन्य रोगों से परेशान रह सकते हैं। आप विपरीतलिंगी के प्रति अधिक आकर्षित हो सकते है, यदि आपने इस मामले में संयम से काम नहीं लिया तो आपकी बदनामी भी हो सकती है। आपको जिम जाना अथवा व्यायाम करना बहुत पसंद होगा।

बुध विचार

तृतीय भाव	कर्क राशि	शत्रु राशि संबंध	हस्त नक्षत्र

आपकी कुण्डली में बुध कर्क राशि में स्थित है, जो की बुध की शत्रु राशि है। बुध दूसरे, पांचवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में तीसरे घर में स्थित है। बुध की दृष्टि नौवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि बुध पर है।

तीसरे भाव में स्थित बुध के कारण आपका शारीरिक गठन बहुत अच्छा होगा। आप एक धार्मिक और यशस्वी व्यक्ति हैं। आप देवताओं और गुरुजनों का आदर करते हैं। आप बुद्धिमान और स्वभाव से विनम्र हैं। आपके भीतर साहस और वीरता का समावेसह भी है। आप अपनी विनम्रता के कारण उद्दण्ड व्यक्ति पर भी नियंत्रण पा लेंगे और अपनी आवश्यकतानुसार लाभ ले पाएंगे।

आपके भाई बहनों या सहयोगियों की संख्या अधिक होगी और आप उनके चहेते होंगे। आपका परिवार बडा होगा। आपको अपने भाई-बहनों से सुख मिलेगा। आपके दो लडके और तीन लडकियां हो सकती हैं। आप स्वजनों से घिरे रहेंगे और उनका हित करते रहेंगे। सरस हृदय होने के कारण स्त्रियों के प्रति स्व्वभाविक अनुराग होगा।

आप सरस एवं सरल हृदय के व्यक्ति हैं। आपके मित्रों की संख्या अधिक होगी। आप अपने जानने वालों से प्रेम पूर्वक बात करते हैं। आत्मकेन्द्रण आपके लिए उचित नहीं रहेगा। आर्थिक लाभ पर अधिक जोर देना भी उचित नहीं होगा। लेखन प्रकाशन या छपाई के कामों से आपका जुडाव हो सकता है। जीवन की अंतिम अवस्था में वैराग्य या मोक्ष की इच्छा भी हो सकती है।

गुरु विचार

तृतीय भाव	कर्क राशि	उच्च राशि संबंध	आश्लेषा नक्षत्र

आपकी कुण्डली में गुरु कर्क राशि में स्थित है, जो की गुरु की उच्च राशि है। गुरु आठवें, ग्यारहवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में तीसरे घर में स्थित है। गुरु की दृष्टि सातवें, नौवें, ग्यारहवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि गुरु पर है।

तीसरे भाव में बृहस्पति होने के कारण आप साहसी और बलवान होंगे। आप शास्त्रों के जानकार और अनेक प्रकार के धार्मिक कार्यों को सम्पादित करने वाले व्यक्ति हैं। आप जीतेन्द्रिय, तेजस्वी और ईश्वर पर विश्वास करने वाले व्यक्ति हैं। आप काम करने में चतुर हैं। आप जिस काम का संकल्प करते उसे पूरा करके ही छोडना चाहते हैं और आपको आपके काम में आपको सफलता भी मिलती है।

आप प्रवास पर्यटन और तीर्थयात्राएं करने वाले व्यक्ति हैं। आपको अपने सगे भाइयों-बहनों और कुटुम्बियों से सुख मिलता है। आप अपने भाइयों का कल्याण करने वाले और उन्हें उत्तम सुख देने वाले होंगे। आपके भाई भी प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आप मित्रों और आत्मजनों के माध्यम से सुखी और सम्पन्न होंगे। आत्मजनों से आपको लाभ भी होगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

आपको राजा या सरकार के द्वारा सम्मान मिलेगा। बहुत सारे लोग आपके अधीनस्थ रहेंगे। अच्छे बुद्धि विवेक के कारण आपको लेखन से लाभ होगा। तीसरे भाव के बृहस्पति के कारण आपको कंजूसी करते हुए देखा जाएगा। भूख न लगने के कारण शरीर दुर्बल हो सकता है। आपको अपने भाइयों के साथ हमेशा अच्छे सम्बंध बनाए रखना चाहिए। साथ ही धार्मिक और आध्यात्मिक वृत्ति का पोषण करते रहें।

शुक्र विचार

पंचम भाव	कन्या राशि	नीच राशि संबंध	पुष्य नक्षत्र

आपकी कुण्डली में शुक्र कन्या राशि में स्थित है, जो की शुक्र की नीच राशि है। शुक्र पहले, छठें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में पांचवें घर में स्थित है। शुक्र की दृष्टि ग्यारहवें घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि शुक्र पर है।

यहां स्थित शुक्र आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा। आप सौंदर्य सम्पन्न और सद्गुणी व्यक्ति हैं। आप ईश्वर पर विश्वास करने वाले उदार व्यक्ति हैं। आप दान पुण्य के कार्यों में विश्वास रखते हैं। आप विद्वान प्रतिभाशाली और अच्छे वक्ता होंगे। सामान्य प्रयास से भी धन प्राप्ति होती रहेगी। आपको अचानक ही कहीं से प्रचुर धन मिल सकता है। आप अनेक शास्त्रों के ज्ञानी और मंत्रवेत्ता हैं।

कविताओं और लेखन में आपकी गहरी रुचि होगी। आप संगीत आदि कलाओं में निपुण हो सकते हैं। ललितकलाओं में भी आप की रुचि होगी। नाटक सिनेमा आदि से भी आपका गहरा लगाव होगा। आप राजनीतिज्ञ मंत्री या न्यायाधीस भी हो सकते हैं। आप व्यवहार कुशल होने के साथ-साथ न्यायप्रिय भी हैं। आप राज कुल या सरकार से भी सम्मानित हो सकते हैं।

आपके कन्या संतति अधिक हो सकती हैं लेकिन पुत्र की प्राप्ति भी आपको जरूर होगी। विपरीत लिंगी की संगति आपको पसंद होगी। आपको विभिन्न प्रकार के वाहनों का सुख मिलेगा। आपके मित्र उत्तम और विश्वसनीय होंगे। हांलाकि घर में आपका वर्ताव मुसाफिरों जैसा हो सकता है। आप अपने काम धंधों में ही खोए रहेंगे। सुंदर व्यंजनों को खाने का सौभाग्य मिलता रहेगा।

शनि विचार

चतुर्थ भाव	सिंह राशि	शत्रु राशि संबंध	हस्त नक्षत्र

आपकी कुण्डली में शनि सिंह राशि में स्थित है, जो की शनि की शत्रु राशि है। शनि नौवें, दसवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में चौथे घर में स्थित है। शनि की दृष्टि छठें, दसवें घर पर है।

यहां स्थित शनि आपको उदार और शांत बनाता है। आप गंभीर धर्य सम्पन्न और लोभरहित व्यक्ति हैं। आप व्यसनहीन, न्यायप्रिय और अतिथियों का सत्कार करने वाले व्यक्ति हैं। आप परोपकार करने में खूब विश्वास रखते हैं। आप गुणवान व्यक्ति हैं। आप प्रचुर मात्रा मं धन प्राप्त करेंगे। आपके पास विभिन्न प्रकार के वाहन होंगे। आपको किसी और की सम्पत्ति भी मिल सकती है।

आप दूर देश में रहकर खूब तरक्की कर सकते हैं। आपके लिए आपकी उम्र सोलहवां, बाइसवां, चौबीसवां, सत्ताइसवां और छत्तीसवां साल भाग्यकारी रहेगा। इन वर्षों में आपको नौकरी, विवाह, सन्तति आदि शुभफल मिल सकते हैं। हांलाकि यहां स्थित शनि छत्तीस साल की उम्र तक कभी-कभी कष्ट भी देता रहता है। इसके बाद उम्र के छप्पनवें वर्ष तक सुख मिलता रहता है।

आपको शत्रुओं के माध्यम से भी लाभ मिल सकता है। यहां स्थित शनि के दुष्प्रभाव के रूप में आपको शारीरिक रूप से कम सुख मिल सकता है। आपकी संगति खराब लोगों के साथ हो सकती है। मानसिक चिंता या कष्ट रह सकता है। माता को बीच-बीच में कष्ट रह सकता है। शनि की यह स्थिति कभी-कभी दो विवाह या घरेलू क्लेश की स्थिति भी उत्पन्न करती है। कभी-कभी यह स्थिति पिता की सम्पत्ति से वंचित भी करती है।

राहु विचार

पंचम भाव	कन्या राशि	अनुपलब्ध संबंध	मधा नक्षत्र

आपकी कुण्डली में राहु कन्या राशि में स्थित है। राहु पांचवें घर में स्थित है। राहु की दृष्टि नौवें, ग्यारहवें, पहले घर पर है। केतु की पूर्ण दृष्टि राहु पर है।

यहां स्थित राहू आपको तीक्ष्णबुद्धि बनाता है। आपको विभिन्न शास्त्रों का ज्ञान होगा। आप स्वभाव से दयालु, कर्मठ हैं साथ ही आप भाग्यवान भी है। पुत्र प्राप्ति में कुछ व्यवधान आ सकता है। हो सकता है कि पहली संतान के रूप में कन्या संतति की प्राप्ति हो। आप कम्पनी के व्यवसाय में सफल हो सकते हैं।

आप लेखनकला में कुशल हो सकते हैं साथ ही आप प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। कई मामलों में यहां स्थित राहू बुरे परिणाम भी देता है। अशुभता की स्थिति में राहू दिमाग को भ्रमित करता है। संतान को कष्ट या परेशानी होती है। यहां स्थित राहू व्यर्थ में व्यय कराकर निर्धनता की स्थिति उपन्न करता है। आपके शरीर का रंग कम अच्छा हो सकता है।

यह स्थिति आपको कभी-कभी गलत रास्ते पर चलने की प्रेरणा दे सकती है। आपके मन में चिंता और संताप की स्थिति निर्मित हो सकती है। आपकी रुचि विद्या प्राप्त करने में कम रह सकती है। आपको उदररोग अर्थात पेट से सम्बंधित परेशानियां रह सकती हैं। पेट में शूल, गैस आदि रोग और मंदाग्नि रोग हो सकता है। बहुत प्रयास करने पर ही धन संग्रह हो पाता है। जीवन साथी के पक्ष से भी कष्ट मिल सकता है।

केतु विचार

एकादश	मीन	अनुपलब्ध	उ0फाल्गुनी
भाव	राशि	संबंध	नक्षत्र

आपकी कुण्डली में केतु मीन राशि में स्थित है। केतु ग्यारहवें घर में स्थित है। केतु की दृष्टि तीसरे, पांचवें, सातवें घर पर है। मंगल, गुरु, शुक्र, राहु की पूर्ण दृष्टि केतु पर है।

यहां स्थित केतू आपको अनेक प्रकार के शुभफल देगा। आप देखने में आकर्षक और मनोहर व्यक्तित्व के स्वामी होंगे। आप विशेष कांति वाले तेजस्वी व्यक्ति हैं। आपको अच्छे कपडे पहनने का शौक होगा। आप परोपकारी और दयालु स्वभाव के हैं। आप स्वभाव से उदार और हमेशा संतुष्ट रहने वाले व्यक्ति हैं। आप उत्तम शिक्षा प्राप्त करेंगे।

आप शास्त्रों को जानने वाले, हंसमुख स्वभाव के विद्वान व्यक्ति हैं। आप सरस और मधुरभाषी हैं। आप पराक्रमी, प्रतिष्ठित और लोकप्रिय होंगे। दूसरे लोग भी आपकी प्रसंशा करेंगे। आप सरकार या राजा के द्वारा सम्मान प्राप्त करेंगे। आप अनेक प्रकार के आभूषणों और ऐश्वर्य से सम्पन्न होंगे। आपकी आमदनी के कई स्रोत होंगे।

आप भाग्यवान व्यक्ति हैं और आपका घर बडा सुंदर होना चाहिए। आप किसी भी काम को अधूरा नहीं छोडना चाहते। शत्रु आपसे भयभीत रहते हैं। लेकिन यहां स्थित केतू कुछ अशुभफल भी देता है फलस्वरूप आप कुछ हद तक चिंतित भी रह सकते हैं और अपने हांथों अपनी हानि कर लेते हैं। संतान से संबंधित चिंता रह सकती है। कुछ पेट की बीमारियां भी हो सकती हैं।

भाव फल

जन्म कुंडली में 12 खाने होते हैं जो मानव जीवन के सभी संबंधों तथा क्रिया-कलापों को समाहित किए होते हैं। इन्हें भाव कहा जाता है। इस प्रकार भचक्र की 12 राशियों इन 12 भावों में अवस्थित होती हैं और उस राशि के स्वामी ग्रह को उस भाव का भावेश कहा जाता है। प्रत्येक भाव के स्वामी का विभिन्न भावों में उपस्थित होना तथा प्रत्येक भाव पर विभिन्न ग्रहों अथवा भावेशों का प्रभाव जीवन में होने वाली विभिन्न परिस्थितियों को दर्शाता है।

व्यक्तित्व, स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिति

जन्म कुंडली में पांचवां भाव हमारी कलात्मक और बौद्धिक योग्यता का प्रतिनिधित्व करता है। पांचवें भाव का अध्ययन करके हम मानसिक क्षमता या शक्ति का आकलन भी कर सकते हैं। पांचवां भाव आपकी शैक्षणिक योग्यता और पृष्ठभूमि के बारे में भी बताता है। यह भाव संतान और संतान से जुड़े मामलों का भी प्रतिनिधित्व करता है। पूर्व जन्म में किए गए कर्म और इस जीवन में उनसे मिलने वाले संभावित परिणामों के बारे में भी पांचवें भाव से पता चलता है। पांचवे भाव से ध्यान, भजन और धार्मिक कर्म कांड से जुड़ी रुचियों के बारे में भी पता लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त पंचम भाव से प्रेम सम्बन्ध और जीवन में आपका रुझान किस और रहेगा, इस बारे में भी पता चलता है।

लग्न के स्वामी का पांचवें भाव में स्थित होना, इस बात का संकेत है कि आप एक बुद्धिमान और विद्वान छवि के व्यक्ति हैं। आप अध्ययनशील और ज्ञानवान व्यक्ति होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। धार्मिक ग्रंथों के प्रति भी आपकी गहरी रुचि होगी। लग्न स्वामी के पांचवें भाव में स्थित होने से आपकी धर्म, धार्मिक ग्रंथ और धार्मिक कर्मकांड में गहरी रुचि होगी। पांचवें भाव को पूर्व पुण्य भी कहा जाता है। क्योंकि यह भाव पिछले जन्म के अच्छे और बुरे कार्यों को दर्शाता है और उन कर्मों के इस जन्म में आपको क्या फल मिल सकते हैं। पांचवां भाव आपकी प्रजनन क्षमता और बच्चों के साथ आपके लगाव को दर्शाता है।
लग्न के स्वामी के पांचवे भाव में स्थित होने से आप लेखन, संपादन और विचारक जैसे पेशे से जुड़े रह सकते हैं। यह भाव आपकी एकाग्रता की शक्ति और ध्यान से भी संबंधित होता है।

धन, परिवार, जमीन और जायदाद

द्वितीय भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने से द्वितीय भाव से संबंधित कार्यों में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त तीसरे भाव से संबंधित कार्यों के लिए भी यह श्रेष्ठ है। इस दौरान परिवार के लिए आवश्यक संसाधन, धन और समय व्यतीत करने पर आपका ध्यान होगा साथ ही आप परिवार में रहने वाले सदस्य विशेषकर भाई-बहनों की उन्नति के लिए भी प्रयासरत रहेंगे। बड़े भाई-बहन से संबंधित मामलों पर आपके परिवार का ध्यान केंद्रित रह सकता है। उनकी शिक्षा, सफलता और उन्नति की प्रशंसा की जाएगी। बड़े भाई-बहन की तरक्की और सशक्तिकरण पर अधिक ध्यान दिया जाएगा और उनके दृष्टिकोण व विचारों को ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय भाव में स्थित

होना इस बात का भी संकेत है कि, आपके परिवार के संबंध बड़े पैमाने पर पड़ोसी, मित्र और रिश्तेदारों से होंगे। हर पारिवारिक और मनोरंजक कार्यक्रमों में परिवार के लोगों का रिश्तेदारों से मिलना-जुलना होगा। द्वितीय भाव के स्वामी की यह स्थिति दर्शाती है कि, आपके परिवार के आकार, संसाधन और कार्यक्रमों में निरंतर बदलाव होते रहेंगे। यह दर्शाता है कि आपके परिवार की सोच व दृष्टिकोण में बदलाव होता रहेगा और नए विचार व आधुनिक सोच को स्वीकार करने का स्वभाव होगा। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय भाव में स्थित होना आपकी भाषा और संचार कौशल में वृद्धि तथा बहुमुखी स्वभाव और कला व बौद्धिक क्षेत्र में आपके परिवार की सहभागिता को को भी दर्शाता है। द्वितीय भाव के स्वामी का तृतीय भाव में होना यह भी दर्शाता है कि आपका व्यक्तित्व बेहतर और स्पष्ट होगा।

भाई-बहन, साहस

द्वादश भाव हानि, परित्याग, प्रबुद्धता, एकता और अलगाव से संबंधित होता है। जब तृतीयेश आपके द्वादश भाव में स्थित होता है यह दर्शाता है कि आपके जीवन में भाई-बहन या मित्रों की कमी रह सकती है। इसके अतिरिक्त आप छोटे भाई-बहन से वंचित रह सकते हैं या फिर वे आपसे अलग रह सकते हैं। आपके हमउम्र साथी अपने जन्म स्थान और पैतृक गांव से दूर जाने पर बहुत उन्नति करेंगे। आपकी कई लोगों से मित्रता होगी लेकिन अलगाव होने की वजह से मित्रों के साथ स्थायी रिश्तों की संभावना बहुत कम होगी। द्वादश भाव जन्म स्थान से दूर विदेश और विदेशी संपर्क से संबंधित है। इन रिश्तों को अलगाव से बचाये रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने होंगे। चूंकि द्वादश भाव विकास और ज्ञान से भी संबंधित होता है इसलिए जब तृतीयेश द्वादश भाव में होता है तो बौद्धिक ज्ञान या अन्य रुचि में एकाग्रता बनाये रखने में कठिनाई आती है। यदि द्वादश भाव से जुड़े मामले हैं जैसे आध्यात्मिकता, रहस्यमयी विज्ञान, प्राणायाम और दान इनमें न केवल आपकी रुचि पैदा होगी बल्कि आपको उन्नति भी मिलेगी। तृतीयेश का द्वादश भाव में स्थित होना विदेश यात्रा या तीर्थ दर्शन के संबंध में दर्शाता है, इसके माध्यम से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। चूंकि द्वादश भाव स्वयं से मोहभंग होने और अलगाव से भी संबंधित होता है वहीं तृतीय भाव प्राणायाम और प्रबुद्धता के मार्ग में अवरोध उत्पन्न करता है।

सुख, शिक्षा, घर, माता, प्रॉपर्टी

चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित होना आपके ग्रह भाव को मज़बूती प्रदान करता है। आपका घर आपकी शक्ति है और घर से ही आपको पहचान मिलती है। घर में माँ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। हर घर में परिवार के सदस्यों के बीच माँ सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र होती है। परिवार की एकता बनाये रखने के लिए माँ घर के एक स्तम्भ के समान होती है। चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित रहना यह दर्शाता है कि, आपको माँ का बराबर सहयोग मिलेगा। घर और घर से जुड़े मामलों में आपकी व्यस्तता और सहभागिता होगी। आप अचल संपत्ति जैसे- ज़मीन तथा आवासीय संपत्ति खरीदने के इच्छुक रहेंगे। जीवन में बहुत जल्द आप संपत्ति ख़रीद लेंगे या घर के निर्माण संबंधी कार्यों में जुट जायेंगे। आपको महंगे वाहनों का सुख प्राप्त होगा। चतुर्थ भाव के स्वामी का चतुर्थ भाव में स्थित होना यह दर्शाता है कि, घर में भरण-पोषण को लेकर आपकी भूमिका बेहद अहम रहेगी। माँ और परिवार के अन्य सदस्यों की खुशहाली व सुविधा के लिए आप प्रतिबद्ध रहेंगे। आपका व्यक्तित्व बेहद भावुक रहेगा। आप गहरी सोच

और भावुक विचारों के धनी होंगे। हालांकि आप कभी भी भावुकता का ढोंग नहीं करेंगे।

बच्चे, मन, बुद्धि

पंचम भाव आपकी बुद्धि से संबंध रखता है और तृतीय भाव यह दर्शाता है कि, आप कैसे, कहां और कलात्मक रूप से अपनी बुद्धि का उपयोग करेंगे। तृतीय भाव आपकी मनोदशा आपके सहकर्मी, मित्र और पड़ोसियों से संबंध रखता है। पंचम भाव के स्वामी की तृतीय भाव में यह स्थिति भाई-बहन और सहकर्मियों से आपकी निकटता को दर्शाती है। आप हमेशा अपने मित्रों से घिरे रहेंगे या सहकर्मियों के साथ अपनी रुचि के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। चूंकि तृतीय भाव महत्वाकांक्षा का भाव है अतः मानसिक तौर पर आपके लिए कुछ भी पर्याप्त नहीं होगा। आप जहां भी होंगे वहां अपने मित्र बना लेंगे और उनके साथ मनोरंजक व रुचि पूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेंगे। पंचम भाव से गणना करने पर तृतीय भाव एकादश स्थान पर आता है और एकादश भाव विस्तार और फैलाव आदि को दर्शाता है। एकादश भाव के ये गुण आपके मस्तिष्क पर प्रभाव डालते हैं, इसके परिणामस्वरूप आपके व्यवहार में दूरदर्शी सोच, क्षमता और प्रदर्शन का अच्छा स्तर देखने को मिलेगा।

बीमारियाँ, ऋण, शत्रु

जन्म कुंडली में पंचम भाव हमें स्वयं के द्वारा अर्जित सम्मान और पूर्व जन्म के कर्ज को दर्शाता है, जबकि षष्ठम भाव वर्तमान जन्म में होने वाले कर्ज को दिखाता है। ये उधार या कर्ज किसी भी आकस्मिक संकट और अन्य कारणों से आ सकता है, जिसका सामना हमें वर्तमान जन्म में करना पड़ सकता है। षष्ठम भाव के स्वामी का पंचम भाव में स्थित होना यह संकेत देता है कि यह स्थिति पंचम भाव से संबंधित मामलों के पक्ष में नहीं होगी। इसका यह मतलब हो सकता है कि, संतान सुख नहीं मिलने से मानसिक तनाव उत्पन्न होगा। चूंकि षष्ठम भाव अपने से द्वादश स्थान पर स्थित है इस वजह से षष्ठम भाव से संबंधित मामलों में हानि हो सकती है। यह स्थिति दर्शाती है कि, आप कठिन परिश्रम करना ज्यादा पसंद नहीं करेंगे। षष्ठम भाव आपके ननिहाल पक्ष का भी प्रतिनिधित्व करता है इसलिए जब षष्ठम भाव आपके पंचम भाव से जुड़ा रहेगा तो आपके अंकल और आंटी विशेष रूप से आपका पक्ष ले सकते हैं, साथ ही आपका कर्ज कम होगा।

विवाह, साथी

जन्म कुंडली में पंचम भाव मन, बौद्धिकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रकट करता है। जबकि सप्तम भाव का संबंध आपके जीवन में अन्य महत्वपूर्ण लोगों की भूमिका से है। ये अन्य लोग आपका जीवन साथी या व्यावसायिक साझेदार हो सकते हैं। जब सप्तम भाव के स्वामी का प्रभाव आपके पंचम भाव पर पड़ता है, तो आपका झुकाव और लगाव सप्तम भाव से संबंधित मामलों में रहता है। जब सप्तम भाव का स्वामी अपने घर से एकादश स्थान पर स्थित रहता है, तो यह सप्तम भाव से संबंधित मामलों में वृद्धि को दर्शाता है। इस दौरान आपका मन लगातार आपको सप्तम भाव से संबंधित मामलों के लिए प्रेरित करता

है। इसके अतिरिक्त आपके मन में अंतरंग और व्यक्तिगत संबंधों को लेकर सकारात्मक बदलाव आते हैं। इस बात की संभावना है कि, इस दौरान आपके मन की चंचलता की वजह से आपके अंदर कामुक विचारों की वृद्धि हो। आप कई मनोरंजक गतिविधियों जैसे- यात्रा और पिकनिक के माध्यम से जीवनसाथी को खुश रखने के बारे में सोचेंगे। सप्तम भाव के स्वामी की पंचम भाव में यह स्थिति दर्शाती है कि, आपके व्यावसायिक साझेदार आपकी सोचने की शैली और रचनात्मकता से प्रभावित रह सकते हैं। या फिर इस बात की भी संभावना है कि, आपकी रचनात्मकता और सोचने की क्षमता में जीवनसाथी की वजह से वृद्धि होगी और इसका सकारात्मक असर आपके कार्यक्षेत्र में देखने को मिलेगा। इसके अतिरिक्त कार्य को लेकर आपकी बौद्धिक उत्तेजना बढ़ेगी, जो कि आपको करियर या व्यवसाय में अधिक से अधिक प्रयास करने का साहस प्रदान करेगी। चूंकि पंचम भाव वंशवृद्धि यानि संतान सुख से भी संबंधित है इसलिए इस स्थिति का लाभ आपके जीवनसाथी को प्राप्त होगा।

दीर्घायु, खतरा, कठिनाइयाँ

कुंडली में तृतीय व अष्टम भाव दोनों ही बदलाव के कारक हैं। अष्टम भाव के कारण जीवन में नियति द्वारा बदलाव आते हैं, तो वहीं तृतीय भाव के प्रभाव से स्वैच्छिक बदलाव होते हैं। तृतीय भाव शक्ति, धैर्य, छोटे भाई-बहन, सहभागियों व शौक का कारक होता है। अष्टम भाव के पास तीसरे भाव को नष्ट करने की शक्ति होती है। अष्टम भाव के प्रभाव से कुछ ऐसी अकस्मात घटनाएँ घट सकती हैं जो रिश्तों में हमेशा के लिए दूरी ला सकती हैं। अष्टम भाव जब अपने स्थान से आठवें घर यानि तृतीय भाव में जाता है, तब ये संभव है कि उस दौरान भाई-बहनों के साथ आपके रिश्ते में दरार आ जाए या फिर वो रिश्ता पूरी तरह से ख़त्म हो जाए। इस भाव में स्थित होने के कारण किसी पुराने मित्र या सहभागी के साथ दोस्ती टूट सकती है या फिर उनकी सेहत में गिरावट आ सकती है। इसके प्रभाव से भाई-बहन से प्राप्त होने वाला सुख व प्यार कम हो सकता है। तृतीय भाव में अष्टम भाव के स्वामी के स्थित होने से जीवनशैली में भी बहुत से बदलाव आने लग जाते हैं। आपके अपने शौक बदलने लग जाते हैं। तृतीय भाव आपकी चाल का भी प्रतिनिधित्व करता है और यदि इस भाव में अष्टम का दुष्प्रभाव आ जाए तो इससे चाल प्रभावित भी हो सकती है। जैसे- अगर आप किसी सड़क दुर्घटना में घायल हो गए तो इससे आपके रोज़मर्रा के कार्यों में रुकावट आ सकती है। ये शारीरिक समस्याएं जैसे लकवा आदि का संकेत देता है। अष्टम भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने के कारण आप किसी लंबी बीमारी से भी पीड़ित हो सकते हैं, या लोगों के साथ मेल-मिलाप और संवाद में कमी आ सकती है जिससे आप तनाव ग्रस्त भी हो सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आपको मानसिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है।

भाग्य, पिता, विरासत

चतुर्थ भाव भावनाओं का कारक होता है इसी कारण इसका प्रभाव आपके घर, माता व घर से जुड़े अन्य लोगों पर पड़ता है। नवम भाव ज्ञान का भाव है। ये उच्च शिक्षा, बुद्धिमत्ता, शिक्षक, पिता और मार्गदर्शक को इंगित करता है। चतुर्थ भाव के ज़रिए आप कई अनुभवों का एहसास करेंगे तो वहीं नवम भाव के प्रभाव से ज्ञान अर्जित करेंगे साथ ही साथ आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी।

ये दोनों भाव शक्ति का एहसास दिलाते हैं। चतुर्थ भाव ध्यान के ज़रिए अर्जित की गई आंतरिक शक्ति को

दिखाता है तो वहीं नवम भाव मानसिक शक्ति और परमात्मा की कृपा से प्राप्त हुई अच्छाइयों को इंगित करता है। जब नवम भाव का स्वामी चतुर्थ भाव में स्थित होता है तो वह अपने स्थान से आठवें भाव में होता है। इससे ये ज़ाहिर है कि चतुर्थ भाव के प्रभाव से ही नवम भाव के स्वामी में बदलाव आते हैं। धर्म के कारक नवम भाव के प्रभाव से व्यवहार में सहनशीलता की कमी आ सकती है। चतुर्थ भाव जो सभी लोगों और सभी चीज़ों को दया के भाव से देखता है, इस भाव में स्थित नवम भाव का स्वामी सही चीज़ों को संतुलित करने की कोशिश करता है और न्यायाधीश की भूमिका निभाता है। ये भी संभव है कि आपके धार्मिक व सांस्कृतिक दृष्टिकोण में भी थोड़ी सी तब्दीलियां आएं और आप बदल जाएं। मातृपक्ष की तरफ निभाए जाने वाली पारंपरिक व सांस्कृतिक रस्मों में आपका रुझान बढ़ सकता है। ये आपकी माता की मज़बूत छवि को भी इंगित करता है। इन सबके साथ ही चतुर्थ भाव में नवम भाव के स्वामी का स्थित होना परिवार के लोगों के सुख, अच्छे भाग्य आदि को इंगित करता है।

प्रोफेशन

चतुर्थ और दशम भाव दोनों परस्पर विपरीत स्वभाव रखते हैं। इनका उन्मुखीकरण और रुचि भी अलग-अलग होती हैं। जहां चतुर्थ भाव आपकी व्यक्तिगत दुनिया घर-परिवार, माँ, भौतिक साधन आदि को दर्शाता है। वहीं दशम भाव सांसारिक जीवन में आपकी व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और प्रेरणा को दर्शाता है। चतुर्थ भाव आपकी संवेदना के कई रंगों को प्रकट करता है, वहीं दशम भाव अवैयक्तिक स्वभाव को दर्शाता है। जब दशम भाव का स्वामी चतुर्थ भाव में रहता है तो वह अपने मूल भाव से सप्तम स्थान की दूरी पर रहता है। यह स्थिति दर्शाती है कि, आपका घर आपकी व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। यह स्थिति आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच एक संबंध को दर्शाती है। आप अपने घर से ही अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करना अधिक पसंद करेंगे। इसलिए इस बात की संभावना है कि आपके घर में ही एक छोटा सा कार्यालय होगा। परिजन भी आपके साथ व्यावसायिक गतिविधि में जुड़े रहेंगे। इस बात की भी संभावना है कि आप अपनी माँ या परिजनों के साथ पार्टनरशिप में व्यवसाय करें। आपके व्यावसायिक दृष्टिकोण पर चतुर्थ भाव का प्रभाव रहेगा। आप अपने कामकाजी जीवन को लेकर थोड़ा ज्यादा भावुक रहेंगे और हर व्यावसायिक कार्य में व्यक्तिगत तौर पर अधिक ध्यान देंगे। यह स्थिति इस बात को भी दर्शाती है कि, आप फ्रीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकते हैं या आप स्वयं घर बैठे एक सलाहकार के रूप में काम करें। आप रियल इस्टेट और प्रॉपर्टी के बिज़नेस में एक डीलर या एजेंट के तौर पर कार्य कर सकते हैं। या फिर आप कंस्ट्रक्शन, सेल्स और मार्केटिंग से जुड़ा बिज़नेस कर सकते हैं।

आय, लाभ

तृतीय भाव आपके साहस, पहल, प्रयास, मानसिक स्तर, दोस्तों व हम-उम्र साथियों का कारक होता है। वहीं एकादश भाव लाभ, बड़े भाई-बहन, सफलता व आनंद आदि से संबंधित होता है। ये दोनों ही भाव काम यानि इच्छा के भाव हैं। जब एकादश भाव का स्वामी तृतीय भाव में स्थित होता है तो वह अपने स्थान से पंचम स्थान पर होता है। यह स्थिति मनोरंजन से भरी गतिविधियों और रुचियों में गहरी सहभागिता और भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। एकादश भाव के स्वामी के प्रभाव से तृतीय भाव के

कारक तत्व खुद को विस्तारित कर लेते हैं और अपने दायरों को बढ़ाने लग जाते हैं। ये स्थिति भाई बहनों के साथ भी गहरे संबंध को दर्शाती है। ये भी संभव है कि इस स्थिति के दौरान ईश्वर की कृपा से आपके भाई-बहन की गिनती में बढ़ोत्तरी हो जाए और उनका ज़्यादा प्यार मिले। इस दौरान स्नेह के बंधन के अलावा, आपके भाई-बहन बौद्धिक कार्यों में भी आपके साथ रूचि दिखाएँगे। इसका मतलब ये भी हो सकता है कि परिवार के बड़े भाई-बहन अपने छोटे भाई-बहनों के लिए दोस्त व सीनियर्स दोनों की भूमिका निभाएं। एकादश भाव के स्वामी का तृतीय भाव में स्थित होने का ये संयोजन परिवार के बड़ों व छोटों के बीच सहज संचार व गहरी समझ को इंगित करता है। इसके साथ ही यह स्थिति ये भी इंगित करती है कि इस दौरान आपके भाई-बहनों या दोस्तों की हॉबीज़ व रूचियां और भी ज़्यादा निखरेंगी व मनोरंजक होने के साथ-साथ बौद्धिक रूप से भी उभरेंगी। सहभागियों के साथ आपका संबंध बौद्धिक तौर पर स्थापित होगा भले ही इसकी शुरुआत एक छोटे कार्य से ही क्यों न हो। एकादश भाव के स्वामी के तृतीय भाव में स्थित होने की ये स्थिति आपकी वीरता, प्रयासों और साहस को बढ़ाने का भी कार्य करती है। इस दौरान आप अपने जीवन में अधिक पहल व प्रयास करेंगे। इस स्थिति से चाल भी प्रभावित होगी जिस कारण यात्रा के अवसर मिलते रहेंगे। आपके अंदर साहस की भावना बढ़ेगी जिसके चलते आप स्कूबा डाईविंग, पैराग्लाइडिंग, राफ्टिंग, सर्फ़िंग, रॉक क्लाइम्बिंग आदि गतिविधियों की ओर खुद को ले जाना पसंद करेंगे। इन सब गतिविधियों में शामिल होने से जो रोमांच आपको महसूस होगा वो आपको जोश व साहस से भर देगा।

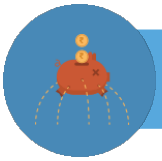

खर्च, मोक्ष

जन्म कुंडली में पंचम भाव हमारी मानसिक क्षमता और शैक्षाणिक योग्यता के बारे में सूचित करता है। द्वादश भाव सभी प्रकार के अर्जित ज्ञान और बुद्धिमत्ता के विघटन का संकेत देता है। पंचम भाव सोच, समीक्षा और सृजन का कारक होता है। जब द्वादश भाव का स्वामी पंचम भाव में स्थित होता है तो वह अपने मूल भाव से षष्ठम स्थान की दूरी पर रहता है। यह स्थिति तर्कसंगत सोच और सवालों व जवाबों के दायरे से परे रहने वाली सोच के बीच संघर्ष को दर्शाती है। द्वादश भाव दृष्टिकोण में अलगाव लाता है, जबकि पंचम भाव लोगों और वस्तुओं को लेकर कठिन परीक्षा लेता है। हालांकि यह स्थिति शुरुआत में परेशानी उत्पन्न करती है। इस दौरान आपके पंचम भाव में बड़ा परिवर्तन होता है जब वह रहस्यमयी द्वादश भाव के साथ संघर्ष करता है। द्वादश भाव मानसिक क्षति पहुंचा कर दृष्टिकोण में अलगाव पैदा करता है, जो कि पंचम भाव से संबंधित बौद्धिक मान के लिए परेशानी उत्पन्न करता है। चूंकि द्वादश भाव का स्वभाव विध्वंसकारी है इसलिए आपके शैक्षणिक या स्कूली जीवन में आपको अप्रत्याशित घटनाओं और अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। इस बात की भी संभावना है कि शिक्षा के क्षेत्र में आपके लचर प्रदर्शन की वजह से आप उपेक्षा के शिकार हों। इसका यह परिणाम भी हो सकता है कि आपकी सोच में अलगाव की भावना जागृत हो जाये। आपकी प्रसव संबंधी क्षमता पर भी असर पड़ सकता है और संतान प्राप्ति में विलंब हो सकता है।

कुंडली में उपस्थित विभिन्न विशिष्ट योग व राजयोग

इस राजयोग रिपोर्ट के अंतर्गत हमने प्रयास किया है कि आपको उन विशिष्ट योगों के बारे में बताएँ जो आपकी जन्म-कुंडली में उपस्थित हैं और आपको जीवन में उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होंगे।र रहेगा

आपकी जन्म कुंडली में निम्नलिखित विशिष्ट योग एवं राजयोग उपस्थित हैंः

1 गज-केसरी योग

केन्द्रे देवगुरौ लग्नाच्चन्द्राद्वा शुभदृग्युते ।
नीचास्तारिगृहैर्हीने योगोऽयं गजकेसरी
गजकेसरीसञ्जातस्तेजस्वी धनवान् भवेत् ।
मेधावी गुणसम्पन्नो राजप्रियकरो नरः

यदि बृहस्पति चंद्रमा से केंद्र भावों में स्थित है और किसी क्रूर ग्रह से संबंध नहीं रखता है तो गज-केसरी योग बनता है। हालांकि अगर कोई अशुभ ग्रह से संबंध होता है तो इस योग से मिलने वाले फलों में कमी आएगी।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म गज-केसरी योग में हुआ है इसलिए आप दयालु प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे और दूसरों के प्रति स्नेह व विनम्रता का भाव रखेंगे। जीवन में आध्यात्मिक उत्थान को लेकर आपके मन में तीव्र इच्छा होगी। वेद और पुराण में आपकी गहरी रुचि रहेगी और आपका धार्मिक ज्ञान अच्छा होने की वजह से लोग आपसे मार्गदर्शन लेंगे। आपके पास चल और अचल संपत्ति के रूप में बहुत सारा धन होगा। आपके संबंध उच्च वर्ग के लोगों के साथ होंगे। जीवन में आप सभी तरह की भौतिक वस्तुओं का सुख प्राप्त करेंगे। सरकारी सेवाओं में आपको उच्च पद की प्राप्ति भी हो सकती है।

इस योग के प्रभाव से आप दयालु, परोपकारी, लक्ष्मीवान तथा सम्माननीय होंगे।

2 नीच-भंग राज योग

नीचस्थितो जन्मनि यो ग्रहः स्यात्तद्राशिनाथोऽपि तदुच्चनाथः।
स चन्द्रलग्नाद्यदि केन्द्रवर्ती राजा भवेद्धार्मिकचक्रवर्ती ।।२६।।

इस योग में जन्म लेने से आपको अनेक प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है और आप जीवन में कुछ समस्याओं के उपरांत प्रगति करते हैं। आप राजा के समान सुख भोगते हैं और आपको लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

इस योग के प्रभाव से आपको अनेक सुखों की प्राप्ति होगी और जीवन में कुछ समस्याओं के बाद बहुत तरक्की मिलेगी।

3 पाराशरी राज योग

विष्णुस्थानं च केन्द्रं स्याल्लक्ष्मीस्थानं त्रिकोणकम् ।
तदीशयोश्च सम्बन्धाद्राजयोगः पुरोदितः

जब जन्म-कुंडली में केंद्र भावों का संबंध त्रिकोण भावों से हो तो राजयोग का निर्माण होता है। इस योग में जन्म लेने के कारण दशा अवधि में आपका रुतबा बढ़ेगा। आप धनी, धार्मिक स्वभाव वाले, प्रसिद्ध एवं समृद्धशाली होंगे। कार्यक्षेत्र में आप उच्च पद पर आसीन होंगे। आपके पास वाहन एवं अन्य प्रकार की प्रॉपर्टी होगी।

इस योग के प्रभाव से आप जीवन में समृद्धि को प्राप्त करने वाले बनेंगे।

4 उभयचरी योग

तथोभयचरे जातो भूपो वा तत्समः

यदि चंद्रमा के अतिरिक्त राहु-केतु, सूर्य से द्वितीय और द्वादश दोनों भाव में हो, तो उभयचरी योग बनता है।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म इस योग में होने से आपको जीवन में भाग्य का साथ मिलेगा और आप आसानी से सभी चुनौतियों का सामना कर सकेंगे। आप स्वभाव से हंसमुख और बुद्धिमान होंगे।

इस योग के प्रभाव से आप भाग्यवान तथा ज्ञानवान होंगे।

5 धन योग

एक, दो, पांच, नौ और ग्यारह धन प्रदायक भाव हैं। अगर इनके स्वामियों में युति, दृष्टि या परिवर्तन सम्बन्ध बनता है तो इस सम्बन्ध को धनयोग कहा जाता है।

क्योंकि आपकी कुंडली में धनयोग बन रहा है इसलिए आपकी कुंडली में अकूत धन सम्पति की संभावना

है। जब भी आपकी धन योग बनाने वाले ग्रहों की दशा चलेगी, समाज में मान सम्मान और प्रतिष्ठा बढेगी और आप को बहुत लाभ होगा। इस योग से आपकी आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत होगी।

इस योग के प्रभाव से आप धनवान और कीर्तिवान होंगे और आपके पास अच्छी धन सम्पदा होगी।

तो इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आपकी कुंडली में उपर्युक्त राजयोग विद्यमान हैं। अतः आप जीवन में समृद्धिशाली एवं विख्यात तथा लक्ष्मीवान बनने की क्षमता रखते हैं। यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि इन योगों का निर्माण जिन ग्रहों के द्वारा किया जा रहा है उन ग्रहों को कुंडली में मजबूती देने से इन योगों के प्रभाव में भी वृद्धि होगी तथा जब-जब इन ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा तथा अन्य दशाएँ आएंगी तब-तब आपको इन ग्रहों के द्वारा निर्मित उत्तम फलों की प्राप्ति होने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाएगी।

आपका स्वर्णिम काल अथवा राजयोगों के फलीभूत होने का समय

अक्सर आपके मन में यह विचार आता होगा कि आपके जीवन का स्वर्णिम काल कब आएगा अथवा आपकी कुंडली के राजयोग कब फल देंगे? अपनी इस राज योग रिपोर्ट के अंतर्गत हम आपको बताना चाहते हैं कि आपकी जन्म कुंडली में उपस्थित विभिन्न राज योगों का प्रभाव यूँ तो जीवन पर्यन्त आपके ऊपर रहता है परन्तु विशेष रूप से जीवन का स्वर्णिम काल कुंडली में उपस्थित विशिष्ट राज योगों को बनाने वाले विभिन्न ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा इत्यादि में आता है। क्योंकि इसी दौरान ये ग्रह पूर्ण रूप से आपकी कुंडली में प्रभावी होकर आप पर अपना प्रभाव डालते हैं और इन्हीं के प्रभाव से आप जीवन में ऊँचाइयों तक पहुंचते हैं, जिससे आप तरक्की के साथ-साथ यश, मान-सम्मान तथा उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं।

पहला स्वर्णिम काल :
जुलाई 2027 से अगस्त 2028

दूसरा स्वर्णिम काल :
जनवरी 2035 से मार्च 2037

नोटः इन समय पर ग्रहों और नक्षत्रों की चाल से राजयोग का प्रभाव सबसे अधिक रहेगा।

आपकी कुंडली में राजयोग की शक्ति

जैसा कि आप जानते ही हैं, राजयोग आपको धनवान, अधिक सफल और अधिक संपन्न बनाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो राजयोग के माध्यम से जीवन में इन सभी वस्तुओं को प्राप्त करने की जन्म-कुंडली की क्षमता का पता चलता है। विभिन्न लोगों की कुंडलियों की क्षमता भिन्न-भिन्न होती हैदृकुछ व्यक्तियों की कुंडलियों में अंतर्निहित यह क्षमता अन्य की अपेक्षा अधिक होती है। अतः अपनी कुंडली में स्थिति राजयोगों की शक्ति के आधार पर आप स्वयं के भीतर छुपी संभावनाओं को पल्लवित करने के लिए उसी स्तर पर प्रयत्न करने की तैयारी कर सकते हैं। आइए, देखें कि इस दृष्टिकोण से आपकी कुंडली का अंतिम विश्लेषण क्या कहता है

राजयोग की शक्ति:70%

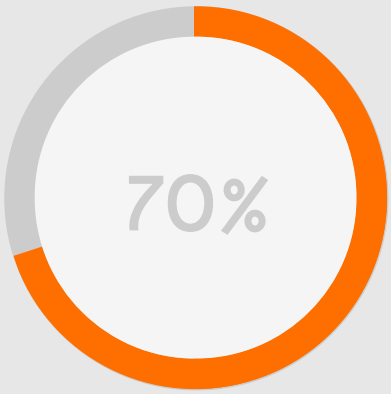

हम आशा करते हैं कि यह राजयोग रिपोर्ट आपके लिए सहायक सिद्ध होगी और आप जीवन में नित नई ऊँचाइयों को छूते रहेंगे। परमात्मा की अनुकम्पा आप पर सदैव बनी रहे!

AstroSage

अंक ज्योतिष रिपोर्ट

5	2	4
मूलांक	भाग्यांक	नामांक

नाम **Pooja Sharma**	जन्म तिथि **23-8-1978**
शुभ राशि **मिथुन, कन्या**	शुभ अक्षर **इ, एन, डब्लू**
रत्न **पन्ना (हरा, काला)**	शुभ दिन **बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार**
शुभ अंक **1, 3, 5**	दिशा **उत्तर**
शुभ रंग **हरा**	स्वामी ग्रह **बुध**
देवी/ देवता **विष्णु जी**	व्रत **बुधवार**

शुभ दिनाँक
5th, 14th, or 23rd

मंत्र
ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

5 मूलांक

Pooja, अंक शास्त्र में आपकी सबसे महत्वपूर्ण संख्या उस महीने की तारीख है जिस दिन आपने जन्म लिया था। यह संख्या आपके व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण तत्वों जैसे आपका चरित्र और व्यक्तित्व की पहचान कर सकती है। चाहे आप दबंग हों या शर्मीले, नेता या अनुयायी, यह संख्या आपके संपूर्ण व्यक्तित्व के मूल तत्वों को निर्धारित करती है। इसका कारण यह है कि प्रत्येक संख्या की अपनी प्रकृति और व्यक्तिगत कंपन है। सावधानीपूर्वक विश्लेषण के बाद, हमने आपकी अंक ज्योतिष संख्या को निम्नानुसार ज्ञात किया है:आपका मूलांक है 5.

बुध ग्रह का प्रभाव होने से आप अधिक मित्र वाले व्यक्ति हैं। आपको मित्रता करने का शौक है और आपकी मित्र मंडली में अधिक लोग होंगे। आपके अंदर व्यापारी होने के गुण सहज रूप से विद्यमान हैं। आप अक्सर लाभ की ओर आकृष्ट होते हैं और कई काम जल्दबाजी में भी करते हैं, जिसका आपको ख़ामियाज़ा भुगतना पड़ता है। आपके अंदर ग़जब की फुर्ती होती है। आप ज्यादा देर तक किसी बात को पाल कर नहीं रखते और इसलिए अधिक देर तक निराश भी नहीं होते। आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार को अधिक तरजीह देते हैं। आपके अंदर जल्दबाजी, जल्दी क्रोध आना और चिड़चिड़ापन हो सकता है। आपकी तर्क बेहतर होती है और आपकी वाणी भी असरदार होती है। आप मन से चंचल होते हैं और बुद्धि से संबंधित कामों में अक्सर सफलता प्राप्त करते हैं। आपको शारीरिक परिश्रम की अपेक्षा दिमागी काम करना ज्यादा रास आता है। आपकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि आप किसी भी परेशानी से बहुत जल्दी बाहर निकल आते हैं। आपको अपनी मानसिक शक्ति का दुरुपयोग करने से बचना चाहिए।

2 भाग्यांक

आप अत्यधिक सौम्य एवं सुशील हैं तथा साझेदारी में कार्य करना आपको पसंद है। आप महिलाओं का सम्मान करते हैं और आप कल्पनाशील होने के साथ-साथ रोमांटिक और कलात्मक भी हैं। आपको अक्सर दृढ़ मानसिक क्षमता की कमी का एहसास होता है और इसलिए कई बार काम शुरू करने के बाद उसको बीच में ही छोड़ देते हैं। शारीरिक रूप से आप थोड़े कमजोर हो सकते हैं। दूसरे लोग आपका आसानी से फायदा उठाते हैं। आपको स्वयं को संभालने की आदत सीखनी चाहिए और अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए। जो कार्य शुरू करें, उसे पूरा भी करें। हर मुश्किल का सामना ठंडे दिमाग से करें और आसपास के चापलूस लोगों से दूर रहें।

4 नामांक

Pooja,ब्रह्मांडीय बल नाम संख्या पर विचार करते हुए किसी व्यक्ति की जीवन संरचना निर्धारित करते हैं। नामांक या नाम संख्या आपके पूर्ण नाम में सभी अक्षरों से ली गई है। ये सभी अक्षरों को एक साथ मिला

कर बनती है, जिसे एक्सप्रेशन संख्या या नामांक कहा जाता है। यह वह संख्या है जो इस जीवनकाल में आपकी प्रतिभा और दृष्टिकोण का वर्णन करती है, यदि आप उन्हें विकसित करने और उनका उपयोग करने का चयन करते हैं। आपका नाम आपका सच्चा कंपन है, आपकी आत्मा का माधुर्य, जैसा कि समय में एक दरवाज़े से गुजरा और इस दुनिया में प्रवेश किया। आपके नाम Pooja Sharma का विश्लेषण बताता है कि आपका नामांक 4 है। आइए हम आपको नामांक 4 की कुछ बुनियादी विशेषताओं के बारे में बताते हैं।.

जिन जातकों का जन्मांक 4 होता है वे अपनी ऊर्जा, ताक़त और उन्नति का प्रदर्शन करते हैं। उनकी मानसिक शक्ति बेहद तीव्र होती है। इन जातकों की ख़ास विशेषता होती है कि वे निरंतर अपने लक्ष्य और अपनी सोसायटी में परिवर्तन करते हैं और समाज के बनाए उसूलों और आदर्शों से अपने मन को मुक्त करना चाहते हैं। ऐसे जातक नियमों के विरूद्ध ही चलना पसंद करते हैं।

करियर: जन्मांक 4 वाले जातक अच्छे लेखक, बिजनेसमैन और राजनेता होते हैं

शुभ स्थान

उत्तर दिशा आपके लिए सर्वाधिक अनुकूल दिशा साबित होगी इसलिए आपको इस दिशा में जाकर प्रयास करने से काम में सफलता और सुख समृद्धि की प्राप्ति होगी। आपके लिए विशेष रूप से कोरिया, सउदी अरब, स्पेन, अमेरिका, गोवा, प्राग अत्यंत शुभ रहेंगे।

शुभ समय

आपका मुख्य ग्रह बुध है। आपके लिए जून से जुलाई तथा सितंबर से अक्टूबर का समय अत्यंत फलदाई रह सकता है। इसलिए इस दौरान आप जो भी कार्य करना चाहें, उसे प्रारंभ कर सकते हैं। उसमें आपको सफलता मिलने की अधिक संभावना रहेगी।

स्वास्थ

बुध ग्रह के प्रभाव के कारण आपकी बुद्धि अत्यंत तीक्ष्ण होगी और आप अपनी आयु से कम नज़र आएँगे। लेकिन आपको अपने जीवन काल में न्युरैटिस (स्नायु-प्रदाह), मुँह में छाले, आँखें एवं हाथ, अनिद्रा, पैरालाइसिस (लकवा) या पोलियो आदि बीमारियाँ होने की संभावना रहेगी। इसलिए स्वयं को अनुशासित रखें और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।

कार्यक्षेत्र

इस अंक की खूबियों के रूप में बुध देव की विशेष प्रभाव को प्राप्त होगी जिसकी वजह से आप अपनी बुद्धिमानी के सभी कार्य सफलतापूर्वक कर सकते हैं। आपको ऐसे कार्य करने चाहिए जहां शरीर की ताकत नहीं बल्कि दिमाग की ताकत काम है। इसलिए आपके लिए बेहतरीन कार्य क्षेत्रों में इंजीनियर बनना, सेल्स संबंधित कार्य, लेखाकार, रेलवे, टेलीग्राफ़, पत्रकारिता, तंबाकू, रेडियो डीलर, ब्रोकर, आयोग से संबंधित कार्य आपके लिए बेहतरीन साबित होंगे।

व्रत एवं उपाय

आपको शुक्ल पक्ष के बुधवार से प्रारंभ करके लगभग 17 या 45 बुधवार व्रत करना चाहिए। व्रत में केवल एक समय ही भोजन करें। बुध के बीज मंत्र का जाप करना अति उत्तम रहेगा। इस दिन आपको हरे रंग के कपड़े पहनने चाहिए और पन्ना रत्न धारण करना चाहिए। आप साबुत मूंग की दाल का सेवन भी कर सकते हैं। इसके साथ-साथ किन्नरों से आशीर्वाद लें तथा घर में बहन, मौसी, चाची, बुआ आदि को हरे रंग की कोई वास्तु भेंट करें।

यन्त्र

आपका मूलांक 5 है जिसका स्वामी ग्रह बुध है। इसलिए बुध ग्रह के शुभ फल पाने के लिए बुध यंत्र को बुधवार के दिन बुध की होरा और बुध के नक्षत्र (अश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती) के समय धारण करना चाहिए।

अभी खरीदें

मंगलदोष विवेचन

मंगल दोष प्रभाव

ऐसा माना जाता है कि मंगल दोष वैवाहिक जीवन में समस्याएँ खड़ी करता है।

ऐसा माना जाता है कि अगर एक मांगलिक व्यक्ति दूसरे मांगलिक व्यक्ति से विवाह करता है तो मंगल दोष रद्द हो जाता है।

दोष उपस्थित

व्यक्ति मांगलिक नहीं

लग्न

पांचवा भाव

चंद्र

छठा भाव

लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वाऽष्टमे कुजे।
शुभदृग्योगहीने च पतिं हन्ति न संशयः॥

मंगल दोष विचार

सामान्यत: मंगल दोष जन्म-कुण्डली में लग्न और चन्द्र से देखा जाता है।

निष्कर्ष

अत: मंगल दोष न लग्न चार्ट में और न ही चंद्र चार्ट में उपस्थित है।

आपकी कुण्डली में मंगल लग्न से **पंचम** भाव में व चंद्र से **षष्ट** भाव में है।

ग्रह शांति (अगर मंगल दोष उपस्थित हो तो)

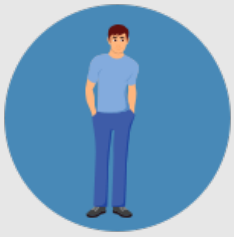

उपाय (विवाह से पहले किए जाने चाहिए)

कुंभ विवाह, विष्णु विवाह और अश्वत्थ विवाह मंगल दोष के सबसे ज़्यादा मान्य उपाय हैं। अश्वत्थ विवाह का मतलब है पीपल या बरगद के वृक्ष से विवाह कराकर, विवाह के पश्चात् उस वृक्ष को कटवा देना।

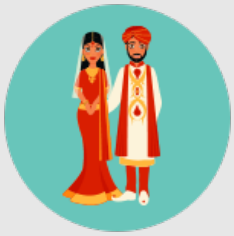

उपाय (विवाह पश्चात् भी किए जा सकते हैं।)

- केसरिया गणपति अपने पूजा गृह में रखें एवं रोज़ उनकी पूजा करें।
- हनुमान जी की पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- महामृत्युंजय का पाठ करें।

उपाय (ये लालकिताब आधारित उपाय हैं जोकि विवाह पश्चात् किए जा सकते हैं)

- चिड़ियों को कुछ मीठा खिलाएँ।
- घर पर हाथी-दांत रखें।
- बरगद के पेड़ की पूजा मीठे दूध से करें।

नोट: हमारा सुझाव है कि इन उपायों को करने से पूर्व किसी योग्य ज्योतिषी की सलाह ले लें।

साढे साती रिपोर्ट

Pooja Sharma नाम	23 : 8 : 1978 जन्म दिनांक	23 : 53 : 18 जन्म समय
Delhi जन्म स्थान	लिंग स्त्री	षष्ठी तिथि
नक्षत्र भरणी	मेष राशि	

क्रम संख्या	साढे साती/पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
1	छोटी पनौती	वृश्चिक	दिसम्बर 21, 1984	मई 31, 1985	
2	छोटी पनौती	वृश्चिक	सितंबर 17, 1985	दिसम्बर 16, 1987	
3	साढे साती	मीन	जून 02, 1995	अगस्त 09, 1995	उदय
4	साढे साती	मीन	फ़रवरी 17, 1996	अप्रैल 17, 1998	उदय
5	साढे साती	मेष	अप्रैल 18, 1998	जून 06, 2000	शिखर
6	साढे साती	वृषभ	जून 07, 2000	जुलाई 22, 2002	अस्त
7	साढे साती	वृषभ	जनवरी 09, 2003	अप्रैल 07, 2003	अस्त
8	छोटी पनौती	कर्क	सितंबर 06, 2004	जनवरी 13, 2005	
9	छोटी पनौती	कर्क	मई 26, 2005	अक्टूबर 31, 2006	
10	छोटी पनौती	कर्क	जनवरी 11, 2007	जुलाई 15, 2007	
11	छोटी पनौती	वृश्चिक	नवंबर 03, 2014	जनवरी 26, 2017	
12	छोटी पनौती	वृश्चिक	जून 21, 2017	अक्टूबर 26, 2017	
13	साढे साती	मीन	मार्च 30, 2025	जून 02, 2027	उदय
14	साढे साती	मेष	जून 03, 2027	अक्टूबर 19, 2027	शिखर
15	साढे साती	मीन	अक्टूबर 20, 2027	फ़रवरी 23, 2028	उदय
16	साढे साती	मेष	फ़रवरी 24, 2028	अगस्त 07, 2029	शिखर
17	साढे साती	वृषभ	अगस्त 08, 2029	अक्टूबर 05, 2029	अस्त

क्रम संख्या	साढे साती/पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
18	साढे साती	मेष	अक्टूबर 06, 2029	अप्रैल 16, 2030	शिखर
19	साढे साती	वृषभ	अप्रैल 17, 2030	मई 30, 2032	अस्त
20	छोटी पनौती	कर्क	जुलाई 13, 2034	अगस्त 27, 2036	
21	छोटी पनौती	वृश्चिक	दिसम्बर 12, 2043	जून 22, 2044	
22	छोटी पनौती	वृश्चिक	अगस्त 30, 2044	दिसम्बर 07, 2046	
23	साढे साती	मीन	मई 15, 2054	सितंबर 01, 2054	उदय
24	साढे साती	मीन	फ़रवरी 06, 2055	अप्रैल 06, 2057	उदय
25	साढे साती	मेष	अप्रैल 07, 2057	मई 27, 2059	शिखर
26	साढे साती	वृषभ	मई 28, 2059	जुलाई 10, 2061	अस्त
27	साढे साती	वृषभ	फ़रवरी 14, 2062	मार्च 06, 2062	अस्त
28	छोटी पनौती	कर्क	अगस्त 24, 2063	फ़रवरी 05, 2064	
29	छोटी पनौती	कर्क	मई 10, 2064	अक्टूबर 12, 2065	
30	छोटी पनौती	कर्क	फ़रवरी 04, 2066	जुलाई 02, 2066	
31	छोटी पनौती	वृश्चिक	फ़रवरी 06, 2073	मार्च 30, 2073	
32	छोटी पनौती	वृश्चिक	अक्टूबर 24, 2073	जनवरी 16, 2076	
33	छोटी पनौती	वृश्चिक	जुलाई 11, 2076	अक्टूबर 11, 2076	
34	साढे साती	मीन	मार्च 20, 2084	मई 21, 2086	उदय
35	साढे साती	मेष	मई 22, 2086	नवंबर 09, 2086	शिखर
36	साढे साती	मीन	नवंबर 10, 2086	फ़रवरी 07, 2087	उदय
37	साढे साती	मेष	फ़रवरी 08, 2087	जुलाई 17, 2088	शिखर
38	साढे साती	वृषभ	जुलाई 18, 2088	अक्टूबर 30, 2088	अस्त
39	साढे साती	मेष	अक्टूबर 31, 2088	अप्रैल 05, 2089	शिखर
40	साढे साती	वृषभ	अप्रैल 06, 2089	सितंबर 18, 2090	अस्त
41	साढे साती	वृषभ	अक्टूबर 25, 2090	मई 20, 2091	अस्त
42	छोटी पनौती	कर्क	जुलाई 03, 2093	अगस्त 18, 2095	

शनि साढे साती: उदय चरण

यह शनि साढ़े साती का आरम्भिक दौर है। इस दौरान शनि चन्द्र से बारहवें भाव में स्थित होगा। आम तौर पर यह आर्थिक हानि, छुपे हुए शत्रुओं से नुक़सान, नुरुद्देश्य यात्रा, विवाद और निर्धनता को दर्शाता है। इस कालखण्ड में आपको गुप्त शत्रुओं द्वारा पैदा की हुई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से संबंध अच्छे नहीं रहेंगे और वे आपके कार्यक्षेत्र में बाधाएँ खड़ी कर सकते हैं। घरेलू मामलों में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके चलते तनाव और दबाव की स्थिति पैदा होगी। आपको अपने ख़र्चों पर नियन्त्रण करने की आवश्यकता है, अन्यथा आप अधिक बड़े आर्थिक संकट में फँस सकते हैं। इस दौरान लम्बी दूरी की यात्राएँ फलदायी नहीं रहेंगी। शनि का स्वभाव विलम्ब और तनाव पैदा करने का है। हालाँकि अन्ततः आपको परिणाम ज़रूर मिलेगा। इसलिए धैर्य रखें और सही समय की प्रतीक्षा करें। इस दौर को सीखने का समय समझें और कड़ी मेहनत करें, परिस्थितियाँ स्वतः सही होती चली जाएंगी। इस समय व्यवसाय में कोई भी बड़ा ख़तरा या चुनौती न मोल लें।

शनि साढे साती: शिखर चरण

यह शनि साढ़े साती का चरम है। प्रायः यह दौर सबसे मुश्किल होता है। इस समय चन्द्र पर गोचर करता हुआ शनि स्वास्थ्य-संबंधी समस्या, चरित्र-हनन की कोशिश, रिश्तों में दरार, मानसिक अशान्ति और दुःख की ओर संकेत करता है। इस दौरान आप सफलता पाने में कठिनाई महसूस करेंगे। आपको अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम नहीं मिलेगा और ख़ुद को बंधा हुआ अनुभव करेंगे। आपकी सेहत और प्रतिरक्षा-तन्त्र पर्याप्त सशक्त नहीं होंगे। क्योंकि पहला भाव स्वास्थ्य को दर्शाता है इसलिए आपको नियमित व्यायाम और अपनी सेहत का ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है, नहीं तो आप संक्रामक रोगों की चपेट में आ सकते हैं। साथ ही आपको मानसिक अवसाद और अज्ञात भय या फ़ोबिया आदि का सामना भी करना पड़ सकता है। संभव है कि इस काल-खण्ड में आपकी सोच, कार्य और निर्णय करने की क्षमता में स्पष्टता का अभाव रहे। संतोषपूर्वक परिस्थितियों को स्वीकार करना और मूलभूत काम ठीक तरह से करना आपको इस संकट की घड़ी से निकाल सकता है।

शनि साढे साती: अस्त चरण

यह शनि साढ़े साती का अन्तिम चरण है। इस समय शनि चन्द्र से दूसरे भाव में गोचर कर रहा होगा, जो व्यक्तिगत और वित्तीय मोर्चे पर कठिनाइयों को इंगित करता है। साढ़े साती के दो मुश्किल चरणों से गुज़रने के बाद आप कुछ राहत महसूस करने लगेंगे। फिर भी इस दौरान ग़लतफ़हमी आर्थिक दबाव देखा जा सकता है। व्यय में वृद्धि होगी और आपको इसपर लगाम लगाने की अब भी ज़रूरत है। अचानक हुई आर्थिक हानि और चोरी की संभावना को भी इस दौरान नहीं नकारा जा सकता है। आपकी सोच नकारात्मक हो सकती है। आपको उत्साह के साथ परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। आपको व्यक्तिगत और पारिवारिक तौर पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, नहीं तो बड़ी परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई-लिखाई पर थोड़ा नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और उन्हें पिछले स्तर पर बने रहने के लिए अधिक परिश्रम की ज़रूरत होगी। परिणाम धीरे-धीरे और प्रायः हमेशा विलम्ब से प्राप्त होंगे। यह काल-खण्ड ख़तरे को भी दर्शाता है, अतः गाड़ी चलाते समय विशेष सावधानी अपेक्षित है। यदि संभव हो तो मांसाहार और मदिरापान से दूर रहकर शनि को प्रसन्न रखें। यदि आप समझदारी से काम लेंगे, तो घरेलू व आर्थिक मामलों में आने वाली परेशानियों को भली-भांति हल करने में सफल रहेंगे।

नोट: उपर्युक्त भविष्यवाणियाँ सामान्य प्रकृति की हैं और आम धारणाओं पर आधारित हैं, जिसके अनुसार साढ़े साती अनिष्टकारक होती है। किन्तु हमारे अनुभव के अनुसार प्रत्येक स्थिति में ऐसा नहीं होता है और हम पाठकों से यह आलेख पढ़ने का अनुरोध करते हैं। सिर्फ़ साढ़े साती के आधार पर कोई भी निष्कर्ष निकालना सही नहीं है और उसके ग़लत होने की काफ़ी संभावना रहती है। साढ़े साती की अवधि अच्छी रहेगी या बुरी, यह तय करने से पहले कुछ अन्य चीज़ों जैसे वर्तमान में चल रही दशा और शनि के स्वभाव आदि के विश्लेषण की भी आवश्यकता होती है। आपको सलाह दी जाती है कि उपर्युक्त फलकथन को गंभीरता से न लें और यदि आपके मन में कुछ शंका है, तो किसी अच्छे ज्योतिषी से परामर्श लें।

कालसर्प दोष / योग - कालसर्प उपाय

कालसर्प योग उपस्थित नहीं है|

प्रचलित परिभाषा के अनुसार जब जन्म कुंडली में सम्पूर्ण ग्रह राहु और केतु ग्रह के बीच स्थित हों तो ऐसी स्थित को ज्योतिषी कालसर्प दोष का नाम देते हैं। वर्तमान में इस दोष की चर्चा ज्योतिषियों के मध्य जोरों पर हैं। किसी भी जातक के जीवन में कोई भी परेशानी हो और उसकी कुण्डली में यह योग या दोष हो तो अन्य पहलुओं का परीक्षण किए बगैर बहुधा ज्योतिषी यह निष्कर्ष सुना देते हैं कि संबंधित जातक पर आने वाली उक्त प्रकार की परेशानियां कालसर्प योग के कारण हो रही हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि यदि कुण्डली में अन्य ग्रहों की स्थितियां ठीक हों तो अकेला कालसर्प दोष नुकसानदायी नहीं होता। बल्कि वह अन्य ग्रहों के शुभफलदायी होने पर यह दोष योग की तरह काम करता है और उन्नति में सहायक होता है। वहीं अन्य ग्रहों के अशुभफलदायी होने पर यह अशुभफलों में वृद्धि करता है। अतः मात्र कालसर्प दोष का नाम सुनकर भयभीत होना ठीक नहीं है बल्कि इसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उससे मिलने वाले प्रभावों और दुष्प्रभावों की जानकारी लेकर उचित उपाय करना श्रेयष्कर होगा। इस मामले में सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि इस योग का असर अलग-अलग जातकों पर अलग-अलग प्रकार से देखने को मिलता है। क्योंकि इसका असर किस भाव में कौन सी राशि स्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है, इन विन्दुओं के आधार पर पडता है। साथ ही कालसर्प दोष या योग किन-किन भावों के मध्य बन रहा है, इसके अनुसार भी इस दोष/योग का असर पडता है। भाव स्थिति के अनुसार इस योग या दोष को बारह प्रकार का माना गया है।

कालसर्प	कालसर्प नाम
अनुपस्थित	अनुपलब्ध

विंशोत्तरी महादशा फल

शुक्र (जन्म - जनवरी 25, 1994)

पंचम भाव	कन्या राशि	नीच राशि संबंध	हस्त नक्षत्र

इस अवधि के दौरान आप स्त्रीवर्ग की ओर आकर्षित रहेंगे। इस अवधि में अचानक ऐसी घटनाएं घटेंगी जो आपके लिये हितकर हो। इसके अलावा इस दौरान आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और खुशहाली भी बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन अति सुखद रहेगा। बहु प्रतीक्षित अभिलाषाओं की सम्पूर्ति होगी। यदि आप में सृजनात्मक क्षमता है तो इस अवधि के दौरान आपकी कला संगीत इत्यादि में सफलदायक गति रहेगी। सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा और पुराने मित्रों सहयोगियों से मुलाकात होगी। संचार के माध्यम से आपको कोई बहुत अच्छी खबर भी मिल सकती है।

सूर्य (जनवरी 25, 1994 - जनवरी 25, 2000)

चतुर्थ भाव	सिंह राशि	स्व-राशि संबंध	मधा नक्षत्र

इस अवधि में आपको मेहनत करनी पड़ेगी जो आप कर नहीं पायेंगे। लगातार किया गया कड़ा परिश्रम थका भी शीघ्र देगा और कार्य क्षमता भी कम हो जायेगी। बुरे कार्यों में प्रवृती रहने की आपकी चेष्टा रहेगी। मां बाप का बुरा स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा। कार या कोईवाहन बहुत तेजी से न चलाएं।

चंद्र (जनवरी 25, 2000 - जनवरी 25, 2010)

द्वादश भाव	मेष राशि	मित्र राशि संबंध	भरणी नक्षत्र

अभी आप बहुत खर्च न करें। व्यय पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह अच्छा समय नहीं है। व्यर्थ की यात्राओं से बचें। परामनोवैानिक एवम् गूढ अनुभवों को प्राप्त करने के लिये आपका झुकाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कठोर भाषा से परेशानी में पड़ सकते हैं। सट्टे बाजी से बचें।

मंगल (जनवरी 25, 2010 - जनवरी 25, 2017)

पंचम भाव	कन्या राशि	शत्रु राशि संबंध	हस्त नक्षत्र

आप सावधान रहें क्योंकि आपकी बुद्धि भ्रमित हो सकती है। स्वास्थ्य एवं पारिवारिक सदस्यों के कारण परेशानी होगी। सट्टेबाजी से बचें। कुछ ऐसे खर्चे भी करने पड़ेंगे जो आपके नियंत्रण से बाहर होंगे। मित्र एवं सहयोगियों से निराशा हाथ लगेगी। यात्रा से थकान होगी।

राहु (जनवरी 25, 2017 - जनवरी 25, 2035)

पंचम भाव	कन्या राशि	अनुपलब्ध संबंध	उ0फाल्गुनी नक्षत्र

सही निर्णय लेने की आपकी क्षमता और योग्यता पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। आप अपने आस पास भ्रम का विश्व बना लेना चाहेंगे। झूठी आशाएं आपके लक्ष्य को भ्रमित कर देंगी। सट्टेबाजी की प्रवृति पर पूरा अंकुश लगाये। मित्रों से संबंध मधुर नहीं रहेंगे। किसी मुकदमेबाजी के चक्कर में अपने आपको न फंसायें। किसी के जमानती बनने की चेष्टा न करें। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। फूड पाइजनिंग के कारण पेट के रोग उभर सकते हैं।

गुरु (जनवरी 25, 2035 - जनवरी 25, 2051)

तृतीय भाव	कर्क राशि	उच्च राशि संबंध	पुष्य नक्षत्र

इस अवधि में आपके क्रियाकलाप प्रशंसा के हकदार होंगे और आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगे। आपका आत्मविश्वास बढा चढ़ा रहेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। छोटी यात्राएं सफलदायक रहेंगी। पारिवारिक उत्थान के लिये आप कुछ महत्वपूर्ण कार्य करना चाहेंगे। अगर आप शादी शुदा हैं तो वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। सहयोगियों और भागीदारों से खूब पटेगी। किसी बुजुर्ग से आप सहारा प्राप्तकरेंगे। छोटे मोटे रोगों के उभरने की भी संभावना है।

शनि (जनवरी 25, 2051 - जनवरी 25, 2070)

चतुर्थ भाव	सिंह राशि	शत्रु राशि संबंध	मधा नक्षत्र

आप पर ऐसी बातों के झुठे इल्जाम लगाए जा सकते हैं जिनमें आपका सहयोग नगण्य रहा हो। पारिवारिक सुख का भी अभाव रहेगा। प्रयासों में असफलता अवसाद पैदा कर देगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अगर कोई लंबी बीमारी भोग रहे हैं तो पूरे परहेज से रहें। आपके विरोधी आपकी छवि बिगाड़ने का प्रयास करेंगे। बहसों में न उलझें तो ठीक रहेगा। सांसारिक सुखों के लिहाज से यह समय अच्छा नहीं है फिर भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में लगे रहने से कुछ राहत महसूस होगी।

बुध (जनवरी 25, 2070 - जनवरी 25, 2087)

तृतीय भाव	कर्क राशि	शत्रु राशि संबंध	आश्लेषा नक्षत्र

आपकी मेहनत रंग लायेगी। छोटी यात्राएं अच्छा फल प्रदान करेंगी। विदेश स्थलों से अच्छी खबर मिलेगी। भाई बहिनों से सहायता मिलेगी। नये लोगों से सम्पर्क आपके सौभाग्य के कारण बढेंगे और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। अगर आप प्रकाशन या ऐजेन्सी के काम से सम्बंधित हैं तो शुभ परिणाम सामने आयेंगे। आपमें कलात्मक अभिव्यक्ति प्रकट करने की क्षमता होगी तथा भावनात्मक अभिनय की सहज प्रतिभा रहेगी।

केतु (जनवरी 25, 2087 - जनवरी 25, 2094)

एकादश भाव	मीन राशि	अनुपलब्ध संबंध	उ0भाद्रपद नक्षत्र

अचानक परिस्थितियां आपके काफी अनुकूल होती जायेंगी। कुछ व्यापारिक सौदे आपको काफी लाभावत कर देंगे। मित्र और हितैषियों का पूरा सहयोग रहेगा। उच्च कोटि के शारीरिक या मांसल सुख आपको प्राप्त होंगे। अगर नौकरीपेशा हैं तो पदोन्नति प्राप्त करेंगे। इस अवधि में लम्बी यात्रा की भी प्रबल संभावना है। पारिवारिक जीवन संतोष प्रदान करेगा। सामाजिक क्षेत्र में आप प्रचुर प्रतिष्ठा और सम्मान के भागी होंगे।

अंतर्दशा फल

वैदिक ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की जन्म कुंडली में उपस्थित ग्रह अनेक रूपों में प्रभाव डालते हैं। कुंडली में बनने वाले अच्छे अथवा बुरे योगों का फल विभिन्न ग्रहों की अवधि में प्राप्त होता है। इसी कारण वैदिक ज्योतिष में ग्रहों को दशा समय के विभिन्न गणनाओं के आधार पर एक सीमा में बांधा गया है। यहाँ विंशोत्तरी दशा पद्धति के आधार पर गणना की गई है। जन्म के समय चंद्रमा द्वारा अधिष्ठित नक्षत्र के स्वामी की दशा जन्म के समय प्राप्त होती है और अन्य ग्रहों की दशाएँ उसके आगे अपना प्रभाव छोड़ती जाती है। प्रत्येक ग्रह की महादशा में सभी ग्रहों की अंतर्दशाएँ (भुक्ति) आती हैं। हालाँकि पूर्ण प्रभाव का अनुभव जन्म कुंडली के साथ-साथ दशा तथा गोचर पर निर्भर करता है जिसके लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होती है जो कि एक विद्वान, दैवज्ञ (ज्योतिषी) द्वारा ही संभव है। आपकी कुंडली में विभिन्न दशाओं की दशावधि निम्नलिखित हैः

राहु महादशा

राहु की महादशा में विभिन्न ग्रहों की अंतरदशा का फल

राहु अंतर्दशा 25/ 1/2017-7/10/2019	बृहस्पति अंतर्दशा 7/10/2019-1/ 3/2022	शनि अंतर्दशा 1/ 3/2022-7/ 1/2025
बुध अंतर्दशा 7/ 1/2025-25/ 7/2027	केतु अंतर्दशा 25/ 7/2027-13/ 8/2028	शुक्र अंतर्दशा 13/ 8/2028-13/ 8/2031
सूर्य अंतर्दशा 13/ 8/2031-7/ 7/2032	चंद्र अंतर्दशा 7/ 7/2032-7/ 1/2034	मंगल अंतर्दशा 7/ 1/2034-25/ 1/2035

राहु अंतर्दशा

राहु की महादशा के दौरान राहु की अंतर्दशा 2 वर्ष 8 माह और 12 दिन की होगी। राहु क्रांतिकारी विचार व सोच, भ्रम, सम्मोहन और त्वरित घटना आदि का कारक होता है।

इस अवधि में आपके जीवन पर राहु का अधिक प्रभाव रहेगा। इसके फलस्वरूप आप कुछ ऐसे गलत निर्णय ले सकते हैं जिसकी वजह से सार्वजनिक जीवन में आपकी छवि को नुकसान पहुंच सकता है। आप परंपरा के विरुद्ध जा सकते हैं और आपकी यह सोच प्रियजनों को बेहद गलत लगेगी। आप गुप्त रोग या किसी अन्य बीमारी से पीड़ित रह सकते हैं और इस स्थिति में आपका इलाज इतना आसान नहीं होगा। इस अवधि में विवाद और धन हानि हो सकती है। अगर विदेश जाने की इच्छा है और आप इसके लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको सफलता मिलने की संभावना है।

इसके अलावा दूषित भोजन करने से बचें। क्योंकि खराब खाना खाने से संक्रमण और पेट दर्द की शिकायत

हो सकती है। विरोधी आप पर हावी होंगे, इससे मानसिक तनाव बढ़ेगा। करियर के क्षेत्र में अचानक सफलता मिलने के योग हैं। सुखद जीवन जीने और सफलता प्राप्त करने के लिए आप चतुराई से काम लेंगे। महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले अच्छी तरह से सोच-विचार करें।

बृहस्पति अंतर्दशा

राहु की महादशा के दौरान बृहस्पति की अंतर्दशा 2 वर्ष 4 माह और 24 दिन की होगी। राहु और बृहस्पति परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। क्योंकि बृहस्पति एक शुभ ग्रह है जबकि राहु एक क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा के दौरान आपको मिश्रित परिणाम देखने को मिलेंगे।

इस अवधि में आपकी सेहत अच्छी रहेगी, साथ ही अगर कोई पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। आप अपने शत्रु और विरोधियों पर हावी रहेंगे। उच्च संस्था से लाभ मिलने की संभावना है। आपको मौद्रिक लाभ की प्राप्ति होगी, साथ ही घर में बच्चे का जन्म होने की संभावना है।

इसके अलावा घर पर कोई धार्मिक और मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। भक्ति और आध्यात्मिकता की ओर आपका झुकाव बढ़ेगा। आप रहस्यमयी विद्या के बारे में सीखना और जानना चाहेंगे। अचनाक धन हानि, विवाद और अड़चन पैदा होने की संभावना है। आपके अंदर या तो धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी या फिर वैचारिक रूप से समृद्ध होंगे। इस दशा के दौरान आपकी दिमागी क्षमता व ज्ञान बढ़ेगा और आप विभिन्न विषयों पर लोगों के बीच बोलने में समर्थ होंगे।

शनि अंतर्दशा

राहु की महादशा के बीच शनि की अंतर्दशा 2 वर्ष 10 माह और 6 दिन की होगी। राहु और शनि दोनों मित्र ग्रह हैं लेकिन दोनों क्रूर ग्रह के नाम से जाने जाते हैं। शनि स्वभाविक रूप से मंद है जबकि राहु में तेजी का भाव है इसलिए इन दोनों ग्रहों के विपरीत प्रभाव का असर मानव जीवन पर पड़ता है।

इस अवधि में मानसिक तनाव बढ़ेगा और आपकी ऊर्जा का उपयोग विपरीत दिशा में होगा। इस वजह से आपकी निर्णय लेने की क्षमता पर असर पड़ेगा। भाई-बहन, प्रियजन व मित्रों को कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान कुछ समय के लिए आपको उनसे दूर भी रहना पड़ सकता है। विदेश जाने या फिर वर्तमान स्थान से दूर जाने की संभावना है।

इसके अलावा कार्य स्थल पर आपका कद घट सकता है इसलिए काम से जुड़ी हर छोटी से छोटी बातों पर ध्यान दें और एकाग्रता के साथ बेहतर प्रयास करें। शरीर में पित्त संबंधी परेशानी हो सकती है। इस समय अवधि में मानसिक अस्थिरता रहेगी इसलिए संयम के साथ काम लें और अतीत को भूलकर कड़ी मेहनत करें।

बुध अंतर्दशा

राहु की महादशा के बीच बुध की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष 6 माह और 18 दिन की होगी। राहु और बुध परस्पर पर सामान्य संबंध रखते हैं इसलिए इस दशा की समय अवधि में आप सुखद परिणाम की आशा कर सकते हैं।

इस अवधि में आपकी दिमागी क्षमता और बौद्धिक ज्ञान में वृद्धि होगी। आप अपनी बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता की जहां आवश्यकता होगी वहां बेहतर उपयोग करेंगे। आप भाई-बहनों और मित्रों का साथ पाकर खुश होंगे। सामाजिक जीवन में मेलजोल बढ़ेगा और आप अक्सर सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए घर से बाहर रहेंगे। आपके जीवन में किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है।

इसके अलावा आप धन का संचय करने में सफल होंगे। आपको कई साधनों से आय और वृद्धि मिलेगी और पूंजी का आवागमन सामान्य रूप से चलता रहेगा। आपके नाम को नई पहचान मिलेगी और प्रसिद्धि बढ़ेगी। दिमागी कार्य अधिक करने से थकावट महसूस होगी।

केतु अंतर्दशा

राहु की महादशा के दौरान केतु की अंतर्दशा करीब 1 वर्ष और 18 दिन की होगी। राहु और केतु दोनों ही क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको सावधान रहने के साथ-साथ कुछ चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

इस अवधि में धन हानि और आय में गिरावट हो सकती है। वित्तीय स्थिति में गिरावट होने की संभावना है। ऐसे किसी कार्य या षडयंत्र से दूर रहने की कोशिश करें, जिसकी वजह से समाज में आपकी मानहानि हो जाये। अगर बच्चे हैं तो उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशान हो सकती है इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें।

इसके अलावा यदि आपके पास गाय, बैल है तो उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। विरोधी आप पर हावी रहेंगे। चोरी या आगजनी की घटना का भय बना रहेगा। इस समय अवधि में आप दुर्घटना, शल्य क्रिया, बुखार या पित्त संबंधी परेशानी से पीड़ित रह सकते हैं। दूषित भोजन का सेवन करने से बचें क्योंकि यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।।

शुक्र अंतर्दशा

राहु की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा लगभग 3 वर्ष की होगी। शुक्र ग्रह सुंदरता, भौतिक सुख-साधन और इच्छा का कारक कहा जाता है जबकि राहु तीव्र और बड़े परिवर्तन का कारक है। इन दोनों ग्रहों के संयोग से मनुष्य की आशा-आकांक्षा में वृद्धि होती और और कम समय में उन्हे पाने की लालसा रहती है। इस

दशा अवधि में आपको मिश्रित परिणाम मिलेंगे लेकिन इनमें ज्यादातर सुखद होंगे।

इस अवधि में आपके अंदर कामुक विचारों की वृद्धि होगी। आपके मन में कामुक क्रियाओं में लिप्त रहने की लालसा रहेगी। आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं, भौतिक सुख-सुविधा की प्राप्ति और विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा और आपको कई माध्यमों से लाभ की प्राप्ति होगी। सरकार की ओर से लाभ प्राप्ति की संभावना है। यदि विवाहित हैं तो किसी नए रिश्ते की संभावना है, इसलिए इस तरह के रिश्तों से दूर रहें और अपने वैवाहिक जीवन का आनंद लें। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको किसी का साथ मिलेगा, नए प्रेम प्रसंग बनेंगे। इस दौरान आपकी लव मैरिज भी हो सकती है।

इसके अलावा स्वास्थ्य संबंधी विकार परेशान कर सकते हैं, विरोधी आप पर हावी रहेंगे और परिजनों से विवाद की संभावना है। इस अवधि में आप बड़ी व क्रांतिकारी सोच रखेंगे, इस वजह से आप कई मामलों में परिवार की सोच के विरुद्ध भी जा सकते हैं। कुल मिलाकर इस दशा अवधि में आपको लाभ होगा और भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

सूर्य अंतर्दशा

राहु की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा लगभग 10 महीने और 24 दिन की होगी। राहु और सूर्य एक-दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं। सामान्यत: इस दशा में राहु अशुभ परिणाम देता है लेकिन कभी-कभी यह दशा मनुष्य का जीवन संवार देती है।

इस अवधि में आप धार्मिक और पवित्र कार्यों में अत्याधिक रूचि दिखाएंगे। आप पहले की तुलना में अधिक उदारवादी और धार्मिक प्रवृत्ति के होंगे। विवाद और अन्य प्रकरणों में आपकी विजय एक विजेता के रूप में होगी। हालांकि आपके विरोधी भी शक्तिशाली होंगे और वे आपको परास्त करने की कोशिश कर सकते हैं। इस दशा अवधि में दूषित भोजन, आग और हथियारों से दूर रहें।

इसके अलावा आप संक्रामक रोग की चपेट में आ सकते हैं। आप विदेश यात्रा पर जा सकते हैं या किसी वजह से आपको अपने वर्तमान निवास स्थान से दूर जाकर रहना पड़ सकता है। बुखार और अतिसार से पीड़ित रह सकते हैं। किसी कानूनी मामले में ना पड़े और दखल देने से बचें। क्योंकि यह आपकी मानहानि का कारण बन सकता है, साथ ही आपको इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। उच्च अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर चलें।

चंद्र अंतर्दशा

राहु की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा करीब 1 वर्ष 6 माह की होगी। चंद्रमा और राहु एक-दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं। सामान्यत: राहु की अंतर्दशा में अशुभ फल मिलता है लेकिन कभी-कभी यह मनुष्य को

बहुत लाभ पहुंचाती है।

इस अवधि में राहु का प्रभाव आपके मन-मस्तिष्क पर हावी रहेगा। आप मानसिक तनाव से परेशान रह सकते हैं या फिर किसी बात को लेकर आप बेहद महत्वकांक्षी रह सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे और धन का आवागमन बढ़ सकता है। इस अवधि में आप स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी उठाएंगे। मानसिक तनाव को दूर करने के लिए प्राणायाम आपके लिए लाभकारी रहेगा।

इसके अलावा इस अवधि में परिजनों के साथ विवाद हो सकता है और जल से भय रहेगा। आपको किसी न्यायिक प्रकरण का सामना करना पड़ सकता है। किसी भी प्रकार के विवाद से दूर रहने की कोशिश करें और अपने प्रियजन का ख्याल रखें। यदि मानसिक शांति प्राप्त करने में सफल रहे तो आप भौतिक सुख-साधनों का आनंद लेंगे।

मंगल अंतर्दशा

राहु की महादशा में मंगल की अंतर्दशा 1 वर्ष 18 दिन की होगी। राहु और मंगल परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। ये दोनों ग्रह एक-दूसरे से शत्रुता का भाव रखते हैं, इसलिए इस दशा की अवधि में मतभेद होने की संभावना है।

इस अवधि में आपको कुछ मतभेद और विवादों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि आपको साहस के साथ इन सभी चुनौतियों का सामना करना चाहिए। मानसिक तनाव होने से बेचैनी बढ़ेगी, जो आपके चेहरे पर साफ देखने को मिलेगी। इसलिए अपने प्रियजनों के साथ विवाद करने से बचें और आपसी सद्भाव बनाए रखें।

इसके अलावा नौकरी में परिवर्तन और कार्य स्थल पर पदोन्नति की संभावना है। इस अवधि में राहु और मंगल का संयोग आपको प्रभावित करेगा। इसका असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है इसलिए स्वास्थ्य पर ध्यान दें, साथ ही यदि विवाहित हैं तो जीवन साथी और बच्चों की सेहत पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है।

बृहस्पति महादशा

बृहस्पति की महादशा में विभिन्न ग्रहों की अंतरदशा का फल

बृहस्पति अंतर्दशा 25/ 1/2035-13/ 3/2037	शनि अंतर्दशा 13/ 3/2037-25/ 9/2039	बुध अंतर्दशा 25/ 9/2039-1/ 1/2042
केतु अंतर्दशा 1/ 1/2042-7/12/2042	शुक्र अंतर्दशा 7/12/2042-7/ 8/2045	सूर्य अंतर्दशा 7/ 8/2045-25/ 5/2046
चंद्र अंतर्दशा 25/ 5/2046-25/ 9/2047	मंगल अंतर्दशा 25/ 9/2047-1/ 9/2048	राहु अंतर्दशा 1/ 9/2048-25/ 1/2051

बृहस्पति अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष 1 माह और 18 दिन की होगी। बृहस्पति को ज्ञान, प्रगति, भाग्य, विश्वास, प्रसिद्धि, कानून और बच्चों आदि का कारक कहा जाता है। महिला जातकों के लिए बृहस्पति विवाह का कारक भी होता है। यह शरीर में वसा को नियंत्रित करता है।

इस अवधि में आपके जीवन पर बृहस्पति का व्यापक प्रभाव रहेगा। सरकार और उच्च संस्थाओं से लाभ प्राप्ति की संभावना है। आपकी योजना और काम सफल होंगे। आप विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम होंगे, जो भविष्य में आपको उन्नति और सफलता की ओर लेकर जाएंगे। अगर आप पढ़ाई कर रहे हैं या कुछ सीख रहे हैं, तो इस अवधि में आपको इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। साथ ही कुछ नया सीखने को लेकर आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। ज्ञान प्राप्त करने की प्रबल इच्छा होगी, साथ ही आपको स्कॉलर्स और बुद्धिजीवी व्यक्तियों का साथ मिलेगा।

यदि विवाहित और घर परिवार वाले हैं तो धन लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य आपका हर कदम पर साथ देगा और आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। उदारवादी और दानी प्रवृत्ति होने से धार्मिक कार्यों में शामिल होने की ओर झुकाव बढ़ेगा।

शनि अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में शनि की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष 6 माह और 12 दिन की होगी। बृहस्पति और शनि परस्पर सामान्य संबंध रखते हैं इसलिए इस दशा के दौरान आपको मिश्रित परिणाम प्राप्त हो सकते

हैं।

इस अवधि में आप दान-धर्म या सामाजिक कार्यों में अधिक रुचि लेंगे। आपके अंदर दूसरों की मदद करने की भावना रहेगी। वहीं दूसरी ओर आप उन्मादी हो सकते हैं और किसी रिश्ते में लिप्त रह सकते हैं हालांकि यह रिश्ता आपके लिए अच्छा साबित नहीं होगा। धन हानि और स्वास्थ्य में गिरावट की संभावना है। आप एकजुट होकर रहना पसंद करेंगे। यदि परिस्थितियां आपके विपरीत हुई तो आप बेचैन हो जाएंगे और दूसरों से ईर्ष्या की भावना रख सकते हैं।

इसके अलावा मानसिक तनाव आप पर हावी रहेगा। अगर आपके बच्चे हैं, तो वे आर्थिक नुकसान की वजह बन सकते हैं। इस अवधि में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से बचें और उसे कुछ समय के लिए टाल दें। यदि आप आध्यात्मिक चिंतन-मनन कर रहे हैं तो इस समय अवधि में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे, साथ ही धर्म और आध्यात्म से जुड़े कामों में अधिक सक्रिय होंगे।

बुध अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में बुध की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष 3 माह और 6 दिन की होगी। बृहस्पति और बुध दोनों शुभ ग्रह हैं। हालांकि ये दोनों ग्रह परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे लेकिन ज्यादातर समय परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे।

इस अवधि में आप अपने व्यापार और व्यवसाय में लाभ कमाने में सफल होंगे। यदि आप सरकारी कर्मचारी व अधिकारी हैं तो आपको लाभ की प्राप्ति हो सकती है, साथ ही उच्च अधिकारी आपके पक्ष में रहेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा और इसके फलस्वरूप आपके बौद्धिक स्तर व ज्ञान में वृद्धि होगी। इस अवधि में आप ईश्वर की आराधना में लीन रहेंगे व तीर्थ दर्शन के लिए भी जा सकते हैं।

इसके अलावा इस अवधि में आप नया वाहन खरीद सकते हैं। यदि आपके बच्चे हैं तो आप उनके साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे और वे आपको मुस्कुराने की कई वजह देंगे। आप आंतरिक शांति महसूस करेंगे साथ ही पारिवारिक सद्भाव भी बना रहेगा। इस समय अवधि में आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी होंगे साथ ही विदेश जाने की प्रबल संभावना होगी।

केतु अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में केतु की अंतर्दशा लगभग 11 महीने 6 दिन की होगी। बृहस्पति और केतु परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। क्योंकि बृहस्पति शुभ ग्रह है जबकि केतु क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम देखने को मिलेंगे।

इस अवधि में आप स्वयं को धार्मिक कार्यों में व्यस्त रखेंगे और तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए अधिक

उत्साहित रहेंगे। कई माध्यमों से आपको लाभ प्राप्त होगा और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। गुरु, शिक्षक, परिवार के बड़े सदस्य और कार्य स्थल पर अधिकारियों के साथ आपके मतभेद हो सकते हैं।

इसके अलावा शस्त्र और क्रोध को लेकर सावधान रहें। कार्य स्थल पर सेवक या अधीनस्थ कर्मचारियों से आपके संबंध बेहतर रहने की संभावना कम है, हो सकता है कि आपका उनसे विवाद जाए इसलिए अपने व्यवहार में संयम बरतें। मानसिक तनाव अधिक होने से आपकी निर्णयन क्षमता प्रभावित होगी।

शुक्र अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा लगभग 2 वर्ष और 8 माह की होगी। बृहस्पति और शुक्र दोनों ही शुभ ग्रह हैं लेकिन बृहस्पति शुक्र को अपना शत्रु मानता है जबकि शुक्र बृहस्पति के प्रति सामान्य भाव रखता है। इसलिए इस दशा की समय अवधि में आपको मिश्रित परिणाम की प्राप्ति होगी।

इस अवधि में आप भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के साथ-साथ लाभ की प्राप्ति होगी। कार्य स्थल पर पदोन्नति और वेतन बढ़ोतरी की संभावना है। आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं साथ ही सरकारी पक्ष से लाभ की संभावना है। वहीं दूसरी ओर स्त्री/पुरुष से मतभेद हो सकते हैं। दूसरों के प्रति आपके मन में ईर्ष्या की भावना हो सकती है। आपके अंदर दिखावा करने की आदत बढ़ेगी।

इसके अलावा आपका अपने मित्रों के साथ अलगाव हो सकता है। आप वायु विकार और खुजली से परेशान रह सकते हैं। गलत कार्यों के प्रति आपका झुकाव बढ़ सकता है। आपके ज्ञान में वृद्धि होगी और लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। कुल मिलाकर इस दशा अवधि में आपको आनंद की प्राप्ति भी होगी और कुछ मतभेद भी हो सकते हैं।

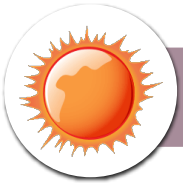

सूर्य अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा लगभग 9 माह और 18 दिन की होगी। बृहस्पति व सूर्य दोनों मित्र ग्रह हैं और परस्पर एक-दूसरे से अच्छे संबंध रखते हैं। सूर्य नवग्रहों का राजा है और बृहस्पति उसका मंत्री है, इसलिए इस दशा की अवधि में आपको बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

अगर आप विवाहित हैं तो इस अवधि में बच्चे के जन्म से आपको प्रसन्नता होगी। आर्थिक लाभ होगा और आय में वृद्धि होगी। सामाजिक और व्यवसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य स्थल पर आपको प्रशासनिक अधिकार या पदोन्नति मिलने की संभावना है। आप विरोधियों पर इस कदर हावी रहेंगे कि वे आपका सामना करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। आप स्वयं को अंदर से प्रसन्न और प्रफुल्लित महसूस करेंगे साथ ही आपके चारों ओर खुशी का वातावरण रहेगा।

इसके अलावा आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और यदि कोई पुरानी बीमारी से परेशान हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। सरकार या उच्च अधिकारी आपके पक्ष में खड़े रहेंगे। आपको इनके माध्यम से सम्मान की प्राप्ति भी हो सकती है। इस अवधि में आपको किसी कार्य के लिए प्रशंसा भी मिल सकती है।

चंद्र अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा लगभग 1 वर्ष 4 माह की होगी। बृहस्पति चंद्रमा को अपना मित्र मानता है लेकिन चंद्रमा बृहस्पति से सामान्य भाव रखता है। दोनों शुभ ग्रह माने जाते हैं और इनके संयोग से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

इस अवधि में आपको लाभ की प्राप्ति होगी, विशेषकर सरकारी संस्थाओं से। यदि आप सरकारी सेवा में कार्यरत हैं तो इस दशा के दौरान आपको कई शुभ फल की प्राप्ति होगी। महिलाओं की मदद से आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे इसलिए महिलाओं से अच्छे संबंध बनाकर चलें। धन लाभ होने के साथ-साथ आपके अंदर ज्ञान की वृद्धि होगी और यह समय आपके जीवन का सबसे प्रगतिशील काल होगा।

अगर आप अविवाहित हैं तो इस समय अवधि में विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। आप अपनी योजनाओं को लागू करने में सक्षम होंगे और उसकी वजह से आपका उत्थान होगा। इसके फलस्वरुप आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा।

मंगल अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में मंगल की अंतर्दशा 11 माह 6 दिन की होगी। बृहस्पति और मंगल दोनों मित्र ग्रह हैं और एक-दूसरे के साथ अच्छे संबंध रखते हैं। इस दशा की समय अवधि में आपको कई अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। मंगल एक क्रूर ग्रह है जबकि बृहस्पति एक शुभ ग्रह है इसलिए कुछ धीमे परिणाम भी मिल सकते हैं हालांकि कुल मिलाकर बृहस्पति और मंगल के प्रभाव से आपको मिश्रित फल की प्राप्ति होगी।

इस अवधि में आप विरोधी और प्रतिद्वंदियों पर विजय पाने में सफल रहेंगे। उन लोगों में आपका सामना करने की हिम्मत नहीं होगी। आपके अच्छे कामों से समाज में आपको प्रसिद्धि और पहचान मिलेगी, लोग आपके अच्छे कार्यों से प्रभावित होंगे।

इसके अलावा स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रह सकता है। आप बुखार और सिरदर्द से परेशान रह सकते हैं। यदि मंगल शुभ फल नहीं देता है तो आपके अंदर ऊर्जा की कमी बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर कानून से जुड़े मामलों में आपको सफलता मिल सकती है और सरकारी कार्यों से लाभ प्राप्त हो सकता है।

राहु अंतर्दशा

बृहस्पति की महादशा में राहु की अंतर्दशा करीब 2 वर्ष, 4 माह और 24 दिन की होगी। बृहस्पति और राहु परस्पर अच्छे संबंध नहीं रखते हैं। बृहस्पति एक शुभ ग्रह है जबकि राहु क्रूर ग्रह है इसलिए इस दशा में आपको मंद परिणाम प्राप्त होंगे।

इस अवधि में पारिवारिक विवाद की संभावना है, साथ ही मानसिक बेचैनी बढ़ेगी। इस समय अवधि में आपकी निर्णयन क्षमता भी प्रभावित होगी। विरोधी आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। सरकारी पक्ष से लाभ नहीं मिलेगा। कानूनी विवाद से बचने की कोशिश करें।

इसके अलावा गलतफहमी की वजह से आपके रिश्तों में दरार आ सकती है इसलिए बेवजह की बातों पर ध्यान नहीं दें।

आज का गोचर

नोट: इस रिपोर्ट में गोचर लग्न से देखा गया है।

सूर्य

सप्तम भाव	वृश्चिक राशि	मित्र राशि संबंध	ज्येष्ठा नक्षत्र

यह एक कठिन काल सिद्ध होगा। कड़ी मेहनत का अच्छा फल नहीं मिलेगा। व्यवसायिक या व्यापार के साथी नुकसान करेंगे और आपके लिये समस्यायें पैदा कर देंगे। घरेलु झंझटों में अपने मिजाज पर काबू रखें अन्यथा अप्रीतिकर स्थितियां झेलनी पड़ सकतीं हैं। आप भी मानसिक रूप से तनावग्रस्त और बीमार रह सकते हैं।

चंद्र

एकादश भाव	मीन राशि	सम-राशि संबंध	उ0भाद्रपद नक्षत्र

आपके मित्र और सहयोगी आपकी सहायता करेंगे। इस अवधि में आपकी महत्वाकांक्षा और इच्छाओं की पूर्ति होगी। किसी लाभप्रद सौदे से आप सम्बंधित रहेंगे। लम्बी यात्राओं की प्रबल संभावना है। सभी लिहाज से परिणाम बहुत अच्छे रहेंगे।

मंगल

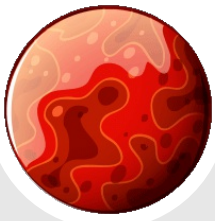

षष्ट भाव	तुला राशि	सम-राशि संबंध	स्वाती नक्षत्र

इस अवधि में आप काफी सुखी रहेंगे। नौकरी के हालात सुधरेंगे। प्रचुर लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक वातावरण भी सुखद रहेगा। आप अपनी अड़चनें और बाधाएं दूर करने और शत्रुओं का दमन करने के लिये चेष्टारत रहेंगे। कार इत्यादि चलाते समय सावधानी बरतें।

बुध

सप्तम भाव	वृश्चिक राशि	सम-राशि संबंध	विशाखा नक्षत्र

इस अवधि में आपकी प्रसिद्धि एवम् सम्मान में इजाफा होगा। विद्वानों के साथ रहने का मौका आयेगा। आपका व्यापार या व्यवसाय बढ़ेगा और चमकेगा। स्त्री वर्ग से आपके क्षेत्र में सहायता मिलेगी। सुखद यात्रा की भी संभावना है। लाभप्रद सौदा करेंगे और आपके भागीदार व सहयोगी आपको अपना बेहतर सहयोग देंगे। किसी प्रतिस्पर्धा में भी सफल रहना निश्चित है।

गुरु

अष्टम भाव	धनु राशि	स्व-राशि संबंध	मूल नक्षत्र

मानसिक चिन्ताओं के कारण तकलीफ होगी। शारीरिक रोग भी घेरे रह सकते हैं। दिमाग को शांति नहीं मिलेगी। परिवार जनों का बर्ताव भी फर्क रहेगा। लेकिन गूढ वाानि और परामनोवाानि में आपकी रूचि जागृत होगी। इन क्षेत्रों के कुछ अनुभव भी प्राप्त होंगे। अचानक धन लाभ होने की भी संभावना है। पूंजी निवेश का प्रयत्न न करें क्योंकि मन चाहा परिणाम प्राप्त नहीं होगा। मित्र व सहयोगी अपना वचन नहीं निभायेंगे। असुरक्षा की भावना सदैव विद्यमान रहेगी।

शुक्र

अष्टम भाव	धनु राशि	सम-राशि संबंध	पूर्वाषाढा नक्षत्र

किसी बदनामी देने वाले काण्ड में फंसने के कारण आपकी प्रतिष्ठा पर आंच आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह कोई अच्छा समय नहीं है। अचानक धन प्रात की संभावना है। लेकिन साथ ही साथ खर्चे भी बढेंगे। गुप्त और निगूढ सुखों को भोगने वाली प्रवृति पर अंकुश लगाये नहीं तो बड़ी शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वैसे परिवारजनों का सहयोग पूरा रहेगा। यद्यपि कभी कभी मतभेद भी रह सकता है। जहां तक संभव हो यात्राएं न करें।

शनि

अष्टम भाव	धनु राशि	सम-राशि संबंध	पूर्वाषाढा नक्षत्र

कोई महत्वपूर्ण चीज खोने का खतरा बना रहेगा। वरिष्ठ जनों या सत्ताधारी अफसरों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। लेन देन के व्यापार में हानि होने की भी संभावना है। आपके मित्र या सहयोगी अपना वचन नहीं निभाएंगें। परिवारजनों के व्यवहार में भी फर्क आ जाएगा। मानसिक वेदना की स्थिति आपके व्यवहार से परिलक्षित होती रहेगी। वैसे इस अवधि में गूढ मान या परामनोवाानि आदि क्षेत्रों से कुछ मदद मिल सकती है। अच्छा यही होगा कि अपनी योग्यता और प्रतिभा पर ही निर्भर करें। अगर वसीयत प्राप्ति के इच्छुक है तो वह अचानक प्राप्त होकर आपको चमत्कृत कर देगी। किसी की मौत की बुरी खबर मिल सकती है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

राहु

द्वितीय भाव	मिथुन राशि	अनुपलब्ध संबंध	आद्रा नक्षत्र

रोजमर्रा के जीवन में पैसा वसूल करने में आपको परेशानी हो सकती है। किसी भी उघम की प्रायोजना की पूरी जांच परख कर के ही पूंजी निवेश की सोचें। घर का वातावरण भी तनावपूर्ण रहेगा। परिवारजनों से कभी कभी मतभेद रहेगा।इस अवधि में आंख की पीड़ा भी आप भोग सकते हैं। साधारण रूप से स्वास्थ्य ठीक रहेगा। शत्रु नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे। घर के मामलों में एक असुरक्षा की भावना से आक्रान्त रहेंगे।

केतु

अष्टम भाव	धनु राशि	अनुपलब्ध संबंध	पूर्वाषाढा नक्षत्र

इस अवधि में अचानक लाभ होने की संभावना है। अगर वसीयत प्राप्त करने की संभावना है या आप उसको प्राप्त करने के लिये इच्छुक है तो आप उसे प्राप्त कर सकते हैं। आपका मन धार्मिक क्रियाकलापों की ओर झुका रहेगा। कुछ अतीन्द्रिय अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा। अचानक यात्राएं सफलदायक सिद्ध होंगी। आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और सम्मान में इजाफा होगा। छोटी मोटी बीमारियां मानसिक शांति भंग कर सकती हैं। आप तीर्थाटन पर जा सकते हैं। कुल मिलाकर सुखी रहेंगे।

लाल किताब ग्रह, घर एवं कुण्डली

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	स्थिति	सोया	किस्मत जगानेवाला	मंदा/नेक
सूर्य	कर्क	मित्र	हाँ	नहीं	नेक / शुभ
चंद्र	मीन	सम	हाँ	नहीं	मंदा / अशुभ
मंगल	सिंह	मित्र	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
बुध	मिथुन	स्व	हाँ	हाँ	मंदा / अशुभ
गुरु	मिथुन	शत्रु	हाँ	नहीं	नेक / शुभ
शुक्र	सिंह	शत्रु	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
शनि	कर्क	शत्रु	हाँ	नहीं	मंदा / अशुभ
राहु	सिंह	---	नहीं	नहीं	मंदा / अशुभ
केतु	कुंभ	---	नहीं	नहीं	नेक / शुभ

ग्रहो के घर की स्थिति

खाना सं.	मालिक	पक्काघर	किस्मत	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	---	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	---
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	नहीं	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	---	---
6	बुध	बुध केतु	केतु	हाँ	बुध राहु	शुक्र केतु
7	शुक्र	शुक्र बुध	शुक्र	नहीं	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल शनि	चंद्र	हाँ	---	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	नहीं	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	नहीं	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	---	---	---
12	गुरु	गुरु राहु	राहु	---	शुक्र केतु	बुध राहु

लाल किताब कुण्डली

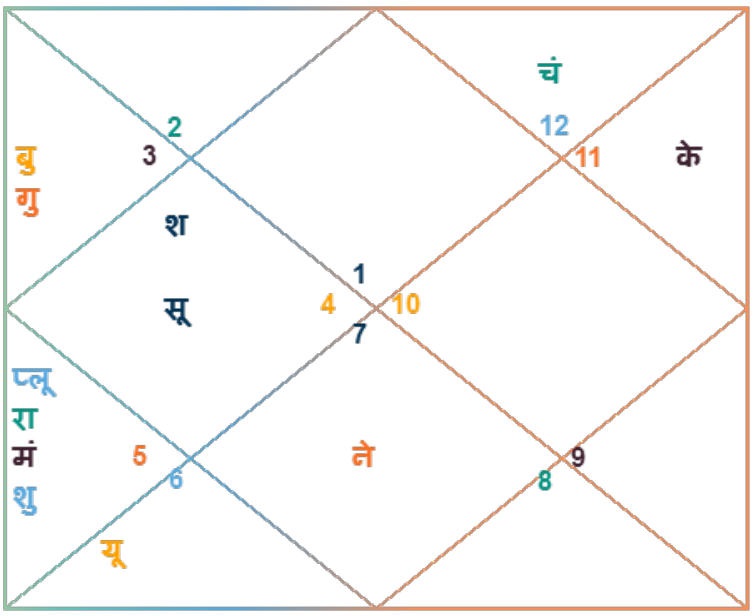

लाल किताब दशा(महादशा एवं अन्तर्दशा)

शनि 6 वर्ष 23/08/1978 23/08/1984		
राहु	:	23/08/1980
बुध	:	23/08/1982
शनि	:	23/08/1984

राहु 6 वर्ष 23/08/1984 23/08/1990		
मंगल	:	23/08/1986
केतु	:	23/08/1988
राहु	:	23/08/1990

केतु 3 वर्ष 23/08/1990 23/08/1993		
शनि	:	23/08/1991
राहु	:	23/08/1992
केतु	:	23/08/1993

गुरु 6 वर्ष 23/08/1993 23/08/1999		
केतु	:	23/08/1995
गुरु	:	23/08/1997
सूर्य	:	23/08/1999

सूर्य 2 वर्ष 23/08/1999 23/08/2001		
सूर्य	:	23/04/2000
चंद्र	:	23/12/2000
मंगल	:	23/08/2001

चंद्र 1 वर्ष 23/08/2001 23/08/2002		
गुरु	:	23/12/2001
सूर्य	:	23/04/2002
चंद्र	:	23/08/2002

शुक्र 3 वर्ष 23/08/2002 23/08/2005		
मंगल	:	23/08/2003
सूर्य	:	23/08/2004
चंद्र	:	23/08/2005

मंगल 6 वर्ष 23/08/2005 23/08/2011		
मंगल	:	23/08/2007
शनि	:	23/08/2009
शुक्र	:	23/08/2011

बुध 2 वर्ष 23/08/2011 23/08/2013		
चंद्र	:	23/04/2012
मंगल	:	23/12/2012
गुरु	:	23/08/2013

शनि 6 वर्ष 23/08/2013 23/08/2019		
राहु	:	23/08/2015
बुध	:	23/08/2017
शनि	:	23/08/2019

राहु 6 वर्ष 23/08/2019 23/08/2025		
मंगल	:	23/08/2021
केतु	:	23/08/2023
राहु	:	23/08/2025

केतु 3 वर्ष 23/08/2025 23/08/2028		
शनि	:	23/08/2026
राहु	:	23/08/2027
केतु	:	23/08/2028

गुरु 6 वर्ष 23/08/2028 23/08/2034		
केतु	:	23/08/2030
गुरु	:	23/08/2032
सूर्य	:	23/08/2034

सूर्य 2 वर्ष 23/08/2034 23/08/2036		
सूर्य	:	23/04/2035
चंद्र	:	23/12/2035
मंगल	:	23/08/2036

चंद्र 1 वर्ष 23/08/2036 23/08/2037		
गुरु	:	23/12/2036
सूर्य	:	23/04/2037
चंद्र	:	23/08/2037

शुक्र 3 वर्ष 23/08/2037 23/08/2040		
मंगल	:	23/08/2038
सूर्य	:	23/08/2039
चंद्र	:	23/08/2040

मंगल 6 वर्ष 23/08/2040 23/08/2046		
मंगल	:	23/08/2042
शनि	:	23/08/2044
शुक्र	:	23/08/2046

बुध 2 वर्ष 23/08/2046 23/08/2048		
चंद्र	:	23/04/2047
मंगल	:	23/12/2047
गुरु	:	23/08/2048

शनि 6 वर्ष 23/08/2048 23/08/2054		
राहु	:	23/08/2050
बुध	:	23/08/2052
शनि	:	23/08/2054

राहु 6 वर्ष 23/08/2054 23/08/2060		
मंगल	:	23/08/2056
केतु	:	23/08/2058
राहु	:	23/08/2060

केतु 3 वर्ष 23/08/2060 23/08/2063		
शनि	:	23/08/2061
राहु	:	23/08/2062
केतु	:	23/08/2063

गुरु 6 वर्ष 23/08/2063 23/08/2069		
केतु	:	23/08/2065
गुरु	:	23/08/2067
सूर्य	:	23/08/2069

सूर्य 2 वर्ष 23/08/2069 23/08/2071		
सूर्य	:	23/04/2070
चंद्र	:	23/12/2070
मंगल	:	23/08/2071

चंद्र 1 वर्ष 23/08/2071 23/08/2072		
गुरु	:	23/12/2071
सूर्य	:	23/04/2072
चंद्र	:	23/08/2072

शुक्र 3 वर्ष 23/08/2072 23/08/2075		
मंगल	:	23/08/2073
सूर्य	:	23/08/2074
चंद्र	:	23/08/2075

मंगल 6 वर्ष 23/08/2075 23/08/2081		
मंगल	:	23/08/2077
शनि	:	23/08/2079
शुक्र	:	23/08/2081

बुध 2 वर्ष 23/08/2081 23/08/2083		
चंद्र	:	23/04/2082
मंगल	:	23/12/2082
गुरु	:	23/08/2083

लाल किताब फलकथन

सूर्य
चौथा भाव
स्व-राशि

चंद्र
बारहवा भाव
मित्र राशि

मंगल
पांचवा भाव
शत्रु राशि

बुध
तीसरा भाव
शत्रु राशि

गुरु
तीसरा भाव
उच्च राशि

शुक्र
पांचवा भाव
नीच राशि

शनि
चौथा भाव
शत्रु राशि

राहु
पांचवा भाव
अनुपलब्ध

केतु
ग्यारवा भाव
अनुपलब्ध

सूर्य आपके चौथे भाव में स्थित है

यदि सूर्य शुभ है तो जातक बुद्धिमान, दयालु और अच्छा प्रशासक होगा। उसके पास आमदनी का स्थिर स्त्रोत होगा। ऐसा जातक अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत धन और बड़ी विरासत छोड़ जाता है। यदि चंद्रमा भी सूर्य के साथ चौथे भाव में स्थित है तो जातक किसी नए शोध के माध्यम से बहुत धन अर्जित करेगा। ऐसे में चौथे भाव या दशम भाव का बुध जातक को प्रसिद्ध व्यापारी बनाता है। यदि सूर्य के साथ बृहस्पति भी चौथे भाव में स्थित है तो जातक सोने और चांदी के व्यापर से अच्छा मुनाफा कमाता है। यदि चौथे भाव में सूर्य अशुभ है तो जातक लालची होगा। जातक को चोरी करने और दूसरों को नुकसान पहुंचाने में मजा आता है। यह प्रवृत्ति अंततः बहुत बुरे परिणाम को जन्म देती है। यदि शनि सातवें भाव में हो तो जातक को रतौंधी रोग हो सकता है। यदि सूर्य चौथे भाव मे पीड़ित हो और मंगल दशम भाव में हो तो जातक की आंखों में दोष हो सकता है लेकिन उसकी किस्मत कमजोर नहीं होगी। यदि अशुभ सूर्य चतुर्थ भाव में हो साथ ही चंद्रमा पहले या दूसरे भाव में हो और शुक्र पंचम भाव तथा शनि सातवें भाव में हो तो जातक कमजोर हो सकता है।

उपाय:

(1) जरूरतमंद और अंधे लोगों को दान दें और खाना खिलाएं।

(2) लोहे और लकड़ी से जुड़ा व्यापार न करें।

(3) सोने, चांदी और कपड़े से सम्बंधित व्यापार, लाभकारी रहेंगे।

चंद्र आपके बारवे भाव में स्थित है

यह घर चंद्रमा के मित्र बृहस्पति का है। यहाँ स्थित चंद्रमा मंगल और मंगल से संबंधित चीजों परर अच्छा

प्रभाव डालता है, लेकिन यह अपने दुश्मन बुध और केतु तथा उनसे संबंधित चीजों को नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए मं गल जिस भाव में बैठा है उससे जुडा व्यापार और चीजें जातक के लिए अत्यधिक लाभकारी रहेंगी। ठीक इसी तरह बुध और केतू जिस घर में बैठे हैं उससे जुडा व्यापार और चीजें जातक के लिए अत्यधिक हानिकारक रहेंगी। बारहवें घर में स्थित चंद्रमा जातक के मन में अप्रत्याशित मुसीबतों और खतरों को लेकर एक साधारण सा डर पैदा करता है। जिससे जातक की नींद और मानसिक शांति भंग होती है। यदि चौथे भाव में स्थित केतू कमजोर और पीडित हो तो जातक के पुत्र और मां पर प्रतिकूल असर पडता है।

उपाय:

(1) कान में सोना पहनें। दूध में सोना बुझाकर दूध पियें। धार्मिक स्थलों की यात्रा करें। ये उपाय न केवल 12वें भाव के चन्द्र के दुष्प्रभाव को दूर करते बल्कि चौथे भाव के केतू के दुष्प्रभाव को भी दूर करते हैं।

(2) धार्मिक साधु-संतों को कभी भी दूध और भोजन न दें।

(3) स्कूल, कॉलेज या अन्य कोई शैक्षणिक संस्थान न खोलें और निःशुल्क शिक्षा पाने वाले बच्चों की मदद न करें।

मंगल आपके पांचवे भाव में स्थित है

पांचवां घर मंगल के नैसर्गिक मित्र सूर्य का घर होता है। इसलिए इस घर में मंगल बहुत अच्छे परिणाम देता है। जातक के पुत्र उसकी प्रसिद्धि और धनार्जन के माध्यम बनते हैं। जातक की समृधि पुत्र प्राप्ति के बाद कई गुना बढ़ जाती है। शुक्र और चंद्रमा का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुएं और रिश्तेदार को हर तरीके से फायदेमंद साबित होंगे। जातक के पूर्वजों में से कोई चिकित्सक या वैद्य रहा होगा। जातक की उम्र के साथ उसकी समृधि भी बढती जाती है। लेकिन विपरीत लिंगी के साथ भावनात्मक लगाव और रोमांस जातक के लिए अत्यधिक विनाशकारी साबित होंगे और जातक की मानसिक शांति और रातों की नीद खराब करने के कारण बनेंगे।

उपाय:

(1) अपना नैतिक चरित्र अच्छा बनाए रखें।

(2) रात को अपने बिस्तर के सिरहने एक बर्तन में पानी रखें और सुबह उसे किसी गमले में डाल दें।

(3) अपने पूर्वजों की श्राद्ध करें और घर में एक नीम के पेड़ लगाएं।

बुध आपके तीसरे भाव में स्थित है

तीसरे घर में बुध अच्छा नहीं माना जाता। बुध ग्रह और मंगल ग्रह शत्रु हैं लेकिन मंगल ग्रह बुध से शत्रुता नहीं रखता। इसलिए जातक अपने भाई से लाभ प्राप्त करते हैं, लेकिन वह अपने भाई या दूसरों के लिए फायदेमंद नहीं होगा। इसके नौवें तथा ग्यारहवें घर में दृष्टि प्रभाव के कारण जातक की आय और पिता की हालत पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उपाय:

(1) हर रोज फिटकिरी से अपने दाँत साफ करें।
(2) पक्षियों की सेवा करें और एक बकरी दान करें।
(3) दक्षिणमुखी घर में न रहें।
(4) अस्थमा की दवाएं वितरित करें।

गुरु आपके तीसरे भाव में स्थित है

तीसरे भाव का बृहस्पति जातक को समझदार और अमीर बनाता है, जातक अपने पूरे जीवन काल में सरकार से निरंतर आय प्राप्त करता रहेगा। नवम भाव में स्थित शनि जातक को दीर्घायु बनाता है। यदि शनि दूसरे भाव में हो तो जातक बहुत चतुर और चालाक होता है। चतुर्थ भाव में स्थित शनि यह इशारा करता है कि जातक का पैसा और धन उसके अपने दोस्तों के द्वारा लूट लिया जाएगा। यदि बृहस्पति तीसरे भाव में किसी पापी ग्रह से पीडित है तो जातक अपने किसी करीबी के कारण बरबाद हो जाएगा और कर्जदार हो जाएगा।

उपाय:

(1) देवी दुर्गा की पूजा करें और कन्याओं अर्थात छोटी लड़कियों को मिठाई और फल देते हुए उनके पैर छू कर उनका आशीर्वाद लें।
(2) चापलूसों से दूर रहें।

शुक्र आपके पांचवे भाव में स्थित है

पांचवां घर सूर्य का पक्का घर है जहां शुक्र सूर्य की गर्मी से जल जाएगा। नतीजन जातक रसिक मिज़ाज होगा। उसे अपने जीवनकाल में बडे दुर्भाग्य का सामना करना पडेगा। हालांकि, यदि जातक अपने चरित्र को अच्छा बनाए रखता है तो वह जीवन की कठिनाइयों को पार कर जाएगा और धनवान बनेगा। शादी के पांच साल के बाद उसे पदोन्नति मिलेगी। आम तौर पर ऐसा जातक अनुभवी और शत्रुओं को परास्त करने वाला होता है।

उपाय:

(1) अपने माता पिता की मर्जी के खिलाफ शादी न करें।
(2) गायों और माँ के समान स्त्रियों की सेवा करें।
(3) विवाहेत्तर संबंधों से बचें।
(4) जातक दूध या दही से अपना गुप्तांग साफ करें।

शनि आपके चौथे भाव में स्थित है

यह भाव चंद्रमा का घर होता है। इसलिए शनि इस भाव में मिलेजुले परिणाम देता है। जातक अपने माता

पिता के प्रति समर्पित होगा और प्रेम मुहब्बत से रहने वाला होगा। जब कभी जातक बीमार होगा तो चंद्रमा से संबंधित चीजें फायदेमंद होंगी। जातक के परिवार से कोई व्यक्ति चिकित्सा विभाग से संबंधित होगा। जब शनि इस भाव में नीच का होकर स्थित हो तो शराब पीना, सांप मारना और रात के समय घर की नीव रखना जैसे काम बहुत बुरे परिणाम देते हैं। रात में दूध पीना भी अहितकर है।

उपाय:

(1) साँप को दूध पिलाएं अथवा दूध चावल किसी गाय या भैंस को खिलाएं।

(2) किसी कुएं में दूध डालें और रात में दूध न पियें।

(3) चलते पानी में रम डालें।

राहु आपके पांचवे भाव में स्थित है

पांचवां घर सूर्य का होता है जो पुरुष संतान का संकेतक है। यदि राहू शुभ हो तो जातक अमीर, बुद्धिमान और स्वस्थ होता है। वह अच्छी आमदनी और अच्छी प्रगति का आनंद पाता है। जातक भक्त या दार्शनिक होता है। यहां स्थित नीच का राहू संतान में बाधा दिखाता है। पुत्र के जन्म के बाद जातक की पत्नी को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी संभव है। यदि बृहस्पति भी पांचवें भाव में स्थित हो तो जातक के पिता को कष्ट होगा।

उपाय:

(1) अपने घर में चांदी से बना हाथी रखें।

(2) शराब, मांशाहार, अण्डे के सेवन और व्यभिचार से बचें।

(3) अपनी जीवनसाथी से ही दो बार शादी करें।

केतु आपके ग्यारवे भाव में स्थित है

यहाँ केतु बहुत अच्छा माना जाता है। यह धन देता है। यह घर बृहस्पति और शनि से प्रभावित होता है। यदि केतु यहाँ शुभ हो, और शनि तीसरे घर में हो तो यह बहुत धन देता है, जातक के द्वारा अर्जित धन उसके पैतृक धन से अधिक होगा, लेकिन फिर भी उसे अपने भविष्य के बारे में चिंता करने की आदत होगी। यदि बुध तीसरे भाव में हो तो यह एक राज योग होगा। यदि केतू यहां अशुभ हो तो जातक को पेट की परेशानी होती है। वह भविष्य के बारे में बहुत चिंता करता है, और बहुत परेशान होता है। यदि शनि भी अशुभ हो तो जातक की दादी अथवा माँ परेशान होती है। साथ की जातक को संतान या घर से कोई लाभ नहीं होता।

उपाय:

(1) काला कुत्ता पालें।

(2) गोमेद या पन्ना पहनें।

लाल किताब टेवा

धर्मी कुण्डली

लक्षण: लाल किताब में कुछ कुण्डलियों को धर्मी टेवा कहा जाता है। लाल किताब के अनुसार राहू, केतू और शनि को अशुभ ग्रह कहा गया है। यदि कोई कुण्डली धर्मी होती है तो राहू, केतू अशुभ फल नहीं देते। यद्यपि यह जरूरी नहीं कि वो शुभ फल देंगे लेकिन अशुभफल देना बंद जरूर कर देते हैं।
राहू और केतू तब धर्मी हो जाते हैं जब वें चौथे भाव में बैठे होते हैं, अथवा किसी भी भाव में चन्द्रमा के साथ स्थित हों। शनि तब धर्मी होता है जब वह ग्यारहवें भाव में स्थित हो अथवा किसी भी भाव में बृहस्पति के साथ बैठा हो। यदि दोनो स्थितियां लागू होती हो तो कुण्डली धर्मी टेवा कहलाती है।

परिणाम: आपकी कुण्डली, धर्मी कुण्डली नहीं है।

रतांध कुण्डली

लक्षण: रतांध ग्रह लाल किताब की एक अनूठी अवधारणा है। कोई कुण्डली तब रतांध कही जाती है जब उसमें शनि सातवें भाव में हो और सूर्य चौथे भाव में।
अंधी कुण्डली की तरह, रतांध कुण्डली वाला जातक दिग्भ्रमित हो जाता है और अपने से अपना कोई निर्णय नही ले पाता। जातक किसी रतौंधी ग्रस्त व्यक्ति की तरह व्यवहार करता है।

परिणाम: आपकी कुण्डली, रतांध कुण्डली नहीं है।

अंधी कुण्डली

लक्षण: कुण्डली का दशम भाव कुण्डली की नीव की तरह होता है। क्योंकि भाव व्यवसाय, रोजगार, प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि और सरकार से मिलने वाले सहयोग का है। यदि दशम भाव में एक दूसरे के शत्रु ग्रह बैठे हों अथवा पीडित अवस्था के ग्रह, जैसे अस्त ग्रह आदि हो तो सभी ग्रह अच्छे परिणाम नहीं देते। जिस कुण्डली में ऐसी युतियां हो वह अंधी कुण्डली (टेवा) कहलाती है और ऐसा जातक किसी अंधे या दिग्भ्रमित व्यक्ति की तरह व्यवहार करता है।

परिणाम: आपकी कुण्डली, अंधी कुण्डली नहीं है।

नाबालिग कुण्डली

लक्षण: लाल किताब के अनुसार कुछ स्थितियों में कुछ कुण्डलियों को 12 साल की उम्र तक नाबालिग

कुण्डली माना जाता है। नाबालिग कुण्डली, कुण्डली में बैठे ग्रहों के अनुसार परिणाम नहीं दे सकती है और अप्रत्याशित व्यवहार प्रदर्शित करती है। ऐसी कुण्डली वाले जातक का भाग्य 12 साल की उम्र तक अविश्वसनीय रहता है।

परिणाम: आपकी कुण्डली, नाबालिग कुण्डली नहीं है।

आपके लाल किताब कुंडली पर आधारित ऋण

लाल किताब के अनुसार ऋण कुण्डली की बहुत बडी कमजोरी माने जाते हैं। पूर्वजों का ऋण मतलब अपने पूर्वजों और पितरों के द्वारा किए गए पापों से प्रभावी होगा। दूसरे शब्दों में किसी और के द्वारा की गई गलतियों की सजा रिश्तेदारों को भुगतनी या वहन करनी पडती। यदि किसी की कुण्डली में वास्तव में ऋण होते हैं तो जैसे किसी एक की कुण्डली में दिखता है वैसे ही अन्य रिश्तेदारों की कुण्डली में भी पाया जाता है।

सामान्यत: पूरा परिवार ही ऋण से प्रभावित होता है। इसलिए इनके उपाय पूरे परिवार के सहयोग से करेने पडते हैं। यदि किसी की कुण्डली में ग्रह राजयोग का निर्माण कर रहे हों और वही ग्रह ऋण संबंधी योग का गठन भी कर रहे हों तो केवल बुरे फल ही मिलते हैं।

पितृ ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब किसी कुण्डली में शुक्र, बुध या राहू दूसरे, पांचवें, नौवें अथवा बारहवें भाव में हों तो जातक पितृ ऋण से पीडित होता है।

कारण: घर पितरो या बडों ने पारिवारिक पुजारी बदला होगा।

संकेत: घर के पास में किसी मंदिर में तोड फोड हुई होगी या कोई पीपल का पेट काटा गया होगा।

उपाय: 1. परिवार के सभी सदस्यों से सिक्के के रूप में पैसे इकट्ठा करें और किसी दिन पूरे पैसे मंदिर में दान कर दें।

2. यदि आपके पडोस या घर में कोई पीपल का पेड हो तो उसे पानी दें और उसकी सेवा करें।

परिणाम: आपकी कुंडली पितृ ऋण से मुक्त है।

स्वय ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब किसी की कुण्डली में शुक्र, शनि, राहु या केतु पाँचवें भाव में स्थित हों, तो जातक स्वयं के ऋण से पीडित माना जाता।

कारण: आपके पूर्वजों या पितरो नें परिवार के रीति-रिवाज़ों और परम्पराओं को नहीं माना होगा अथवा उन्होंने परमात्मा पर विश्वास नहीं किया होगा।

संकेत: घर के नीचे आग की भट्ठियां होंगी या छत में सूर्य की रोशनी आने के लिए बहुत सारे छेद होंगे।

उपाय: 1. सभी संबंधियों के सहयोग से बराबर-बराबर पैसे इकट्ठा करके यज्ञ कराना चाहिए।

परिणाम: आपकी कुण्डली स्वय ऋण से पीडित हो सकती है। अगर उपर दिए हुए संकेत आप पर लागू हो रहे हों और आपके अन्य खून के रिश्तेदारों की कुण्डली में भी यह ऋण हो तो दिए गए उपाय करें।

मातृ ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब केतू कुण्डली के चौथे भाव में हो तो कुण्डली को मातृ ऋण से प्रभावित या ग्रसित माना जाता है।

कारण: इस तथ्य के पीछे कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों ने किसी मां को उपेक्षित किया हो या उसके साथ अत्याचार किया हो अथवा बच्चे के जन्म के बाद मां को उसके बच्चे से दूर रखा हो, या हो सकता है कि किसी माँ की उदासी को अनदेखा किया हो।

संकेत: पास के कुंए या नदी की पूजा करने के बजाय उसे गंदगी और कचरा डालने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा होगा।

उपाय: 1. अपने सभी रक्त (सगे) संबंधियों से बराबर-बराबर मात्रा में चांदी लेकर किसी नदी में बहाएं। यह काम एक ही दिन करना है।

परिणाम: आपकी कुंडली मातृ ऋण से मुक्त है।

पत्नी ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब सूर्य, चन्द्र या राहु कुण्डली के दूसरे अथवा सातवें भाव में हो, तो कुण्डली को स्त्री-ऋण से ग्रसित माना जाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों या बडे बुजुर्गों नें किसी लालच के कारण किसी गर्भवती महिला की हत्या कर दी होगी।

संकेत: घर में ऐसे जानवर होंगे जो दांत वाले हों जैसे कि गाय अथवा ऐसे जानवर जो समूह में न रहते हों।

उपाय: 1. अपने सभी रक्त (सगे) संबंधियों से बराबर-बराबर मात्रा में पैसे लेकर उससे 100 गायों को स्वादिष्ट चारा खिलाएं। यह काम एक ही दिन करना है।

परिणाम: आपकी कुण्डली स्त्री ऋण से मुक्त है।

सम्बंधी ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब बुध और केतू कुण्डली के पहले अथवा आठवें भाव में हो, तो कुण्डली को सम्बंधी-ऋण से ग्रसित माना जाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों ने किसी की फसल या घर में आग लगाई हो, किसी को जहर दिया हो अथवा किसी की गर्भवती भैंस को मार डाला हो।

संकेत: घर में किसी बच्चे के जन्मदिन, त्यौहारों या अन्य उत्सवों के समय अपने परिवार से दूर रहना

अथवा रिश्तेदारों से न मिलना इस दोष के संकेतक हैं।

उपाय: 1. अपने सभी रक्त (सगे) संबंधियों से बराबर-बराबर मात्रा में पैसे लेकर उसे दूसरों की मदद के लिए किसी चिकित्सक को दें। 2. अपने सभी रक्त (सगे) संबंधियों से बराबर-बराबर मात्रा में पैसे लेकर उससे दवाएं खरीद कर धर्मार्थ संस्थाओं को दें।

परिणाम: आपकी कुण्डली सम्बंधी ऋण से मुक्त है।

पुत्री ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब चन्द्रमा कुण्डली के तीसरे या छठे भाव में हो, तो जातक को पुत्री ऋण से पीडित माना जाता है।

कारण: पूर्वजों या पितरों के द्वारा किसी की बहन या बेटी की हत्या की गई होगी या उन्हें परेशान किया गया होगा।

संकेत: खोए हुए बच्चों को बेचना या उससे लाभ कमाने का प्रयास किया गया हो।

उपाय: 1. सारे सम्बंधी पीले रंग की कौड़ियाँ खरीद कर, एक जगह इकट्ठी करके जलाकर राख कर दें और उस राख को उसी दिन नदी में बहा दें।

परिणाम: आपकी कुण्डली पुत्री ऋण से मुक्त है।

जालिमाना ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब सूर्य, चन्द्रमा, मंगल कुण्डली के दसवें और ग्यारहवें भाव में हो, तो जातक को जालिमाना -ऋण से ग्रसित माना जाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों या पितरों ने किसी से धोखा किया होगा या उसे घर से बाहर निकाल दिया होगा और उसे गुजारे के लिए कुछ नही दिया होगा।

संकेत: घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में होगा अथवा घर की जमीन किसी ऐसे व्यक्ति से ली गई होगी जिसके पुत्र न हो या घर किसी सडक या कुएं के ऊपर निर्मित होगा।

उपाय: 1. अलग-अलग जगह की सौ मछलियों या मज़दूरों को सभी परिजन धन इकट्ठा करके एक दिन में भोजन कराएँ।

परिणाम: आपकी कुण्डली जालिमाना ऋण से मुक्त है।

अजन्मा ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब किसी कुण्डली में सूर्य, शुक्र, मंगल बारहवें भाव में हो, तो जातक इस अजात-ऋण का भागी कहलाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों या पितरों ने ससुराल-पक्ष के लोगों को धोखा दिया होगा या किसी रिश्तेदार के परिवार के विनाश में भूमिका निभाई होगी।

संकेत: दरवाजे के नीचे कोई गंदा नाला बह रहा होगा या कोई विनाशित श्मशान होगा अथवा घर की दक्षिणी दीवार से जुडी कोई भट्ठी होगी।

उपाय: 1. सभी परिजनों से एक-एक नारियल लेकर उन्हें एक जगह इकट्ठा करें और उसी दिन नदी में प्रवाहित कर दें।

परिणाम: आपकी कुण्डली अजन्मा ऋण से मुक्त है।

कुदरती ऋण

लक्षण : लाल किताब के अनुसार जब चन्द्रमा, मंगल कुण्डली के छठे भाव में स्थित हों, तो जातक इस कुदरती ऋण से ग्रसित माना जाता है।

कारण: इसका कारण यह हो सकता है कि आपके पूर्वजों या पितरों ने किसी कि बेबस कुत्ते की तरह तहस नहस किया होगा।

संकेत: किसी कुत्ते को गोली से मारना, दूसरे के बेटे को मारना अथवा या भतीजे से इतना कपट करना कि वह पूरी तरह बर्बाद हो जाय।

उपाय: 1. एक दिन में सभी परिजनों के सहयोग से सौ कुत्तों को मीठा दूध या खीर खिलानी चाहिए।
2. अपने पास में रहने वाली उस विधवा स्त्री की सेवा करके उससे आशीर्वाद प्राप्त करना करें जो कम उम्र में ही विधवा हुई हो।

परिणाम: आपकी कुण्डली कुदरती ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वार्षिक कुण्डली

लाल किताब वर्षफल कुण्डली 23/8/2019 से 23/8/2020 तक (42 वर्ष)

प्रथम माह (23/08/2019 से 23/09/2019 तक)

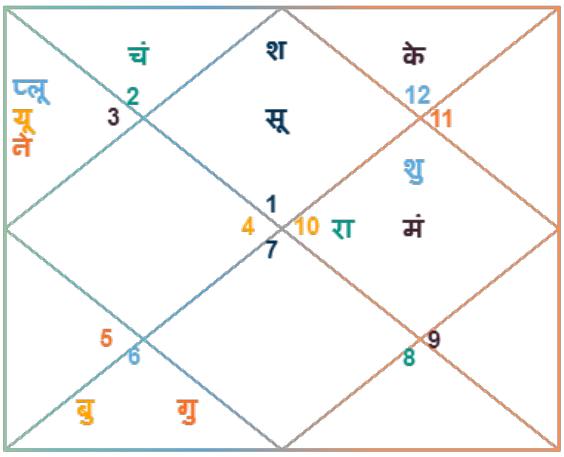

द्वितीय माह (23/09/2019 से 23/10/2019 तक)

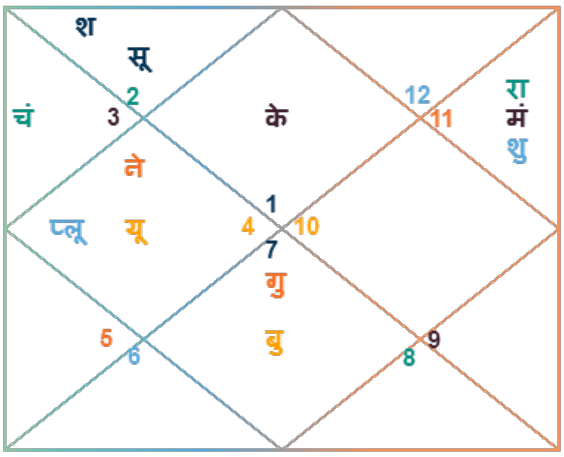

तृतीय माह (23/10/2019 से 23/11/2019 तक)

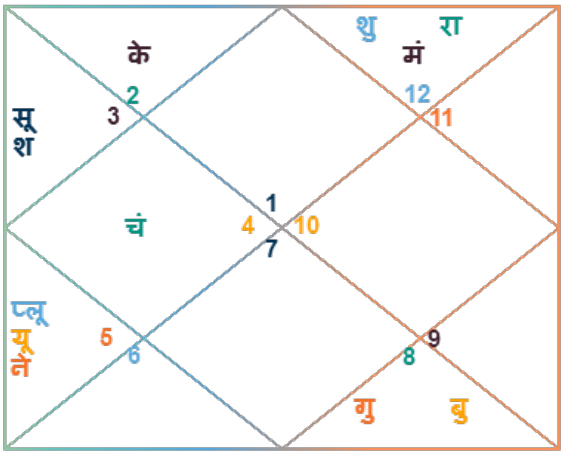

चतुर्थ माह (23/11/2019 से 23/12/2019 तक)

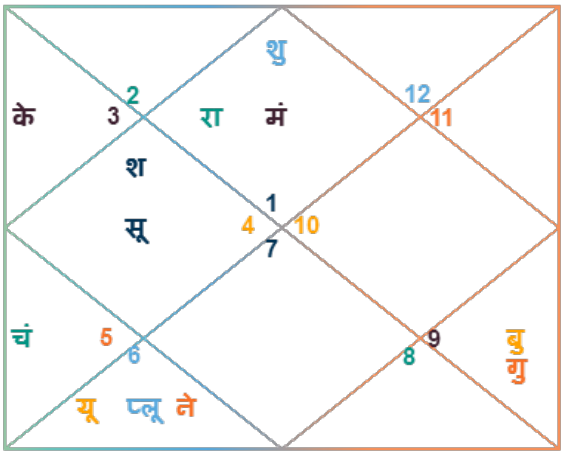

पंचम माह (23/12/2019 से 23/01/2020 तक)

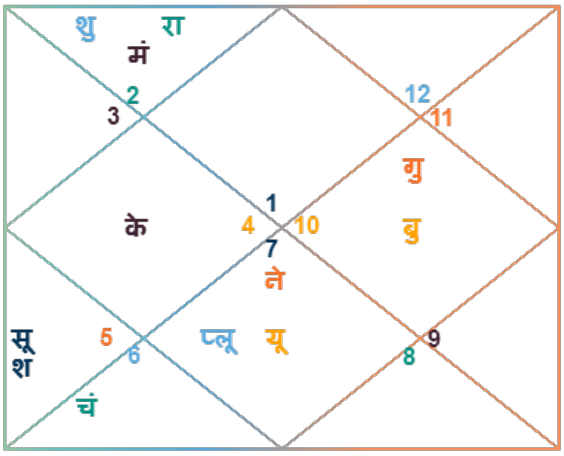

षष्ट माह (23/01/2020 से 23/02/2020 तक)

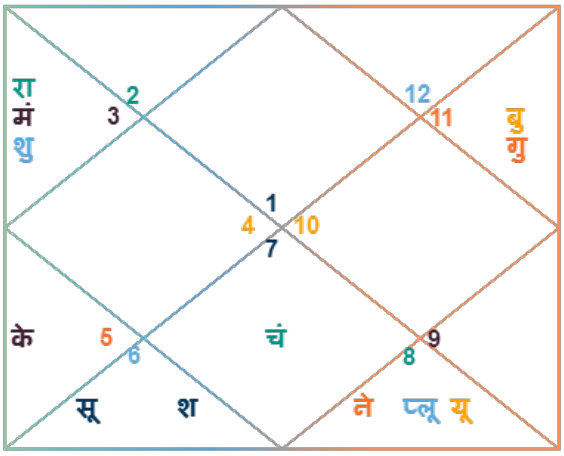

सप्तम माह (23/02/2020 से 23/03/2020 तक)

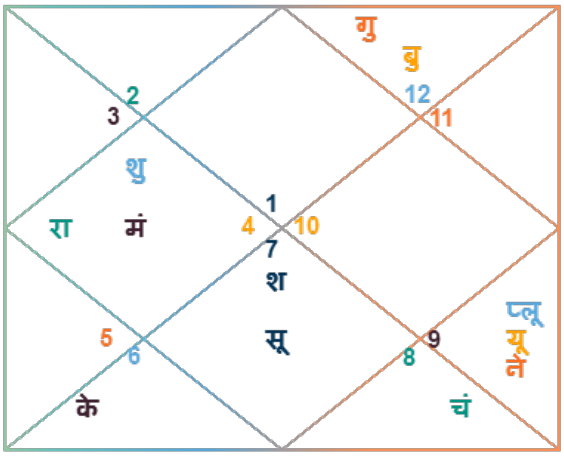

अष्टम माह (23/03/2020 से 23/04/2020 तक)

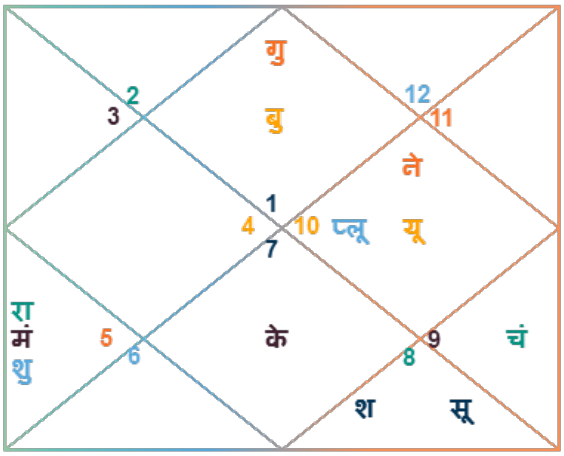

नवम माह (23/04/2020 से 23/05/2020 तक)

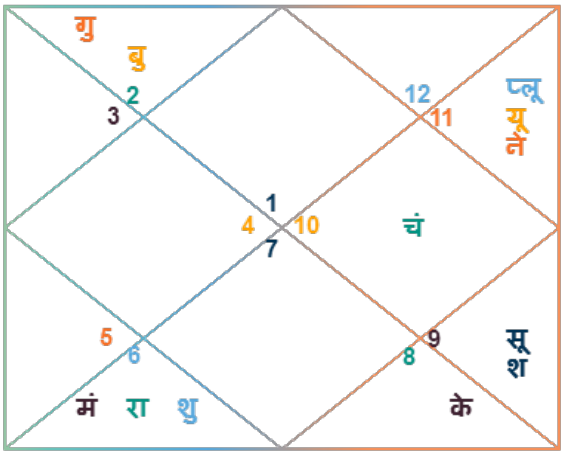

दशम माह (23/05/2020 से 23/06/2020 तक)

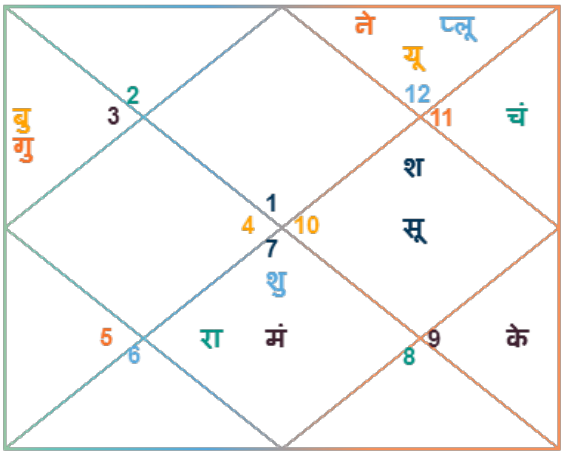

एकादश माह (23/06/2020 से 23/07/2020 तक)

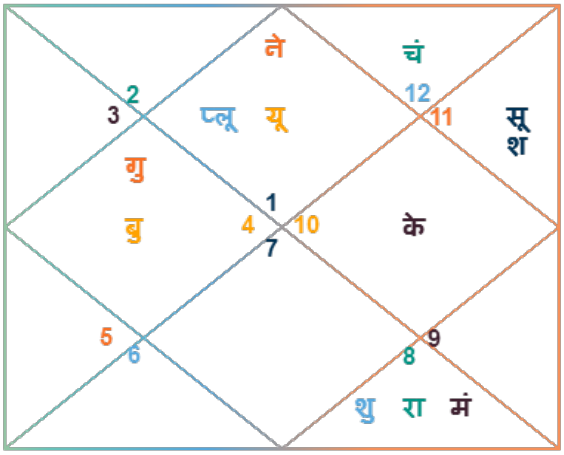

द्वादश माह (23/07/2020 से 23/08/2020 तक)

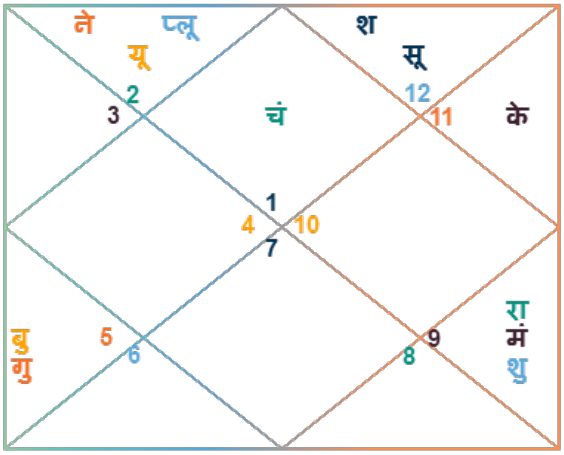

रत्न भविष्यवाणी

रत्न क्या हैं?

प्राचीन काल से रत्नों का उपयोग आध्यात्मिक क्रियाकलापों और उपचार के लिए किया जाता रहा है। हालाँकि रत्न कठिनाई से मिलते थे और बहुत सुन्दर होते थे, लेकिन उनके बहुमूल्य होने का प्रमुख कारण पहनने वाले को उनसे हासिल होने वाली शक्तियाँ थीं। रत्न शक्तियों के भण्डार की तरह हैं, जिनका असर स्पर्श के माध्यम से शरीर में जाता है। रत्नों का असर धारण करने वाले पर सकारात्मक या नकारात्मक रूप से हो सकता है – यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें किस तरह उपयोग में लाया जाता है। सभी रत्नों में अलग-अलग परिमाण में चुम्बकीय शक्तियाँ होती हैं, जिनमें से कई उपचार के दृष्टिकोण से हमारे लिए बेहद लाभदायक हैं। ये रत्न ऐसे स्पन्दन पैदा करते हैं, जिनका हमारे पूरे अस्तित्व पर बहुत गहरा असर होता है। आइए, देखें कि आपके लिए रत्न-विचार किस प्रकार है।

सुझाव

आपका जीवन रत्न
हीरा

आपका पुण्य-रत्न
पन्ना

आपका भाग्य-रत्न
नीलम

आपका जीवन रत्न

जीवन-रत्न लग्न के स्वामी का रत्न है। इस रत्न की रहस्यमयी शक्तियों का अनुभव करने के लिए इसे जीवन भर धारण किया जा सकता है। जीवन रत्न धारण करना सारी बाधाएँ मिटा सकता है और जातक को प्रसन्न, सफल व समृद्ध कर सकता है। सामान्यतः इसे व्यक्ति की सर्वांगीण उन्नति के लिए धारण किया जाता है। इसके ब्रह्माण्डीय तरंगें व्यक्ति के सम्पूर्ण अस्तित्व को प्रभावित करती हैं।

सुझाव

रत्न-सुझाव

हीरा

न्यूनतम आवश्यक भार

1 रत्ती

धारण करने के नियम

स्वर्ण धातु या चाँदी धातु, मध्यमा अंगुली में

रत्न-धारण का मंत्र

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः

आपका पुण्य-रत्न

जीवन परिश्रम और भाग्य का बढ़िया सम्मिश्रण है। अपना पुण्य-रत्न धारण करके भाग्य को अपने हित में कार्य करने दें। व्यक्ति का पुण्य-रत्न वह होता है, जो उस व्यक्ति के सौभाग्य को आकर्षित करके उसके जीवन में सुखद आश्चर्य घोलता रहता है। हमारे अनुसार आपका पुण्य-रत्न है -

सुझाव

रत्न-सुझाव

पन्ना

न्यूनतम आवश्यक भार

1.5 रत्ती

धारण करने के नियम

स्वर्ण धातु, अनामिका अंगुली में या कनिष्ठिका अंगुली में

रत्न-धारण का मंत्र

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

आपका भाग्य-रत्न

भाग्य-रत्न का निर्धारण नवम भाव के स्वामी के आधार पर किया जाता है। जब आपको वाक़ई भाग्य की आवश्यकता होती है, यह रत्न उस समय नियति को आपके पक्ष में करता है। व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में यह सकारात्मकता प्रवाहित करता है। आपकी समृद्धि के मार्ग में जो भी बाधाएँ हों, भाग्य-रत्न उन्हें दूर करने का कार्य करता है।

सुझाव

रत्न-सुझाव

नीलम

न्यूनतम आवश्यक भार

2 रत्ती

धारण करने के नियम

स्वर्ण धातु, मध्यमा अंगुली में

रत्न-धारण का मंत्र

ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:

आवश्यक जानकारी

रत्न-धारण करते समय कुछ बातों का सदैव ध्यान रखें। केवल असली रत्न ही ख़रीदें, क्योंकि नक़ली रत्न धारण करने से उनका कोई प्रभाव नहीं होता है। साथ ही आपको उस वज़न का रत्न धारण करना चाहिए, जिसका सुझाव दिया गया हो। इसे प्रायः "रत्ती" के माध्यम से इंगित किया जाता है। आज-कल बाज़ार नक़ली रत्नों से भरे पड़े हैं। अपने पाठकों की सहायता के लिए एस्ट्रोकैम्प/ऐस्ट्रोसेज आपके लिए असली रत्नों का संग्रह लाया है। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया यहाँ क्लिक करें।

रत्न ख़रीदने के लिए, कृपया रत्न एस्ट्रो शॉप देखें।

हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषियों द्वारा रत्न-संबंधित सलाह लेने के लिए कृपया "रत्न-विचार" पृष्ठ देखें।

इष्ट देवता

इष्ट देवता की पूजा सफलता व मोक्ष दिलाती है। आपकी कुंडली के अनुसार **भगवान ब्रह्मा और अय्यप्पा** आपके इष्ट देवता हैं।

भगवान ब्रह्मा और अय्यप्पा

इष्ट देवता: आवश्यकता एवं महत्व

मोक्ष की अवधारणा जन्म और मृत्यु से जुड़ी हुई है। वैदिक ज्योतिष हर व्यक्ति के जीवन में मोक्ष को सर्वोच्च लक्ष्य की तरह परिभाषित करता है। हमारे इष्ट देवता या जिस भी देवता की हम पूजा करते हैं वो हमें हमारे वास्तविक उद्देश्य यानि मोक्ष प्राप्ति में हमारी सहायता करते हैं और मोक्ष प्राप्ति के मार्ग में हमारा मार्गदर्शन करते हैं। इष्ट देवता शाब्दिक रुप में उस देवता को कहा जाता है जिनकी हम पूजा करते हैं और जो सर्वशक्तिमान हैं, आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हुए हम अपने इष्ट देव से जुड़े रहते हैं। इष्ट देव जीवन के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन करते हैं, इसके साथ ही वह हमें संरक्षित और पूर्ण जीवन जीने में भी हमारी मदद करते हैं और अंत में जन्म-मृत्यु के चक्र से हमें मुक्त करके परमात्मा से हमें जोड़ देते हैं। हर व्यक्ति के कुल देवता के विपरीत, इष्ट देवता अद्वितीय माने जाते हैं और हमारी कुंडली की मदद से इष्ट देव के बारे में बताया जा सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर व्यक्ति को अपने इष्ट देव की पूजा जरुर करनी चाहिये। जिस भी इष्ट देव को हम मानते हैं उनकी पूजा करना आसान होता है लेकिन मंत्रों के द्वारा इष्ट देवता की पूजा करने से हमें शुभ फलों की प्राप्ति में विलंब नहीं होता।

आपके इष्ट देवी / देवता कौन हैं?

ज्योतिष शास्त्र के अंतर्गत इस इष्ट देवता कैल्क्युलेटर के माध्यम से हमने एक ऐसी व्यवस्था दी गई है जिसके आधार पर आप ये जान सकते हैं कि आपके कुलदेवता या इष्ट देवी अथवा देवता कौन है और

आपको किनकी पूजा करनी चाहिए। जन्म कुंडली के अनुसार हमारा ये इष्ट देवता कैल्क्युलेटर आपके इष्ट को बताने में सहायक हैं जिनके आधार पर कोई भी अपने इष्ट को पहचान सकता है। जैमिनी ज्योतिष के अनुसार आत्म कारक के आधार पर जातक के इष्ट देवता का निर्धारण किया जाता है। हमारी जन्म कुंडली में जो ग्रह सबसे अधिक अंशों पर होता है उसे आत्म कारक माना जाता है। आत्म कारक नवांश वर्ग कुंडली में जिस राशि में स्थित होता है उसे कारकांश लग्न कहा जाता है। इष्ट देव का निर्धारण करने के लिए हमें यह देखना होता है कि कारकांश लग्न से बारहवें भाव में स्थित राशि कौन सी है और उसका स्वामी ग्रह कौन है, उसी से संबंधित देवी देवता ही हमारे इष्ट देवी-देवता होते हैं।

उपाय

ज्योतिष में नौ ग्रह हैं जिनकी अपनी अलग-अलग प्रकृति है। ये ग्रह हमारी राशि के अनुसार हमें कभी सकारात्मक तो कभी नकारात्मक परिणाम देते हैं। ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिए ज्योतिषीय उपाय का बड़ा महत्व है। ऐसा करने पर न केवल ग्रहों के बुरे प्रभाव दूर होते हैं बल्कि जातक को ग्रहों से शुभ फल भी प्राप्त होते हैं। यदि आप बीमार पड़ते हैं तो चिकित्सक के पास जाते हैं। अब चिकित्सक आपके रोग को पहचानने के लिए पहले जाँच-पड़ताल करता है और उसके बाद वह आपको दवा देता है ताकि आप रोग मुक्त हो सकें। ठीक उसी प्रकार एक ज्योतिषी आपकी जन्म कुंडली को देखकर आपकी समस्या का निदान हेतु आपको उन ग्रहों से संबंधित उपाय करने की सलाह देता है। जब आप उन उपायों को करते हैं तब जाकर आपकी समस्याओं का निदान होता है।

आपके लिए

वेश-भूषा एवं जीवन शैली
चमकदार सफेद एवं गुलाबी

व्रत
शुक्रवार

सुबह के लिए प्रार्थना
माँ लक्ष्मी/ जगदम्बे माँ /भगवान परशुराम

दान
दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि।

मंत्र
ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।

वेश-भूषा एवं जीवन शैली

हमारे जीवन में बड़े ही विचित्र रूप से ग्रहों का प्रभाव पड़ता है। जब हमारे जीवन में किसी विशेष ग्रह की दशा की शुरुआत होती है तो हमारे आसपास उस ग्रह से संबंधित घटनाएँ घटने लगती हैं। प्रत्येक ग्रह का किसी न किसी रंग/वस्तुओं से संबंध होता है। ज्योतिष के अनुसार यदि कोई ग्रह आपके लिए शुभ फलदायी है तो आपको उस ग्रह से संबंधित वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए परंतु यदि वह ग्रह आपके लिए कष्टकारी है तो आपको उस ग्रह से संबंधित चीज़ों से परहेज़ अथवा उन्हे दान करना चाहिए।

यहाँ ग्रह एवं उनसे संबंधित रंग तथा क्रियाओं को बताया जा रहा है: -

- चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें।
- प्रियतम एवं अन्य महिलाओं का सम्मान करें। यदि आप पुरुष हैं तो अपनी पत्नी का आदर करें।
- कलात्मक क्रियाओं का विकास करें।
- चरित्रवान बनें।

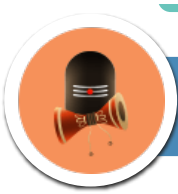

व्रत

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से व्रत धारण कर हम अपने ईश्वर की उपासना करते हैं। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से भी उपवास रखना हमारे स्वस्थ्य शरीर के लिए बहुत अच्छा है। इससे हमारे शरीर का आतंरिक एवं बाह्य भाग शुद्ध होता है। इसके अलावा यह हमारी इच्छा शक्ति को भी मजबूत बनाता है। जीवन को स्वस्थ्य बनाने एवं ग्रहों का आशीर्वाद पाने हेतु यहाँ ग्रहों से संबंधित व्रत धारण करने का दिन बताया जा रहा है:-

- शुक्र ग्रह का शुभ आशीष पाने के लिए शुक्रवार के दिन उपवास रखें।

सुबह के लिए प्रार्थना

ईश्वर से आत्मीय संपर्क बनाने के लिए प्रार्थना को सबसे बेहतर माध्यम माना गया है। प्रार्थना में हम भगवान से अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों से लड़ने के लिए साहस एवं शक्ति अथवा इच्छापूर्ति के लिए कामना करते हैं। हिन्दू धर्म में प्रत्येक ग्रह को ईश्वर के स्वरूप माना गया है इसलिए किसी विशेष ग्रह से शुभ फल पाने के लिए हम उससे संबंधित देवी/देवताओं की प्रार्थना करते हैं।

- माँ लक्ष्मी अथवा जगदम्बे माँ की पूजा करें।
- भगवान परशुराम की आराधना करें।
- श्री सूक्त का पाठ करें।

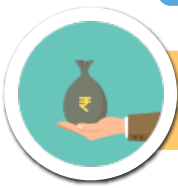

दान

वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए दान करना शुभ माना जाता है। हालाँकि दान करते समय मन में किसी बात का लालच नहीं रहना चाहिए और पूरी श्रद्धा के साथ दान की प्रक्रिया पूर्ण की जानी चाहिए। ध्यान रखें, दान हमेशा ज़रूरतमंद लोगों को करें। ज्योतिष के अनुसार जिस ग्रह से संबंधित आप दान कर रहे हैं उस ग्रह से आपको शुभ परिणामों की प्राप्ति होगी और यदि उस ग्रह से आपको कष्टकारी परिणाम मिल रहे हैं तो उससे संबंधित चीज़ें दान करने से आपके कष्ट दूर हो जाएंगे। यहाँ नीचे ग्रह एवं उनसे संबंधित दान की जाने वस्तुओं एवं दान विधि बतायी जा रही है:-

- शुक्र ग्रह से संबंधित वस्तुओं को शुक्रवार के दिन शुक्र की होरा एवं इसके नक्षत्रों (भरानी, पूर्व फाल्गुनी, पूर्व षाढ़ा) के समय दान करना चाहिए।
- दान करने वाली वस्तुएँ- दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि।

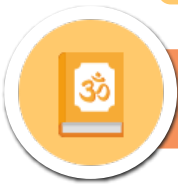

मंत्र

प्राचीन काल से ही वैदिक ज्योतिष में मंत्रों का बड़ा महत्व है। मंत्र का सही उच्चारण करने पर वातावरण में एक प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा बहती है। यदि जातक किसी विशेष ग्रह अथवा देवी, देवताओं से संबंधित मंत्र का जाप करता है तो उसकी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। नीचे सभी नौ ग्रहों के मंत्रों को बताया जा रहा है-

- शुक्र ग्रह को प्रसन्न करने के लिए आपको शुक्र बीज मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। मंत्र- ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
- इस मंत्र को कम से कम 16000 बार उच्चारण करना चाहिए और देश-काल-पात्र सिद्धांत के अनुसार कलयुग में इस मंत्र को 64000 बार जपने के लिए कहा गया है।
- आप इस मंत्र का भी जाप कर सकते हैं - ॐ शुं शुक्राय नमः।

जड़ी सुझाव रिपोर्ट

सुझाव

हमारे वातावरण में कई प्रकार की जड़ियाँ पाई जाती हैं जिनको विशेष उद्देश्य और लाभ के लिए धारण किया जाता है। इनमें से आपके लिए कौनसी जड़ी उपयुक्त होगी? इस प्रश्न का उत्तर आपकी जन्म कुंडली के अध्ययन के पश्चात ही मिल सकता है। इसके लिए आपको ज्योतिषीय परामर्श लेने की आवश्यकता होगी। जड़ी को धारण करने के पश्चात आपको उसका प्रभाव दिखने लगेगा। यहाँ हम आपको बताएंगे कि कौनसी जड़ किस ग्रह के लिए प्रयोग में लाई जाती है।

अरंड मूल

अभी खरीदें

जड़ी: महत्व और सुझाव रिपार्ट

भारत के प्राचीन ऋषि मुनियों ने वृक्ष और पौधों के गुणों को देखकर इनका उपयोग मानव जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिये किया। जिन पेड़-पौधों में औषधीय गुण विद्यमान होते हैं उन्हें आयूर्वेद विज्ञान में जड़ी-बूटी कहा जाता है। आयुर्वेद के साथ-साथ ज्योतिष शास्त्र में भी जड़ी-बूटियों का बहुत महत्व है। ज्योतिषी अक्सर लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए उन्हें जड़ी का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। यदि आपकी कुंडली में कोई ग्रह नकारात्मक है तो उसके नकारात्मक प्रभावों को दूर करने के लिए ज्योतिषियों द्वारा ग्रह से संबंधित जड़ी का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। ज्तोतिष में नौ ग्रहों के अनुसार व्यक्ति के भूत और भविष्य काल के बारे में बताया जाता है। प्रत्येक ग्रह का किसी न किसी जड़ी से संबंध होता है। जड़ियां रत्नों से बहुत कम दाम में मिल जाती हैं और रत्नों की ही तरह इनसे भी ग्रहों की नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है। हम आपकी कुंडली का आकलन करके आपके लिये कौन सी जड़ी उपयोगी सिद्ध होगी इसके बारे में बताते हैं।

अरंड मूल

अरंड मूल का संबंध शुक्र ग्रह से है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार शुक्र ग्रह प्रेम, रोमांस, सुंदरता, कला, रिलेशनशिप का कारक होता है। यदि आपकी जन्मपत्री में शुक्र की स्थिति नीच हो तो आपको उपरोक्त क्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में अरंड मूल की जड़ आपको शुक्र के बुरे प्रभावों से सुरक्षित रखेगी और यदि जन्म पत्रिका में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है तो यह जड़ उसके शुभ परिणामों में वृद्धि

करेगी। हालाँकि जड़ी को धारण करने से पूर्व किसी अच्छे ज्योतिषीय से परामर्श अवश्य लें।

अरंड मूल को धारण करने की विधि

- जड़ को गले अथवा बाजू में धारण कर सकते हैं।
- जड़ को धारण करने से पूर्व इसे गंगाजल अथवा कच्चे दूध से शुद्ध करें।
- इसके पश्चात माँ लक्ष्मी जी को सफ़ेद पुष्प, धूप-दीप, अगरबत्ती अर्पित करते हुए "ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः" मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए।

इस विधान को करने के बाद जड़ को शुक्रवार अथवा भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में धारण करना चाहिए।

शुद्ध और वास्तविक जड़ियों का महत्व

आजकल बाज़ार में बिरले ही प्राकृतिक जड़ियाँ मिलती हैं। क्योंकि मार्केट में नकली जड़ियों की भरमार है। ध्यान रहे, नकली जड़ी और असली जड़ी में आम इंसान के लिए इनके बीच के अंतर को पहचान पाना मुश्किल होता है और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से नकली जड़ियों का कोई महत्व नहीं है। लेकिन हमारे पास 100 फीसदी प्राकृतिक एवं शुद्ध जड़ियाँ उपलब्ध हैं जिसे धारण कर आप इसके ज्योतिषीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हमारे जड़ियों की वास्तविकता को लैब द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

रुद्राक्ष सुझाव रिपोर्ट

सुझाव

प्राचीन धर्म ग्रंथों में विभिन्न प्रकार के रुद्राक्षों के महत्व को बताया गया है। अतः आपके लिए कौनसा रुद्राक्ष उचित होगा? इसके लिए ज्योतिषीय परामर्श आवश्यक है। ताकि आपको उसका पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। क्योंकि एक विद्वान ज्योतिषी ही आपकी जन्म कुंडली का अध्ययन कर आपको उचित रूप से यह बता सकता है। ध्यान रहे, रुद्राक्ष का अधिक से अधिक लाभ पाने के लिए इसे पूर्ण विधि विधान से धारण करना आवश्यक है। अतः हम आपको इस रिपोर्ट में रुद्राक्ष के प्रकार और रुद्राक्ष धारण की विधि बताने जा रहे हैं।

सात मुखी रुद्राक्ष

अभी खरीदें

रुद्राक्ष- महत्व और सुझाव रिपोर्ट

रुद्राक्ष का संबंध भगवान शिव से है। माना जाता है कि रुद्राक्ष (रुद्र=भगवान शिव और अक्ष= आंसू) की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई थी। ज्योतिषशास्त्र में भी रुद्राक्ष को बहुत महत्व दिया जाता है और माना जाता है कि रुद्राक्ष धारण करने से व्यक्ति को काम, क्रोध, मोह, माया से मुक्ति मिलती है और अंत समय में मोक्ष की प्राप्ति होती है, इसके साथ ही ग्रहों के बुरे प्रभाव भी रुद्राक्ष धारण करने से दूर होते हैं। वैज्ञानिक नजरिये से देखें तो रुद्राक्ष में विद्युत चुंबकीय गुण होते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति रुद्राक्ष धारण करता है तो उसे श्वसन और रक्त संचार से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं नहीं आती, उच्च रक्तचाप और तनाव को दूर करने में भी यह कारगर है। यदि आप रुद्राक्ष की पूजा करते हैं तो आप पापों से मुक्ति पा सकते हैं। इसको धारण करने से आपको कई सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। ऋषि-मुनियों द्वारा रुद्राक्ष कुंडलिनी शक्ति को जगाने के लिये किया जाता है। वहीं सांसारिक लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति और नकारात्मकता को दूर करने के लिये रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं। चूंकि रुद्राक्ष कई तरह के होते हैं इसलिये हम आपकी कुंडली का आकलन करके आपके लिये कौनसा रुद्राक्ष उपयोगी सिद्ध होगा इसकी जानकारी आपको देते हैं। हमारे द्वारा बताये गये रुद्राक्ष को धारण करके आप अपने अंदर सकारात्मकता महसूस कर सकते हैं और साथ ही रुद्राक्ष धारण करने से आपको लाभकारी परिणामों की भी प्राप्ति होती है।

सात मुखी रुद्राक्ष

सात मुखी रुद्राक्ष महालक्ष्मी और अनंग शिवा का प्रतीक है। शास्त्रों में इसे सप्त मातृका का स्वरूप कहा गया है। ब्रह्म पुराण के अनुसार, सात मुखी रुद्राक्ष का संबंध भगवान ब्रह्मा जी की अनंत और श्रेष्ठ माया से है। शनि इस रुद्राक्ष का स्वामी है। इसको धारण करने से व्यक्ति को धन और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती है और समाज में प्रसिद्धि मिलती है। सात मुखी रुद्राक्ष चिकित्सीय दृष्टि से भी बेहद कारगर है। इससे क्रोध, तनाव, डिप्रेशन, अस्थमा और अपच जैसी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। जो व्यक्ति इस रुद्राक्ष को सच्ची श्रद्धा के साथ धारण करता है उसकी आर्थिक परेशानियाँ समाप्त होती हैं। इसके प्रभाव से आसपास की नकारात्मक शक्तियाँ भी नष्ट होती है। यह रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखता है। अंक ज्योतिष के अनुसार जिस व्यक्ति का मूलांक 8 है उसे यह रुद्राक्ष धारण करना चाहिए। इससे उसका जीवन धन्य होगा।

सात मुखी रुद्राक्ष को धारण करने की विधि

सात मुखी रुद्राक्ष को सोने/चाँदी की धातु में मढ़वाकर या बिना मढ़वाए धारण कर सकते हैं। इस रुद्राक्ष को लाल/काले धागे के साथ पहनने का विधान है अथवा आप इसे सोने/चाँदी की चेन के साथ भी धारण कर सकते हैं। रुद्राक्ष को गंगाजल अथवा कच्चे दूध से शुद्ध करना चाहिए। इसके पश्चात भैरव जी को काले तिल, धूप-दीप, अगरबत्ती अर्पित करते हुए शनि मन्त्र "ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः" का 108 बार जाप करना चाहिए। अब शनिवार को सूर्यास्त के बाद अथवा पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में रुद्राक्ष को धारण करना शुभ होता है।

प्राकृतिक रुद्राक्ष का महत्व

आजकल बाज़ार में बिरले ही प्राकृतिक रुद्राक्ष मिलते हैं। क्योंकि मार्केट में प्लास्टिक और फाइबर से बने कृत्रिम रुद्राक्षों की भरमार है। इन्हें बहुत बड़ी मात्रा में चीन द्वारा फैक्ट्री में तैयार किया जा रहा है और वैश्विक बाज़ार में बेचा जा रहा है। असली रुद्राक्ष बहुत ही सीमित मात्रा में होते हैं। इनके उत्पादन पर मौसम का भी असर पड़ता है। ध्यान रहे, आर्टिफिशियल रुद्राक्ष देखने में हू-ब-हू वास्तविक रुद्राक्ष की तरह होते हैं इसलिए आम इंसान के लिए इनके बीच के अंतर को पहचान पाना मुश्किल होता है और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से कृत्रिम रुद्राक्ष का कोई महत्व नहीं है। लेकिन हमारे पास 100 फीसदी प्राकृतिक रुद्राक्ष उपलब्ध हैं जिसे धारण कर आप इसके ज्योतिषीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हमारे रुद्राक्ष की वास्तविकता को लैब द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

यंत्र सुझाव रिपोर्ट

सुझाव

हालाँकि आपके लिए कौनसा यंत्र उचित होगा? इसके लिए ज्योतिषीय परामर्श अावश्यक है। ताकि आपको उसका पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। क्योंकि एक विद्वान ज्योतिषी ही आपकी जन्म कुंडली का अध्ययन कर आपको उचित रूप से यह बता सकता है। ध्यान रहे, यंत्र का अधिक से अधिक लाभ पाने के लिए इसे पूर्ण विधि विधान से स्थापित करना आवश्यक है। इस बात को ध्यान में रखते हुए इस रिपोर्ट में हम आपको नौ ग्रहों के यंत्र और इसे स्थापित करने की विधि बताने जा रहे हैं।

शुक्र यंत्र

अभी खरीदें

यंत्र: महत्व और सुझाव रिपोर्ट

यंत्रों में अद्भुत शक्तियां होती हैं। यंत्र का उपयोग एकाग्रता और ध्यान को मजबूत करने के लिये किया जाता है। यंत्रों पर ज्यामितीय रुप से कुछ संरचनाएं बनायी गयी होती हैं जिनमें मंत्रो को अंकित किया गया होता है। यंत्र की ज्यामितीय संरचनाएं बुनियादी ऊर्जाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। यंत्रों का उपयोग करने से मनुष्यों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। यंत्रों को मुख्य रुप से सोने, चांदी, तांबे, हड्डी, कागज और विष्णु पत्थर पर बनाया जाता है। यंत्र न केवल हमें नकारात्मक शक्तियों से बचाते हैं बल्कि इनके जरिये हम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करते हैं। स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के लिये भी यंत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तुशास्त्र में यंत्रों को सही तरीके से इस्तेमाल करने के बारे में जानकारी दी जाती है ताकि इनके हानिकारक प्रभावों से बचा जा सके। यंत्रों के जरिये हम अपने मन और शरीर में सही तालमेल बना सकते हैं। यंत्रों को घर या कार्यक्षेत्र में स्थापित किया जा सकता है या ताबीज बनाकर गले में भी धारण किया जा सकता है।

हम आपकी कुंडली का अध्ययन करके आपको उपयुक्त यंत्र का सुझाव देते हैं। अगर आप हमारे द्वारा बताए गये यंत्र को धारण करते हैं तो इससे आपको समृद्धि और सुख की प्राप्ति हो सकती है।

शुक्र यंत्र

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र एक स्त्री लिंगी ग्रह है और इस ग्रह के लिए शुक्र यंत्र स्थापित किया जाता है। इस यंत्र में बनी हुई ज्यामितीय रेखाएँ बहुत ही शक्तिशाली होती हैं जिसके प्रभाव से व्यक्ति को

विलासपूर्ण जीवन जीने का आशीर्वाद प्राप्त है। यह जातक के जीवन में प्रेम, सुंदरता और आकर्षण में वृद्धि करता है तथा उसके जीवन में सांसारिक सुखों की वृद्धि होती है। इस यंत्र का लाभ पाने के लिए इसे पूजा-विधि के अनुसार स्थापित करना आवश्यक है। यदि आपकी जन्म पत्रिका में शुक्र की दशा ख़राब हो या शुक्र कमज़ोर हो तो आपको शुक्र यंत्र को स्थापित करना चाहिए। यह यंत्र न केवल सूर्य की स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि इसके प्रभाव से आपको ढेरों लाभ प्राप्त होंगे। यदि आप कला, सिनेमा, डिज़ाइनिंग, थिएटर, म्यूज़िक आदि से क्षेत्र से जुड़ें हैं तो शुक्र यंत्र आपको सफलता दिलाएगा। इसके प्रभाव से आपको आर्थिक तथा अन्य लाभ भी प्राप्त होंगे। शुक्र यंत्र दाम्पत्य और प्रेम जीवन में प्रेम, मधुरता और सामंजस्य को बनाए रखता है। इसके अतिरिक्त यदि आप पार्टनरशिप में को व्यवसाय कर रहे हैं तो यह यंत्र आप दोनों के बीच अच्छा तालमेल बनाएगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह बहुत चमत्कारिक यंत्र है। यह आपको आँख, पेट और चर्म से सबंधित रोगों से छुटकारा दिलाएगा। यदि आप समाज में प्रसिद्धि पाना चाहते हैं और अपने व्यक्तित्व को आकर्षण बनाना चाहते हैं तो यकीन मानिए यह यंत्र आपके लिए बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगा।

शुक्र यंत्र को स्थापित करने की विधि

- शुक्र यंत्र को स्थापित करने से पूर्व यंत्र को पहले गंगा जल अथवा कच्चे दूध से शुद्ध कर लें।
- इसके पश्चात माँ लक्ष्मी जी को सफ़ेद पुष्प, धूप-दीप, अगरबत्ती अर्पित करते हुए "ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः" मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए।

इस विधान को करने के बाद शुक्र यंत्र को शुक्रवार अथवा भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में स्थापित करना चाहिए।

सिद्ध यंत्रों का महत्व

बाज़ार में आपको सामान्य यंत्र अवश्य मिल जाएंगे परंतु सिद्ध यंत्र आपको नहीं मिलेंगे। क्योंकि यंत्र को सिद्ध करने के लिए एक निश्चित विधि का पालन किया जाता है और इसे संबंधित मंत्रों के द्वारा सिद्ध किया जाता है। एस्ट्रोसेज पर आपके लिए अच्छी गुणवत्ता वाली और असली जड़ियाँ उपलब्ध हैं। हमारे यहाँ उपलब्ध जड़ियों की क्वालिटी और इसकी वास्तविकता की जाँच सभी तरह से की जाती है। ध्यान रहे, बिना सिद्धि के किसी भी यंत्र का प्रभाव शून्य ही रहता है जिससे जातकों को उसके परिणाम नहीं प्राप्त होते हैं।

शुभ घड़ी

विवाह के लिए शुभ समय

विवाह जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। कभी-कभी कुछ कारणों की वजह से विवाह में विलंब आते हैं। वहीं वैवाहिक जीवन में भी कुछ परेशानियां आती हैं। इस संबंध में हमने पूरी कोशिश की है कि आपको जन्म कुंडली के आधार पर सटीक जानकारी दी जाये। नीचे दी गई सारणी में सिलसिलेवार तरीके से उल्लेख किया है कि, आपके विवाह और वैवाहिक जीवन के लिए कौन सा समय सबसे अच्छा होगा? साथ ही इन मामलों में आपको कब-कब परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसकी जानकारी भी आप ले सकते हैं

18 से 45 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	बृहस्पति	13/ 2/1996	1/12/1996	शुभ
सूर्य	शनि	1/12/1996	13/11/1997	शुभ
सूर्य	बुध	13/11/1997	19/ 9/1998	सर्वोत्तम
सूर्य	केतु	19/ 9/1998	25/ 1/1999	शुभ
चंद्र	मंगल	25/11/2000	25/ 6/2001	शुभ
चंद्र	राहु	25/ 6/2001	25/12/2002	शुभ
चंद्र	बृहस्पति	25/12/2002	25/ 4/2004	शुभ
चंद्र	शनि	25/ 4/2004	25/11/2005	शुभ
चंद्र	बुध	25/11/2005	25/ 4/2007	उत्तम
चंद्र	केतु	25/ 4/2007	25/11/2007	शुभ
चंद्र	सूर्य	25/ 7/2009	25/ 1/2010	सर्वोत्तम
मंगल	मंगल	25/ 1/2010	22/ 6/2010	शुभ
मंगल	राहु	22/ 6/2010	10/ 7/2011	शुभ
मंगल	बृहस्पति	10/ 7/2011	16/ 6/2012	शुभ

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
मंगल	शनि	16/ 6/2012	25/ 7/2013	शुभ
मंगल	बुध	25/ 7/2013	22/ 7/2014	सर्वोत्तम
मंगल	केतु	22/ 7/2014	19/12/2014	शुभ
मंगल	सूर्य	19/ 2/2016	25/ 6/2016	उत्तम
राहु	राहु	25/ 1/2017	7/10/2019	शुभ
राहु	बृहस्पति	7/10/2019	1/ 3/2022	शुभ
राहु	शनि	1/ 3/2022	7/ 1/2025	शुभ

करियर के लिए शुभ समय

करियर को लेकर हर व्यक्ति की एक महत्वाकांक्षा होती है। जीवन में हर कोई आगे बढ़ना चाहता है और कुछ करना चाहता है, लेकिन जीवन में कभी-कभी कुछ ऐसे मोड़ आते हैं जब करियर के क्षेत्र में परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर कभी ऐसा संयोग भी बनता है जब हमें करियर के क्षेत्र में तरक्की भी मिलती है। हमारा प्रयास है कि आपकी जन्म कुंडली के आधार पर आपकी करियर लाइफ का सटीक विश्लेषण करें। इस टेबल के जरिए आप जान सकते हैं आपके करियर का बेहतर और कठिन समय

18 से 65 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	बृहस्पति	13/ 2/1996	1/12/1996	सर्वोत्तम
सूर्य	शनि	1/12/1996	13/11/1997	शुभ
सूर्य	बुध	13/11/1997	19/ 9/1998	शुभ
सूर्य	केतु	19/ 9/1998	25/ 1/1999	उत्तम
सूर्य	शुक्र	25/ 1/1999	25/ 1/2000	शुभ
चंद्र	राहु	25/ 6/2001	25/12/2002	शुभ
चंद्र	बृहस्पति	25/12/2002	25/ 4/2004	शुभ
चंद्र	शनि	25/ 4/2004	25/11/2005	उत्तम
चंद्र	बुध	25/11/2005	25/ 4/2007	शुभ
चंद्र	केतु	25/ 4/2007	25/11/2007	शुभ
चंद्र	शुक्र	25/11/2007	25/ 7/2009	शुभ
चंद्र	सूर्य	25/ 7/2009	25/ 1/2010	सर्वोत्तम
मंगल	बृहस्पति	10/ 7/2011	16/ 6/2012	सर्वोत्तम
मंगल	शनि	16/ 6/2012	25/ 7/2013	शुभ
मंगल	बुध	25/ 7/2013	22/ 7/2014	शुभ
मंगल	केतु	22/ 7/2014	19/12/2014	शुभ
मंगल	शुक्र	19/12/2014	19/ 2/2016	शुभ
मंगल	सूर्य	19/ 2/2016	25/ 6/2016	उत्तम

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
मंगल	चंद्र	25/ 6/2016	25/ 1/2017	शुभ
राहु	बृहस्पति	7/10/2019	1/ 3/2022	उत्तम
राहु	शनि	1/ 3/2022	7/ 1/2025	शुभ
राहु	बुध	7/ 1/2025	25/ 7/2027	शुभ
राहु	केतु	25/ 7/2027	13/ 8/2028	सर्वोत्तम
राहु	सूर्य	13/ 8/2031	7/ 7/2032	शुभ
राहु	चंद्र	7/ 7/2032	7/ 1/2034	शुभ
राहु	मंगल	7/ 1/2034	25/ 1/2035	शुभ
बृहस्पति	बृहस्पति	25/ 1/2035	13/ 3/2037	शुभ
बृहस्पति	शनि	13/ 3/2037	25/ 9/2039	सर्वोत्तम
बृहस्पति	बुध	25/ 9/2039	1/ 1/2042	शुभ
बृहस्पति	केतु	1/ 1/2042	7/12/2042	उत्तम

व्यापार के लिए शुभ अवधि

व्यापार में वृद्धि और जीवन में समृद्धि हर व्यक्ति की इच्छा होती है। जहां व्यापार में सफलता हमें उन्नति के शिखर पर लेकर जाती है, वहीं दूसरी ओर कई बार व्यापार में मिलने वाली असफलता से आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। हर व्यक्ति अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है और जीवन में आर्थिक रूप से समृद्ध होना चाहता है। नीचे दी गई तालिका में हमने प्रयास किया है कि आपको व्यापार के बारे में शुभ और चुनौतिपूर्ण समय की जानकारी दे सकें। जिसके द्वारा आप अपने व्यापार को एक नई दिशा दे सकें

18 से 65 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	बृहस्पति	13/ 2/1996	1/12/1996	सर्वोत्तम
सूर्य	शनि	1/12/1996	13/11/1997	शुभ
सूर्य	बुध	13/11/1997	19/ 9/1998	शुभ
सूर्य	केतु	19/ 9/1998	25/ 1/1999	उत्तम
चंद्र	मंगल	25/11/2000	25/ 6/2001	शुभ
चंद्र	राहु	25/ 6/2001	25/12/2002	शुभ
चंद्र	बृहस्पति	25/12/2002	25/ 4/2004	शुभ
चंद्र	शनि	25/ 4/2004	25/11/2005	उत्तम
चंद्र	बुध	25/11/2005	25/ 4/2007	शुभ
चंद्र	केतु	25/ 4/2007	25/11/2007	शुभ
चंद्र	सूर्य	25/ 7/2009	25/ 1/2010	सर्वोत्तम
मंगल	मंगल	25/ 1/2010	22/ 6/2010	शुभ
मंगल	राहु	22/ 6/2010	10/ 7/2011	शुभ
मंगल	बृहस्पति	10/ 7/2011	16/ 6/2012	सर्वोत्तम
मंगल	शनि	16/ 6/2012	25/ 7/2013	शुभ
मंगल	बुध	25/ 7/2013	22/ 7/2014	शुभ
मंगल	केतु	22/ 7/2014	19/12/2014	शुभ

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
मंगल	सूर्य	19/ 2/2016	25/ 6/2016	उत्तम
राहु	राहु	25/ 1/2017	7/10/2019	शुभ
राहु	बृहस्पति	7/10/2019	1/ 3/2022	उत्तम
राहु	शनि	1/ 3/2022	7/ 1/2025	शुभ
राहु	बुध	7/ 1/2025	25/ 7/2027	शुभ
राहु	केतु	25/ 7/2027	13/ 8/2028	सर्वोत्तम
राहु	सूर्य	13/ 8/2031	7/ 7/2032	शुभ
राहु	मंगल	7/ 1/2034	25/ 1/2035	शुभ
बृहस्पति	बृहस्पति	25/ 1/2035	13/ 3/2037	शुभ
बृहस्पति	शनि	13/ 3/2037	25/ 9/2039	सर्वोत्तम
बृहस्पति	बुध	25/ 9/2039	1/ 1/2042	शुभ
बृहस्पति	केतु	1/ 1/2042	7/12/2042	उत्तम

गृह निर्माण के लिए शुभ अवधि

जीवन में अपना घर हर किसी का सपना होता है। हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके पास एक अच्छा घर और खुशहाल जीवन हो। इसके लिए हर व्यक्ति अपने स्तर पर भरपूर प्रयास करता है। हालांकि अपने इस सपने को पूरा करने में कुछ लोग जल्दी सफल हो जाते हैं और कुछ लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। नीचे दी गई सारणी के माध्यम से आप जान सकते हैं कि, कौन सा समय आपके गृह निर्माण के लिए उपयुक्त रहेगा

18 से 75 वर्ष की आयु का विश्लेषण

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
सूर्य	बृहस्पति	13/ 2/1996	1/12/1996	शुभ
सूर्य	शनि	1/12/1996	13/11/1997	शुभ
सूर्य	केतु	19/ 9/1998	25/ 1/1999	शुभ
सूर्य	शुक्र	25/ 1/1999	25/ 1/2000	शुभ
चंद्र	मंगल	25/11/2000	25/ 6/2001	उत्तम
चंद्र	राहु	25/ 6/2001	25/12/2002	शुभ
चंद्र	बृहस्पति	25/12/2002	25/ 4/2004	शुभ
चंद्र	शनि	25/ 4/2004	25/11/2005	शुभ
चंद्र	केतु	25/ 4/2007	25/11/2007	शुभ
चंद्र	शुक्र	25/11/2007	25/ 7/2009	शुभ
चंद्र	सूर्य	25/ 7/2009	25/ 1/2010	सर्वोत्तम
मंगल	मंगल	25/ 1/2010	22/ 6/2010	शुभ
मंगल	राहु	22/ 6/2010	10/ 7/2011	शुभ
मंगल	बृहस्पति	10/ 7/2011	16/ 6/2012	शुभ
मंगल	शनि	16/ 6/2012	25/ 7/2013	उत्तम
मंगल	केतु	22/ 7/2014	19/12/2014	शुभ
मंगल	सूर्य	19/ 2/2016	25/ 6/2016	सर्वोत्तम

दशा	अंतर्दशा	अवधि प्रारंभ	अवधि समाप्त	विश्लेषण
मंगल	चंद्र	25/ 6/2016	25/ 1/2017	शुभ
राहु	राहु	25/ 1/2017	7/10/2019	शुभ
राहु	बृहस्पति	7/10/2019	1/ 3/2022	शुभ
राहु	शनि	1/ 3/2022	7/ 1/2025	शुभ
राहु	केतु	25/ 7/2027	13/ 8/2028	शुभ
राहु	सूर्य	13/ 8/2031	7/ 7/2032	सर्वोत्तम
राहु	चंद्र	7/ 7/2032	7/ 1/2034	शुभ
राहु	मंगल	7/ 1/2034	25/ 1/2035	उत्तम
बृहस्पति	बृहस्पति	25/ 1/2035	13/ 3/2037	शुभ
बृहस्पति	शनि	13/ 3/2037	25/ 9/2039	शुभ
बृहस्पति	केतु	1/ 1/2042	7/12/2042	शुभ
बृहस्पति	सूर्य	7/ 8/2045	25/ 5/2046	सर्वोत्तम
बृहस्पति	चंद्र	25/ 5/2046	25/ 9/2047	शुभ
बृहस्पति	मंगल	25/ 9/2047	1/ 9/2048	शुभ
बृहस्पति	राहु	1/ 9/2048	25/ 1/2051	उत्तम
शनि	शनि	25/ 1/2051	28/ 1/2054	उत्तम

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---

तात्कालिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
चंद्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---

पंचधा मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	अतिशत्रु
चंद्र	सम	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	---	सम	अतिमित्र	शत्रु	मित्र
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	---	सम	मित्र
शुक्र	सम	अतिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	---	अतिमित्र
शनि	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	---

शोडषवर्ग तालिका

शोडषवर्ग तालिका														
क्र.सं.	शोडषवर्ग	ल	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	यू	ने	प्लू
1	लग्न	2	5	1	6	4	4	6	5	6	12	7	8	6
2	होरा	5	5	4	5	5	4	5	5	4	4	4	5	5
3	द्रेष्काण	6	5	5	10	12	4	2	5	6	12	11	4	2
4	चतुर्थांश	8	5	7	12	1	4	3	8	6	12	1	2	12
5	सप्तमांश	11	6	4	4	4	10	5	7	0	6	11	6	4
6	नवमांश	2	3	5	3	12	5	4	3	11	5	12	10	4
7	दशमांश	3	7	6	8	9	1	9	8	3	9	1	11	9
8	द्वादशांश	8	7	7	1	3	5	3	8	7	1	2	4	2
9	षोडशांश	1	8	9	6	4	3	9	10	11	11	11	4	8
10	विंशांश	7	1	11	5	7	3	8	3	8	8	1	11	7
11	चतुर्विंशांश	4	10	6	6	2	7	10	12	7	7	8	9	9
12	सप्तविंशाश	5	7	3	8	11	1	12	9	8	2	12	5	11
13	त्रिंशांश	12	11	9	12	8	2	10	11	2	2	3	10	10
14	खवेदांश	3	9	10	7	8	12	1	2	1	1	2	12	11
15	अक्षवेदांश	4	3	1	1	7	6	7	7	3	3	5	1	4
16	षष्टयंश	9	6	9	7	12	11	3	12	3	9	9	3	12

शोडषवर्ग भाव तालिका

क्र.सं.	शोडषवर्ग	ल	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	यू	ने	प्लू
1	लग्न	1	4	12	5	3	3	5	4	5	11	6	7	5
2	होरा	1	1	12	1	1	12	1	1	12	12	12	1	1
3	द्रेष्काण	1	12	12	5	7	11	9	12	1	7	6	11	9
4	चतुर्थांश	1	10	12	5	6	9	8	1	11	5	6	7	5
5	सप्तमांश	1	8	6	6	6	12	7	9	2	8	1	8	6
6	नवमांश	1	2	4	2	11	4	3	2	10	4	11	9	3
7	दशमांश	1	5	4	6	7	11	7	6	1	7	11	9	7
8	द्वादशांश	1	12	12	6	8	10	8	1	12	6	7	9	7
9	षोडशांश	1	8	9	6	4	3	9	10	11	11	11	4	8
10	विंशांश	1	7	5	11	1	9	2	9	2	2	7	5	1
11	चतुर्विंशांश	1	7	3	3	11	4	7	9	4	4	5	6	6
12	सप्तविंशाश	1	3	11	4	7	9	8	5	4	10	8	1	7
13	त्रिंशांश	1	12	10	1	9	3	11	12	3	3	4	11	11
14	खवेदांश	1	7	8	5	6	10	11	12	11	11	12	10	9
15	अक्षवेदांश	1	12	10	10	4	3	4	4	12	12	2	10	1
16	षष्टयंश	1	10	1	11	4	3	7	4	7	1	1	7	4

शोडषवर्ग कुण्डलियाँ

लग्न

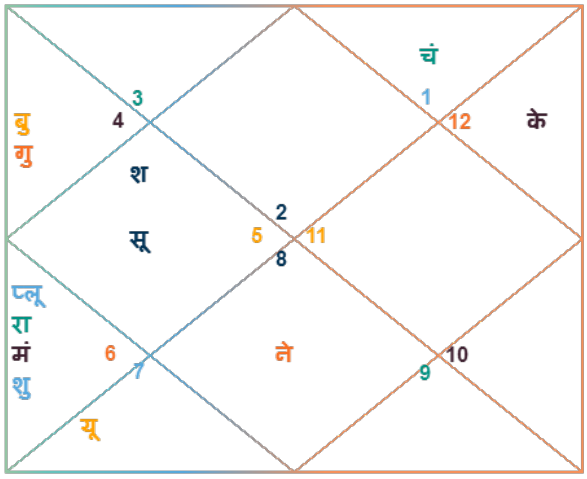

होरा (धन-सम्पत्ति)

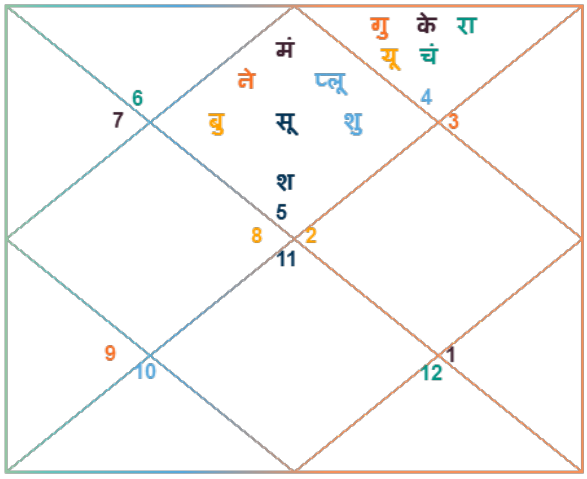

द्रेष्काण (भाई-बहन)

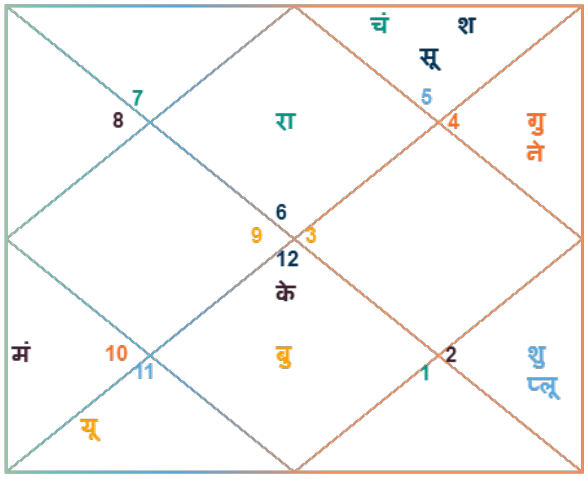

चतुर्थांश (भाग्य)

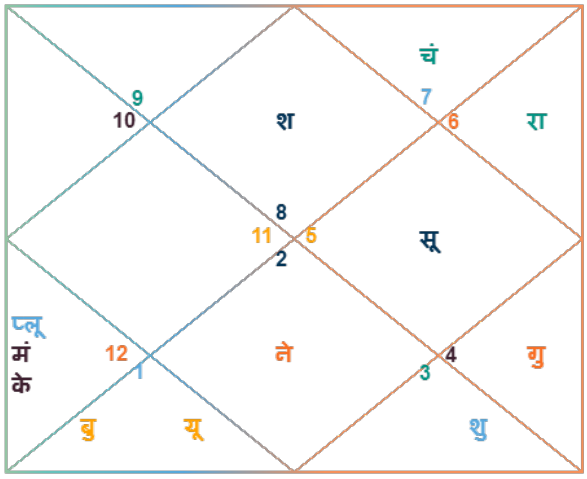

सप्तमांश (बच्चे)

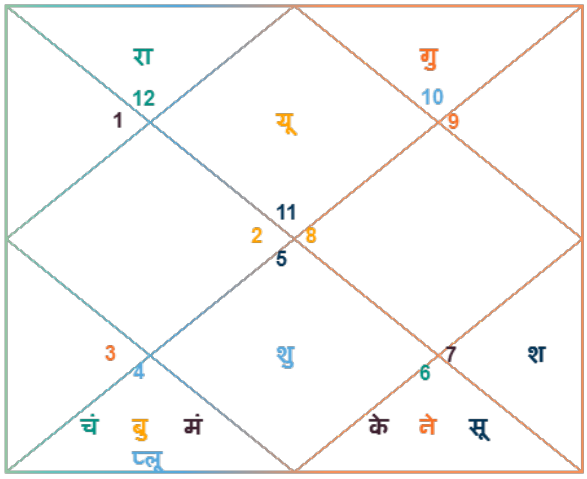

नवमांश (पति /पत्नी)

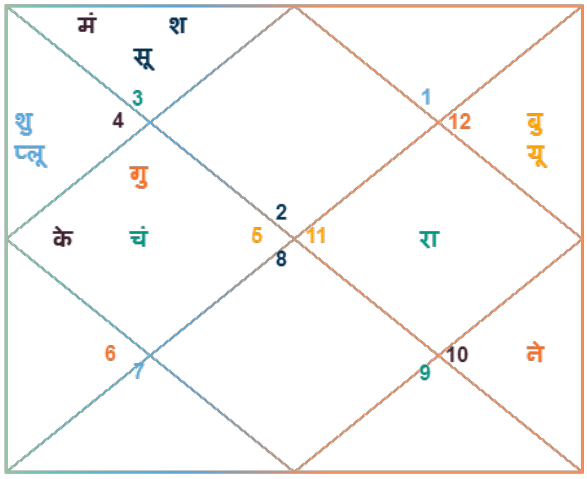

दशमांश (व्यवसाय)

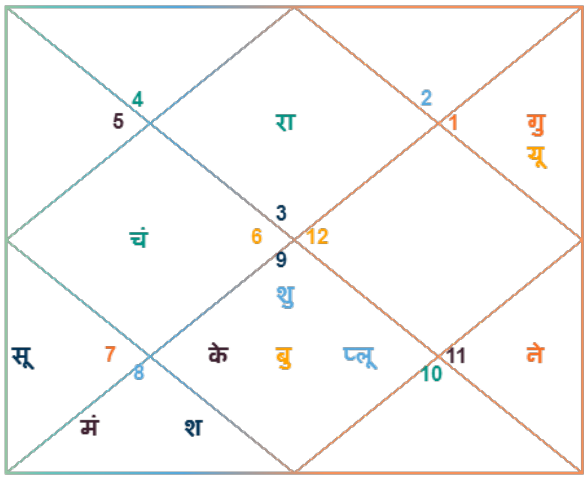

द्वादशांश (माता-पिता)

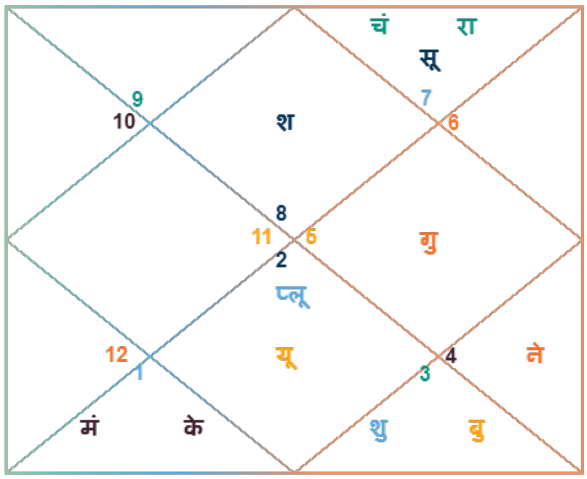

षोडशांश (वाहन)

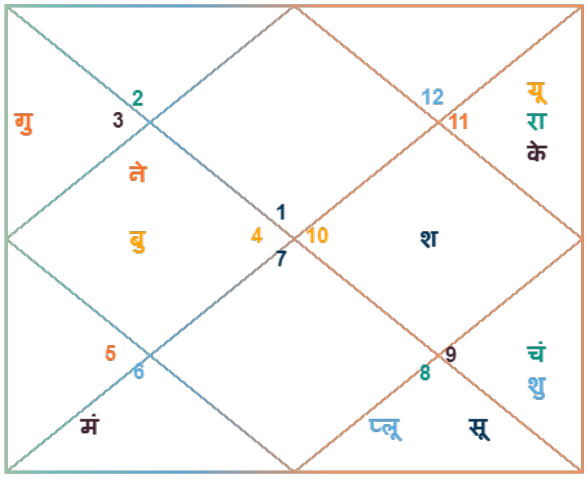

विंशांश (धार्मिक रुचि)

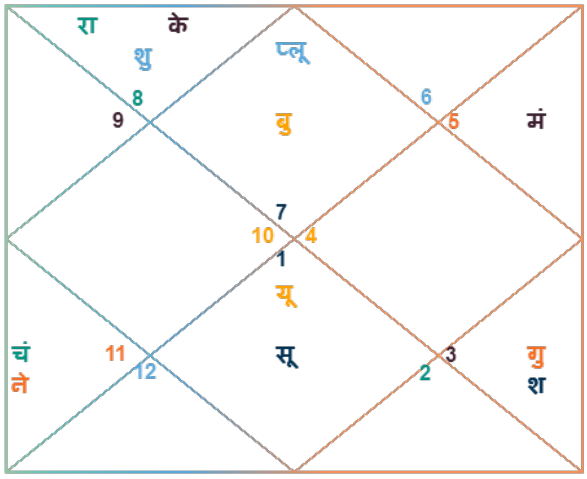

सप्तविंशाश (बल)

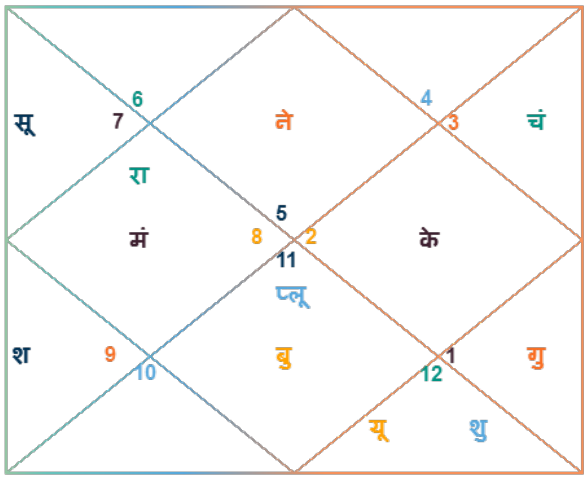

चतुर्विंशांश (शिक्षा)

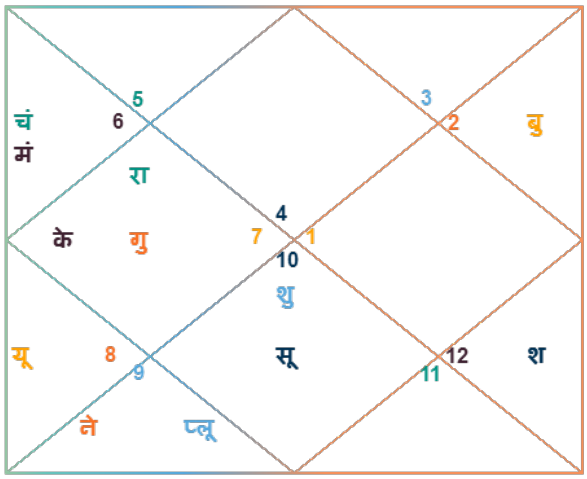

त्रिंशांश (दुर्भाग्य)

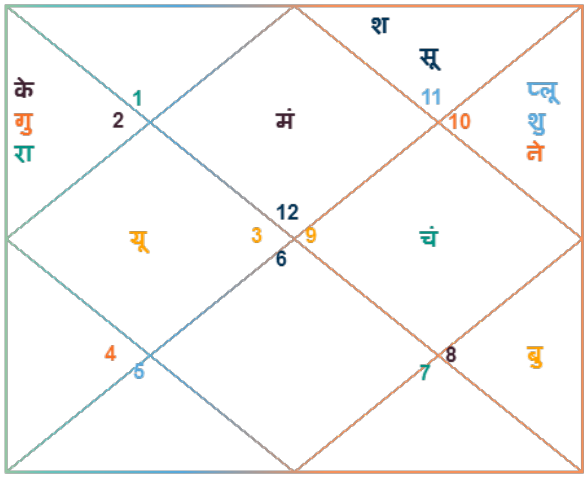

खवेदांश (शुभ फल)

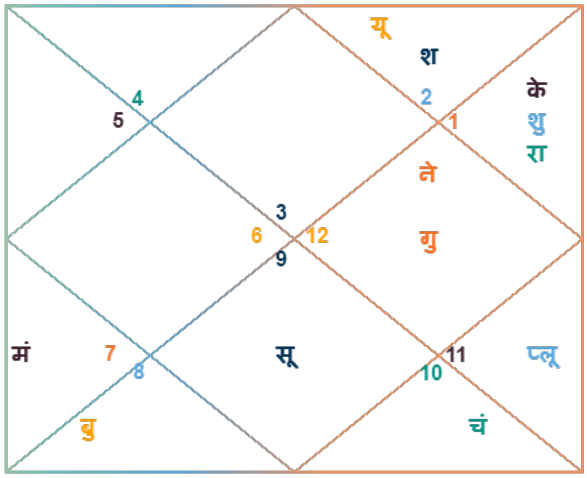

अक्षवेदांश (सामान्य जीवन)

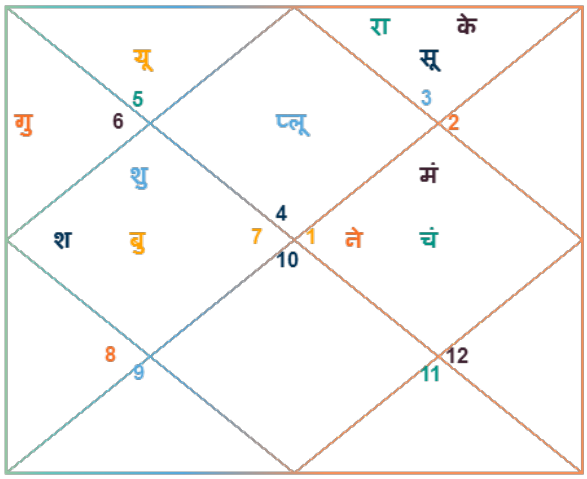

षष्टयंश (सामान्य जीवन)

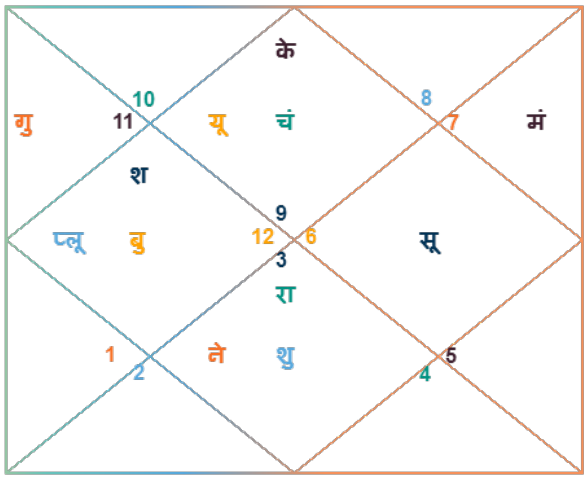

षड्बल एवं भावबल तालिका

षड्बल, वैदिक ज्योतिष में एक विधि है जो ग्रहों और घरों की ताकत में त्वरित जानकारी देता है। षड का संस्कृत में मतलब है छह इसलिए षड्बल ताकत के 6 विभिन्न स्रोतों के होते हैं। षड्बल गणना एक थका देने वाली प्रक्रिया है लेकिन कंप्यूटर को एक धन्यवाद जो सिर्फ एक माउस क्लिक करके इन ताकत की गणना को प्राप्त कर सकते हैं। षड्बल विधि प्रत्येक ग्रह और प्रत्येक घर के लिए एक मूल्य देता है। अधिक अंक एक घर और एक ग्रह में प्राप्त होते है तो षड्बल मजबूत होता है।

षड्बल तालिका

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	21.1	54.46	16.89	44.43	59.64	1.44	36.66
सप्तवर्गज बल	144.38	97.5	112.5	90.0	135.0	114.38	88.13
ओजयुग्मरस्यांश बल	30	0	15	0	15	30	30
केन्द्र बल	60	15	30	15	15	30	60
द्रेष्काण बल	1	1	1	1	1	1	1
कुल स्थान बल	270.47	166.96	174.39	149.43	239.64	190.82	214.78
कुल दिग्बल	2.63	25.86	16.62	35.74	43.86	42.04	28.15
नतोनंत बल	2.55	57.45	57.45	60.0	2.55	2.55	57.45
पक्ष बल	23.23	23.23	23.23	36.77	36.77	36.77	23.23
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	0	0	0	45	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	89.04	11.22	23.85	48.04	56.32	21.87	17.02
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल काल बल	129.81	91.9	104.53	189.81	215.64	151.19	97.7
कुल चेष्टा बल	39.91	36.77	19.68	44.21	12.46	37.71	0.1
कुल नैसर्गिक बल	60.0	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
कुल द्रिक् बल	9.06	-5.06	8.55	9.76	8.63	11.05	9.06
कुल षड्बल	511.89	367.86	340.93	454.69	554.49	475.66	358.37
षड्बल (रुपस)	8.53	6.13	5.68	7.58	9.24	7.93	5.97

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
न्यूनतम आवश्यकता	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.71	1.02	1.14	1.08	1.42	1.44	1.19
सापेक्षिक क्रम	1	7	5	6	3	2	4
इष्ट फल	29.02	44.75	18.23	44.32	27.26	7.37	1.91
कष्ट फल	27.96	11.34	41.69	15.68	4.14	36.13	37.39

भावबल तालिका

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	475.66	454.69	367.86	511.89	454.69	475.66	340.93	554.49	358.37	358.37	554.49	340.93
भाव दिग्बल	30	50	50	60	20	10	60	10	50	0	10	40
भावदृष्टि बल	-13.82	-7.81	8.75	9.7	21.51	72.12	74.95	23.51	71.98	90.02	76.23	22.06
कुल भाव बल	491.84	496.88	426.61	581.59	496.2	557.77	475.88	587.99	480.35	448.39	640.72	402.99
कुल भाव बल (रुपस में)	8.2	8.28	7.11	9.69	8.27	9.3	7.93	9.8	8.01	7.47	10.68	6.72
सापेक्षिक क्रम	7	5	11	3	6	4	9	2	8	10	1	12

अष्टकवर्ग - सर्वाष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	5	5	5	2	4	5	2	4	3	1	5	7
चंद्र	3	5	6	5	0	2	7	3	2	7	6	3
मंगल	4	5	5	3	2	3	3	2	4	1	4	3
बुध	5	7	6	5	2	5	3	4	6	3	4	4
गुरू	4	6	4	5	5	4	8	3	4	4	5	4
शुक्र	4	7	5	5	3	3	2	6	5	3	3	6
शनि	1	4	6	3	4	2	2	3	3	2	6	3
योग	26	39	37	28	20	24	27	25	27	21	33	30

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

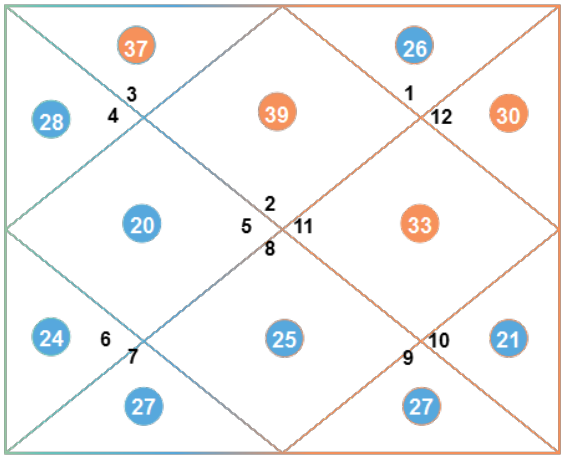

प्रस्तरअष्टकवर्ग

सूर्य													
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
बुध	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	7
गुरु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
शुक्र	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	3
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	5	5	5	2	4	5	2	4	3	1	5	7	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

सूर्य कारकत्व

- पिता
- सरकार
- स्वास्थ्य

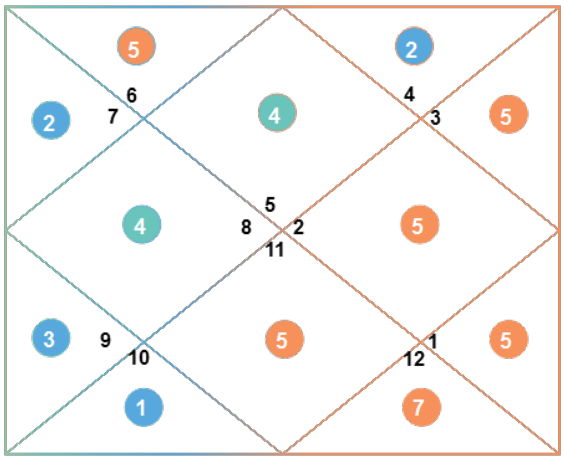

चंद्र

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
मंगल	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
बुध	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
शुक्र	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	7
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
योग	3	5	6	5	0	2	7	3	2	7	6	3	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

चंद्र कारकत्व

- माता
- मन
- आँख

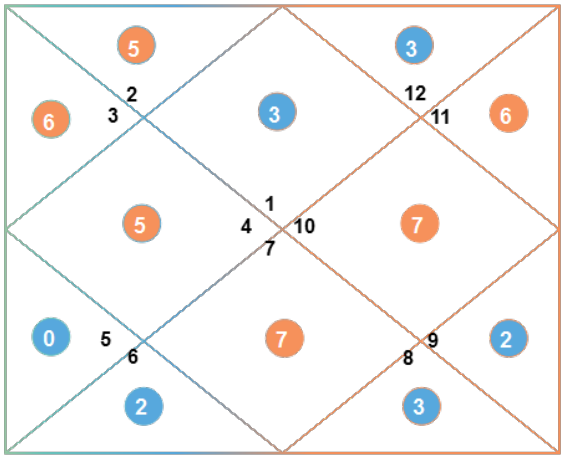

मंगल

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
शनि	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	7
लग्न	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
योग	4	5	5	3	2	3	3	2	4	1	4	3	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

मंगल कारकत्व

- भाई - बहन
- साहस
- प्रॉपर्टी

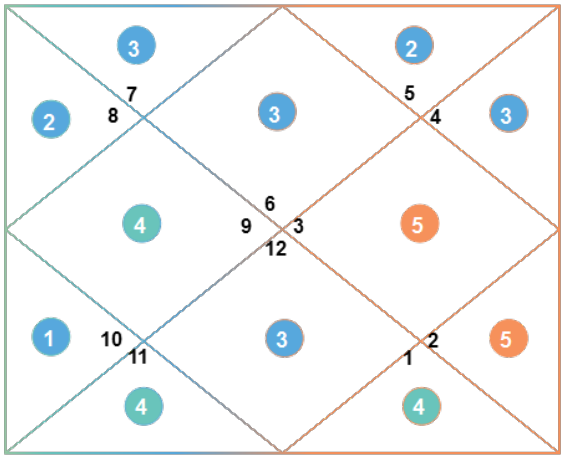

बुध

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	5
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	6
मंगल	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
बुध	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	1	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
शुक्र	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	8
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	5	7	6	5	2	5	3	4	6	3	4	4	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

बुध कारकत्व

- व्यापार
- बुद्धि
- शिक्षा

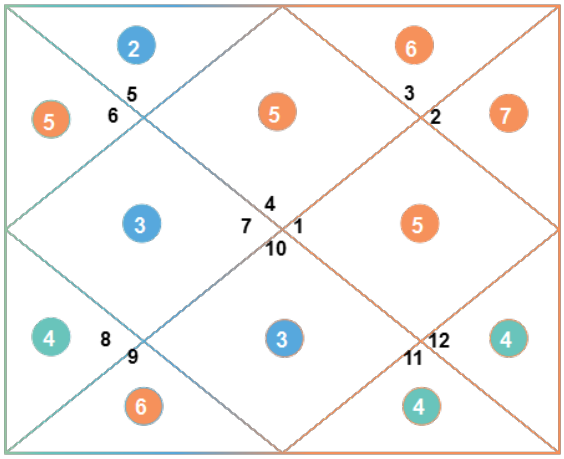

गुरु

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
चंद्र	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	5
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	8
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शुक्र	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	6
शनि	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
योग	4	6	4	5	5	4	8	3	4	4	5	4	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

गुरु कारकत्व

- संतान
- ज्ञान
- पैसा
- धर्म

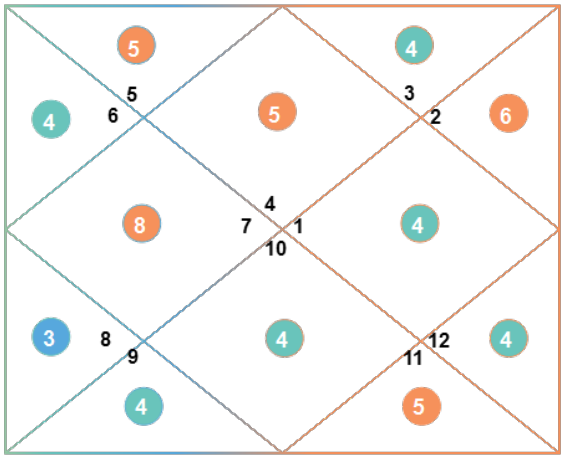

शुक्र

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	3
चंद्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	5
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0	9
शनि	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
लग्न	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
योग	**4**	**7**	**5**	**5**	**3**	**3**	**2**	**6**	**5**	**3**	**3**	**6**	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

शुक्र कारकत्व

- वाहन
- जीवनसाथी
- विलासिता
- विवाह

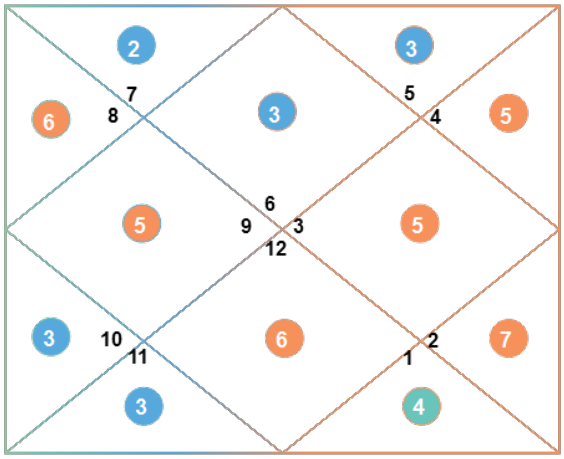

शनि

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
बुध	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	6
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	3
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	1	4	6	3	4	2	2	3	3	2	6	3	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

शनि कारकत्व

- रोजगार
- दीर्घायु
- नौकर - चाकर

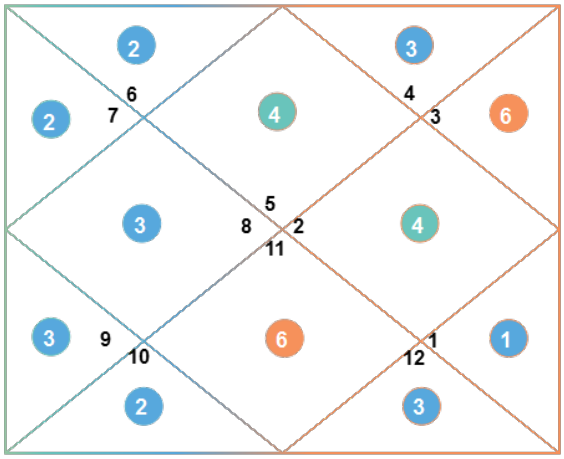

केपी पद्धति

ग्रह			
ग्रह	अंश	रा-नक-सब-सस	व
सूर्य	126-47-53	सूर्य-केतु-राहु-केतु	मा
चंद्र	016-28-33	मंगल-शुक्र-चंद्र-राहु	मा
मंगल	168-46-11	बुध-चंद्र-बुध-मंगल	मा
बुध	118-22-06	चंद्र-बुध-शनि-बुध	व
गुरु	094-00-03	चंद्र-शनि-शनि-केतु	मा
शुक्र	172-46-05	बुध-चंद्र-सूर्य-मंगल	मा
शनि	130-03-20	सूर्य-केतु-शनि-केतु	मा
राहु	154-39-03	बुध-सूर्य-शनि-राहु	व
केतु	334-39-03	गुरू-शनि-शनि-चंद्र	व
यूरेनस	199-20-52	शुक्र-राहु-मंगल-राहु	मा
नेपच्यून	232-03-50	मंगल-बुध-सूर्य-बुध	व
प्लूटो	171-24-57	बुध-चंद्र-शुक्र-राहु	मा

भाव		
संधि	अंश	रा-नक-सब-सस
1	045-35-37	शुक्र-चंद्र-गुरू-राहु
2	070-03-35	बुध-राहु-गुरू-चंद्र
3	093-13-51	चंद्र-गुरू-राहु-मंगल
4	118-53-48	चंद्र-बुध-शनि-शुक्र
5	150-17-12	बुध-सूर्य-राहु-बुध
6	187-50-31	शुक्र-राहु-राहु-केतु
7	225-35-37	मंगल-शनि-गुरू-बुध
8	250-03-35	गुरू-केतु-शनि-केतु
9	273-13-51	शनि-सूर्य-शनि-शनि
10	298-53-48	शनि-मंगल-शनि-शुक्र

संधि	अंश	रा-नक-सब-सस
11	330-17-12	गुरू-गुरू-चंद्र-केतु
12	007-50-31	मंगल-केतु-गुरू-शनि

केपी संधि कुण्डली

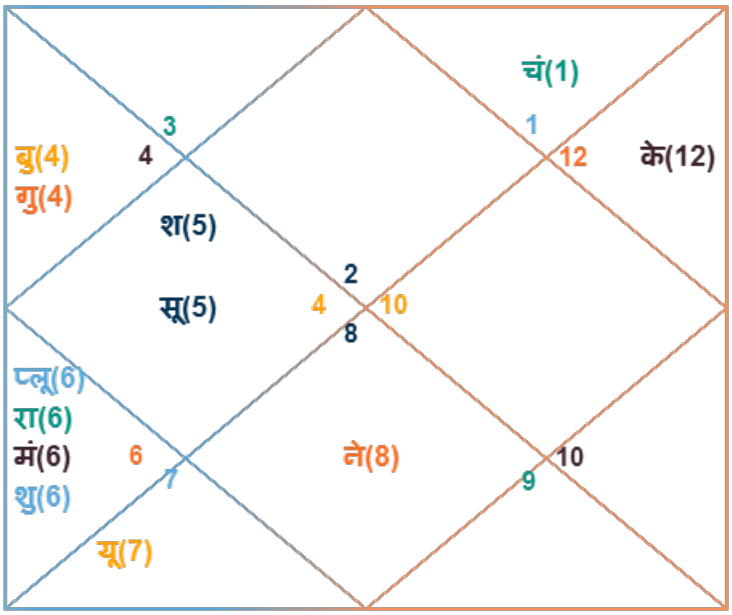

कारक व शासक ग्रह

ग्रह कारकत्व

ग्रह	घर					
सूर्य	4	11				
चंद्र	1	3	4	5	6	12
मंगल	3	4	5	7	12	
बुध	2	3	5			
गुरु	3	4	8	9	10	11
शुक्र	1	3	4	5	6	12
शनि	4	9	10	11		
राहु	4	5				
केतु	4	9	10	11		

घर के कारक ग्रह

घर	ग्रह								
I		चंद्र				शुक्र			
II				बुध					
III		चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र			
IV	सूर्य	चंद्र	मंगल		गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
V		चंद्र	मंगल	बुध		शुक्र		राहु	
VI		चंद्र				शुक्र			
VII			मंगल						
VIII					गुरु				
IX					गुरु		शनि		केतु
X					गुरु		शनि		केतु
XI	सूर्य				गुरु		शनि		केतु
XII		चंद्र	मंगल			शुक्र			

शासक ग्रह

लग्न नक्षत्र स्वामी	चंद्र
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
चंद्र नक्षत्र स्वामी	शुक्र
चंद्र राशि स्वामी	मंगल
दिन स्वामी	बुध
लग्न सब स्वामी	गुरू
चंद्र सब स्वामी	चंद्र

4-स्टेप ग्रह निर्देशन

सूर्य
ग्रह
सूर्य
नक्षत्र स्वामी
केतु : 11 (गुरु 3 8) (दृष्टि- 3)
सब स्वामी
राहु : 5 (बुध 2 3) (दृष्टि- 9)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
सूर्य : 4 (युति-शनि 4 9 10)

चंद्र
ग्रह
चंद्र
नक्षत्र स्वामी
शुक्र : 1 : 5 : 6
सब स्वामी
चंद्र (दृष्टि-मंगल 5 7)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
शुक्र : 1 : 5 : 6

मंगल
ग्रह
मंगल : 5 : 7
नक्षत्र स्वामी
चंद्र : 12 (दृष्टि-मंगल 5 7)
सब स्वामी
बुध : 2 : 3 4(भाव) (दृष्टि- 10)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
बुध : 2 : 3 4(भाव) (दृष्टि- 10)

बुध
ग्रह
बुध : 2 : 3 4(भाव) (दृष्टि- 10)
नक्षत्र स्वामी
बुध : 2 : 3 4(भाव) (दृष्टि- 10)
सब स्वामी
शनि (युति-सूर्य 4) (दृष्टि- 6)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
केतु : 11 (गुरु 3 8) (दृष्टि- 3)

गुरु

ग्रह
गुरु : 3 : 8 3(भाव) (दृष्टि- 9) (दृष्टि-केतु 11 गुरु 3 8)
नक्षत्र स्वामी
शनि : 4 : 9 : 10 (युति-सूर्य 4) (दृष्टि- 6)
सब स्वामी
शनि (युति-सूर्य 4) (दृष्टि- 6)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
केतु : 11 (गुरु 3 8) (दृष्टि- 3)

शुक्र

ग्रह
शुक्र
नक्षत्र स्वामी
चंद्र : 12 (दृष्टि-मंगल 5 7)
सब स्वामी
सूर्य (युति-शनि 4 9 10)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
केतु : 11 (गुरु 3 8) (दृष्टि- 3)

शनि

ग्रह
शनि
नक्षत्र स्वामी
केतु : 11 (गुरु 3 8) (दृष्टि- 3)
सब स्वामी
शनि (युति-सूर्य 4) (दृष्टि- 6)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
केतु : 11 (गुरु 3 8) (दृष्टि- 3)

राहु

ग्रह
राहु : 5 (बुध 2 3) (दृष्टि- 9)
नक्षत्र स्वामी
सूर्य : 4 (युति-शनि 4 9 10)
सब स्वामी
शनि (युति-सूर्य 4) (दृष्टि- 6)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
केतु : 11 (गुरु 3 8) (दृष्टि- 3)

केतु

ग्रह
केतु
नक्षत्र स्वामी
शनि : 4 : 9 : 10 (युति-सूर्य 4) (दृष्टि- 6)
सब स्वामी
शनि (युति-सूर्य 4) (दृष्टि- 6)
सब स्वामी का नक्षत्र स्वामी
केतु : 11 (गुरु 3 8) (दृष्टि- 3)

कस्पल इंटरलिंक्स (सब)

भाव	T1	T2	T3	T4
1	4,8,9,10	2,4,7,8,9,10,12		4
2	4,8,9,10	1,4,7,8,9,10,12		4
3	4,8,9,10	5,6		4
4	4,8,9,10	6,8,9,10,11	1,2,7,12	11
5	4,8,9,10	3,6		4
6	4,8,9,10	3,5		4
7	4,8,9,10	1,2,4,8,9,10,12		4
8	4,8,9,10	4,6,9,10,11	1,2,7,12	11
9	4,8,9,10	4,6,8,10,11	1,2,7,12	11
10	4,8,9,10	4,6,8,9,11	1,2,7,12	11
11	11	4,10		5
12	4,8,9,10	1,2,4,7,8,9,10		4

T1	नक्षत्र सब स्वामी सब स्वामी है
T2	वही ग्रह सब स्वामी है
T3	वही ग्रह नक्षत्र स्वामी का सब स्वामी है
T4	स्थित ग्रह

कस्पल इंटरलिंक्स (सब सब)

ग्रह	नक्षत्र	सब	सब सब	Position Status
सूर्य	6,8,11,12,1,2,3,7,4,9,10	1,2,3,5,6,4,7,8,9,10,12	4,5,7	
चंद्र	4,10	1,2,11	1,2,3,5,6,9	
मंगल	1,2,11	4,5,7	1,2,11	3,10
बुध	4,5,7	4,7,8,9,10,12	4,5,7	4,5,7
गुरु	4,7,8,9,10,12	4,7,8,9,10,12	4,5,7	1,2,3,7,11,12
शुक्र	1,2,11	5,9	5,9	
शनि	6,8,11,12,1,2,3,7,4,9,10	4,7,8,9,10,12	4,5,7	
राहु	1,2,3,5,6,4,7,9	4,7,8,9,10,12	1,2,3,5,6,9	1,2,3,5,6
केतु	6,8,11,12,4,7,9,10	4,7,8,9,10,12	1,2,11	

ग्रह निर्देशन (खाका 2)

ग्रह	नक्षत्र स्वामी की भाव स्थिति	स्वयं ग्रह की भाव स्थिति	नक्षत्र स्वामी का स्वामित्व	स्वयं ग्रह का स्वामित्व
सू	11	4		
चं	5	12	1,6	3,4
मं+	12	5	3,4	12,7
बु +	3	3	2,5	2,5
गु +	4	3	9,10	8,11
शु	12	5	3,4	1,6
श	11	4		9,10
रा +	4	5		
के	4	11	9,10	

ग्रह निर्देशन (नक्षत्र नाड़ी)

ग्रह	नक्षत्र स्वामी	सब स्वामी
सूर्य-4	केतु-1,3,5,6,7,8,11,12	राहु-1,2,3,5,6,7,12
चंद्र-3,4,12	शुक्र-1,5,6	चंद्र-3,4,12
मंगल-5,7,12	चंद्र-3,4,12	बुध-2,3,5
बुध-2,3,5	बुध-2,3,5	शनि-4,9,10
गुरु-3,8,11	शनि-4,9,10	शनि-4,9,10
शुक्र-1,5,6	चंद्र-3,4,12	सूर्य-4
शनि-4,9,10	केतु-1,3,5,6,7,8,11,12	शनि-4,9,10
राहु-1,2,3,5,6,7,12	सूर्य-4	शनि-4,9,10
केतु-1,3,5,6,7,8,11,12	शनि-4,9,10	शनि-4,9,10

पाश्चात्य पद्धति

यह खंड ट्रॉपिकल प्लैनेटरी और हाउस पदों को दर्शाता है। दूसरे शब्दों में, मूल्यों को अयनांश के शून्य मान के साथ दिखाया गया है !

ग्रह		घर	
ग्रह	अंश	संधि	अंश
सूर्य	150.15.59	1	069.03.44
चंद्र	039.56.40	2	093.31.41
मंगल	192.14.18	3	116.41.57
बुध	141.50.13	4	142.21.54
गुरु	117.28.09	5	173.45.18
शुक्र	196.14.11	6	211.18.37
शनि	153.31.26	7	249.03.44
राहु	178.07.09	8	273.31.41
केतु	358.07.09	9	296.41.57
यूरेनस	222.48.59	10	322.21.54
नेपच्यून	255.31.57	11	353.45.18
प्लूटो	194.53.04	12	031.18.37

पाश्चात्य कुण्डली

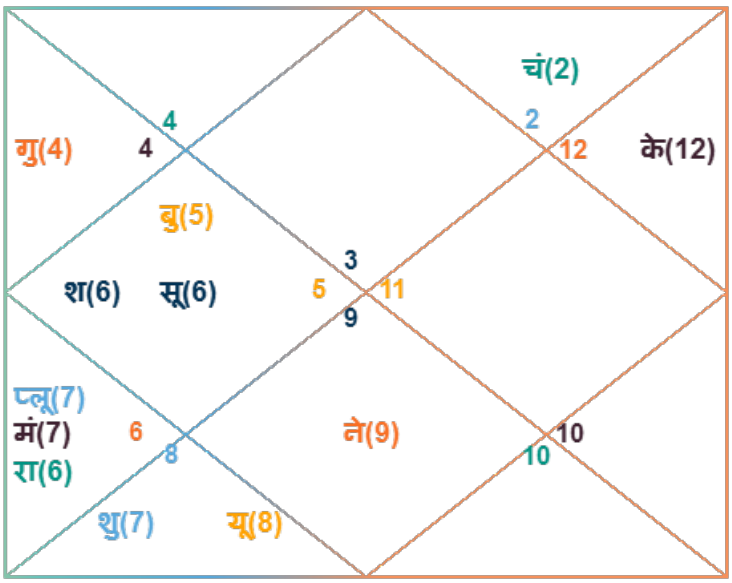

पाश्चात्य दृष्टि

दृष्टि क्या है?

ज्योतिष शास्त्र में दृष्टि एक कोणीय दूरी को कहते हैं जिसे किसी राशि में दो बिंदुओं के बीच डिग्री और आकाशीय देशांतर के मिनट में मापा जाता है। वैदिक ज्योतिष से विपरीत पश्चिमी में दृष्टि को अच्छी और बुरी दृष्टि में विभाजित किया जाता है। अच्छी दृष्टि का फल भी अच्छा होता है क्योंकि यह आपके जीवन में प्रगति और सुख-शांति का प्रतीक है। यदि दो खगोलीय पिंड एक दूसरे पर अच्छी दृष्टि डालते हैं तो पश्चिमी ज्योतिष के अनुसार इसका परिणाम सकारात्मक होगा। यदि देशांतर का अंतर सटीक है तो दृष्टि को मजबूत माना जाता है। हालांकि वास्तविक दुनिया में हम बहुत कम ही सटीक दृष्टियों को देखते हैं। दृष्टियों की गणना करने के लिये और दृष्टि किसी अंतर पर लागू होगी इसके लिये एक प्रकाश पिंड का उपयोग किया जाता है। एक दृष्टि के किसी भी ओर प्रकाश पिंड अलग-अलग डिग्रियों में मौजूद रहता है।

यहां हमने दृष्टियों उनके असर और उनकी परिक्रमा की गणना की गई है-

संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति-CONJUNCTION	0	15	10	सप्त-OPPOSITION	180	15	10
पंच-TRINE	120	6	3	चतुर्थ-SQUARE	90	6	3
तृती-SEXTILE	60	6	3	अर्धद्वितीय-SEMI SQUARE	45	1	1
नवां-NONILE	40	1	1	पंचा-QUINLILE	72	1	1
अष्टा-SESQUIQUADRATE	135	1	1	षष्ठ-QUINCUNC	150	1	1

नोट

तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।

भावमध्य पर दृष्टि

	1 45 30	2 69 56	3 94 22	4 118 48	5 154 22	6 189 56	7 225 30	8 249 56	9 274 22	10 298 48	11 334 22	12 9 56
सूर्य 126 . 42	..	..	..	..	..	तृती 1.38	..	पंच 1.38	..	सप्त 4.73	..	..
चंद्र 16 . 23	..	..	..	..	..	सप्त 5.7	..	..	..	..	..	..
मंगल 168 . 40	..	..	..	..	..	..	तृती 1.41	..	..	..	सप्त 0.46	..
बुध 118 . 16	..	..	..	युति 9.65	..	पंचा 0.66	..	..	..	सप्त 9.65	..	..
गुरू 93 . 54	..	..	युति 9.69	..	तृती 2.77	..	..	..	सप्त 9.69	..	..	..
शुक्र 172 . 40	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
शनि 129 . 57	..	..	..	..	..	तृती 2.99	चतुर्थ 0.23	पंच 2.99	..	सप्त 2.56	..	..
राहु 154 . 33	..	..	..	..	..	..	..	चतुर्थ 0.31	पंच 2.91	..	सप्त 9.87	..
केतु 334 . 33	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
अरूण 199 . 15	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	अष्ट 0.89	..
वरूण 231 . 58	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
यम 171 . 19	..	..	..	..	..	..	तृती 0.09	..	..	..	..	..

नोट

1. चलित चक्र की भावमध्य अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।
2. तालिका में ग्रहों की भाव मध्य पर "एप्पलाइड" दिखाई गई है।

केपी संधि पर दृष्टि

	1 45 35	2 70 3	3 93 13	4 118 53	5 150 17	6 187 50	7 225 35	8 250 3	9 273 13	10 298 53	11 330 17	12 7 50
सूर्य 126 . 42	..	..	..	..	..	तृती 2.43	..	पंच 1.32	..	सप्त 4.79	..	..
चंद्र 16 . 23	..	..	..	..	..	सप्त 4.3	..	..	..	..	..	..
मंगल 168 . 40	..	..	..	..	..	..	तृती 1.46	..	..	..	..	..
बुध 118 . 16	..	..	..	युति 9.59	..	..	..	..	..	सप्त 9.59	..	..
गुरू 93 . 54	..	..	..	..	तृती 1.19	चतुर्थ 1.03	..	..	सप्त 9.55	..	..	..
शुक्र 172 . 40	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
शनि 129 . 57	..	..	..	..	..	तृती 1.94	चतुर्थ 0.19	पंच 2.95	..	सप्त 2.62	..	..
राहु 154 . 33	..	..	..	..	..	..	पंचा 0.03	चतुर्थ 0.25	पंच 2.33	..	सप्त 7.15	..
केतु 334 . 33	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
अरूण 199 . 15	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
वरूण 231 . 58	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
यम 171 . 19	..	..	..	..	..	..	तृती 0.13	..	..	..	..	..

नोट

1. निरयन भाव चलित (केपी चक्र) के भाव प्रारम्भ अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।
2. तालिका में ग्रहों की केपी भाव प्रारम्भ पर "एप्पलाइड" दृष्टि दिखाई गई है।

ग्रह दृष्टि (पाश्चात्य)

	सूर्य 126 42	चंद्र 16 23	मंगल 168 40	बुध 118 16	गुरू 93 54	शुक्र 172 40	शनि 129 57	राहु 154 33	केतु 334 33	अरूण 199 15	वरूण 231 58	यम 171 19
सूर्य 126 . 42	..	..	..	..	..	अर्धद्वितीय 0.03	युति 7.83	..	..	पंचा 0.45	..	अर्धद्वितीय 0.62
चंद्र 16 . 23	..	..	..	..	..	..	..	..	..	सप्त 8.09	..	..
मंगल 168 . 40	..	..	..	..	..	युति 7.33	..	..	सप्त 0.59	..	तृती 1.35	युति 8.24
बुध 118 . 16	युति 4.38	..	..	..	..	तृती 0.2	युति 2.21	..	..	..	..	..
गुरू 93 . 54	..	..	..	..	..	..	..	तृती 2.68	..	..	..	..
शुक्र 172 . 40	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	तृती 2.65	..
शनि 129 . 57	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
राहु 154 . 33	..	..	युति 0.59	..	..	..	..	..	सप्त 10.0	अर्धद्वितीय 0.7	..	..
केतु 334 . 33	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
अरूण 199 . 15	..	..	..	..	..	..	..	..	अष्टा 0.7	..	..	..
वरूण 231 . 58	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
यम 171 . 19	..	..	..	..	..	युति 9.1	..	..	..	..	तृती 2.68	..

नोट

1. ग्रहों के नाम के नीचे ग्रहों के अंश व कला दिए गए हैं।
2. "एप्पलाइंग" दृष्टि के लिए बांए से ऊपर देखें और "सेपरेटिंग" दृष्टि के लिए ऊपर से बांए देखें।

विंशोत्तरी दशा

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

शुक्र - 20 वर्ष

23/ 8/78 - 25/ 1/94

शुक्र	:	00/00/00
सूर्य	:	25/ 5/78
चंद्र	:	25/ 1/80
मंगल	:	25/ 3/81
राहु	:	25/ 3/84
गुरू	:	25/11/86
शनि	:	25/ 1/90
बुध	:	25/11/92
केतु	:	25/ 1/94

सूर्य - 6 वर्ष

25/ 1/94 - 25/ 1/00

सूर्य	:	13/ 5/94
चंद्र	:	13/11/94
मंगल	:	19/ 3/95
राहु	:	13/ 2/96
गुरू	:	1/12/96
शनि	:	13/11/97
बुध	:	19/ 9/98
केतु	:	25/ 1/99
शुक्र	:	25/ 1/00

चंद्र - 10 वर्ष

25/ 1/00 - 25/ 1/10

चंद्र	:	25/11/00
मंगल	:	25/ 6/01
राहु	:	25/12/02
गुरू	:	25/ 4/04
शनि	:	25/11/05
बुध	:	25/ 4/07
केतु	:	25/11/07
शुक्र	:	25/ 7/09
सूर्य	:	25/ 1/10

मंगल - 7 वर्ष

25/ 1/10 - 25/ 1/17

मंगल	:	22/ 6/10
राहु	:	10/ 7/11
गुरू	:	16/ 6/12
शनि	:	25/ 7/13
बुध	:	22/ 7/14
केतु	:	19/12/14
शुक्र	:	19/ 2/16
सूर्य	:	25/ 6/16
चंद्र	:	25/ 1/17

राहु - 18 वर्ष

25/ 1/17 - 25/ 1/35

राहु	:	7/10/19
गुरू	:	1/ 3/22
शनि	:	7/ 1/25
बुध	:	25/ 7/27
केतु	:	13/ 8/28
शुक्र	:	13/ 8/31
सूर्य	:	7/ 7/32
चंद्र	:	7/ 1/34
मंगल	:	25/ 1/35

गुरू - 16 वर्ष

25/ 1/35 - 25/ 1/51

गुरू	:	13/ 3/37
शनि	:	25/ 9/39
बुध	:	1/ 1/42
केतु	:	7/12/42
शुक्र	:	7/ 8/45
सूर्य	:	25/ 5/46
चंद्र	:	25/ 9/47
मंगल	:	1/ 9/48
राहु	:	25/ 1/51

शनि - 19 वर्ष			बुध - 17 वर्ष			केतु - 7 वर्ष		
25/ 1/51 - 25/ 1/70			25/ 1/70 - 25/ 1/87			25/ 1/87 - 25/ 1/94		
शनि	:	28/ 1/54	बुध	:	22/ 6/72	केतु	:	22/ 6/87
बुध	:	7/10/56	केतु	:	19/ 6/73	शुक्र	:	22/ 8/88
केतु	:	16/11/57	शुक्र	:	19/ 4/76	सूर्य	:	28/12/88
शुक्र	:	16/ 1/61	सूर्य	:	25/ 2/77	चंद्र	:	28/ 7/89
सूर्य	:	28/12/61	चंद्र	:	25/ 7/78	मंगल	:	25/12/89
चंद्र	:	28/ 7/63	मंगल	:	22/ 7/79	राहु	:	13/ 1/91
मंगल	:	7/ 9/64	राहु	:	10/ 2/82	गुरू	:	19/12/91
राहु	:	13/ 7/67	गुरू	:	16/ 5/84	शनि	:	28/ 1/93
गुरू	:	25/ 1/70	शनि	:	25/ 1/87	बुध	:	25/ 1/94

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यंतर

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

शुक्र 15 व 5 मा 1 दि
दशा भोग्य

लाहिड़ी
अयनांश

शुक्र - चंद्र

23/ 8/78 - 25/ 1/80

चंद्र	:	00/00/00
मंगल	:	00/00/00
राहु	:	20/11/78
गुरू	:	10/ 2/79
शनि	:	15/ 5/79
बुध	:	10/ 8/79
केतु	:	15/ 9/79
शुक्र	:	25/12/79
सूर्य	:	25/ 1/80

शुक्र - मंगल

25/ 1/80 - 25/ 3/81

मंगल	:	19/ 2/80
राहु	:	22/ 4/80
गुरू	:	18/ 6/80
शनि	:	25/ 8/80
बुध	:	24/10/80
केतु	:	19/11/80
शुक्र	:	29/ 1/81
सूर्य	:	20/ 2/81
चंद्र	:	25/ 3/81

शुक्र - राहु

25/ 3/81 - 25/ 3/84

राहु	:	7/ 9/81
गुरू	:	1/ 2/82
शनि	:	22/ 7/82
बुध	:	25/12/82
केतु	:	28/ 2/83
शुक्र	:	28/ 8/83
सूर्य	:	22/10/83
चंद्र	:	22/ 1/84
मंगल	:	25/ 3/84

शुक्र - गुरू

25/ 3/84 - 25/11/86

गुरू	:	3/ 8/84
शनि	:	5/ 1/85
बुध	:	21/ 5/85
केतु	:	17/ 7/85
शुक्र	:	27/12/85
सूर्य	:	15/ 2/86
चंद्र	:	5/ 5/86
मंगल	:	1/ 7/86
राहु	:	25/11/86

शुक्र - शनि

25/11/86 - 25/ 1/90

शनि	:	25/ 5/87
बुध	:	7/11/87
केतु	:	13/ 1/88
शुक्र	:	23/ 7/88
सूर्य	:	20/ 9/88
चंद्र	:	25/12/88
मंगल	:	2/ 3/89
राहु	:	23/ 8/89
गुरू	:	25/ 1/90

शुक्र - बुध

25/ 1/90 - 25/11/92

बुध	:	19/ 6/90
केतु	:	19/ 8/90
शुक्र	:	9/ 2/91
सूर्य	:	30/ 3/91
चंद्र	:	25/ 6/91
मंगल	:	24/ 8/91
राहु	:	27/ 1/92
गुरू	:	13/ 6/92
शनि	:	25/11/92

शुक्र - केतु

25/11/92 - 25/ 1/94

केतु	:	19/12/92
शुक्र	:	1/ 3/93
सूर्य	:	20/ 3/93
चंद्र	:	25/ 4/93
मंगल	:	20/ 5/93
राहु	:	23/ 7/93
गुरू	:	19/ 9/93
शनि	:	25/11/93
बुध	:	25/ 1/94

सूर्य - सूर्य

25/ 1/94 - 13/ 5/94

सूर्य	:	30/ 1/94
चंद्र	:	9/ 2/94
मंगल	:	16/ 2/94
राहु	:	2/ 3/94
गुरू	:	16/ 3/94
शनि	:	3/ 4/94
बुध	:	19/ 4/94
केतु	:	25/ 4/94
शुक्र	:	13/ 5/94

सूर्य - चंद्र

13/ 5/94 - 13/11/94

चंद्र	:	28/ 5/94
मंगल	:	8/ 6/94
राहु	:	5/ 7/94
गुरू	:	29/ 7/94
शनि	:	28/ 8/94
बुध	:	23/ 9/94
केतु	:	4/10/94
शुक्र	:	4/11/94
सूर्य	:	13/11/94

सूर्य - मंगल

13/11/94 - 19/ 3/95

मंगल	:	20/11/94
राहु	:	9/12/94
गुरू	:	26/12/94
शनि	:	16/ 1/95
बुध	:	4/ 2/95
केतु	:	11/ 2/95
शुक्र	:	2/ 3/95
सूर्य	:	8/ 3/95
चंद्र	:	19/ 3/95

सूर्य - राहु

19/ 3/95 - 13/ 2/96

राहु	:	8/ 5/95
गुरू	:	21/ 6/95
शनि	:	12/ 8/95
बुध	:	28/ 9/95
केतु	:	17/10/95
शुक्र	:	11/12/95
सूर्य	:	27/12/95
चंद्र	:	24/ 1/96
मंगल	:	13/ 2/96

सूर्य - गुरू

13/ 2/96 - 1/12/96

गुरू	:	21/ 3/96
शनि	:	7/ 5/96
बुध	:	18/ 6/96
केतु	:	5/ 7/96
शुक्र	:	23/ 8/96
सूर्य	:	7/ 9/96
चंद्र	:	1/10/96
मंगल	:	18/10/96
राहु	:	1/12/96

सूर्य - शनि		
1/12/96 - 13/11/97		
शनि	:	25/ 1/97
बुध	:	14/ 3/97
केतु	:	3/ 4/97
शुक्र	:	30/ 5/97
सूर्य	:	18/ 6/97
चंद्र	:	16/ 7/97
मंगल	:	6/ 8/97
राहु	:	27/ 9/97
गुरू	:	13/11/97

सूर्य - बुध		
13/11/97 - 19/ 9/98		
बुध	:	26/12/97
केतु	:	14/ 1/98
शुक्र	:	5/ 3/98
सूर्य	:	20/ 3/98
चंद्र	:	16/ 4/98
मंगल	:	4/ 5/98
राहु	:	20/ 6/98
गुरू	:	30/ 7/98
शनि	:	19/ 9/98

सूर्य - केतु		
19/ 9/98 - 25/ 1/99		
केतु	:	26/ 9/98
शुक्र	:	17/10/98
सूर्य	:	24/10/98
चंद्र	:	4/11/98
मंगल	:	11/11/98
राहु	:	30/11/98
गुरू	:	17/12/98
शनि	:	7/ 1/99
बुध	:	25/ 1/99

शुक्र - शुक्र		
25/ 1/99 - 25/ 1/00		
शुक्र	:	25/ 3/99
सूर्य	:	13/ 4/99
चंद्र	:	13/ 5/99
मंगल	:	4/ 6/99
राहु	:	28/ 7/99
गुरू	:	16/ 9/99
शनि	:	13/11/99
बुध	:	4/ 1/00
केतु	:	25/ 1/00

चंद्र - चंद्र		
25/ 1/00 - 25/11/00		
चंद्र	:	20/ 2/00
मंगल	:	7/ 3/00
राहु	:	22/ 4/00
गुरू	:	2/ 6/00
शनि	:	20/ 7/00
बुध	:	2/ 9/00
केतु	:	20/ 9/00
शुक्र	:	10/11/00
सूर्य	:	25/11/00

चंद्र - मंगल		
25/11/00 - 25/ 6/01		
मंगल	:	7/12/00
राहु	:	9/ 1/01
गुरू	:	7/ 2/01
शनि	:	10/ 3/01
बुध	:	10/ 4/01
केतु	:	22/ 4/01
शुक्र	:	27/ 5/01
सूर्य	:	7/ 6/01
चंद्र	:	25/ 6/01

चंद्र - राहु		
25/ 6/01 - 25/12/02		
राहु	:	16/ 9/01
गुरू	:	28/11/01
शनि	:	23/ 2/02
बुध	:	10/ 5/02
केतु	:	11/ 6/02
शुक्र	:	11/ 9/02
सूर्य	:	8/10/02
चंद्र	:	23/11/02
मंगल	:	25/12/02

चंद्र - गुरू		
25/12/02 - 25/ 4/04		
गुरू	:	1/ 3/03
शनि	:	15/ 5/03
बुध	:	23/ 7/03
केतु	:	21/ 8/03
शुक्र	:	11/11/03
सूर्य	:	5/12/03
चंद्र	:	15/ 1/04
मंगल	:	13/ 2/04
राहु	:	25/ 4/04

चंद्र - शनि		
25/ 4/04 - 25/11/05		
शनि	:	25/ 7/04
बुध	:	16/10/04
केतु	:	19/11/04
शुक्र	:	24/ 2/05
सूर्य	:	23/ 3/05
चंद्र	:	10/ 5/05
मंगल	:	13/ 6/05
राहु	:	9/ 9/05
गुरू	:	25/11/05

चंद्र - बुध		
25/11/05 - 25/ 4/07		
बुध	:	7/ 2/06
केतु	:	7/ 3/06
शुक्र	:	2/ 6/06
सूर्य	:	27/ 6/06
चंद्र	:	10/ 8/06
मंगल	:	10/ 9/06
राहु	:	26/11/06
गुरू	:	4/ 2/07
शनि	:	25/ 4/07

चंद्र - केतु		
25/ 4/07 - 25/11/07		
केतु	:	7/ 5/07
शुक्र	:	12/ 6/07
सूर्य	:	23/ 6/07
चंद्र	:	10/ 7/07
मंगल	:	22/ 7/07
राहु	:	24/ 8/07
गुरू	:	22/ 9/07
शनि	:	25/10/07
बुध	:	25/11/07

शुक्र - शुक्र		
25/11/07 - 25/ 7/09		
शुक्र	:	5/ 3/08
सूर्य	:	5/ 4/08
चंद्र	:	25/ 5/08
मंगल	:	30/ 6/08
राहु	:	30/ 9/08
गुरू	:	20/12/08
शनि	:	25/ 3/09
बुध	:	20/ 6/09
केतु	:	25/ 7/09

चंद्र - सूर्य		
25/ 7/09 - 25/ 1/10		
सूर्य	:	4/ 8/09
चंद्र	:	19/ 8/09
मंगल	:	29/ 8/09
राहु	:	26/ 9/09
गुरू	:	20/10/09
शनि	:	19/11/09
बुध	:	14/12/09
केतु	:	25/12/09
शुक्र	:	25/ 1/10

मंगल - मंगल		
25/ 1/10 - 22/ 6/10		
मंगल	:	4/ 2/10
राहु	:	26/ 2/10
गुरू	:	15/ 3/10
शनि	:	8/ 4/10
बुध	:	29/ 4/10
केतु	:	8/ 5/10
शुक्र	:	2/ 6/10
सूर्य	:	10/ 6/10
चंद्र	:	22/ 6/10

मंगल - राहु		
22/ 6/10 - 10/ 7/11		
राहु	:	19/ 8/10
गुरू	:	9/10/10
शनि	:	9/12/10
बुध	:	2/ 2/11
केतु	:	24/ 2/11
शुक्र	:	27/ 4/11
सूर्य	:	16/ 5/11
चंद्र	:	18/ 6/11
मंगल	:	10/ 7/11

मंगल - गुरू		
10/ 7/11 - 16/ 6/12		
गुरू	:	25/ 8/11
शनि	:	18/10/11
बुध	:	6/12/11
केतु	:	25/12/11
शुक्र	:	21/ 2/12
सूर्य	:	8/ 3/12
चंद्र	:	6/ 4/12
मंगल	:	26/ 4/12
राहु	:	16/ 6/12

मंगल - शनि		
16/ 6/12 - 25/ 7/13		
शनि	:	19/ 8/12
बुध	:	16/10/12
केतु	:	9/11/12
शुक्र	:	15/ 1/13
सूर्य	:	5/ 2/13
चंद्र	:	9/ 3/13
मंगल	:	2/ 4/13
राहु	:	2/ 6/13
गुरू	:	25/ 7/13

मंगल - बुध		
25/ 7/13 - 22/ 7/14		
बुध	:	16/ 9/13
केतु	:	6/10/13
शुक्र	:	6/12/13
सूर्य	:	24/12/13
चंद्र	:	23/ 1/14
मंगल	:	14/ 2/14
राहु	:	8/ 4/14
गुरू	:	25/ 5/14
शनि	:	22/ 7/14

मंगल - केतु		
22/ 7/14 - 19/12/14		
केतु	:	1/ 8/14
शुक्र	:	25/ 8/14
सूर्य	:	2/ 9/14
चंद्र	:	15/ 9/14
मंगल	:	23/ 9/14
राहु	:	15/10/14
गुरू	:	5/11/14
शनि	:	28/11/14
बुध	:	19/12/14

शुक्र - शुक्र		
19/12/14 - 19/ 2/16		
शुक्र	:	1/ 3/15
सूर्य	:	20/ 3/15
चंद्र	:	25/ 4/15
मंगल	:	19/ 5/15
राहु	:	22/ 7/15
गुरू	:	18/ 9/15
शनि	:	25/11/15
बुध	:	24/ 1/16
केतु	:	19/ 2/16

मंगल - सूर्य		
19/ 2/16 - 25/ 6/16		
सूर्य	:	25/ 2/16
चंद्र	:	6/ 3/16
मंगल	:	13/ 3/16
राहु	:	2/ 4/16
गुरू	:	19/ 4/16
शनि	:	9/ 5/16
बुध	:	27/ 5/16
केतु	:	4/ 6/16
शुक्र	:	25/ 6/16

मंगल - चंद्र		
25/ 6/16 - 25/ 1/17		
चंद्र	:	12/ 7/16
मंगल	:	25/ 7/16
राहु	:	26/ 8/16
गुरू	:	24/ 9/16
शनि	:	27/10/16
बुध	:	27/11/16
केतु	:	9/12/16
शुक्र	:	14/ 1/17
सूर्य	:	25/ 1/17

राहु - राहु		
25/ 1/17 - 7/10/19		
राहु	:	21/ 6/17
गुरू	:	30/10/17
शनि	:	4/ 4/18
बुध	:	22/ 8/18
केतु	:	19/10/18
शुक्र	:	1/ 4/19
सूर्य	:	19/ 5/19
चंद्र	:	10/ 8/19
मंगल	:	7/10/19

राहु - गुरू		
7/10/19 - 1/ 3/22		
गुरू	:	2/ 2/20
शनि	:	19/ 6/20
बुध	:	21/10/20
केतु	:	12/12/20
शुक्र	:	6/ 5/21
सूर्य	:	19/ 6/21
चंद्र	:	1/ 9/21
मंगल	:	21/10/21
राहु	:	1/ 3/22

राहु - शनि

1/ 3/22 - 7/ 1/25

शनि	:	13/ 8/22
बुध	:	9/ 1/23
केतु	:	9/ 3/23
शुक्र	:	30/ 8/23
सूर्य	:	21/10/23
चंद्र	:	16/ 1/24
मंगल	:	16/ 3/24
राहु	:	20/ 8/24
गुरू	:	7/ 1/25

राहु - बुध

7/ 1/25 - 25/ 7/27

बुध	:	17/ 5/25
केतु	:	11/ 7/25
शुक्र	:	14/12/25
सूर्य	:	29/ 1/26
चंद्र	:	16/ 4/26
मंगल	:	9/ 6/26
राहु	:	27/10/26
गुरू	:	2/ 3/27
शनि	:	25/ 7/27

राहु - केतु

25/ 7/27 - 13/ 8/28

केतु	:	17/ 8/27
शुक्र	:	20/10/27
सूर्य	:	9/11/27
चंद्र	:	10/12/27
मंगल	:	2/ 1/28
राहु	:	1/ 3/28
गुरू	:	20/ 4/28
शनि	:	19/ 6/28
बुध	:	13/ 8/28

शुक्र - शुक्र

13/ 8/28 - 13/ 8/31

शुक्र	:	13/ 2/29
सूर्य	:	7/ 4/29
चंद्र	:	7/ 7/29
मंगल	:	10/ 9/29
राहु	:	22/ 2/30
गुरू	:	16/ 7/30
शनि	:	7/ 1/31
बुध	:	10/ 6/31
केतु	:	13/ 8/31

राहु - सूर्य

13/ 8/31 - 7/ 7/32

सूर्य	:	29/ 8/31
चंद्र	:	26/ 9/31
मंगल	:	15/10/31
राहु	:	4/12/31
गुरू	:	17/ 1/32
शनि	:	8/ 3/32
बुध	:	24/ 4/32
केतु	:	13/ 5/32
शुक्र	:	7/ 7/32

राहु - चंद्र

7/ 7/32 - 7/ 1/34

चंद्र	:	22/ 8/32
मंगल	:	23/ 9/32
राहु	:	14/12/32
गुरू	:	26/ 2/33
शनि	:	22/ 5/33
बुध	:	8/ 8/33
केतु	:	10/ 9/33
शुक्र	:	10/12/33
सूर्य	:	7/ 1/34

राहु - मंगल		
7/ 1/34 - 25/ 1/35		
मंगल	:	29/ 1/34
राहु	:	26/ 3/34
गुरू	:	16/ 5/34
शनि	:	16/ 7/34
बुध	:	9/ 9/34
केतु	:	2/10/34
शुक्र	:	5/12/34
सूर्य	:	23/12/34
चंद्र	:	25/ 1/35

गुरू - गुरू		
25/ 1/35 - 13/ 3/37		
गुरू	:	7/ 5/35
शनि	:	9/ 9/35
बुध	:	28/12/35
केतु	:	13/ 2/36
शुक्र	:	21/ 6/36
सूर्य	:	29/ 7/36
चंद्र	:	3/10/36
मंगल	:	18/11/36
राहु	:	13/ 3/37

गुरू - शनि		
13/ 3/37 - 25/ 9/39		
शनि	:	7/ 8/37
बुध	:	17/12/37
केतु	:	10/ 2/38
शुक्र	:	12/ 7/38
सूर्य	:	27/ 8/38
चंद्र	:	13/11/38
मंगल	:	7/ 1/39
राहु	:	23/ 5/39
गुरू	:	25/ 9/39

गुरू - बुध		
25/ 9/39 - 1/ 1/42		
बुध	:	21/ 1/40
केतु	:	8/ 3/40
शुक्र	:	24/ 7/40
सूर्य	:	5/ 9/40
चंद्र	:	13/11/40
मंगल	:	1/ 1/41
राहु	:	3/ 5/41
गुरू	:	22/ 8/41
शनि	:	1/ 1/42

गुरू - केतु		
1/ 1/42 - 7/12/42		
केतु	:	21/ 1/42
शुक्र	:	17/ 3/42
सूर्य	:	3/ 4/42
चंद्र	:	1/ 5/42
मंगल	:	21/ 5/42
राहु	:	11/ 7/42
गुरू	:	26/ 8/42
शनि	:	19/10/42
बुध	:	7/12/42

शुक्र - शुक्र		
7/12/42 - 7/ 8/45		
शुक्र	:	17/ 5/43
सूर्य	:	5/ 7/43
चंद्र	:	25/ 9/43
मंगल	:	21/11/43
राहु	:	15/ 4/44
गुरू	:	23/ 8/44
शनि	:	25/ 1/45
बुध	:	11/ 6/45
केतु	:	7/ 8/45

गुरू - सूर्य		
7/ 8/45 - 25/ 5/46		
सूर्य	:	21/ 8/45
चंद्र	:	15/ 9/45
मंगल	:	2/10/45
राहु	:	15/11/45
गुरू	:	24/12/45
शनि	:	9/ 2/46
बुध	:	20/ 3/46
केतु	:	7/ 4/46
शुक्र	:	25/ 5/46

गुरू - चंद्र		
25/ 5/46 - 25/ 9/47		
चंद्र	:	5/ 7/46
मंगल	:	3/ 8/46
राहु	:	15/10/46
गुरू	:	19/12/46
शनि	:	5/ 3/47
बुध	:	13/ 5/47
केतु	:	11/ 6/47
शुक्र	:	1/ 9/47
सूर्य	:	25/ 9/47

गुरू - मंगल		
25/ 9/47 - 1/ 9/48		
मंगल	:	15/10/47
राहु	:	5/12/47
गुरू	:	20/ 1/48
शनि	:	13/ 3/48
बुध	:	1/ 5/48
केतु	:	20/ 5/48
शुक्र	:	16/ 7/48
सूर्य	:	3/ 8/48
चंद्र	:	1/ 9/48

गुरू - राहु		
1/ 9/48 - 25/ 1/51		
राहु	:	11/ 1/49
गुरू	:	6/ 5/49
शनि	:	23/ 9/49
बुध	:	25/ 1/50
केतु	:	15/ 3/50
शुक्र	:	9/ 8/50
सूर्य	:	23/ 9/50
चंद्र	:	5/12/50
मंगल	:	25/ 1/51

शनि - शनि		
25/ 1/51 - 28/ 1/54		
शनि	:	16/ 7/51
बुध	:	20/12/51
केतु	:	23/ 2/52
शुक्र	:	24/ 8/52
सूर्य	:	18/10/52
चंद्र	:	18/ 1/53
मंगल	:	21/ 3/53
राहु	:	4/ 9/53
गुरू	:	28/ 1/54

शनि - बुध		
28/ 1/54 - 7/10/56		
बुध	:	15/ 6/54
केतु	:	12/ 8/54
शुक्र	:	23/ 1/55
सूर्य	:	12/ 3/55
चंद्र	:	2/ 6/55
मंगल	:	29/ 7/55
राहु	:	24/12/55
गुरू	:	4/ 5/56
शनि	:	7/10/56

शनि - केतु

7/10/56 - 16/11/57

केतु	:	30/10/56
शुक्र	:	7/ 1/57
सूर्य	:	27/ 1/57
चंद्र	:	2/ 3/57
मंगल	:	23/ 3/57
राहु	:	23/ 5/57
गुरू	:	16/ 7/57
शनि	:	19/ 9/57
बुध	:	16/11/57

शुक्र - शुक्र

16/11/57 - 16/ 1/61

शुक्र	:	26/ 5/58
सूर्य	:	23/ 7/58
चंद्र	:	28/10/58
मंगल	:	4/ 1/59
राहु	:	25/ 6/59
गुरू	:	27/11/59
शनि	:	28/ 5/60
बुध	:	9/11/60
केतु	:	16/ 1/61

शनि - सूर्य

16/ 1/61 - 28/12/61

सूर्य	:	3/ 2/61
चंद्र	:	2/ 3/61
मंगल	:	21/ 3/61
राहु	:	13/ 5/61
गुरू	:	28/ 6/61
शनि	:	23/ 8/61
बुध	:	11/10/61
केतु	:	1/11/61
शुक्र	:	28/12/61

शनि - चंद्र

28/12/61 - 28/ 7/63

चंद्र	:	15/ 2/62
मंगल	:	19/ 3/62
राहु	:	14/ 6/62
गुरू	:	30/ 8/62
शनि	:	30/11/62
बुध	:	21/ 2/63
केतु	:	24/ 3/63
शुक्र	:	29/ 6/63
सूर्य	:	28/ 7/63

शनि - मंगल

28/ 7/63 - 7/ 9/64

मंगल	:	21/ 8/63
राहु	:	21/10/63
गुरू	:	14/12/63
शनि	:	17/ 2/64
बुध	:	14/ 4/64
केतु	:	7/ 5/64
शुक्र	:	14/ 7/64
सूर्य	:	4/ 8/64
चंद्र	:	7/ 9/64

शनि - राहु

7/ 9/64 - 13/ 7/67

राहु	:	11/ 2/65
गुरू	:	28/ 6/65
शनि	:	10/12/65
बुध	:	5/ 5/66
केतु	:	5/ 7/66
शुक्र	:	26/12/66
सूर्य	:	18/ 2/67
चंद्र	:	13/ 5/67
मंगल	:	13/ 7/67

शनि - गुरू

13/ 7/67 - 25/ 1/70

गुरू	:	15/11/67
शनि	:	9/ 4/68
बुध	:	18/ 8/68
केतु	:	11/10/68
शुक्र	:	13/ 3/69
सूर्य	:	29/ 4/69
चंद्र	:	15/ 7/69
मंगल	:	8/ 9/69
राहु	:	25/ 1/70

योगिनी दशा

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

भद्रिका : 5 वर्ष		
10/ 2/78 - 1/ 7/82		
भद्रिका	:	10/ 2/78
उल्का	:	10/12/78
सिद्धा	:	30/11/79
संकटा	:	9/ 1/81
मंगला	:	1/ 3/81
पिंगला	:	11/ 6/81
धान्या	:	11/11/81
भ्रामरी	:	1/ 7/82

उल्का : 6 वर्ष		
1/ 7/82 - 1/ 7/88		
उल्का	:	31/ 5/83
सिद्धा	:	30/ 7/84
संकटा	:	29/11/85
मंगला	:	29/ 1/86
पिंगला	:	29/ 5/86
धान्या	:	29/11/86
भ्रामरी	:	29/ 7/87
भद्रिका	:	1/ 7/88

सिद्धा : 7 वर्ष		
1/ 7/88 - 1/ 7/95		
सिद्धा	:	9/10/89
संकटा	:	29/ 4/91
मंगला	:	9/ 7/91
पिंगला	:	29/11/91
धान्या	:	29/ 6/92
भ्रामरी	:	8/ 4/93
भद्रिका	:	28/ 3/94
उल्का	:	1/ 7/95

संकटा : 8 वर्ष		
1/ 7/95 - 1/ 7/03		
संकटा	:	10/ 3/97
मंगला	:	30/ 5/97
पिंगला	:	9/11/97
धान्या	:	9/ 7/98
भ्रामरी	:	29/ 5/99
भद्रिका	:	9/ 7/00
उल्का	:	8/11/01
सिद्धा	:	1/ 7/03

मंगला : 1 वर्ष		
1/ 7/03 - 1/ 7/04		
मंगला	:	7/ 6/03
पिंगला	:	27/ 6/03
धान्या	:	27/ 7/03
भ्रामरी	:	6/ 9/03
भद्रिका	:	26/10/03
उल्का	:	26/12/03
सिद्धा	:	7/ 3/04
संकटा	:	1/ 7/04

पिंगला : 2 वर्ष		
1/ 7/04 - 1/ 7/06		
पिंगला	:	7/ 7/04
धान्या	:	7/ 9/04
भ्रामरी	:	27/11/04
भद्रिका	:	9/ 3/05
उल्का	:	9/ 7/05
सिद्धा	:	29/11/05
संकटा	:	9/ 5/06
मंगला	:	1/ 7/06

धान्या : 3 वर्ष

1/ 7/06 - 1/ 7/09

धान्या	:	29/ 8/06
भ्रामरी	:	29/12/06
भद्रिका	:	29/ 5/07
उल्का	:	29/11/07
सिद्धा	:	28/ 6/08
संकटा	:	28/ 2/09
मंगला	:	28/ 3/09
पिंगला	:	1/ 7/09

भ्रामरी : 4 वर्ष

1/ 7/09 - 1/ 7/13

भ्रामरी	:	7/11/09
भद्रिका	:	27/ 5/10
उल्का	:	27/ 1/11
सिद्धा	:	6/11/11
संकटा	:	26/ 9/12
मंगला	:	5/11/12
पिंगला	:	25/ 1/13
धान्या	:	1/ 7/13

भद्रिका : 5 वर्ष

1/ 7/13 - 1/ 7/18

भद्रिका	:	4/ 2/14
उल्का	:	4/12/14
सिद्धा	:	24/11/15
संकटा	:	3/ 1/17
मंगला	:	23/ 2/17
पिंगला	:	2/ 6/17
धान्या	:	2/11/17
भ्रामरी	:	1/ 7/18

उल्का : 6 वर्ष

1/ 7/18 - 1/ 7/24

उल्का	:	22/ 5/19
सिद्धा	:	22/ 7/20
संकटा	:	21/11/21
मंगला	:	21/ 1/22
पिंगला	:	21/ 5/22
धान्या	:	21/11/22
भ्रामरी	:	21/ 7/23
भद्रिका	:	1/ 7/24

सिद्धा : 7 वर्ष

1/ 7/24 - 1/ 7/31

सिद्धा	:	1/10/25
संकटा	:	21/ 4/27
मंगला	:	1/ 7/27
पिंगला	:	21/11/27
धान्या	:	21/ 6/28
भ्रामरी	:	31/ 3/29
भद्रिका	:	20/ 3/30
उल्का	:	1/ 7/31

संकटा : 8 वर्ष

1/ 7/31 - 1/ 7/39

संकटा	:	2/ 3/33
मंगला	:	22/ 5/33
पिंगला	:	1/11/33
धान्या	:	1/ 7/34
भ्रामरी	:	21/ 5/35
भद्रिका	:	1/ 7/36
उल्का	:	31/10/37
सिद्धा	:	1/ 7/39

मंगला : 1 वर्ष

1/ 7/39 - 1/ 7/40

मंगला	:	30/ 5/39
पिंगला	:	19/ 6/39
धान्या	:	19/ 7/39
भ्रामरी	:	29/ 8/39
भद्रिका	:	19/10/39
उल्का	:	19/12/39
सिद्धा	:	29/ 2/40
संकटा	:	1/ 7/40

पिंगला : 2 वर्ष

1/ 7/40 - 1/ 7/42

पिंगला	:	29/ 6/40
धान्या	:	29/ 8/40
भ्रामरी	:	18/11/40
भद्रिका	:	28/ 2/41
उल्का	:	28/ 6/41
सिद्धा	:	17/11/41
संकटा	:	27/ 4/42
मंगला	:	1/ 7/42

धान्या : 3 वर्ष

1/ 7/42 - 1/ 7/45

धान्या	:	17/ 8/42
भ्रामरी	:	17/12/42
भद्रिका	:	17/ 5/43
उल्का	:	17/11/43
सिद्धा	:	16/ 6/44
संकटा	:	16/ 2/45
मंगला	:	16/ 3/45
पिंगला	:	1/ 7/45

भ्रामरी : 4 वर्ष

1/ 7/45 - 1/ 7/49

भ्रामरी	:	26/10/45
भद्रिका	:	16/ 5/46
उल्का	:	16/ 1/47
सिद्धा	:	26/10/47
संकटा	:	15/ 9/48
मंगला	:	25/10/48
पिंगला	:	14/ 1/49
धान्या	:	1/ 7/49

भद्रिका : 5 वर्ष

1/ 7/49 - 1/ 7/54

भद्रिका	:	24/ 1/50
उल्का	:	24/11/50
सिद्धा	:	13/11/51
संकटा	:	23/12/52
मंगला	:	12/ 2/53
पिंगला	:	22/ 5/53
धान्या	:	22/10/53
भ्रामरी	:	1/ 7/54

उल्का : 6 वर्ष

1/ 7/54 - 1/ 7/60

उल्का	:	12/ 5/55
सिद्धा	:	12/ 7/56
संकटा	:	11/11/57
मंगला	:	11/ 1/58
पिंगला	:	11/ 5/58
धान्या	:	11/11/58
भ्रामरी	:	11/ 7/59
भद्रिका	:	1/ 7/60

सिद्धा : 7 वर्ष		
1/ 7/60 - 1/ 7/67		
सिद्धा	:	21/ 9/61
संकटा	:	10/ 4/63
मंगला	:	20/ 6/63
पिंगला	:	9/11/63
धान्या	:	9/ 6/64
भ्रामरी	:	19/ 3/65
भद्रिका	:	11/ 3/66
उल्का	:	1/ 7/67

संकटा : 8 वर्ष		
1/ 7/67 - 1/ 7/75		
संकटा	:	21/ 2/69
मंगला	:	11/ 5/69
पिंगला	:	21/10/69
धान्या	:	21/ 6/70
भ्रामरी	:	11/ 5/71
भद्रिका	:	21/ 6/72
उल्का	:	21/10/73
सिद्धा	:	1/ 7/75

मंगला : 1 वर्ष		
1/ 7/75 - 1/ 7/76		
मंगला	:	21/ 5/75
पिंगला	:	10/ 6/75
धान्या	:	10/ 7/75
भ्रामरी	:	20/ 8/75
भद्रिका	:	10/10/75
उल्का	:	10/12/75
सिद्धा	:	20/ 2/76
संकटा	:	1/ 7/76

पिंगला : 2 वर्ष		
1/ 7/76 - 1/ 7/78		
पिंगला	:	20/ 6/76
धान्या	:	20/ 8/76
भ्रामरी	:	9/11/76
भद्रिका	:	19/ 2/77
उल्का	:	19/ 6/77
सिद्धा	:	8/11/77
संकटा	:	18/ 4/78
मंगला	:	1/ 7/78

धान्या : 3 वर्ष		
1/ 7/78 - 1/ 7/81		
धान्या	:	8/ 8/78
भ्रामरी	:	8/12/78
भद्रिका	:	8/ 5/79
उल्का	:	8/11/79
सिद्धा	:	7/ 6/80
संकटा	:	7/ 2/81
मंगला	:	7/ 3/81
पिंगला	:	1/ 7/81

भ्रामरी : 4 वर्ष		
1/ 7/81 - 1/ 7/85		
भ्रामरी	:	17/10/81
भद्रिका	:	7/ 5/82
उल्का	:	7/ 1/83
सिद्धा	:	17/10/83
संकटा	:	6/ 9/84
मंगला	:	16/10/84
पिंगला	:	5/ 1/85
धान्या	:	1/ 7/85

क्रम संख्या	मंगला	पिंगला	धान्या	भ्रामरी	भद्रिका	उल्का	सिद्धा	संकटा
स्वामी	चंद्र	सूर्य	गुरु	मंगल	बुध	शनि	शुक्र	राहु

योगिनी दशा फल

ज्योतिष विज्ञान के क्षेत्र में जहां विंशोत्तरी दशा को सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, वहीं योगिनी दशा का भी अपना अलग महत्व है। अनेक विद्वान ज्योतिषी विंशोत्तरी दशा के साथ-साथ योगिनी दशा को भी प्रयोग करते हैं, क्योंकि इन दोनों को एक साथ प्रयोग करने से अत्यंत अच्छे नतीजे प्राप्त होते हैं और फल कथन में सहायता होती है।

विंशोत्तरी दशा नव ग्रहों की होती है और इसकी कुल दशा अवधि 120 वर्ष होती है। वहीं योगिनी दशा कुल मिलाकर आठ होती हैं, जिनका कुल दशा क्रम 36 वर्ष का होता है और उसके बाद पुनः उसी क्रम में यह दोबारा प्रभाव देती हैं। प्रत्येक योगिनी दशा का स्वामी एक ग्रह भी होता है जैसे :-

मंगला (चन्द्रमा) इसकी कुल अवधि 1 वर्ष होती है।	**पिंगला (सूर्य)** इसकी कुल अवधि 2 वर्ष होती है।	**धान्या (बृहस्पति)** इसकी कुल अवधि 3 वर्ष होती है।
भ्रामरी (मंगल) इसकी कुल अवधि 4 वर्ष होती है।	**भद्रिका (बुध)** इसकी कुल अवधि 5 वर्ष होती है।	**उल्का (शनि)** इसकी कुल अवधि 6 वर्ष होती है।
सिद्धा (शुक्र) इसकी कुल अवधि 7 वर्ष होती है।	**संकटा (राहु)** इसकी कुल अवधि 8 वर्ष होती है।	

इस प्रकार जातक के जन्म से प्रारंभ होकर सभी 8 योगिनी दशाएं अपना अपना प्रभाव 36 वर्ष तक दिखाती हैं और 36 वर्ष की दशा अवधि के बाद पुनः जन्म कालीन योगिनी दशा प्रारंभ होकर वही क्रम दोहराया जाता है।

इन सभी दशाओं की अवधि अलग-अलग होती है और ये अलग-अलग प्रकार के फल देने में सक्षम होती हैं।

मंगला (चन्द्रमा) योगिनी दशा

इस दशा में आपको अनेक धार्मिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा तथा आपका मन पवित्रता की ओर बढ़ेगा। आपको संपन्नता प्राप्त होगी और जीवन में समृद्धि आयेगी। अनेक प्रकार के वस्त्र, आभूषण, सुख, सुविधाएँ और यश तथा मान की प्राप्ति होने के योग बनेंगे तथा घर में शुभ मंगल उत्सव का आयोजन हो सकता है। इस दशा के दौरान आपको शुभता की प्राप्ति होगी और जीवन में आ रहे कष्टों का निवारण होगा। आपको स्वास्थ्य लाभ होगा और आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस योगिनी दशा की अवधि में आपको निष्ठावान और सुशील जीवनसाथी तथा आज्ञाकारी और भाग्यशाली संतान की प्राप्ति भी हो सकती है।

पिंगला (सूर्य) योगिनी दशा

इस दशा के दौरान कुछ समस्याएं सामने आ सकती हैं। आपको मानसिक तनाव और शारीरिक कष्ट होने की संभावना होगी। यदि कुंडली में अन्य योग मौजूद हो तो इस दौरान हृदय रोग भी परेशान कर सकते हैं तथा आग, दुर्घटना या गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं आपके समक्ष आ सकती हैं। हालांकि किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से आपके कार्य में सफलता प्राप्त होगी। इस दौरान बुरी संगति के कारण आपके मान तथा यश की हानि हो सकती है, लेकिन दूसरी ओर आपको व्यापार में कुशलता मिलेगी तथा कष्ट और क्लेश से मुक्ति भी मिलेगी। आपको सत्ता सुख भी प्राप्त हो सकता है। अर्थात इस दशा में आपको मिले जुले परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

धान्या (बृहस्पति) योगिनी दशा

इस दशा अवधि के दौरान आपको अनेक प्रकार की खुशहाली, अच्छा धन और अच्छा स्वास्थ्य मिल सकता है। इसके अतिरिक्त आपकी समृद्धि बढ़ेगी और आपको प्रसिद्धि भी प्राप्त हो सकती है। यदि आप विवाहित हैं तो आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल बनेगा और यदि अविवाहित हैं तो इस दौरान विवाह के योग बन सकते हैं। सरकार की ओर से अच्छे सम्मान और वैभव की प्राप्ति हो सकती है तथा तीर्थ यात्राएं करने का मौका मिलेगा। आप काफी धार्मिक बनेंगे और इस दौरान आपके जीवन में धन-धान्य की वृद्धि होगी।

भ्रामरी (मंगल) योगिनी दशा

इस दशा अवधि के दौरान आपको कुछ मुसीबतों या परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण करने के योग बनेंगे और यात्राएं अधिक होंगी तथा कुछ यात्राएं बेवजह भी हो सकती हैं, जिनसे आपको कोई खास लाभ नहीं मिलेगा और उनमें धन की हानि हो सकती है। कुछ आवश्यक कार्य वश आप अपने घर से दूर भी जा सकते हैं तथा मान सम्मान में कमी महसूस हो सकती है। इसलिए अपने कार्यों पर विशेष ध्यान दें, कहीं वे आपके लिए कोई मुसीबत लेकर ना आएं।

भद्रिका (बुध) योगिनी दशा

इस दशा के दौरान आपके जीवन में खुशहाली आएगी और आपका पारिवारिक जीवन भी काफी बेहतर तरीके से व्यतीत होगा। आपकी मित्र मंडली में इज़ाफा होगा और दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा ।यदि आप व्यापार करते हैं तो उसमें आपको जबरदस्त मुनाफ़ा प्राप्त हो सकता है तथा आपको सुख सुविधाओं की प्राप्ति भी होगी।

उल्का (शनि) योगिनी दशा

इस दशा के दौरान आपको कोई वाहन दुर्घटना अथवा धन की हानि होने की संभावना दिखाई पड़ती है।

आपका कोई वाहन चोरी हो सकता है अथवा आपकी संतान को कोई समस्या हो सकती है। यदि आप ने पूर्व में कोई कानून के विरुद्ध जाकर कार्य किया है, तो इस दौरान सरकारी क्षेत्र से परेशानी, दण्ड व जुर्माना हो सकता है। पारिवारिक जीवन में थोड़ा तनाव रहने की संभावना है और आपको विशेष रूप से कान, दाँत, पैर, हृदय और उदर रोग होने की संभावना इस दौरान रहेगी। इसलिए अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और कोई भी ऐसा कार्य न करें, जो मानहानि या धन हानि की वजह बने।

सिद्धा (शुक्र) योगिनी दशा

इस दशा के दौरान आपको अनेक प्रकार के शुभ समाचार प्राप्त होंगे और आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आपको अच्छा खासा धन लाभ भी होगा और जीवन में शुभता आएगी। आपको संपन्नता और प्रसिद्धि की प्राप्ति होगी तथा धन, विद्या, समृद्धि के मामले में आप काफी भाग्यवान साबित होंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम बनेगा तथा इस दौरान विभिन्न प्रकार के रत्न और आभूषण तथा महंगे सामान खरीदने के योग भी बनेंगे। इस दशा अवधि में आप काफी प्रसन्न भी रहेंगे।

संकटा (राहु) योगिनी दशा

इस दशा के दौरान आपको थोड़ा ध्यान रखना होगा, क्योंकि इस दौरान आपको किसी प्रकार के कष्ट या संकट का सामना करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आ सकती है और धन हानि की संभावना बनेगी। कुछ महत्वपूर्ण योजनाएं इस दौरान अटक सकती हैं तथा स्वास्थ्य कष्ट होने की भी संभावना रहेगी। यदि आप पहले से ही बीमार चल रहे हैं, तो इस दौरान विशेष रूप से अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

जैमिनी पद्धति: कारकांश और स्वांश कुण्डली

कारकांश चक्र

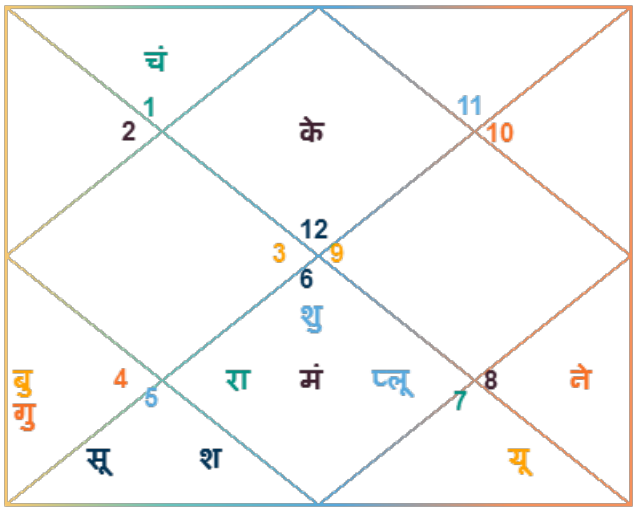

स्वांश चक्र

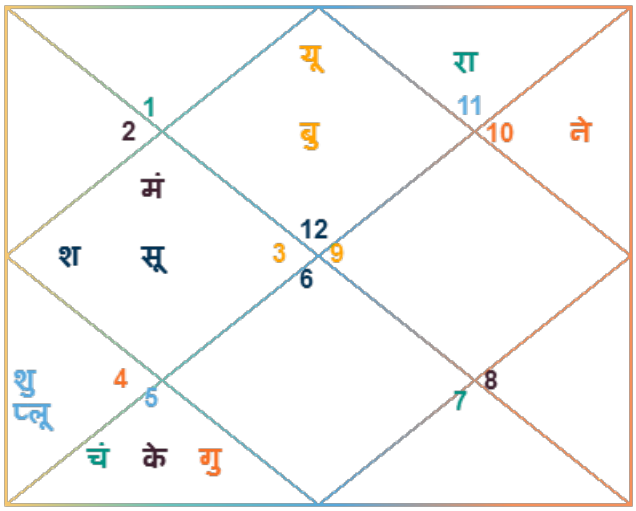

कारक

कारक	स्थिर	चर
आत्म	सूर्य	बुध
आमात्य	बुध	शुक्र
भ्रातृ	मंगल	मंगल
मातृ	चंद्र	चंद्र
पितृ	गुरू	शनि
ज्ञाति	शनि	सूर्य
दारा	शुक्र	गुरू

अवस्था

ग्रह	जागृत	बलादि	दीप्तादि
सूर्य	जाग्रत	कुमार	दीप्त
चंद्र	स्वप्न	युवा	मुदित
मंगल	स्वप्न	कुमार	खल
बुध	जाग्रत	बाल	दीन
गुरू	सुसुप्त	मृत	दीन
शुक्र	जाग्रत	कुमार	दीन
शनि	जाग्रत	कुमार	मुदित

आरूढ़ कुंडली

आरूढ़ कुंडली अथवा अरुधा लग्न कुंडली ज्योतिष के क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। महर्षि पराशर ने जहां इस को महत्व दिया है, वहीं जैमिनी पद्धति का प्रयोग करने वाले ज्योतिषी भी अरुधा लग्न कुंडली का प्रयोग बहुत ही सटीक फलादेश करने के लिए करते हैं। आरूढ़ लग्न कुंडली भी हमारे लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी की जन्म लग्न कुंडली, क्योंकि जहां लग्न कुंडली से हमारे शरीर और हमारे व्यक्तित्व के बारे में जानकारी मिलती है और पता चलता है कि वास्तव में हम क्या हैं, वहीं आरूढ़ लग्न कुंडली बताती है कि समाज के सामने हम क्या हैं। अर्थात समाज में हमारा क्या अस्तित्व है, क्या छवि है और समाज के लोग हमें किस रूप से देखते हैं। यही वजह है कि आरूढ़ लग्न कुंडली का प्रयोग किया जाता है और जिस प्रकार लग्न कुंडली में ग्रहों के अनुसार फल कथन किया जाता है, उसी प्रकार आरूढ़ लग्न कुंडली में भी यह कार्य किया जाता है।

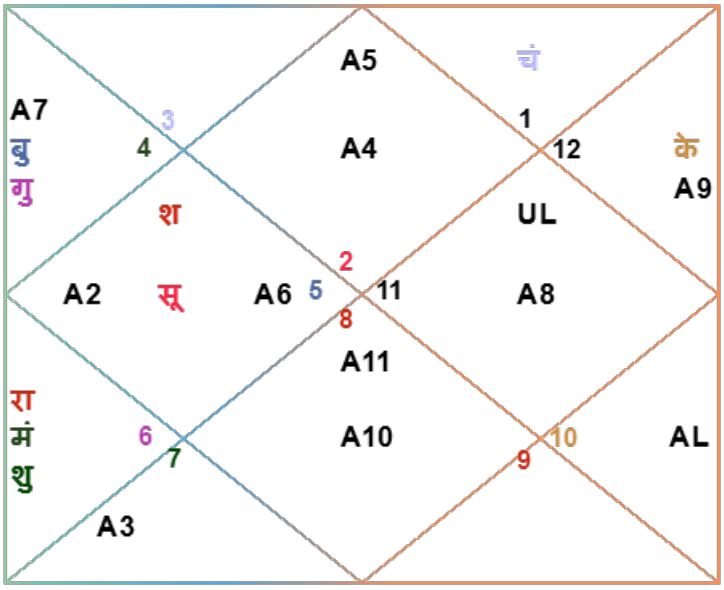

नोट

1. हम अरुधा पद गणना के लिए राहु और केतु की शक्ति पर विचार नहीं कर रहे हैं।
2. हम अरुधा पद की गणना के लिये अपवादों का उपयोग कर रहे हैं।

चरदशा

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

वृष	04 वर्ष	23/ 8/78 - 23/ 8/82	कुंभ	05 वर्ष	23/ 8/95 - 23/ 8/00
मेष	05 वर्ष	23/ 8/82 - 23/ 8/87	मकर	05 वर्ष	23/ 8/00 - 23/ 8/05
मीन	08 वर्ष	23/ 8/87 - 23/ 8/95	धनु	07 वर्ष	23/ 8/05 - 23/ 8/12
वृश्चिक	10 वर्ष	23/ 8/12 - 23/ 8/22	सिंह	12 वर्ष	23/ 8/35 - 23/ 8/47
तुला	11 वर्ष	23/ 8/22 - 23/ 8/33	कर्क	03 वर्ष	23/ 8/47 - 23/ 8/50
कन्या	02 वर्ष	23/ 8/33 - 23/ 8/35	मिथुन	01 वर्ष	23/ 8/50 - 23/ 8/51

वृष 4 वर्ष	मेष 5 वर्ष	मीन 8 वर्ष
मेष 23/ 8/78 - 23/12/78	वृष 23/ 8/82 - 23/ 1/83	मेष 23/ 8/87 - 23/ 4/88
मीन 23/12/78 - 23/ 4/79	मिथुन 23/ 1/83 - 23/ 6/83	वृष 23/ 4/88 - 23/12/88
कुंभ 23/ 4/79 - 23/ 8/79	कर्क 23/ 6/83 - 23/11/83	मिथुन 23/12/88 - 23/ 8/89
मकर 23/ 8/79 - 23/12/79	सिंह 23/11/83 - 23/ 4/84	कर्क 23/ 8/89 - 23/ 4/90
धनु 23/12/79 - 23/ 4/80	कन्या 23/ 4/84 - 23/ 9/84	सिंह 23/ 4/90 - 23/12/90
वृश्चिक 23/ 4/80 - 23/ 8/80	तुला 23/ 9/84 - 23/ 2/85	कन्या 23/12/90 - 23/ 8/91
तुला 23/ 8/80 - 23/12/80	वृश्चिक 23/ 2/85 - 23/ 7/85	तुला 23/ 8/91 - 23/ 4/92
कन्या 23/12/80 - 23/ 4/81	धनु 23/ 7/85 - 23/12/85	वृश्चिक 23/ 4/92 - 23/12/92
सिंह 23/ 4/81 - 23/ 8/81	मकर 23/12/85 - 23/ 5/86	धनु 23/12/92 - 23/ 8/93
कर्क 23/ 8/81 - 23/12/81	कुंभ 23/ 5/86 - 23/10/86	मकर 23/ 8/93 - 23/ 4/94
मिथुन 23/12/81 - 23/ 4/82	मीन 23/10/86 - 23/ 3/87	कुंभ 23/ 4/94 - 23/12/94
वृष 23/ 4/82 - 23/ 8/82	मेष 23/ 3/87 - 23/ 8/87	मीन 23/12/94 - 23/ 8/95

कुंभ 5 वर्ष
मीन 23/ 8/95 - 23/ 1/96
मेष 23/ 1/96 - 23/ 6/96
वृष 23/ 6/96 - 23/11/96
मिथुन 23/11/96 - 23/ 4/97
कर्क 23/ 4/97 - 23/ 9/97
सिंह 23/ 9/97 - 23/ 2/98
कन्या 23/ 2/98 - 23/ 7/98
तुला 23/ 7/98 - 23/12/98
वृश्चिक 23/12/98 - 23/ 5/99
धनु 23/ 5/99 - 23/10/99
मकर 23/10/99 - 23/ 3/00
कुंभ 23/ 3/00 - 23/ 8/00

मकर 5 वर्ष
धनु 23/ 8/00 - 23/ 1/01
वृश्चिक 23/ 1/01 - 23/ 6/01
तुला 23/ 6/01 - 23/11/01
कन्या 23/11/01 - 23/ 4/02
सिंह 23/ 4/02 - 23/ 9/02
कर्क 23/ 9/02 - 23/ 2/03
मिथुन 23/ 2/03 - 23/ 7/03
वृष 23/ 7/03 - 23/12/03
मेष 23/12/03 - 23/ 5/04
मीन 23/ 5/04 - 23/10/04
कुंभ 23/10/04 - 23/ 3/05
मकर 23/ 3/05 - 23/ 8/05

धनु 7 वर्ष
वृश्चिक 23/ 8/05 - 23/ 3/06
तुला 23/ 3/06 - 23/10/06
कन्या 23/10/06 - 23/ 5/07
सिंह 23/ 5/07 - 23/12/07
कर्क 23/12/07 - 23/ 7/08
मिथुन 23/ 7/08 - 23/ 2/09
वृष 23/ 2/09 - 23/ 9/09
मेष 23/ 9/09 - 23/ 4/10
मीन 23/ 4/10 - 23/11/10
कुंभ 23/11/10 - 23/ 6/11
मकर 23/ 6/11 - 23/ 1/12
धनु 23/ 1/12 - 23/ 8/12

वृश्चिक 10 वर्ष
तुला 23/ 8/12 - 23/ 6/13
कन्या 23/ 6/13 - 23/ 4/14
सिंह 23/ 4/14 - 23/ 2/15
कर्क 23/ 2/15 - 23/12/15
मिथुन 23/12/15 - 23/10/16
वृष 23/10/16 - 23/ 8/17
मेष 23/ 8/17 - 23/ 6/18
मीन 23/ 6/18 - 23/ 4/19
कुंभ 23/ 4/19 - 23/ 2/20
मकर 23/ 2/20 - 23/12/20
धनु 23/12/20 - 23/10/21
वृश्चिक 23/10/21 - 23/ 8/22

तुला 11 वर्ष
वृश्चिक 23/ 8/22 - 23/ 7/23
धनु 23/ 7/23 - 23/ 6/24
मकर 23/ 6/24 - 23/ 5/25
कुंभ 23/ 5/25 - 23/ 4/26
मीन 23/ 4/26 - 23/ 3/27
मेष 23/ 3/27 - 23/ 2/28
वृष 23/ 2/28 - 23/ 1/29
मिथुन 23/ 1/29 - 23/12/29
कर्क 23/12/29 - 23/11/30
सिंह 23/11/30 - 23/10/31
कन्या 23/10/31 - 23/ 9/32
तुला 23/ 9/32 - 23/ 8/33

कन्या 2 वर्ष
तुला 23/ 8/33 - 23/10/33
वृश्चिक 23/10/33 - 23/12/33
धनु 23/12/33 - 23/ 2/34
मकर 23/ 2/34 - 23/ 4/34
कुंभ 23/ 4/34 - 23/ 6/34
मीन 23/ 6/34 - 23/ 8/34
मेष 23/ 8/34 - 23/10/34
वृष 23/10/34 - 23/12/34
मिथुन 23/12/34 - 23/ 2/35
कर्क 23/ 2/35 - 23/ 4/35
सिंह 23/ 4/35 - 23/ 6/35
कन्या 23/ 6/35 - 23/ 8/35

सिंह 12 वर्ष	कर्क 3 वर्ष	मिथुन 1 वर्ष
कन्या 23/ 8/35 - 23/ 8/36	मिथुन 23/ 8/47 - 23/11/47	वृष 23/ 8/50 - 23/ 9/50
तुला 23/ 8/36 - 23/ 8/37	वृष 23/11/47 - 23/ 2/48	मेष 23/ 9/50 - 23/10/50
वृश्चिक 23/ 8/37 - 23/ 8/38	मेष 23/ 2/48 - 23/ 5/48	मीन 23/10/50 - 23/11/50
धनु 23/ 8/38 - 23/ 8/39	मीन 23/ 5/48 - 23/ 8/48	कुंभ 23/11/50 - 23/12/50
मकर 23/ 8/39 - 23/ 8/40	कुंभ 23/ 8/48 - 23/11/48	मकर 23/12/50 - 23/ 1/51
कुंभ 23/ 8/40 - 23/ 8/41	मकर 23/11/48 - 23/ 2/49	धनु 23/ 1/51 - 23/ 2/51
मीन 23/ 8/41 - 23/ 8/42	धनु 23/ 2/49 - 23/ 5/49	वृश्चिक 23/ 2/51 - 23/ 3/51
मेष 23/ 8/42 - 23/ 8/43	वृश्चिक 23/ 5/49 - 23/ 8/49	तुला 23/ 3/51 - 23/ 4/51
वृष 23/ 8/43 - 23/ 8/44	तुला 23/ 8/49 - 23/11/49	कन्या 23/ 4/51 - 23/ 5/51
मिथुन 23/ 8/44 - 23/ 8/45	कन्या 23/11/49 - 23/ 2/50	सिंह 23/ 5/51 - 23/ 6/51
कर्क 23/ 8/45 - 23/ 8/46	सिंह 23/ 2/50 - 23/ 5/50	कर्क 23/ 6/51 - 23/ 7/51
सिंह 23/ 8/46 - 23/ 8/47	कर्क 23/ 5/50 - 23/ 8/50	मिथुन 23/ 7/51 - 23/ 8/51

जैमिनी चर दशा फल

वैदिक ज्योतिष की भांति ही जैमिनी ज्योतिष पद्धति फल कथन करने में काफी सटीक साबित होती है। जहाँ विंशोत्तरी दशा ग्रहों की दशा होती है, वहीं जैमिनी चर दशा राशियों की दशा होती है। मेष से लेकर मीन राशि तक कुल 12 राशियाँ होती हैं, इसलिए जैमिनी चर दशा भी 12 राशियों की दशा होती है।

सभी राशियों का अपना एक स्वभाव होता है और उसी के आधार पर वें अपना फल प्रदान करती हैं।

मेष राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान आपके घर अनेक प्रकार के अतिथि आएँगे और घर में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा तथा बच्चों का शोर-शराबा भी हो सकता है। आप काफी महत्वाकांक्षी बनेंगे और आपके स्वभाव में थोड़ी आक्रामकता की वृद्धि होगी। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए आप प्रयास करेंगे लेकिन आक्रामकता को नियंत्रण में रखने की कोशिश करें। इस दशा के दौरान आपको किसी जानवर से क्षति पहुंच सकती है, विशेषकर चूहा, बिल्ली, कुत्ता आदि से सावधान रहना चाहिए। जल्दबाजी में काम करने की आदत से बचें।

वृषभ राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपके परिवार में खुशहाली आएगी और आपको धन लाभ होने की प्रबल संभावना बनेगी। यदि आपने पहले से ही विचार किया हुआ है, तो इस दौरान कोई वाहन भी खरीद सकते हैं। इस दशा अवधि में आप काफी सुख का अनुभव करेंगे। हालांकि वाहन सावधानी पूर्वक चलाएँ, क्योंकि किसी वाहन अथवा चौपाये जानवर द्वारा हल्की-फुल्की दुर्घटना होने की भी संभावना बन सकती है।

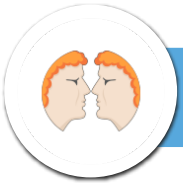

मिथुन राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपकी सोच में वृद्धि होगी और आप सही दिशा में सोच पाएंगे। इसका लाभ आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा। यदि आप कोई पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकी शिक्षा में सफलता मिलेगी और यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो उसमें भी इस अवधि में तरक्की मिल सकती है। हालांकि आपका स्वास्थ्य इस दौरान कमजोर हो सकता है। विशेष रूप से कोई त्वचा संबंधित परेशानी, एलर्जी या नस एवं नाड़ियों से संबंधित रोग हो सकता है, जिसके प्रति सावधानी बरतना हो सके।

कर्क राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके लिए काफी उन्नति दायक रहने वाली है। इस दौरान आपको बहुमूल्य रत्नों से संबंधित

व्यवसाय या कोई भी ऐसा व्यवसाय जिसमें विदेशी व्यापार होता हो, आप को जबरदस्त सफलता मिल सकती है। इस दौरान आपको जल संबंधित बीमारियों, जैसे कि पीलिया, हैजा, आदि से बचना चाहिए और गहरे पानी में स्नान करने से सावधान रहना चाहिए। इस दौरान आप काफी भावुक होंगे और अपने परिवार के बारे में काफी सोचेंगे, इसलिए घरेलू कार्यों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा अवधि में आपको अपने अंदर आध्यात्मिकता की वृद्धि देखने को मिलेगी और आपका रुझान धार्मिक कार्यों में अधिक होगा। आप किसी पहाड़ी प्रदेश या जंगल आदि में भ्रमण करने जा सकते हैं, लेकिन इस दौरान अधिक ऊँचे स्थानों पर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि वहां से गिरकर दुर्घटना की संभावना बन सकती है। इसके अतिरिक्त अपने कार्य क्षेत्र में भी ध्यान दें, क्योंकि आपकी पदावनति हो सकती है। इसके विपरीत यदि आप अच्छा कार्य करते हैं, तो पदोन्नति भी प्राप्त हो सकती है। किसी जानवर जैसे कुत्ते आदि के द्वारा काटने अथवा दुर्घटना की आशंका हो सकती है।

कन्या राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपको शिक्षा में अनुकूल परिणाम मिलेंगे और आप काफी अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। यदि आप कोई व्यापार करते हैं, तो उसमें काफी अच्छा लाभ मिलेगा और इस दौरान आपके व्यापार का विस्तार हो सकता है। आपकी तर्क क्षमता में वृद्धि होगी। वहीं दूसरी ओर अग्नि से संबंधित कोई दुर्घटना अथवा त्वचा संबंधित रोग जैसे खुजली, एलर्जी, दाद, आदि होने की संभावना रहेगी।

तुला राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आपको सभी प्रकार के अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आपके जीवन में सुख और समृद्धि आएगी तथा आप प्रसिद्ध प्राप्त बनेंगे। लोगों के मन में आपके प्रति आकर्षण बढ़ेगा। आपकी सोच में सकारात्मकता आएगी और शुभ कार्यों में आपका मन लगेगा। इसके अतिरिक्त आपको विभिन्न प्रकार के सुख, चाहे वाहन सुख हो, अथवा भवन सुख, प्राप्त हो सकता है। जीवन में प्रेम की वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आ सकती है। यदि आप कोई शोध कार्य करते हैं या फिर कोई गूढ अध्ययन करते हैं, अथवा आध्यात्मिक रूप से ध्यान आदि करते हैं, तो आपको काफी बेहतरीन परिणाम मिल सकते हैं। हालांकि आपकी सेहत के लिए दशा अच्छी नहीं होगी। विशेषकर दवाइयों के साइड इफेक्ट से अथवा फूड पॉइजनिंग के कारण आपको कष्ट हो सकता है। इसके अतिरिक्त किसी इंजेक्शन से इन्फेक्शन होने का खतरा रह सकता है अथवा किसी जलीय जीव के द्वारा क्षति पहुँचाई जा

सकती है।

धनु राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, क्योंकि काफी रहस्यमयी दशा है। इस दशा अवधि में आपको काफी हद तक उन्नति और उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है, लेकिन अचानक से स्वास्थ्य संबंधी कष्ट हो सकते हैं या फिर कोई दुर्घटना हो सकती है। आपको किसी ऊँचे स्थान से गिरने या फिर कुछ गलत कार्य के कारण पद की क्षति पहुंच सकती है। इस दौरान आपको अपने शत्रुओं के प्रति सावधान रहना चाहिए, क्योंकि मैं आप को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं।

मकर राशि जैमिनी चर दशा

यह दशा आपके जीवन में बदलाव का कारण बन सकती है। बदलाव चाहे छोटे हों अथवा बड़े, आपके जीवन पर अच्छा खासा प्रभाव डालेंगे। इस दौरान आप अपने निवास स्थान में बदलाव कर सकते हैं या अपने नौकरी के स्थान में। इसके अतिरिक्त इस दशा अवधि में जीवन संबंधित बड़े बदलाव जैसे कि विवाह होना अथवा संतान होना या फिर स्वास्थ्य अत्यधिक खराब होना संभव हो सकता है, इसलिए थोड़ा सावधानी बरतें।

कुम्भ राशि जैमिनी चर दशा

इस दशा के दौरान आप आगे बढ़कर काफी दान, पुण्य, धार्मिक कार्य करेंगे तथा समाज के हित में परोपकार के कार्य करेंगे, जिससे आपके मान और सम्मान में वृद्धि होगी। लोग आपसे अपने कार्यों के लिए सलाह लेने आएँगे अथवा कोई ज़रूरतमंद आपसे सहायता मांगने आ सकता है और आप उनकी सहायता भी करेंगे। इससे समाज में आपकी कीर्ति बढ़ेगी। आपको लोगों द्वारा सराहना प्राप्त होगी।

मीन राशि जैमिनी चर दशा

इस राशि की दशा में आप काफी भावुक होंगे और भावुकता में आकर कुछ गलत निर्णय भी ले सकते हैं, इसलिए कोई भी निर्णय लेने से पहले किसी को वरिष्ठ व्यक्ति से सलाह लेना बेहतर रहेगा। हालांकि आपको जीवन में इस दशा के दौरान काफी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त होंगे, जो भविष्य में आपके काम आएँगे। केवल इतना ही नहीं, आप गहन अध्यात्म के क्षेत्र में भी अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। यह दशा जीवन को आध्यात्मिक तौर पर समृद्ध बनाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

वर्षफल विवरण 2019

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1978	जन्म दिनांक	24/08/2019
23:53:18	जन्म समय	12:9:8
बुधवार	जन्म दिन	शनिवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	11:48:00
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 54 : 52
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 52 : 23
वृषभ	लग्न	तुला
शुक्र	लग्नस्वामी	शुक्र
मेष	राशि	वृषभ
मंगल	राशि स्वामी	शुक्र
भरणी	नक्षत्र	रोहिणी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	चंद्र
वृ ि	योग	व्याघात
वणिज	करण	तैतिल
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-33-30	अयनांश	024-07-51
लाहिड़ी	अयनांश नाम	लाहिड़ी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2019

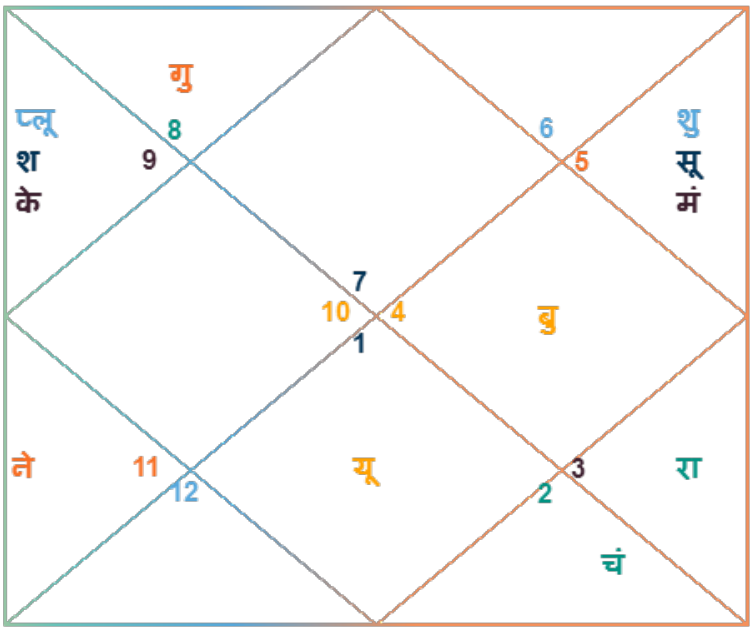

वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	तुला	27-15-09
सूर्य	सिंह	06-42-47
चंद्र	वृषभ	14-30-22
मंगल	सिंह	09-43-60
बुध	कर्क	25-56-47
गुरु	वृश्चिक	20-39-58
शुक्र	सिंह	09-28-34
शनि	धनु	20-15-46
राहु	मिथुन	20-58-36
केतु	धनु	20-58-36
यूरेनस	मेष	12-31-12
नेपच्यून	कुंभ	23-35-25
प्लूटो	धनु	26-42-32

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	शुक्र
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	शुक्र
त्रिराशी स्वामी	बुध
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	24/08/2019
वर्षप्रवेश जन्म-समय	12:09:08
मुन्था राशि	तुला
घर में मुन्था	1
जन्म कुण्डली में मुन्था	6

वर्षफल सहम

सहम	अंश		ग्रह
पुण्य	सिंह	05 . 02 . 43	सूर्य
शिक्षा	कुंभ	19 . 27 . 33	शनि
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	कुंभ	12 . 52 . 23	शनि
मित्र	कुंभ	23 . 53 . 23	शनि
पिता	मीन	10 . 48 . 07	गुरू
माता	सिंह	02 . 16 . 56	सूर्य
जीवन	धनु	26 . 50 . 56	गुरू
कर्ण	धनु	11 . 02 . 21	गुरू
मृत्यु	कुंभ	04 . 53 . 45	शनि
विदेश यात्रा	तुला	02 . 19 . 56	शुक्र
धन-सम्पत्ति	कुंभ	16 . 39 . 30	शनि
व्यभिचार	धनु	00 . 00 . 55	गुरू
बीमारी	वृषभ	09 . 59 . 55	शुक्र
वैकल्पिक व्यवसाय	मेष	21 . 29 . 44	मंगल
वाणिज्य	सिंह	15 . 48 . 43	सूर्य
कार्य सिद्धि	मकर	20 . 15 . 46	शनि
विवाह	कर्क	16 . 27 . 56	चंद्र
संतान	कुंभ	21 . 58 . 20	शनि
प्रेम	वृषभ	11 . 39 . 58	शुक्र

सहम	अंश		ग्रह
व्यापार	धनु	11 . 02 . 21	गुरू
शत्रु	कर्क	16 . 43 . 22	चंद्र
कारावास	कर्क	12 . 02 . 06	चंद्र
वित्तीय लाभ	सिंह	02 . 16 . 56	सूर्य

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

ग्रह	से आरंभ करके	तक
गुरु	24/08/2019	12/10/2019
शनि	12/10/2019	08/12/2019
बुध	08/12/2019	29/01/2020
केतु	29/01/2020	19/02/2020
शुक्र	19/02/2020	20/04/2020
सूर्य	20/04/2020	09/05/2020
चंद्र	09/05/2020	08/06/2020
मंगल	08/06/2020	29/06/2020
राहु	29/06/2020	23/08/2020

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	ग्रह	से आरंभ करके	तक
उल्का	शनि	24/08/2019	24/10/2019
सिद्धा	शुक्र	24/10/2019	03/01/2020
संकटा	राहु	03/01/2020	24/03/2020
मंगला	चंद्र	24/03/2020	03/04/2020
पिंगला	सूर्य	03/04/2020	23/04/2020
धान्या	गुरु	23/04/2020	23/05/2020
भ्रामरी	मंगल	23/05/2020	03/07/2020
भद्रिका	बुध	03/07/2020	23/08/2020

वर्षफल विवरण 2019 - 2020

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा प्रथम भाव में है।

यह एक अनुकूल स्थिति है। आपको बेहतर कॅरिअर संभावनाएं और चतुर्मुख उन्नति के अवसर मिलेंगे। अपने विरोधियों को परास्त करने में आप सक्षम होंगे। आपका मान बढ़ेगा। आपको बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त होगा और आर्थिक दृष्टि से आप अधिक समृद्ध होंगे।

दशा शनि
दिसम्बर 6, 2019 - दिसम्बर 08, 2019

दशा बुध
दिसम्बर 08, 2019 - जनवरी 29, 2020

दशा केतु
जनवरी 29, 2020 - फ़रवरी 19, 2020

दशा शुक्र
फ़रवरी 19, 2020 - अप्रैल 20, 2020

दशा सूर्य
अप्रैल 20, 2020 - मई 09, 2020

दशा चंद्र
मई 09, 2020 - जून 08, 2020

दशा मंगल
जून 08, 2020 - जून 29, 2020

दशा राहु
जून 29, 2020 - अगस्त 23, 2020

दिसम्बर 6, 2019 - दिसम्बर 08, 2019 दशा शनि

आर्थिक जीवन

इस समय आपका आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। सामान्य रूप से आपके पास धन आएगा। कुछ बड़े बदलाव के आसार नहीं है। हालांकि अचानक आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। कुछ आवश्यकता पड़ने पर आपका धन ख़र्च होगा, इसलिए धन की बचत पर भी ध्यान अवश्य दें।

करियर

नौकरी व्यापार या व्यवसाय में उत्साहवर्धक परिणाम सामने आएंगे। करियर में की गई मेहनत से आपको अच्छे फल प्राप्त होंगे। किसी अच्छे संस्थान में नौकरी लगने के योग हैं। इसके अलावा आपको नए उद्यमों

या व्यवसायों में प्रवेश करने का मौका मिलेगा और यह आपका अच्छा अनुभव भी हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

इस समय आपका पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहेगा। परिजनों के बीच प्रेम भाव बढ़ेगा और एकजुटता भी दिखाई देगी। परिवार में ख़ुशियों का आगमन होगा। इसके अलावा घर वालों के द्वारा आपको किसी प्रकार की ख़ुशख़बरी प्राप्त हो सकती है। घर में भाई-बहनों से आपका अधिक लगाव रहेगा।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन में मजबूती आएगी और आप अपने रिश्ते को और मजबूत बना पाने में सक्षम होंगे। जो लोग विवाहित हैं उनके वैवाहिक जीवन सामान्य परिस्थितियाँ आएंगी हालांकि आपके जीवनसाथी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। यदि कोई पुरानी है तो सुधार होगा। अपने आलस्य को त्यागकर शारीरिक व्यायाम और कसरत करें। इससे आप स्वस्थ्य रहेंगे। अपनी सेहत को फिट रखने के लिए अपनी जीवनशैली अनुशासित बनाना होगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी संवाद शैली को सुधारने का भरपूर प्रयास करें।
- जीवन में आशावादी बने और संघर्षों का डटकर सामना करें।

क्या न करें

- अपनी आलस्य का पूर्ण रूप से त्याग करें।
- दूसरों को आदेश देकर काम कराने की आदत का त्याग करें।

उपाय

- शमी की समिधा से हवन करें।
- स्नान करते समय जल में थोड़े काले तिल मिलाकर स्नान करें।

आर्थिक जीवन

दशम भाव में स्थित बुध शुभ फल प्रदान करता है, इसलिए इस अवधि में आपको अच्छे अनुभव प्राप्त होंगे। नौकरी और व्यवसाय में उन्नति व लाभ की प्राप्ति होगी। आप अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं। आप पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपना काम करेंगे। समाज के प्रतिष्ठित और सरकार से जुड़े वरिष्ठ व्यक्तियों से संबंधों में सुधार होगा। इस अवधि में इन लोगों से आपको हर तरह की मदद प्राप्त होगी। आपको वाहन सुख का आनंद मिलेगा। इस अवधि में आप आर्थिक रूप से समृद्ध रहेंगे और इसका परिणाम यह होगा कि, आपके पास धन की कोई कमी नहीं रहेगी।

करियर

आप सरकारी सहयोग से भी धनार्जन कर सकते है या फिर सरकार में आपको कोई बड़ा पद प्राप्त हो सकता है।आप व्यापार के माध्यम से लाभ और यश दोनों कमाएंगे। विदेशी भूमि से आपको शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। विदेश स्थित किसी कंपनी से बिजनेस या नौकरी का शानदार ऑफर मिल सकता है। आमदनी अच्छी होगी और इसमें बढ़ोत्तरी होगी। धनवान होने के साथ-साथ आप विभिन्न प्रकार की सम्पत्ति अर्जित करेंगे।

पारिवारिक जीवन

घर में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। आप माता-पिता और गुरुजनों का आदर करेंगे एवं उनके आशीर्वाद से आपकी उन्नति होगी। इस अवधि में आप जिस काम को करेंगे उससे शुरुआत में ही सफलता मिलेगी। दशम भाव स्थित बुध के कारण आप न्यायप्रिय और नीति निपुण होंगे। आपके व्यवहार में अंदर धैर्य और विनम्रता आएगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में कुछ परेशानी उत्पन्न हो सकती हैं अथवा विचारों के मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं वहीं दूसरी और प्रेम जीवन के लिए समय सामान्य रहेगा आप अपने साथी से संवाद बनाए रखें धीरे-धीरे स्थिति आपके पक्ष में आ जाएगी।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ा सकता है। नेत्र या त्वचा संबंधी विकार से परेशानी होने की संभावना है, इसलिए इस मामले में कोई लापरवाही ना बरतें। यदि किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं तो समय पर इलाज लेते रहें, वरना बीमारी बढ़ने की संभावना है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- कार्यस्थल पर अपने विचारों और कार्य क्षमता का भरपूर प्रयोग करें
- अपने चरित्र को ऊपर उठाने के लिए प्रयासरत रहें।

क्या न करें

- अपने काम में बेईमानी बिल्कुल ना करें।
- महिला सहकर्मियों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें।

उपाय

- हरी सब्जियों का दान करें।
- हरे रंग के कपड़े किन्नरों को उपहार स्वरुप भेंट करें।

जनवरी 29, 2020 - फ़रवरी 19, 2020 दशा केतु

आर्थिक जीवन

केतु की तृतीय भाव में उपस्थिति आपके लिए धन योग का निर्माण करेगी। नौकरी अथवा व्यवसाय के माध्यम से आपके पास धन आएगा। अच्छी आमदनी होगी। विभिन्न स्रोतों से आपके पास धन का आगमन होगा। आप इस समय कोई नया वाहन ख़रीद सकते हैं। आपके बैंक बैलेंस में वृद्धि होगी।

करियर

करियर की गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रयोग करें। इस पूरी अवधि में आप आशावादी रहेंगे। अचानक यात्रा करने से आपको अच्छे फल प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से मित्रता बढ़ेगी। यह अवधि आपके लिये बहुत ही अनुकूल साबित हो सकती है, इसलिए इस समय का पूरा सदुपयोग करें।

पारिवारिक जीवन

केतु के तृतीय भाव में स्थित होने से आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। परिवार के साथ आप किसी तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। आपको परिजनों के साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त होगा। रिश्तेदारों से संबंध और भी मधुर होंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि आप गृहस्थ जीवन में है तो जीवनसाथी के कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लाइफ़ पार्टनर की सेहत में कमी देखी जा सकती है। वहीं जो लोग प्रेम जीवन में हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए प्रेम विवाह के योग बन रहें हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य जीवन बढ़िया रहेगा। यदि किसी रोग से पीड़ित हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। अपनी सेहत को दुरुस्त बनाए रखने के लिए प्रातः उठकर योग व शारीरिक व्यायाम करें। इससे आपके तनाव दूर होगा और आपके चेहरे पर चमक दिखेगी। आपके व्यक्तित्व सबको आकर्षित कर सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- धार्मिक क्रियाकलापों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें।
- अपने सहकर्मियों और मित्रों से अच्छे संबंध बनाकर रखें।

क्या न करें

- अपने भाई बहनों से संबंधों को खराब ना होने दें।
- धर्म-कर्म के कामों में दूरी ना होने दें।

उपाय

- केतु बीज मंत्र का जाप करें।
- पक्षियों को सतनाजा खिलाएं।

फ़रवरी 19, 2020 - अप्रैल 20, 2020 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको मिलेजुले परिणाम प्राप्त होंगे। आपके ख़र्चों में वृद्धि तो होगी परंतु आमदनी भी बढ़ेगी। आपको ध्यान बस यह रखना होगा कि आपके खर्चे आमदनी से ज़्यादा न हों। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होने की संभावना है। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से भी धन लाभ के योग बनते दिखाई दे रहे हैं।

करियर

यह अवधि आपके करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ साबित हो सकती है। इस समय सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। भाग्य और समय का साथ मिलेगा। इस अवसर को अपने प्रयासों से भुनाने का प्रयास करें। इस समय आपकी आकांक्षा पूर्ण हो सकती है। नौकरी में तरक्की हो सकती है अथवा आपकी सैलरी में बढ़ोतरी संभव है।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में ख़ुशियों की बहार आएगी। भाई-बहनों को उनके कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी कामयाबी मिलने की संभावना है। इसके अलावा घर में कोई मंगल कार्य भी हो सकता है। घर में किसी नए सदस्य का आगमन होगा जिससे आपके परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़ सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस समय आप अपने वैवाहिक जीवन को अधिक प्राथमिकता देंगे और आपकी यही बात जीवनसाथी को अच्छी लगेगी। उनके साथ आप किसी पार्टी अथवा कहीं अन्यत्र जा सकते हैं। यदि आप लव इन रिलेशनशिप में हैं तो पार्टनर के साथ कुछ ऐसे सुनहरे पल व्यतीत करेंगे जो आपके लिए अविस्मरणीय होंगे।

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य जीवन के लिए यह समय बढ़िया रहेगा। इस दौरान आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। यदि आप किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे हैं तो इसमें आपको लाभ मिलेगा। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। आपके चेहरे पर ग़जब की चमक देखने को मिलेगी, लोग आपसे यह सवाल भी कर सकते हैं, "आपकी सेहत का राज़ क्या हैं?"

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- यथासंभव अपने मित्रों और रिश्तेदारों की सहायता करें।
- अपने नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारी की सराहना करें।

क्या न करें

- ज्यादा जल्दबाजी में किसी से मित्रता ना करें।
- अत्यधिक महत्वाकांक्षाओं के कारण स्वार्थी ना बने।

उपाय

- घर में तुलसी का पौधा लगाएं और उसकी पूजा करें।
- सफेद गाय की जितनी सेवा कर सके करें।

अप्रैल 20, 2020 - मई 09, 2020 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

एकादश भाव में स्थित सूर्य अनुकूल परिणाम देता है। इसके प्रभाव से आपकी समस्त इच्छाएं व महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी। इसके फलस्वरूप आपको धन लाभ होगा। इस अवधि में आपको मित्रों और रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा। आपको कई शुभ परिणाम प्रदान करेगी। एकादश भाव में स्थित सूर्य के प्रभाव से आप अधिक निवेश करेंगे और ये सभी निवेश कार्य आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे, इसलिए यदि आप निवेश से संबंधित कोई योजना बना रहे हैं तो इसे समझदारी के साथ अवश्य करें।

करियर

वहीं नौकरी व व्यवसाय में होने वाले हर सौदे और समझौते आपके लिए लाभकारी होंगे। इस अवधि में आपकी आमदनी में भी बढ़ोत्तरी होगी। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो आपको वेतन वृद्धि की सौगात मिल सकती है। नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में आपको उच्च अधिकारियों का समर्थन मिलता रहेगा। वहीं अगर आप व्यवसाय कर रहे हैं तो आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। इस अवधि में होने वाली यात्राएं आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगी, विशेषकर लंबी दूरी की यात्राओं से आपको श्रेष्ठ फल की प्राप्ति होगी।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। बड़े भाई-बहनों का साथ मिलेगा। घर में एकता और प्रेम का वातावरण रह सकता है। माता-पिताजी की सेहत का ख़्याल रखें और अच्छे कार्यों से पहले उनका आशीर्वाद लें। सहपरिवार आप किसी जगह घूमने भी जा सकते हैं। घर में किसी नए सदस्य का आगमन हो सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय अच्छा साबित होगा। आप अपने प्रियतम के साथ अपने मन की बात साझा कर सकते हैं। वहीं वैवाहिक जीवन में मधुरता और बढ़ेगी। आप जीवनसाथी के संग मधुर पलों का आनंद लेंगे।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य जीवन बढ़िया रहेगा। आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे और प्रत्येक कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आप में गज़ब का जोश और उत्साह दिखाई देगा। इसके अलावा आप ऊर्जा से भी भरपूर रहेंगे। अच्छी सेहत के कारण आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रहें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने व्यवसाय को नए आयाम देने हेतु विस्तार दें।
- परिवार को भरपूर समय दें।

क्या न करें

- महत्वाकांक्षाओं की अति से बचें।
- जल्दबाजी में किसी से मित्रता ना करें और ना ही किसी पर जल्दी भरोसा करें।

उपाय

- सूर्य द्वादश नाम स्त्रोत का पाठ करें।
- लक्ष्मी नारायण के मंदिर में विष्णु जी को कमल पुष्प अर्पित करें।

मई 09, 2020 - जून 08, 2020 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

अष्टम भाव में स्थित चंद्रमा को सामान्यत: अच्छा नहीं माना जाता है। इस स्थिति में जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि यहां स्थित चंद्रमा कुछ शुभ फल भी प्रदान करता है। इसके प्रभाव से व्यापार में लाभ की प्राप्ति होती है। शेयर बाज़ार अथवा अन्य क्षेत्र में पूँजी निवेश करना आपके लिए सही नहीं होगा इसलिए इस समय पूँजी निवेश से बचें।

करियर

कार्यस्थल पर विरोधी भी आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए ऐसे लोगों से सावधान रहें। इस अवधि में बेवजह की यात्रा करने से बचें, क्योंकि इनसे कोई लाभ नहीं होने वाला है। इस समय में वासनात्मक विचार आप पर ज्यादा हावी हो सकते हैं, इसलिए थोड़ा संयम बरतें और ऐसी स्थिति में अनैतिक कार्य करने से बचें।

पारिवारिक जीवन

परिवार में किसी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी विकार होने की संभावना रहती है। इस तरह की समस्या आपकी चिंताएं बढ़ा सकती हैं, इसलिए यदि किसी परिजन को सेहत संबंधी कोई समस्या हो तो, उसे फौरन डॉक्टर को दिखाएं। इस अवधि में माँ के साथ आपके संबंध सामान्य रहेंगे हालांकि आपकी माता को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए उनका हर तरह से ख्याल रखें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक और प्रेम प्रसंग के मामलों के लिए यह समय थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है। इस दौरान कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी और प्रियतम के साथ कुछ मामलों को लेकर मनमुटाव होने की संभावना है, इसलिए हर मसले को बातचीत के जरिये सुलझाने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

चंद्रमा का अष्टम भाव में स्थित रहना सेहत के लिए थोड़ा परेशानी भरा रह सकता है। इस समय में जल जनित रोगों का भय बना रहेगा इसलिए जल से होने वाली बीमारियों से सावधान रहें। चूंकि चंद्रमा मन का कारक होता है अत: आपको मनोविकार भी हो सकते हैं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- सर्दी जुकाम आदि शारीरिक समस्याओं से दूर रहने का प्रयास करें।
- अत्यधिक वासनात्मक विचारों पर नियंत्रण रखें।

क्या न करें

- अकेले बैठकर व्यर्थ में सोच विचार ना करें।
- गहरे पानी में जाने से बचें।

उपाय

- अपनी माता को चाँदी की कोई वस्तु भेंट करें।
- श्री शिव सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करें।

जून 08, 2020 - जून 29, 2020 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

विभिन्न स्रोतों से आपको लाभ मिलने की प्रबल संभावना है। इससे आपकी आय में वृद्धि होगी और आपको धन लाभ होगा। महंगी वस्तुओं को ख़रीदने में आप अपना पैसा ख़र्च कर सकते हैं। एकादश भाव में स्थित मंगल के प्रभाव से आप अधिक निवेश करेंगे और ये सभी निवेश कार्य आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे, इसलिए यदि आप निवेश से संबंधित कोई योजना बना रहे हैं तो इसे समझदारी के साथ अवश्य करें।

करियर

इस दौरान आपको सहयोगियों से लाभ मिलेगा। ज़रुरत के समय आपको इनके द्वारा भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। हालांकि कभी-कभार किसी मुद्दे पर उनसे मतभेद भी हो सकते हैं। इस दौरान आपकी लंबे समय से रुकी हुई कोई इच्छा पूर्ण हो सकती है। आपकी लंबी यात्राएं सफल रहेंगी।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में ख़ुशियाँ आएंगी और आपके आसपास का भी वातावरण अच्छा रहेगा। इस समय आप धैर्य से काम करेंगे और जल्दबाज़ी नहीं करेंगे। आप दोस्तों अथवा परिजनों के साथ किसी सुहावने सफर में जा सकते हैं। भाई-बहन ऊर्जावान रहेंगे। इस समय आप दूसरों पर एक राजा की तरह हुक्म जता सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में मधुरता और बढ़ेगी। आप जीवनसाथी के संग मधुर पलों का आनंद लेंगे। वहीं प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय अच्छा साबित होगा। आप अपने प्रियतम के साथ अपने मन की बात साझा कर सकते हैं। हालांकि इस अवधि में आपको मर्यादित आचरण बनाये रखना होगा।

स्वास्थ्य

आपकी सेहत अच्छी रहेगी और आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। अच्छी सेहत के कारण आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। आप प्रत्येक कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आप में गज़ब का जोश और उत्साह दिखाई देगा। इसके अलावा आप ऊर्जा से भी भरपूर रहेंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- एक टीम की तरह काम करने की आदत डालें।
- अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए स्वार्थी ना बने।

क्या न करें

- नए रिश्ते बनाने के लिए अपने पुराने मित्रों का साथ ना छोड़ें।
- दूसरों के प्रति जलन की भावना को छोड़ दें।

उपाय

- किसी मंदिर अथवा गार्डन में अनार का पेड़ लगाएं।
- मंगल ग्रह के बीज मंत्र का जाप करें।

जून 29, 2020 - अगस्त 23, 2020 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको मिलेजुले परिणामों की प्राप्ति होगी। इस समय आपके पास धन का आगमन होगा, परंतु आपके ख़र्चों में वृद्धि होगी। इस समय आय और ख़र्च के बीच संतुलन बनाएं, अन्यथा आप आर्थिक संकट से गुजर सकते हैं। आर्थिक निर्णय लेते समय अनुभवी व्यक्तियों की सलाह अवश्य लें।

करियर

करियर में आपको मिश्रित परिणामों की प्राप्ति होगी। आप अपने व्यापार में अच्छा काम करेंगे और लक्ष्य से भ्रमित नहीं होंगे। नौकरी-पेशा के प्रति आपका निश्चय दृढ़ रहेगा। इस समय आपके व्यक्तित्व में अहंकार की झलक दिख सकती है। अपने अहंकार का त्याग करें और अपना आत्म अवलोकन करें।

पारिवारिक जीवन

इस दौरान आपको पारिवारिक जीवन में आनंद आएगा। परिजनों के साथ आपको अच्छा समय बिताने का मौक़ा मिलेगा। इस अवधि आपको अपने परिवार से विशेष लगाव होगा लेकिन पिता से संबंध मधुर रहने की संभावना कम है। बेहतर होगा कि आप पिता का सम्मान करें और सफलता के लिए उनकी बातों का अनुसरण करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको आनंद की अनुभूति होगी। जीवनसाथी से रिश्ते मधुर बनेंगे। उनके द्वारा आपको आर्थिक लाभ होगा और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। वहीं लव लाइफ के लिए भी अच्छा समय

रहेगा। प्रियतम के साथ रोमांस करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य

इस समय आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। आप ऊर्जावान रहेंगे। आपके चेहरे पर चमक देखी जा सकेगी और पूरे उत्साह और जोश के साथ आप अपने कार्य को अंजाम देंगे। इस समय आप अपनी सेहत को लेकर भी गंभीर रहेंगे और अपने खानपान का विशेष ध्यान देंगे। नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने पिता से अच्छे संबंध बनाकर रखें।
- रूढ़िगत विचारों का पूर्ण रुप से विरोध करें।

क्या न करें

- अपने विचारों को नई दिशा दें किसी को कष्ट ना दें।
- धार्मिक होने का दिखावा न करें।

उपाय

- अपने वजन के बराबर कच्चे कोयले का दान करें।
- चांदी की चेन अथवा लॉकेट धारण करें।

AstroSage

वर्षफल विवरण 2020

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1978	जन्म दिनांक	23/08/2020
23:53:18	जन्म समय	18:18:18
बुधवार	जन्म दिन	रविवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	17:57:10
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 54 : 45
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 52 : 38
वृषभ	लग्न	मकर
शुक्र	लग्नस्वामी	शनि
मेष	राशि	तुला
मंगल	राशि स्वामी	शुक्र
भरणी	नक्षत्र	स्वाती
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
वृि	योग	ाुक्ल
वणिज	करण	कोलव
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-33-30	अयनांश	024-08-41
लाहिड़ी	अयनांश नाम	लाहिड़ी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2020

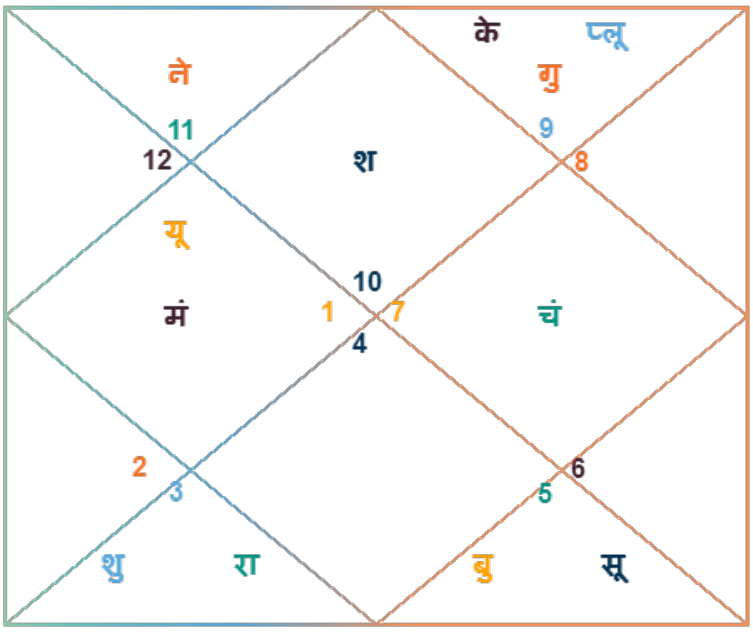

वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	मकर	26-54-48
सूर्य	सिंह	06-42-47
चंद्र	तुला	07-23-31
मंगल	मेष	01-52-24
बुध	सिंह	12-34-54
गुरु	धनु	23-59-04
शुक्र	मिथुन	21-19-15
शनि	मकर	02-12-54
राहु	मिथुन	01-37-15
केतु	धनु	01-37-15
यूरेनस	मेष	16-36-56
नेपच्यून	कुंभ	25-52-12
प्लूटो	धनु	28-34-11

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	मंगल
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	शनि
त्रिराशी स्वामी	मंगल
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	23/08/2020
वर्षप्रवेश जन्म-समय	18:18:17
मुन्था राशि	वृश्चिक
घर में मुन्था	11
जन्म कुण्डली में मुन्था	7

वर्षफल सहम

सहम	अंश		ग्रह
पुण्य	मेष	27 . 35 . 32	मंगल
शिक्षा	वृश्चिक	26 . 14 . 04	मंगल
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	तुला	23 . 18 . 19	शुक्र
मित्र	मकर	19 . 57 . 46	शनि
पिता	कर्क	22 . 24 . 54	चंद्र
माता	मिथुन	12 . 59 . 04	बुध
जीवन	मीन	05 . 08 . 38	गुरू
कर्ण	कन्या	16 . 12 . 18	बुध
मृत्यु	वृश्चिक	25 . 54 . 32	मंगल
विदेश यात्रा	मेष	19 . 35 . 27	मंगल
धन-सम्पत्ति	मीन	25 . 47 . 05	गुरू
व्यभिचार	धनु	11 . 31 . 15	गुरू
बीमारी	मिथुन	16 . 26 . 05	बुध
वैकल्पिक व्यवसाय	वृश्चिक	02 . 05 . 25	मंगल
वाणिज्य	मेष	21 . 43 . 26	मंगल
कार्य सिद्धि	कुंभ	02 . 12 . 53	शनि
विवाह	कर्क	16 . 01 . 09	चंद्र
संतान	कर्क	08 . 18 . 58	चंद्र
प्रेम	कन्या	25 . 33 . 20	बुध

सहम	अंश		ग्रह
व्यापार	कन्या	16 . 12 . 18	बुध
शत्रु	मेष	26 . 34 . 18	मंगल
कारावास	वृषभ	22 . 17 . 27	शुक्र
वित्तीय लाभ	मिथुन	12 . 59 . 04	बुध

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

ग्रह	से आरंभ करके	तक
शनि	23/08/2020	20/10/2020
बुध	20/10/2020	11/12/2020
केतु	11/12/2020	01/01/2021
शुक्र	01/01/2021	03/03/2021
सूर्य	03/03/2021	21/03/2021
चंद्र	21/03/2021	21/04/2021
मंगल	21/04/2021	12/05/2021
राहु	12/05/2021	06/07/2021
गुरु	06/07/2021	23/08/2021

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	ग्रह	से आरंभ करके	तक
सिद्धा	शुक्र	23/08/2020	02/11/2020
संकटा	राहु	02/11/2020	22/01/2021
मंगला	चंद्र	22/01/2021	01/02/2021
पिंगला	सूर्य	01/02/2021	21/02/2021
धान्या	गुरु	21/02/2021	23/03/2021
भ्रामरी	मंगल	23/03/2021	03/05/2021
भद्रिका	बुध	03/05/2021	23/06/2021
उल्का	शनि	23/06/2021	23/08/2021

वर्षफल विवरण 2020 - 2021

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा एकादश भाव में है।

आप बेहतर स्वास्थ्य, लोकप्रियता, मित्रता व सुखद पारिवारिक जीवन का आनंद लेंगे। आपको उच्च प्रशासनिक अथवा राजकीय पदों से सहयोग मिलेगा। आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी और आपकी समस्याओं का अंत होगा।

दशा शनि
अगस्त 23, 2020 - अक्टूबर 20, 2020

दशा बुध
अक्टूबर 20, 2020 - दिसम्बर 11, 2020

दशा केतु
दिसम्बर 11, 2020 - जनवरी 01, 2021

दशा शुक्र
जनवरी 01, 2021 - मार्च 03, 2021

दशा सूर्य
मार्च 03, 2021 - मार्च 21, 2021

दशा चंद्र
मार्च 21, 2021 - अप्रैल 21, 2021

दशा मंगल
अप्रैल 21, 2021 - मई 12, 2021

दशा राहु
मई 12, 2021 - जुलाई 06, 2021

दशा गुरु
जुलाई 06, 2021 - अगस्त 23, 2021

अगस्त 23, 2020 - अक्टूबर 20, 2020 दशा शनि

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपका आर्थिक जीवन सामान्य गति से चलेगा। हालांकि आपके सहयोगियों की लापरवाही के कारण आपको आर्थिक क्षेत्र में बड़ा धक्का लग सकता है, इसलिए थोड़ा इस मामले में सचेत रहें। इस अवधि का आखिरी हिस्सा आपको कुछ राहत देगा और इस समय आपको आर्थिक लाभ होगा।

करियर

करियर में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके अधिकतर कार्यों में किसी न किसी प्रकार की अड़चन आ सकती है। अपने करियर को लेकर आपके मन में कभी कभी असुरक्षा की भावना भी पैदा हो सकती है। इस समय आपके ऊपर काम का बोझ बहुत रहेगा और फालतू के कामों में

भी आप फँस सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

आपको पारिवारिक जीवन में इस समय दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। आपकी फ़ैमिली लाइफ़ में ख़ुशियों का अभाव रह सकता है। परिजनों की सेहत में गिरावट देखी जा सकती है। इस कारण आप थोड़े चिंतित भी रह सकते हैं। अपने माता-पिता की सेहत की देखभाल करें और छोटे भाई-बहनों के साथ प्रेम पूर्ण व्यवहार बनाए रखें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में समस्या उत्पन्न हो सकती हैं। किसी बात को लेकर जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं। वहीं प्रेम जीवन में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने साथी के प्रति भरोसा जताएं और उनके भी भरोसे को टूटने न दें। रिलेशनशिप को मजबूत बनाने के लिए यह एक बेहतर फॉर्मूला है।

स्वास्थ्य

इस समय आपकी सेहत नाजुक रह सकती है। आपको किसी न किसी प्रकार की शारीरिक पीड़ा रह सकती है। आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर होने की संभावना है। इस समय अपने शरीर को बलवान बनाएँ और इम्युनिटी पॉवर को मजबूती प्रदान करने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- मेहनत करते रहे साथ ही सेहत का पूरा ध्यान रखें।
- अंतर्मुखी प्रवृति से बाहर निकलने का प्रयास करें।

क्या न करें

- स्वयं को असहाय मानना बंद करें।
- निराशावादी दृष्टिकोण से स्वयं को दूर करें।

उपाय

- प्रतिदिन भोजन करते समय थाली में से एक हिस्सा गाय को एक हिस्सा कुत्ते को एवं एक हिस्सा कौवे को खिलाएं।
- लोहे की कटोरी में तेल का छाया पात्र दान करें।

अक्टूबर 20, 2020 - दिसम्बर 11, 2020 दशा बुध

आर्थिक जीवन

बुध का अष्टम भाव में स्थित होना आपके लिए थोड़ा कष्टकारी हो सकता है। इस स्थिति में परिश्रम और प्रयासों के बावजूद आपको सफलता आसानी से नहीं मिलेगी। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको संघर्ष करना पड़ेगा। हालांकि देर से ही सही लेकिन आपको अपनी कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। यदि आवश्यक नहीं हो तो, इस अवधि में यात्रा ना करें। क्योंकि बेवजह की यात्रा से आपको कुछ हासिल नहीं होगा।

करियर

कार्यस्थल पर काम की अधिकता रहेगी इसलिए काम को लेकर ज्यादा तनाव ना लें। घर या कार्यस्थल पर छोटी सी बात को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है अत: ऐसे हालात में संयम के साथ काम लें। जहां तक हो सके हर मसले का समाधान बातचीत से करें। अच्छी बात है कि इस अवधि में आपको भौतिक सुखों की प्राप्ति होती रहेगी, साथ ही आप दूसरों की मदद के लिए भी तैयार रहेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सामान्यत: तनावग्रस्त रह सकता है। ऐसी स्थिति में धैर्य और संयम के साथ काम लें। क्योंकि कुछ ही समय में परिस्थितियां बदल जाएगी। भाई-बहन के साथ व्यवहार में संयम बरतें। इस अवधि में पिता के साथ थोड़ी अनबन हो सकती है इसलिए धैर्य के साथ काम लें और उनकी बातों का सम्मान करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक और प्रेम जीवन के लिए बुद्ध की स्थिति आदर्श नहीं कही जा सकती है। इस कारण विचारों में मतभेद तथा वाणी दोष के कारण रिश्तो में परेशानियां बढ़ सकती हैं। ऐसी स्थिति में संयम के साथ काम लें और अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में स्वास्थ्य संबंधी विकार आपको परेशान कर सकते हैं इसलिए सेहत से जुड़े मामलों में बिल्कुल लापरवाही ना बरतें। आपकी खराब सेहत का असर आपके काम पर भी पड़ेगा। जिसकी वजह से आप क्षमता के अनुरुप कार्य नहीं कर पाएंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- स्वयं के दिव्य ज्ञान एवं चेतना का प्रयोग दूसरों की भलाई हेतु ही करें।
- अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छा बर्ताव करें।

क्या न करें

- किसी भी तरह के अंधविश्वास में ना पड़ें।
- किसी दूसरे के धन पर नजर ना रखें।

उपाय

- प्रतिदिन गौ ग्रास निकालें।
- किन्नरों से आशीर्वाद लें और उन्हें हरी चूड़ियां दे।

दिसम्बर 11, 2020 - जनवरी 01, 2021 दशा केतु

आर्थिक जीवन

इस समय आपके ख़र्चों में अधिक वृद्धि हो सकती है, परंतु आपको अपने ख़र्चों में लगाम लगाना होगा अन्यथा आपके सामने आर्थिक संकट की परिस्थिति आ सकती है। इस अवधि में आपका आर्थिक पक्ष कमज़ोर रह सकता है इसलिए इस समय बड़े आर्थिक निर्णय लेने से बचें।

करियर

करियर के लिए यह समय कमज़ोर रहेगा। आप दूसरों की सही सलाह को नज़रअंदाज़ करेंगे जिसका ख़ामियाज़ा आपको भुगतना पड़ सकता है। कम समय में सफलता पाने की ख़ातिर आप कोई गलत रास्ता भी चुन सकते हैं, परंतु ऐसा बिल्कुल भी न करें और अपनी मेहनत के बल अपनी मंज़िल को प्राप्त करें। सकारात्मक सोच के साथ करियर की राह में आगे बढ़ें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन आपको मिलेजुले परिणाम प्राप्त होंगे। भाई-बहनों को सफलता मिलेगी, परंतु संतान के लिए यह अवधि कष्टकारी हो सकती है। माता-पिताजी की सेहवा करें और उनकी सेहत का ध्यान रखें। घर की सुख-शांति के लिए आप कोई धार्मिक कार्य संपन्न करा सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए समय अनुकूल नहीं है। जीवनसाथ से तनाव किसी स्थिति रह सकती है। किसी ग़लतफ़हमी के कारण दोनों के बीच दूरी बढ़ सकती है इसलिए जो भी ग़लतफ़हमी हो उसे दूर करें। प्रेम जीवन में प्रियतम के साथ तकरार देखने को मिल सकती है।

स्वास्थ्य

यह अवधि आपकी सेहत के लिए ज़्यादा अनुकूल नहीं रहेगी इसलिए आपको स्वास्थ्य के प्रति अधिक सावधान रहना होगा। मानसिक तनाव, सिरदर्द, बुखार, जुकाम-खांसी की समस्या आपको रह सकती है। नेत्र विकार भी होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक परामर्श लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पुत्र, भतीजा एवं छोटे लड़कों के साथ अच्छे संबंध बनाए।
- प्रतिदिन शॉवर में स्नान करें अथवा सर से ऊपर से जल गिराकर स्नान करें ।

क्या न करें

- किसी निःसंतान व्यक्ति से प्रॉपर्टी न खरीदें।
- ग्रे, भूरा या विविध रंग का प्रयोग न करें।

उपाय

- श्री भैरव मंदिर के अंदर काला ध्वज लगाएं।
- विभिन्न रंगो से बना कम्बल गरीबों को दान करें।

जनवरी 01, 2021 - मार्च 03, 2021 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। अचानक धन हानि होने से परेशानी बढ़ सकती है या आमदनी की तुलना में खर्च अचानक से बढ़ने से आपका बजट बिगड़ सकता है, इसलिए इस अवधि में धन से जुड़े मामलों में समझदारी और संयम के साथ काम लेना बेहतर होगा। वहीं फिजूलखर्ची करने से बचें और आर्थिक प्रबंधन पर ध्यान दें।

करियर

नौकरी में हालात पहले की तुलना में सुधरेंगे। हालांकि चुनौतियां पहले की तरह ही बरकरार रहेंगी। काम की अधिकता से थकान महसूस हो सकती है। सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और संघर्ष करना होगा। विरोधी पक्ष पर हावी होने की कोशिश करेगा। इस दौरान कुछ लोग आपकी छवि को हानि पहुंचा सकते हैं, इसलिए सावधान रहें।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में परिवारजनों से संबंध अच्छे रहने की उम्मीद कम है। विरोधी पक्ष हावी रह सकता है। हालांकि इस अवधि में आपके बच्चे उन्नति करेंगे। आपके पिता के लिए भी यह स्थिति शुभ परिणाम देगी और उन्हें किसी बड़े पद पर प्रतिष्ठित कराएगी। इस समय में आपकी माँ का स्वास्थ्य भी अच्छा रहने की उम्मीद है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग के मामलों के लिए अच्छा समय है लेकिन प्रियतम और आपके विचारों में मतभेद से परेशानी हो सकती है। वहीं यदि आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी से भी मतभेद की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि विवाद की स्थिति में बातचीत के जरिये मामले का हल निकालने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य संबंधी विकारों से परेशान हो सकती है। इस अवधि में आपको नेत्र या मूत्र रोग से संबंधित कोई विकार परेशान कर सकता है। परिवार में किसी व्यक्ति की सेहत पर संकट आ सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टरी परामर्श लें। क्योंकि छोटी सी लापरवाही आपकी और आपके परिजनों की सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- विपरीत लिंगी लोगों से सामंजस्यपूर्ण व्यवहार बनाए रखें।
- जीवन में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करें।

क्या न करें

- अपने मित्रों पर अत्यधिक विश्वास ना करें।
- जीवनसाथी से लड़ाई झगड़ा ना करें।

उपाय

- प्रतिदिन गौ ग्रास निकालें।
- गूलर की समिधा से हवन करें।

मार्च 03, 2021 - मार्च 21, 2021 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने की प्रबल संभावना है। धन कमाने के साथ-साथ आप पैसों की बचत भी करेंगे। जीवनसाथी के सहयोग से भी धन लाभ होने की संभावना है। एक से अधिक स्रोतों से आपके पास धन का आगमन होगा। धन के मामले में थोड़ा सतर्क रहें।

करियर

करियर में उतार चढ़ाव की परिस्थितियाँ आ सकती हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग में कमी आएगी। कोई भी कार्य कानून के विरुद्ध ना करें। कार्यक्षेत्र में मेहनत से न घबराएं, क्योंकि आगे चलकर आपको इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। चकाचौंध के लालच में शॉर्ट कट का रास्ता न अपनाएं।

पारिवारिक जीवन

रिश्तेदारों से संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। इस समय अवधि में आपको कोई धोखा दे सकता है, इसलिए महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से पहले, सभी को अच्छी तरह से पढ़ लें। सूर्य को पिता-पितृ का कारक माना गया है अत: अष्टम भाव में सूर्य के स्थित होने से पिता के साथ संबंधों में थोड़ी कड़वाहट आ सकती है, लेकिन आपके लिए बेहतर होगा कि आप पिता का आदर करें और उनकी कही बातों को मानें। अष्टम भाव में सूर्य के स्थित होने से आपके स्वभाव में क्रोध की वृद्धि होगी। किसी बात की चिंता आपको जरूरत से ज्यादा परेशान कर सकती है इसलिए किसी भी बात का तनाव लेने से बचें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम व वैवाहिक जीवन में कुछ कष्ट संभव है। यदि विवाहित हैं तो आपके ससुराल पक्ष से कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम जीवन में भी चुनौती बनी रहेंगी। अपने रिश्ते पर भरोसा रखें और इसमें मधुरता लाने का प्रयास करें। वासनात्मक विचारों को हावी न होने दें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी हो सकती है, जो लंबे समय तक आपकी परेशानी का

कारण बनेगी। इसलिए स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सीय परामर्श लें। इस अवधि में आप पित्त प्रकृति के रोगों से परेशान हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त आपको नेत्र से संबंधित पीड़ा भी हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पिता के स्वास्थ्य की देखभाल करें।
- कानून का पालन करें।

क्या न करें

- अपने कुल व मर्यादा के विरुद्ध कोई कार्य न करें।
- सरकार का अपमान ना करें।

उपाय

- सूर्य नारायण को लाल पुष्प अर्पित करें।
- रात को सोते समय सिरहाने तांबे के पात्र में जल रखकर प्रातः काल उसे किसी लाल पुष्प वाले पौधे में चढ़ाएं।

मार्च 21, 2021 - अप्रैल 21, 2021 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको अपने व्यवसाय में कुछ सुखद परिवर्तन देखने को मिलेंगे और धन लाभ भी होगा। हालांकि इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। इस अवधि में समाज में आपकी प्रतिष्ठा और लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके फलस्वरुप उच्च वर्ग के लोगों से आपके संपर्क बनेंगे और उनके माध्यम से आपको लाभ प्राप्त होगा। इस अवधि में आप अपनी कार्य कुशलता से कोई बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं।

करियर

चंद्रमा का दशम भाव में स्थित होना आपके लिए शुभ होगा। इसके परिणामस्वरुप आप अपने विचारों और योजनाओं को रचनात्मक रूप दे सकेंगे। नौकरी या व्यापार से संबंधित कुछ ठोस परिणाम सामने आएंगे। आपको सभी व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी, सहकर्मी और पर्यवेक्षकों के साथ मधुर संबंध रहेंगे। अपने दयालु और उदार स्वभाव से आप लोगों के हित में काम करेंगे और प्रशंसा के हकदार बनेंगे। आपको कोई उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। यह पद सरकार या

सरकारी विभाग में मंत्री पद व उच्च अधिकारी का हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

इस समय में माँ के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। माँ की सलाह हर कार्य में आपके लिए लाभदायक रहेगी। वहीं संतान पक्ष से आपको निराशा हाथ लग सकती है, हालांकि फिर भी बच्चों के साथ मधुर संबंध बनाये रखना आपके लिए बेहतर होगा।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए समय थोड़ा चुनौती पूर्ण रह सकता है। वहीं कार्यक्षेत्र में व्यस्तता के चलते आप जीवनसाथी को समय कम दे पाएंगे। यदि आपका प्रेम-प्रसंग चल रहा है तो कुछ समय के लिए प्रियतम से दूर रहना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

चंद्रमा का दशम भाव में स्थित रहना स्वास्थ्य संबंधी अनुकूलता को दर्शाता है। इस अवधि में आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं परेशान नहीं करेंगी। आपको किसी भी तरह के विकार का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि आप पहले से अस्वस्थ चल रहे हैं तो इस अवधि में सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कार्य के प्रति एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसपर ध्यान केंद्रित करें।
- कार्यस्थल पर व्यावहारिक रहे भावुक नहीं।

क्या न करें

- बार बार अपने व्यवसाय अथवा नौकरी में बदलाव ना करें।
- स्वयं को प्रशंसा और लोकप्रियता पाने की अत्यधिक लालसा से बचें।

उपाय

- चंद्र देव की उपासना करें और चंद्र यंत्र धारण करें।
- पलाश अथवा ढाक की समिधा से हवन करें।

आर्थिक जीवन

सुख-संपत्ति से आपको वंचित रहना पड़ सकता है। आर्थिक क्षेत्र में भी आपको संभलकर चलना होगा। आपके ख़र्चों में वृद्धि की संभावना है। अनावश्यक कार्यों में पैसा अधिक ख़र्च हो सकता है। अचानक आपको धन की हानि भी हो सकती है। पैतृक संपत्ति के खोने अथवा उसमें कमी होने का भय है।

करियर

कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी। इस समय आपके प्रतिद्वंदी आपसे अधिक बलवान होंगे। सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। इस समय अपनी असफलता पर निराश न हों, बल्कि इस समय और कड़ी मेहनत कर चुनौतियों को मात दें। इस अवधि में गलत कार्य आपको अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

मंगल की यह स्थिति आपके पिताजी के लिए कष्टकारी रह सकती है। उन्हें परिवार से दूर रहना भी पड़ सकता है। इसके अलावा उनको किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। संकट के समय परिजनों के द्वारा आशानुरूप मदद मिलने की संभावना कम है इसलिए आपको स्वयं ही संकट से निकलने का रास्ता तलाशना होगा। भाई-बहनों से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से मतभेद होने की संभावना है। किसी कारणवश आपको अपने परिवार से दूर जाना पड़ सकता है। घर में किसी क्लेश की स्थिति पैदा हो सकती है। पारिवारिक मसलों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको मानसिक पीड़ा से गुज़रना पड़ सकता है, इसका बुरा असर आपकी सेहत पर भी दिखाई दे सकता है। आग से दूरी बनाए रखें और मन में किसी प्रकार की टेंशन को न पालें। द्रवीय पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें और योग और कसरत को अपनी दिनचर्या में जोड़ें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- प्रॉपर्टी में निवेश करने का प्रयास करें।

- देशभक्ति की भावना अपने हृदय में बनाए रखें।

क्या न करें

- अपनी माता अथवा परिवार के अन्य लोगों से झगड़ा ना करें।
- माता जी की सेहत को नजरअंदाज बिल्कुल ना करें।

उपाय

- ऋण हर्ता गणेश स्त्रोत का पाठ करें।
- मंगलवार के दिन तांबे के पात्र का दान करें।

मई 12, 2021 - जुलाई 06, 2021 दशा राहु

आर्थिक जीवन

साधारण रूप से आपके पास धन का आगमन होगा। इस समय आप फायदे का सौदा करेंगे। यदि आप अपने आर्थिक पक्ष को मजबूत बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं तो आप इसमें अवश्य ही सफल होंगे। असफलताओं को अपनी ताक़त बनाएं। इस दौरान आपके ख़र्चों में वृद्धि संभव है।

करियर

इस अवधि में आप अपने उद्यमों में काफी सफल होंगे। करियर क्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके अनुकूल होंगी। सत्ता में उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों से आपके संबंध स्थापित होंगे जिनका आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने विरोधियों को परास्त करने में सफल होंगे और यात्रा से आपको लाभ प्राप्त होगा।

पारिवारिक जीवन

अपने पारिवारिक जीवन में आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इस समय आपके स्वभाव में क्रोध की मात्रा बढ़ सकती है। अपने ग़ुस्से को काबू करें और घरेलू समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास करें। परिजनों के बीच तालमेल की कमी दिखाई दे सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए यह समय मिलाजुला रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर मनमुटाव होने की संभावना है। वहीं प्रेम जीवन में भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिलेगी। प्रेम अथवा वैवाहिक रिश्ते में यदि कोई ग़लतफ़हमी है तो उसको तत्काल दूर रखें।

स्वास्थ्य

इस समय आपका स्वास्थ्य जीवन दुरुस्त रहेगा। हालांकि इस समय आपको नेत्र संबंधी रोग होने की संभावना है इसलिए अपनी आँखों की देखभाल अच्छी तरह से करें और इस संबंध में लापरवाही न बरतें। आपको उच्च रक्तचाप की समस्या से भी गुजरना पड़ सकता है। ऐसी परिस्थिति में डॉक्टर की सलाह लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने ससुर, नाना-नानी एवं मरीज़ लोगों का सम्मान करें।
- कुत्तों की देखभाल करें।

क्या न करें

- शराब एवं मांस का सेवन न करें।
- बासी एवं गरिष्ठ भोजन न करें।

उपाय

- कुत्तों को भोजन दें।
- कुष्ठ रोगियों की सेवा करें।

जुलाई 06, 2021 - अगस्त 23, 2021 दशा गुरु

आर्थिक जीवन

अनावश्यक कार्यों में आपका धन और समय दोनों ज़ाया हो सकता है, लिहाज़ा सोच-समझकर किसी कार्य में हाथ डालें। इस समय आपका आर्थिक पक्ष भी कमज़ोर रह सकता है। धन ख़र्च होगा, परंतु आमदनी के स्रोत स्थिर रह सकते हैं। कोशिश करें कि आपका ख़र्च अनावश्यक चीज़ों में न हो। इसके लिए आप आर्थिक प्रबंधन कर सकते हैं।

करियर

करियर में सफलता पाने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। आपके मन में किसी चीज़ को लेकर असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। इस भाव में गुरु के बलहीन होने से आपको अपने शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता होगी। इस समय वे आपको हानि पहुंचा सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

अपने पारिवारिक जीवन को लेकर आप निराश हो सकते हैं। विपरीत परिस्थितियों में आप ख़ुद को अधिक सशक्त बनाने का प्रयास करेंगे। दोस्तों और सहयोगियों की मदद पर निर्भर न रहें, बल्कि ख़ुद को इस विपरीत परिस्थिति से निकालने का प्रयास करें। किसी के प्रति आपका ज़्यादा झुकाव नहीं होगा और लोग भी आपके प्रति वैमनस्य का भाव रख सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में चुनौतीपूर्ण समय रहेगा। जीवनसाथी को कुछ स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं रह सकती हैं। वहीं प्रेम जीवन के लिए सामान्य स्थिति रहेगी। आपको अपने साथी को समझाना होगा कि आप उन्हें प्रेम करते हैं क्योंकि सामान्यत: उन्हें शिकायत रहेगी कि आप उन्हें कम समय दे पाते हैं।

स्वास्थ्य

बारहवें भाव में गुरु आपके लिए कष्टकारी हो सकता है। इस भाव में गुरु आपके लिए शुभ संकेत नहीं दे रहा है इसलिए इस समय आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। यदि ज़्यादा ज़रुरी न हो तो इस समय यात्रा से बचें और अपनी सेहत का भी विशेष ख़्याल रखें। इस समय आपका तनाव भी बढ़ सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- समाज के वंचित तबके के लोगों की यथा संभव सहायता करें।
- अपने ज्ञान अथवा दिव्य चेतना का समाज के कल्याण के लिए प्रयोग करें।

क्या न करें

- जीवन में आने वाले संघर्षों से ना घबराए डटकर सामना करें।
- व्यावहारिक बने और अपने विचारों को मूर्त रूप दे.

उपाय

- बृहस्पतिवार को पीले चावल बना कर बच्चों में बांटे।
- किसी गरीब विद्यार्थी को पुस्तक दान करें।

वर्षफल विवरण 2021

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1978	जन्म दिनांक	24/08/2021
23:53:18	जन्म समय	0:27:28
बुधवार	जन्म दिन	सोमवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	00:06:20
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 55 : 09
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 51 : 50
वृषभ	लग्न	वृषभ
शुक्र	लग्नस्वामी	शुक्र
मेष	राशि	कुंभ
मंगल	राशि स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	पूर्वाभाद्रपद
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरू
वृ ि	योग	सुक्रर्मा
वणिज	करण	तैतिल
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-33-30	अयनांश	024-09-32
लाहिड़ी	अयनांश नाम	लाहिड़ी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2021

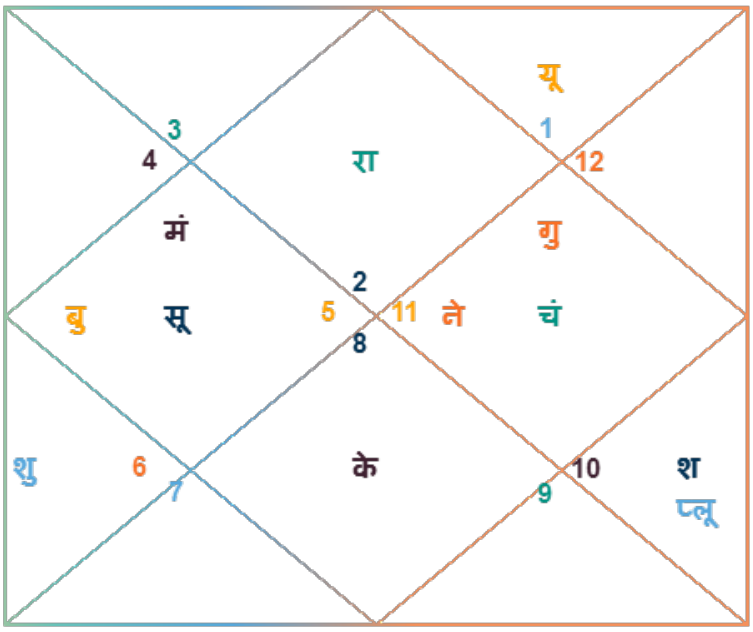

वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	वृषभ	24-05-40
सूर्य	सिंह	06-42-48
चंद्र	कुंभ	22-46-27
मंगल	सिंह	21-36-49
बुध	सिंह	26-13-18
गुरु	कुंभ	02-38-14
शुक्र	कन्या	14-48-57
शनि	मकर	14-27-56
राहु	वृषभ	12-15-54
केतु	वृश्चिक	12-15-54
यूरेनस	मेष	20-43-05
नेपच्यून	कुंभ	28-09-01
प्लूटो	मकर	00-24-21

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	गुरु
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	शुक्र
त्रिराशी स्वामी	चंद्र
दिनरात्रि स्वामी	शनि

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	24/08/2021
वर्षप्रवेश जन्म-समय	00:27:28
मुन्था राशि	धनु
घर में मुन्था	8
जन्म कुण्डली में मुन्था	8

वर्षफल सहम

सहम	अंश		ग्रह
पुण्य	वृश्चिक	08 . 02 . 00	मंगल
शिक्षा	मकर	10 . 09 . 19	शनि
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	कुंभ	29 . 29 . 26	शनि
मित्र	कर्क	12 . 41 . 38	चंद्र
पिता	धनु	16 . 20 . 31	गुरू
माता	धनु	16 . 08 . 10	गुरू
जीवन	कर्क	12 . 15 . 57	चंद्र
कर्ण	मिथुन	28 . 42 . 08	बुध
मृत्यु	धनु	10 . 19 . 22	गुरू
विदेश यात्रा	वृषभ	22 . 47 . 50	शुक्र
धन-सम्पत्ति	मीन	16 . 30 . 15	गुरू
व्यभिचार	सिंह	02 . 11 . 49	सूर्य
बीमारी	कन्या	25 . 24 . 52	बुध
वैकल्पिक व्यवसाय	मेष	15 . 47 . 09	मंगल
वाणिज्य	धनु	20 . 38 . 49	गुरू
कार्य सिद्धि	मीन	22 . 46 . 26	गुरू
विवाह	मकर	24 . 26 . 40	शनि
संतान	धनु	17 . 40 . 43	गुरू
प्रेम	सिंह	26 . 12 . 58	सूर्य

सहम	अंश		ग्रह
व्यापार	वृषभ	19 . 29 . 11	शुक्र
शत्रु	वृश्चिक	16 . 56 . 47	मंगल
कारावास	कन्या	00 . 31 . 35	बुध
वित्तीय लाभ	धनु	02 . 03 . 09	गुरू

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

ग्रह	से आरंभ करके	तक
बुध	24/08/2021	14/10/2021
केतु	14/10/2021	05/11/2021
शुक्र	05/11/2021	04/01/2022
सूर्य	04/01/2022	23/01/2022
चंद्र	23/01/2022	22/02/2022
मंगल	22/02/2022	15/03/2022
राहु	15/03/2022	09/05/2022
गुरु	09/05/2022	27/06/2022
शनि	27/06/2022	24/08/2022

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	ग्रह	से आरंभ करके	तक
संकटा	राहु	24/08/2021	13/11/2021
मंगला	चंद्र	13/11/2021	23/11/2021
पिंगला	सूर्य	23/11/2021	13/12/2021
धान्या	गुरु	13/12/2021	12/01/2022
भ्रामरी	मंगल	12/01/2022	22/02/2022
भद्रिका	बुध	22/02/2022	14/04/2022
उल्का	शनि	14/04/2022	14/06/2022
सिद्धा	शुक्र	14/06/2022	24/08/2022

वर्षफल विवरण 2021 - 2022

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा अष्टम भाव में है।

आपके लिए यह कठिन समय है। आपको अपने सगे संबंधियों को लेकर कोई अशुभ समाचार मिल सकता है। कई बीमारियाँ हो सकती है। निकट रिश्तेदार की आकस्मिक मृत्यु भी संभव है। दुर्घटना का योग है। धन की, आत्मविश्वास की हानि होगी। मानसिक तनाव रहेगा। आपका स्थानांतरण प्रियजनों से दूर किसी अनजानी सी जगह हो सकता है।

दशा बुध
अगस्त 24, 2021 - अक्टूबर 14, 2021

दशा केतु
अक्टूबर 14, 2021 - नवंबर 05, 2021

दशा शुक्र
नवंबर 05, 2021 - जनवरी 04, 2022

दशा सूर्य
जनवरी 04, 2022 - जनवरी 23, 2022

दशा चंद्र
जनवरी 23, 2022 - फ़रवरी 22, 2022

दशा मंगल
फ़रवरी 22, 2022 - मार्च 15, 2022

दशा राहु
मार्च 15, 2022 - मई 09, 2022

दशा गुरु
मई 09, 2022 - जून 27, 2022

दशा शनि
जून 27, 2022 - अगस्त 24, 2022

अगस्त 24, 2021 - अक्टूबर 14, 2021 दशा बुध

आर्थिक जीवन

बुध का चतुर्थ भाव में स्थित रहना यह दर्शाता है कि, इस अवधि में आपके अंदर व्यावसायिक गुणों का विकास होगा। इसके फलस्वरूप बिजनेस से जुड़े कार्यों में आपको सफलता और उन्नति मिलेगी। इस अवधि में आप भौतिक सुख-सुविधाओं पर अधिक धन खर्च करेंगे। आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। घर में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन होने की संभावना है। इस अवधि में आपके द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यों में आपको सफलता मिलेगी, साथ ही आपको वाहन सुख की प्राप्ति होगी।

करियर

आपकी रुचि गीत, संगीत और नृत्य जैसे कार्यों में बढ़ सकती है। यदि आप लेखन के क्षेत्र से हैं, तो आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपकी मुलाकात समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों से होगी और उनकी सलाह व मार्गदर्शन से आपको लाभ होगा।इस अवधि में आपको आलस्य की प्रवृत्ति से बचना होगा और अपनी बातों पर कायम रहना होगा।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। माता-पिता से आपके संबंध मधुर बने रहेंगे और उनकी मदद से आपको लाभ होगा। मित्रों के साथ आपके वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन सुखमय रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ आप मधुर पल व्यतीत करेंगे। संतान पक्ष से भी आपको सुख मिलेगा। वे पढ़ाई-लिखाई, नौकरी और बिजनेस आदि कार्यों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। बच्चों की सफलता से आपको गर्व की अनुभूति होगी।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और आप अपने अंदर एक नई ताजगी का अनुभव करेंगे। मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से आप प्रसन्न दिखाई देंगे। बेहतर स्वास्थ्य का असर आपके काम पर देखने को भी मिलेगा। परिणामस्वरुप आप एक नई ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने परिवार के लोगों के साथ समय व्यतीत करने की आदत डालें।
- पढ़ाई के साथ साथ कुछ समय खेलकूद, मनोरंजन तथा अन्य क्रिया कलापों के लिए भी निकालें।

क्या न करें

- बार-बार घर बदलने की आदत से मुक्ति पाएं।
- अपनी पारिवारिक और निजी जिंदगी को ना मिलाएं दोनों को अलग रखें।

उपाय

- साबुत मूंग की दाल का दान करें।
- मूंग की दाल के हलवे में हरी इलायची डालकर दान करें।

अक्टूबर 14, 2021 - नवंबर 05, 2021 दशा केतु

आर्थिक जीवन

आपके ख़र्चों में अचानक वृद्धि होने की संभावना है। यात्रा से आपको उम्मीद के मुताबिक परिणाम मिलने की संभावना कम है। आर्थिक क्षेत्र में इस समय जोखिम भरे फ़ैसले न लें। धन को लेकर भी सावधानी बरतें, क्योंकि इस समय आपको धन हानि की संभावना है। आमदनी में कमी देखी जा सकती है।

करियर

इस अवधि के दौरान आपको करियर में मिलेजुले परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि अचानक आपका भाग्य चमक सकता है। इस दौरान करियर में आपके परिचय का दायरा बढ़ेगा। परंतु इसमें सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। निराश होने की आवश्यकता नहीं है, सफलता आपको अवश्य मिलेगी।

पारिवारिक जीवन

इस समय आपका अहंकार घर की शांति को भंग कर सकता है। परिजनों से आपके रिश्ते कटु हो सकते हैं। अपने घमंड का त्याग करें और घर के बड़े सदस्यों का सम्मान व आदर करें। इस समय माता-पिता जी सेहत का ध्यान रखें। भाई-बहनों से किसी बात को लेकर तकरार की स्थिति पैदा हो सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

दाम्पत्य जीवन अथवा प्रेम जीवन के लिए समय शुभ नहीं है। प्रेमिका अथवा जीवनसाथी से विवाद होने की संभावना है। इस अवधि में वैवाहिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। विवाद या मतभेद होने की स्थिति में बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान करें।

स्वास्थ्य

इस समय आपको सिरदर्द, बुखार अथवा पित्त संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में अपने स्वास्थ्य का उपचार कराएं। केतु के प्रभाव से आप आलसी हो सकते हैं। शारीरिक रूप से आप सुस्त दिखाई देंगे। इस समय प्रोटीन युक्त भोजन ग्रहण करें और खाने में सलाद अवश्य लें। प्रातः उठकर शारीरिक योग व्यायाम भी करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने जीवनसाथी को समझने का प्रयास करें।
- जननांगों से संबंधित रोगों के प्रति सतर्क रहें।

क्या न करें

- अपने जीवन साथी के चरित्र पर बेवजह संदेश ना करें।
- साझेदारी में व्यवसाय करने से बचें।

उपाय

- प्रतिदिन प्रातःकाल एवं सायंकाल घर में लोबान की धूप जलाएं।
- भैरव मंदिर में जा कर काले रंग का ध्वज लगाएं।

नवंबर 05, 2021 - जनवरी 04, 2022 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आर्थिक मामलों से जुड़ी आपकी सभी योजनाएं पूर्ण होंगी। अपने ज्ञान, कौशल और कलात्मक गुणों से आप सफलता पाएंगे। इस अवधि में आप शेयर बाजार में निवेश को लेकर रुचि दिखा सकते हैं। इसके अलावा इस दौरान आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और खुशहाली भी बढ़ेगी। इस अवधि में अचानक ऐसी घटनाएं घटेंगी जो आपके लिये हितकर हो।

करियर

यह समय आपके करियर के लिए अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में आपका अपने प्रति विश्वास आपको लगातार विजय दिलायेगा। कार्यस्थल पर आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यदि आप में सृजनात्मक क्षमता है तो इस अवधि के दौरान आपकी कला संगीत जैसे क्षेत्रों में रुचि हो सकती है।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन अति सुखद रहेगा। सालों पुरानी आपकी कोई मुराद इस अवधि में पूरी हो सकती है। दूर रह रहे परिजनों से मुलाकात होगी। संचार के माध्यम से आपको कोई बहुत अच्छी खबर भी मिल सकती है। घर-परिवार में शुभ और मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। आपकी माता धार्मिक और दान-धर्म से जुड़े कार्य करेंगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम संबंध के लिहाज से भी यह समय अच्छा रहने वाला है। आप अपने प्रियतम या जीवनसाथी के और

करीब आएंगे। पंचम भाव में स्थित शुक्र न केवल आपको प्रसन्न रखेगा बल्कि आपको प्रेमाकर्षण भी प्रदान करेगा। यदि आप विवाहित हैं तो इस अवधि में जीवनसाथी के माध्यम से लाभ की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य

इस अवधि में स्वास्थ्य में थोड़ा कमजोर रह सकता है, इसलिए संतुलित आहार लें। वसा, मसालेदार और चिकनाई युक्त भोजन से परहेज करना आपकी सेहत के लिए फायदेमंद रहेगा। इस समय में आपको नेत्र या मूत्र संबंधी विकार हो सकते हैं इसलिए नियमित व्यायाम और पानी का अत्यधिक सेवन करना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- सभी महिलाओं का सम्मान करें।
- स्वयं के भीतर किसी कला का विकास करें।

क्या न करें

- अमर्यादित आचरण ना करें।
- अत्यधिक भोग विलास में लिप्त ना हो।

उपाय

- घर में तुलसी का पौधा लगाएं और उसकी पूजा करें।
- सफेद गाय की जितनी सेवा कर सके करें।

जनवरी 04, 2022 - जनवरी 23, 2022 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आप आय के साथ-साथ बचत पर अधिक ध्यान देंगे। आप नियमित रूप से होने वाली आमदनी में से कुछ पैसा बचत के रूप में जमा करेंगे। इस अवधि में आपको सोने-चांदी के व्यवसाय से लाभ मिलेगा। यदि आप ज्वैलरी का कार्य करते हैं तो आपको अचानक कोई बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस अवधि में की जाने वाली यात्राएं भी आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगी।

करियर

इस अवधि में आपको सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। हालांकि इसके फलस्वरूप मिलने वाला परिणाम अत्यंत सुखदायी होगा। आपके मन की इच्छा पूर्ण हो जाएगी। चतुर्थ भाव में स्थित सूर्य के प्रभाव से व्यक्ति का बुरे व अनैतिक कार्यों की ओर रुझान बढ़ता है, अत: इस अवधि में किसी भी गलत कार्य में संलिप्त होने से बचें वरना आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट होने से आपकी चिंताएं बढ़ सकती है, इसलिए उनकी सेहत का विशेष ख्याल रखें। उन्हें किसी भी तरह की तकलीफ होने पर डॉक्टरी परामर्श लें। सूर्य की यह स्थिति भाइयों के बीच विवाद का कारण भी बन सकती है। ऐसे में परिवार में भाइयों के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। चूंकि सूर्य पिता का कारक होता है और सूर्य के चतुर्थ भाव में स्थित होने से यह पिता के साथ मनमुटाव का कारण बनता है, अत: पिता के साथ मधुर संबंध बनाये रखने की कोशिश करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक और प्रेम जीवन के लिए कुछ कष्टकारी समय रहेगा। रिश्ते में किसी तरह की दरार न आए, इसके लिए आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी से बहसबाज़ी न करें और उन पर किसी तरह का दबाव न डालें। प्रेम में पारदर्शिता बनाए रखें। प्रियतम को उसके हिस्से का समय दें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। आपके अंदर क्रोध की अधिकता हो सकती है। मानसिक तनाव से भी गुजरना पड़ सकता है। तनाव से बचने के लिए योग व ध्यान लगाएं। अपने खानपान पर भी विशेष ध्यान दें। आपको दाद, खाज-खुजली जैसे चर्म रोग हो सकते हैं। ऐसी अवस्था में चिकित्सक की सलाह के अनुसार उपचार कराएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी माताजी की सेहत की देखभाल करें।
- अपने परिवार की आवश्यकता की पूर्ति पूरे मन से करें।

क्या न करें

- परिवार में स्वयं को ऊपर सिद्ध करने का प्रयास ना करें।
- अपने परिवार में मुसाफिरों की तरह व्यवहार ना करें और परिवार वालों को समय दें।

उपाय

- अपने दैनिक भोजन में केसर का प्रयोग करें।
- आकड़े की समिधा से हवन करें।

जनवरी 23, 2022 - फ़रवरी 22, 2022 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको अपने व्यवसाय में कुछ सुखद परिवर्तन देखने को मिलेंगे और धन लाभ भी होगा। हालांकि इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। इस अवधि में समाज में आपकी प्रतिष्ठा और लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके फलस्वरुप उच्च वर्ग के लोगों से आपके संपर्क बनेंगे और उनके माध्यम से आपको लाभ प्राप्त होगा। इस अवधि में आप अपनी कार्य कुशलता से कोई बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं।

करियर

चंद्रमा का दशम भाव में स्थित होना आपके लिए शुभ होगा। इसके परिणामस्वरुप आप अपने विचारों और योजनाओं को रचनात्मक रूप दे सकेंगे। नौकरी या व्यापार से संबंधित कुछ ठोस परिणाम सामने आएंगे। आपको सभी व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी, सहकर्मी और पर्यवेक्षकों के साथ मधुर संबंध रहेंगे। अपने दयालु और उदार स्वभाव से आप लोगों के हित में काम करेंगे और प्रशंसा के हकदार बनेंगे। आपको कोई उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। यह पद सरकार या सरकारी विभाग में मंत्री पद व उच्च अधिकारी का हो सकता है।

पारिवारिक जीवन

इस समय में माँ के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। माँ की सलाह हर कार्य में आपके लिए लाभदायक रहेगी। वहीं संतान पक्ष से आपको निराशा हाथ लग सकती है, हालांकि फिर भी बच्चों के साथ मधुर संबंध बनाये रखना आपके लिए बेहतर होगा।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए समय थोड़ा चुनौती पूर्ण रह सकता है। वहीं कार्यक्षेत्र में व्यस्तता के चलते आप जीवनसाथी को समय कम दे पाएंगे। यदि आपका प्रेम-प्रसंग चल रहा है तो कुछ समय के लिए प्रियतम से दूर रहना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

चंद्रमा का दशम भाव में स्थित रहना स्वास्थ्य संबंधी अनुकूलता को दर्शाता है। इस अवधि में आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं परेशान नहीं करेंगी। आपको किसी भी तरह के विकार का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि आप पहले से अस्वस्थ चल रहे हैं तो इस अवधि में सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कार्य के प्रति एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसपर ध्यान केंद्रित करें।
- कार्यस्थल पर व्यावहारिक रहे भावुक नहीं।

क्या न करें

- बार बार अपने व्यवसाय अथवा नौकरी में बदलाव ना करें।
- स्वयं को प्रशंसा और लोकप्रियता पाने की अत्यधिक लालसा से बचें।

उपाय

- चंद्र देव की उपासना करें और चंद्र यंत्र धारण करें।
- पलाश अथवा ढाक की समिधा से हवन करें।

फ़रवरी 22, 2022 - मार्च 15, 2022 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

सुख-संपत्ति से आपको वंचित रहना पड़ सकता है। आर्थिक क्षेत्र में भी आपको संभलकर चलना होगा। आपके ख़र्चों में वृद्धि की संभावना है। अनावश्यक कार्यों में पैसा अधिक ख़र्च हो सकता है। अचानक आपको धन की हानि भी हो सकती है। पैतृक संपत्ति के खोने अथवा उसमें कमी होने का भय है।

करियर

कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी। इस समय आपके प्रतिद्वंदी आपसे अधिक बलवान होंगे। सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। इस समय अपनी असफलता पर निराश न हों, बल्कि इस समय और कड़ी मेहनत कर चुनौतियों को मात दें। इस अवधि में गलत कार्य आपको अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

मंगल की यह स्थिति आपके पिताजी के लिए कष्टकारी रह सकती है। उन्हें परिवार से दूर रहना भी पड़ सकता है। इसके अलावा उनको किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। संकट के समय परिजनों के द्वारा आशानुरूप मदद मिलने की संभावना कम है इसलिए आपको स्वयं ही संकट से निकलने का रास्ता तलाशना होगा। भाई-बहनों से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से मतभेद होने की संभावना है। किसी कारणवश आपको अपने परिवार से दूर जाना पड़ सकता है। घर में किसी क्लेश की स्थिति पैदा हो सकती है। पारिवारिक मसलों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको मानसिक पीड़ा से गुज़रना पड़ सकता है, इसका बुरा असर आपकी सेहत पर भी दिखाई दे सकता है। आग से दूरी बनाए रखें और मन में किसी प्रकार की टेंशन को न पालें। द्रवीय पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें और योग और कसरत को अपनी दिनचर्या में जोड़ें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- प्रॉपर्टी में निवेश करने का प्रयास करें।
- देशभक्ति की भावना अपने हृदय में बनाए रखें।

क्या न करें

- अपनी माता अथवा परिवार के अन्य लोगों से झगड़ा ना करें।
- माता जी की सेहत को नजरअंदाज बिल्कुल ना करें।

उपाय

- ऋण हर्ता गणेश स्त्रोत का पाठ करें।
- मंगलवार के दिन तांबे के पात्र का दान करें।

मार्च 15, 2022 - मई 09, 2022 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आपको धन संबंधी मामलों में अच्छे फल मिलने की संभावना है। नौकरी अथवा व्यवसाय में लाभ प्राप्ति के लिए किये जाने वाले प्रयास सफल होंगे। यदि आप काफी समय से प्रयास करते आ रहे हैं, तो इस अवधि में आपको अपने आपकी मेहनत का फल धन के रूप में मिलेगा।

करियर

इस समय कार्य के प्रति आपका मन कम लगेगा और मन में किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति भी रह सकती है। इस अवधि में आपको नौकरी जाने का भय रह सकता है। सावधान, आपके सहकर्मी आपको धोखा दे सकते है। जल्दबाजी या हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करें। इससे आपको ही नुकसान होगा।

पारिवारिक जीवन

घरेलू जीवन सामान्य गति से चलता रहेगा, हालांकि घर में शांति और सामंजस्य बना रहे, इसके लिए आपको प्रयासरत रहना होगा। इस अवधि में पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनके आशीर्वाद से आप तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। वे हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहेंगे और आपका मार्गदर्शन करेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

ध्यान रखें, इस अवधि में विपरीत लिंग के लोगों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। हालांकि वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से पूरा साथ मिलेगा। दोनों के बीच बढ़िया तालमेल दिखाई देगा। परंतु छोटी-मोटी तकरार भी देखने को मिल सकती है। अपने लाइफ पार्टनर की सेहत का ख़्याल करें।

स्वास्थ्य

इस दौरान आपको कोई गुप्त रोग होने की आशंका है, लिहाज़ा अपनी सेहत का ख़्याल रखें। घर में भी परिजनों के स्वास्थ्य में कमी देखी जा सकती है। इस अवधि में आप थोड़े चिंताग्रस्त हो सकते हैं। हालांकि परिस्थितियाँ जल्द ही सुधरेंगी और आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने घर की छत नियमित रूप से साफ रखें।
- निर्णय लेते समय किसी समझदार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें और उस पर अमल करें।

क्या न करें

- किसी से कोई भी वस्तु मुफ्त में ना ले।
- स्वयं के आगे बढ़ने की चाह में कोई गलत मार्ग ना चुनें ।

उपाय

- बाजरा लेकर उसे जमीन पर रखकर किसी वजनी वस्तु से दबा दें।
- दूर्वा को समिधा बनाकर हवन करें।

मई 09, 2022 - जून 27, 2022 दशा गुरु

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको बिजनेस में कुछ सुखद और लाभकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। इनके परिणामस्वरुप आपको धन लाभ होगा। हालांकि इसके लिए आपको अपने प्रयास जारी रखने होंगे। इस अवधि में समाज में आपकी प्रतिष्ठा और लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके फलस्वरुप उच्च वर्ग के लोगों से आपके संपर्क बनेंगे और उनके माध्यम से आपको लाभ प्राप्त होगा।

करियर

दसवें भाव में गुरु आपके व्यापार को बढ़ाएगा अथवा आप नौकरी में तरक्की करेंगे। इस संबंध में आपको कई यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। विदेश यात्रा पर भी जाना संभव है। इस समय आपको कोई उच्च पद प्राप्त हो सकता है। समाज के प्रभुत्वशाली लोगों से आपकी मित्रता बढ़ेगी। आपकी कामयाबी कुछ लोगों को खटक सकती है, इसलिए उनसे सावधान रहने की आवश्यकता होगी। वहीं शत्रुओं से भी सतर्क रहना होगा। वे आपके ख़िलाफ़ कोई साज़िश रच सकते हैं। यदि किसी कारणवश आपकी राह में अड़चन आती है तो बुजुर्गों की सलाह लें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। परिजनों के बीच स्नेह का भाव देखने को मिलेगा। भाई-बहनों को उनके कार्यक्षेत्र में तरक्की मिलने की संभावना है। उन्हें धन लाभ प्राप्त होने के योग हैं। वहीं समाज में आपके पिताजी का सम्मान बढ़ेगा। इस समय में माँ के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। माँ की सलाह हर कार्य में आपके लिए लाभदायक रहेगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि विवाहित हैं तो जीवसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। दोनों के बीच प्रेम बढ़ेगा। हालांकि कभी-कभार किसी बात को लेकर छोटी-मोटी तकरार भी देखने को मिल सकती है। वहीं कार्यक्षेत्र में व्यस्तता के

चलते आप जीवनसाथी को समय कम दे पाएंगे। यदि आपका प्रेम-प्रसंग चल रहा है तो कुछ समय के लिए प्रियतम से दूर रहना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य जीवन भी अच्छा रहेगा। इस अवधि में आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं परेशान नहीं करेंगी। आपको किसी भी तरह के विकार का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि आप पहले से अस्वस्थ चल रहे हैं तो इस अवधि में सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने कार्य क्षेत्र में सहकर्मियों की यथा संभव सहायता करें।
- अपने कार्यक्षेत्र और पारिवारिक जीवन में संतुलन स्थापित करें।

क्या न करें

- जो भी कार्य मिले उसे मन से करें स्वयं सब जानते हैं ऐसा प्रदर्शन ना करें।
- उचित मौकों पर सलाह देने से ना चूकें।

उपाय

- गुरु बृहस्पति के बीज मंत्र का जाप करें।
- बृहस्पतिवार के दिन केले का फल दान करें।

जून 27, 2022 - अगस्त 24, 2022 दशा शनि

आर्थिक जीवन

अपने आर्थिक पक्ष को लेकर आप प्रसन्न रहेंगे। भाई-बहनों के द्वारा आपको आर्थिक लाभ होने के योग हैं। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होने से आप अपना पुराना हिसाब-किताब चुक्ता कर सकते हैं। वहीं यदि आपने बैंक में लोन के लिए आवेदन किया है तो उसमें आपको सफलता मिलेगी।

करियर

करियर के लिए यह अवधि एक सुनहरे अवसर की तरह होगी। बस आपको इस समय का लाभ उठाना होगा। इस दौरान सरकारी अफसरों और समाज के प्रभावी लोगों से संबंध मधुर होंगे। लम्बी यात्रा आपके

लिए फायदेमंद रहेगी। आपके मित्र व सहयोगी आपकी पूरी सहायता करेंगे। नए व्यापार करने या नौकरी बदलने की पूरी संभावना है। विरोधी आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएगें।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में माता पिता से आपके संबंध बहुत मधुर रहने के संकेत मिल रहे हैं। इस आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी समझेंगे और उन्हें निभाने का भी प्रयास करेंगे। अपने इसी स्वभाव के कारण आप अपने घर वालों के लिए प्रिय रहेंगे। परिवार में उतार-चढ़ाव की परिस्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए यह अच्छा समय रहेगा। आप अपने जीवनसाथी के प्रति अधिक वफादार रहेंगे। वहीं प्रेम जीवन में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। परंतु ऐसा भी संभव है कि आपका साथी आप को पूर्ण रुप से वफादार ना माने। ऐसे में वह आपकी परीक्षा भी ले सकता है।

स्वास्थ्य

इस दौरान आपको छोटी-मोटी बीमारियाँ लगी रहेंगी और बीच-बीच में आप अपने आपको एक दम फिट भी महसूस करेंगे। खुद को ताज़गी का अहसास दिलाने के लिए आप किसी ट्रिप पर भी जा सकते हैं। इससे आपका मानसिक तनाव भी दूर होगा। तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। सेहत में गिरावट होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- जीवन में सफलता के लिए सुदूर देशों का भ्रमण करें।
- अधिक यात्राओं के दौरान सेहत का पूरा ध्यान रखें।

क्या न करें

- स्वयं की कार्य-कुशलता पर संदेह करने से बचे।
- व्यर्थ में दूसरों की आलोचना करने से बचे।

उपाय

- काले तिलों का दान करें।
- शिव स्त्रोत्र का पाठ करें।

वर्षफल विवरण 2022

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1978	जन्म दिनांक	24/08/2022
23:53:18	जन्म समय	6:36:38
बुधवार	जन्म दिन	बुधवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	06:15:29
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 55 : 01
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 52 : 06
वृषभ	लग्न	सिंह
शुक्र	लग्नस्वामी	सूर्य
मेष	राशि	मिथुन
मंगल	राशि स्वामी	बुध
भरणी	नक्षत्र	पुनर्वसु
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरू
वृ ि	योग	व्यतिपात
वणिज	करण	तैतिल
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-33-30	अयनांश	024-10-22
लाहिड़ी	अयनांश नाम	लाहिड़ी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2022

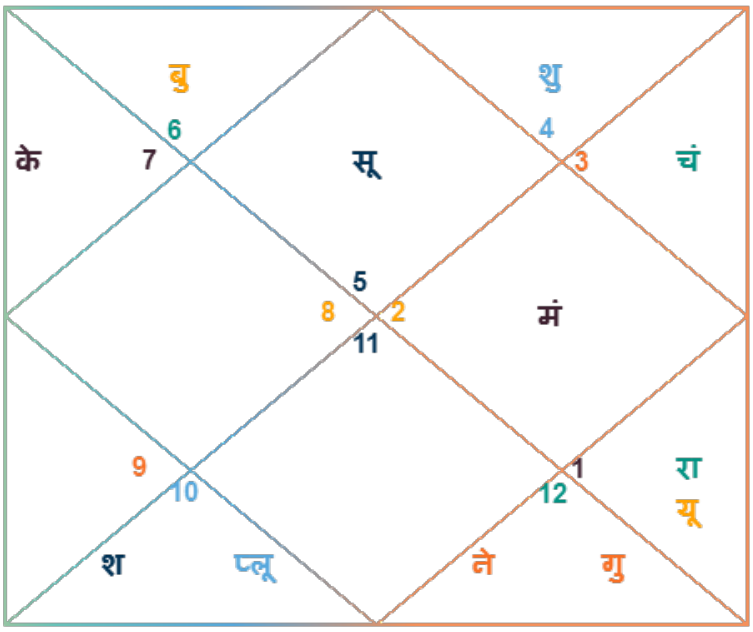

वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	सिंह	14-54-19
सूर्य	सिंह	06-42-48
चंद्र	मिथुन	29-49-54
मंगल	वृषभ	07-57-30
बुध	कन्या	03-42-37
गुरु	मीन	13-28-34
शुक्र	कर्क	20-53-18
शनि	मकर	27-01-29
राहु	मेष	22-54-34
केतु	तुला	22-54-34
यूरेनस	मेष	24-49-41
नेपच्यून	मीन	00-25-50
प्लूटो	मकर	02-13-02

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	शनि
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	सूर्य
त्रिराशी स्वामी	गुरु
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	24/08/2022
वर्षप्रवेश जन्म-समय	06:36:37
मुन्था राशि	मकर
घर में मुन्था	6
जन्म कुण्डली में मुन्था	9

वर्षफल सहम

सहम	अंश		ग्रह
पुण्य	कर्क	08 . 01 . 24	चंद्र
शिक्षा	तुला	21 . 47 . 12	शुक्र
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	मेष	20 . 21 . 28	मंगल
मित्र	वृश्चिक	04 . 39 . 05	मंगल
पिता	कुंभ	05 . 12 . 59	शनि
माता	कर्क	23 . 50 . 55	चंद्र
जीवन	मिथुन	28 . 27 . 13	बुध
कर्ण	वृषभ	19 . 09 . 11	शुक्र
मृत्यु	तुला	11 . 43 . 09	शुक्र
विदेश यात्रा	कर्क	21 . 05 . 40	चंद्र
धन-सम्पत्ति	कन्या	25 . 43 . 16	बुध
व्यभिचार	कर्क	29 . 04 . 47	चंद्र
बीमारी	तुला	29 . 58 . 42	शुक्र
वैकल्पिक व्यवसाय	कुंभ	17 . 42 . 44	शनि
वाणिज्य	कर्क	11 . 01 . 35	चंद्र
कार्य सिद्धि	कुंभ	27 . 01 . 28	शनि
विवाह	मीन	08 . 46 . 07	गुरू
संतान	मीन	24 . 40 . 15	गुरू
प्रेम	वृश्चिक	28 . 40 . 06	मंगल

सहम	अंश		ग्रह
व्यापार	वृषभ	19 . 09 . 11	शुक्र
शत्रु	धनु	25 . 50 . 19	गुरू
कारावास	कुंभ	25 . 54 . 14	शनि
वित्तीय लाभ	कर्क	23 . 50 . 55	चंद्र

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

ग्रह	से आरंभ करके	तक
केतु	24/08/2022	14/09/2022
शुक्र	14/09/2022	14/11/2022
सूर्य	14/11/2022	02/12/2022
चंद्र	02/12/2022	02/01/2023
मंगल	02/01/2023	23/01/2023
राहु	23/01/2023	19/03/2023
गुरु	19/03/2023	06/05/2023
शनि	06/05/2023	03/07/2023
बुध	03/07/2023	24/08/2023

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	ग्रह	से आरंभ करके	तक
मंगला	चंद्र	24/08/2022	03/09/2022
पिंगला	सूर्य	03/09/2022	23/09/2022
धान्या	गुरु	23/09/2022	23/10/2022
भ्रामरी	मंगल	23/10/2022	03/12/2022
भद्रिका	बुध	03/12/2022	23/01/2023
उल्का	शनि	23/01/2023	25/03/2023
सिद्धा	शुक्र	25/03/2023	04/06/2023
संकटा	राहु	04/06/2023	24/08/2023

वर्षफल विवरण 2022 - 2023

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा षष्ट भाव में है।

स्वास्थ्य संबंधी अनेक परेशानियाँ आपको तनावग्रस्त करेंगी। कुछ निकट रिश्तेदार गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं। विरोधियों से खतरा है। संभव है कि चोरी की वजह से आपको नुकसान हो। शत्रु की किसी गतिविधी की वजह से चोट लगने का भी डर है। आपके कार्यस्थल पर आपके विरोधियों को प्रशासनिक सहयोग मिलने की वजह से आप मानसिक यंत्रणा के शिकार हो सकते हैं।

दशा केतु
अगस्त 24, 2022 - सितंबर 14, 2022

दशा शुक्र
सितंबर 14, 2022 - नवंबर 14, 2022

दशा सूर्य
नवंबर 14, 2022 - दिसम्बर 02, 2022

दशा चंद्र
दिसम्बर 02, 2022 - जनवरी 02, 2023

दशा मंगल
जनवरी 02, 2023 - जनवरी 23, 2023

दशा राहु
जनवरी 23, 2023 - मार्च 19, 2023

दशा गुरु
मार्च 19, 2023 - मई 06, 2023

दशा शनि
मई 06, 2023 - जुलाई 03, 2023

दशा बुध
जुलाई 03, 2023 - अगस्त 24, 2023

अगस्त 24, 2022 - सितंबर 14, 2022 दशा केतु

आर्थिक जीवन

केतु की तृतीय भाव में उपस्थिति आपके लिए धन योग का निर्माण करेगी। नौकरी अथवा व्यवसाय के माध्यम से आपके पास धन आएगा। अच्छी आमदनी होगी। विभिन्न स्रोतों से आपके पास धन का आगमन होगा। आप इस समय कोई नया वाहन ख़रीद सकते हैं। आपके बैंक बैलेंस में वृद्धि होगी।

करियर

करियर की गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रयोग करें। इस पूरी अवधि में आप

आशावादी रहेंगे। अचानक यात्रा करने से आपको अच्छे फल प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से मित्रता बढ़ेगी। यह अवधि आपके लिये बहुत ही अनुकूल साबित हो सकती है, इसलिए इस समय का पूरा सदुपयोग करें।

पारिवारिक जीवन

केतु के तृतीय भाव में स्थित होने से आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। परिवार के साथ आप किसी तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। आपको परिजनों के साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त होगा। रिश्तेदारों से संबंध और भी मधुर होंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि आप गृहस्थ जीवन में है तो जीवनसाथी के कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लाइफ़ पार्टनर की सेहत में कमी देखी जा सकती है। वहीं जो लोग प्रेम जीवन में हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए प्रेम विवाह के योग बन रहें हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य जीवन बढ़िया रहेगा। यदि किसी रोग से पीड़ित हैं तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। अपनी सेहत को दुरुस्त बनाए रखने के लिए प्रातः उठकर योग व शारीरिक व्यायाम करें। इससे आपके तनाव दूर होगा और आपके चेहरे पर चमक दिखेगी। आपके व्यक्तित्व सबको आकर्षित कर सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- धार्मिक क्रियाकलापों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें।
- अपने सहकर्मियों और मित्रों से अच्छे संबंध बनाकर रखें।

क्या न करें

- अपने भाई बहनों से संबंधों को खराब ना होने दें।
- धर्म-कर्म के कामों में दूरी ना होने दें।

उपाय

- केतु बीज मंत्र का जाप करें।
- पक्षियों को सतनाजा खिलाएं।

सितंबर 14, 2022 - नवंबर 14, 2022 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

इस समय सुख-सुविधाओं पर आपका ख़र्च बढ़ सकता है। विलासपूर्ण जीवन को आप प्राथमिकता देंगे। आर्थिक क्षेत्र में विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे, इसलिए थोड़ा उनसे संभलकर रहें। आर्थिक रूप से यह समय आपके अनुकूल है परंतु आपको अपने ख़र्च की प्रवृति लगाम लगाने की सलाह दी जाती है।

करियर

करियर के दृष्टिकोण से यह अच्छा समय व्यतीत होगा। आपके ज्ञान के कारण आपकी प्रशंसा होगी और सहकर्मी आपका साथ पाने में खुशी का अनुभव करेंगे। वहीं कुछ लोग आपकी सलाह लेकर अपने कार्य शुरू कर सकते हैं। कुल मिलाकर करियर के लिहाज से स्थिति अनुकूल रहेगी।

पारिवारिक जीवन

यह अवधि आपके पारिवारिक जीवन के लिए खास नहीं है। इस समय घर में किसी न किसी हारी बीमारी रह सकती है और यह विषय आपको चिंतित करेगा। ऐसा कोई भी कार्य न करें जिससे आपके परिवार की बदनामी हो। अपने माता-पिता की सेहत का ख़्याल रखें और परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पालन करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

इस समय आपको वैवाहिक सुख प्राप्त होगा। जीवनसाथी के साथ आप समय का आनंद लेंगे। वहीं प्रेम जीवन में परिस्थितियां आपके अनुकूल दिखाई देंगी। परंतु इस समय अपने मन में वासनात्मक विचारों को जगह न दें अन्यथा आपके रिश्ते में दरार पैदा हो सकती है। प्रेम में साथी पर कोई शर्त न थोपें।

स्वास्थ्य

इस अपनी सेहत को लेकर थोड़ा गंभीर रहें, क्योंकि यह अवधि आपके स्वास्थ्य के लिए ज़्यादा ठीक नहीं है। इस समय आपको छोटी मोटी बीमारी परेशान कर सकती है। अपनी खानपान शैली पर विशेष ध्यान दें। दूषित जल और भोजन दोनों से परहेज करें अन्यथा आपको टाईफाइड, हैजा अथवा फूड प्वॉइजनिंग की शिकायत रह सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अध्यात्म चिंतन की ओर मन लगाएं।
- धन का लेन देन सोच समझ कर करें।

क्या न करें

- अपने भूतकाल के बारे में अत्यधिक चिंतन ना करें।
- किसी गुप्त रिश्ते में ना पड़े।

उपाय

- प्रतिदिन गौ ग्रास निकालें।
- गूलर की समिधा से हवन करें।

नवंबर 14, 2022 - दिसम्बर 02, 2022 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

इस समय अवधि में धन संबंधी मामलों में अच्छे फल मिलने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में धन लाभ के लिए आपकी ओर से किये जाने वाले प्रयास सफल होंगे और यदि आप काफी समय से प्रयास करते आ रहे हैं, तो इस अवधि में आपको अपने परिश्रम का फल धन लाभ के रूप में मिलेगा।

करियर

बिजनेस और जॉब में आप पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। याद रखें आपकी इस ईमानदारी का फल आपको मिलेगा लेकिन थोड़ा धैर्य रखें और धीरे-धीरे आगे बढ़ते रहें। काम के सिलसिले में होने वाली यात्राएं आपके लिए सफलता के द्वार खोलेंगी। इस दौरान आपकी मुलाकात प्रतिष्ठित लोगों से होगी, चूंकि मेलजोल बढ़ने से संबंध बनते हैं और नए अवसर प्राप्त होते हैं, इसलिए नये लोगों के साथ होने वाली इन मुलाकातों से आपको करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सामान्य गति से चलता रहेगा, हालांकि परिवार में शांति और सद्भाव बना रहे इसके लिए थोड़ा धैर्य से काम लें। इस अवधि में पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे और उनकी सलाह से आपको लाभ होगा। पिता हर परिस्थिति में आपके साथ खड़े रहेंगे और आपका मार्गदर्शन करेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आप दोनों के बीच अच्छा तालमेल दिखाई देगा। साथी आपकी भावनाओं की कद्र करेगा। हालांकि छोटी-मोटी तकरार भी देखने को मिल सकती है। लाइफ पार्टनर की सेहत का ख़्याल करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में छोटे-मोटे स्वास्थ्य संबंधी विकार हो सकते हैं लेकिन यह समस्याएं कुछ समय तक ही रहेंगी। इसके अलावा परिजनों की खराब सेहत भी आपकी चिंता का कारण बन सकती है। ऐसे में अपनी और परिजनों की सेहत को लेकर लापरवाही ना करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- सभी के प्रति समभाव रखें।
- परोपकार की भावना विकसित करें।

क्या न करें

- अपने अहंकार का पूर्ण रुप से त्याग करें।
- स्वार्थपरता की भावना से दूर रहें।

उपाय

- प्रत्येक रविवार तांबे की कोई वस्तु दान करें।
- रात को सोते समय सिरहाने तांबे के पात्र में जल रखकर प्रातः काल उसे किसी लाल पुष्प वाले पौधे में चढ़ाएं।

दिसम्बर 02, 2022 - जनवरी 02, 2023 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपकी महत्वाकांक्षा और इच्छाओं की पूर्ति होगी। किसी बड़े लाभकारी सौदे में आप भागीदार होंगे और इससे आपको अच्छा मुनाफा होगा। इस अवधि में लंबी यात्राओं की प्रबल संभावना है और इन यात्रा के परिणाम भी अच्छे होंगे। इस समय में आप विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। यह यात्रा कामकाज के सिलसिले में या फिर घूमने-फिरने के उद्देश्य से हो सकती है। इस अवधि में धन और संपत्ति

में वृद्धि होगी। किसी नए निवेश से धन लाभ होगा और नई संपत्ति अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

करियर

एकादश भाव में स्थित चंद्रमा के प्रभाव से आप समाज में मान-प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। यदि आप सरकारी सेवा में कार्यरत हैं तो इस अवधि में आप अधिक कार्य कुशलता के साथ काम करेंगे। यदि आप राजनीति में भाग्य आजमाना चाहते हैं तो इस अवधि में आपको इसमें सफलता मिल सकती है। इसके अलावा आपको सरकार या सरकार के साथ काम करने का अवसर भी मिल सकता है अथवा सरकार की ओर से सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। व्यापार के माध्यम से भी आपको खूब लाभ होगा। चंद्रमा के एकादश भाव में स्थित होने से इस अवधि में आपके स्वभाव में चंचलता बढ़ेगी। आपके मित्र और सहयोगी आपकी सहायता करेंगे। एकादश भाव में चंद्रमा की स्थिति आपको सांसारिक वैभव प्रदान करेगी। इसके फलस्वरुप आपको महंगे वाहनों का सुख प्राप्त होगा।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में पारिवारिक जीवन सामान्य होगा। हालांकि किसी कारण परिवार से अधिक समय तक दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों से दूर रहने की वजह से मन थोड़ा उदास रहेगा, इसलिए इस अवधि में संतुलन बनाकर चलने की जरुरत होगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन में प्रेम की बयार आएगी और अपने प्रेमी के साथ खुशनुमा पलों का आनंद उठाएंगे वैवाहिक जीवन के लिए भी खुशनुमा समय रहेगा और अपने जीवन साथी के साथ किसी पार्टी आदि में जा सकते हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में चंद्रमा के प्रभाव से स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सेहत संबंधी कोई समस्या आपको परेशान नहीं करेगी। वहीं पुरानी बीमारी में स्वास्थ्य लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और मानसिक शांति का अनुभव होगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करें कहीं घूमने जाएं।
- अपने आस पास के लोगों को परिवार का मान कर उन्हें सम्मान दें।

क्या न करें

- व्यवहारिक बनें और दूसरों से अत्यधिक अपेक्षा ना रखें।
- अपने वरिष्ठ अधिकारियों से भावुक होकर मन की बातें साझा ना करें।

उपाय

- चांदी की चेन गले में धारण करें।
- पंचगव्य से स्नान करें।

जनवरी 02, 2023 - जनवरी 23, 2023 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

दशम भाव में मंगल की उपस्थिति आपके लिए शुभ रहेगी। इस अवधि में आपको धन लाभ प्राप्त होगा और आप धनवान बनेंगे। व्यापार में मुनाफ़ा होने की प्रबल संभावना है। इस अवधि में आप बहुत सक्रिय और व्यस्त रहेंगे। इस समय अवधि में आपको आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। मंगल के प्रभाव से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

करियर

इस समय आपको सरकारी योजना का लाभ मिल सकता है। ऊँचे ओहदे पर बैठे महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपकी मित्रता होगी। समय-समय पर आपको इस मित्रता का लाभ मिलेगा। विपरीत परिस्थितियों आप अपने आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं आने देंगे और बड़ी से बड़ी चुनौतियों को आसानी से पार कर जाएंगे। इस समय शत्रु आपका बाल भी बांका नहीं कर सकेगा। यदि आप मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, शस्त्र से जुड़े कार्यों अथवा सेना से संबंध रखते हैं तो इस भाव में मंगल आपके लिए अति मंगलकारी होगा।

पारिवारिक जीवन

आपके जीवन में सुखों का आगमन होगा। इस समय आपको पारिवारिक जीवन में बहुत अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे। छोटे-भाई बहनों को किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। दशम भाव में स्थित मंगल कुछ परेशानियां भी उत्पन्न करता है। फलस्वरूप आपकी माता को कुछ कष्टों का सामना करना पड़ सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होने की संभावना है। संतान को भी किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम जीवन के लिए अच्छा समय है। प्रियतम के साथ घूमना-

फिरना होगा। मनोरंजन के लिए भी एक साथ जाया जा सकता है। कोई ऐसा काम न करें जिससे समाज में आपकी और साथी की बदनामी हो।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। यदि आप किसी पुरानी बीमारी से जूझ रहे हैं तो उसमें सुधार होगा। समय-समय पर अपनी सेहत की जाँच अवश्य कराएं। इस अवधि में मानसिक तनाव लेने से बचें। पर्याप्त नींद लेने से आपके शरीर में ताज़गी आएगी।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- माता जी की सेहत का पूरा ध्यान रखें।
- पिताजी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें।

क्या न करें

- कार्यस्थल पर किसी भी कंट्रोवर्सी में ना पड़ें।
- अपनी सफलता की प्राप्ति में दूसरों को कष्ट न पहुंचाएं।

उपाय

- बरगद के वृक्ष की जड़ में कच्चा दूध चढ़ाएं और उसकी मिट्टी से माथे पर तिलक करें।
- भगवान कार्तिकेय की पूजा करें और उंहें लाल कनेर के पुष्प चढ़ाएं।

जनवरी 23, 2023 - मार्च 19, 2023 दशा राहु

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको मिलेजुले परिणामों की प्राप्ति होगी। इस समय आपके पास धन का आगमन होगा, परंतु आपके ख़र्चों में वृद्धि होगी। इस समय आय और ख़र्च के बीच संतुलन बनाएं, अन्यथा आप आर्थिक संकट से गुजर सकते हैं। आर्थिक निर्णय लेते समय अनुभवी व्यक्तियों की सलाह अवश्य लें।

करियर

करियर में आपको मिश्रित परिणामों की प्राप्ति होगी। आप अपने व्यापार में अच्छा काम करेंगे और लक्ष्य से भ्रमित नहीं होंगे। नौकरी-पेशा के प्रति आपका निश्चय दृढ़ रहेगा। इस समय आपके व्यक्तित्व में अहंकार

की झलक दिख सकती है। अपने अहंकार का त्याग करें और अपना आत्म अवलोकन करें।

पारिवारिक जीवन

इस दौरान आपको पारिवारिक जीवन में आनंद आएगा। परिजनों के साथ आपको अच्छा समय बिताने का मौक़ा मिलेगा। इस अवधि आपको अपने परिवार से विशेष लगाव होगा लेकिन पिता से संबंध मधुर रहने की संभावना कम है। बेहतर होगा कि आप पिता का सम्मान करें और सफलता के लिए उनकी बातों का अनुसरण करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको आनंद की अनुभूति होगी। जीवनसाथी से रिश्ते मधुर बनेंगे। उनके द्वारा आपको आर्थिक लाभ होगा और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। वहीं लव लाइफ के लिए भी अच्छा समय रहेगा। प्रियतम के साथ रोमांस करने का पर्याप्त अवसर प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य

इस समय आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। आप ऊर्जावान रहेंगे। आपके चेहरे पर चमक देखी जा सकेगी और पूरे उत्साह और जोश के साथ आप अपने कार्य को अंजाम देंगे। इस समय आप अपनी सेहत को लेकर भी गंभीर रहेंगे और अपने खानपान का विशेष ध्यान देंगे। नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने पिता से अच्छे संबंध बनाकर रखें।
- रूढ़िगत विचारों का पूर्ण रुप से विरोध करें।

क्या न करें

- अपने विचारों को नई दिशा दें किसी को कष्ट ना दें।
- धार्मिक होने का दिखावा न करें।

उपाय

- अपने वजन के बराबर कच्चे कोयले का दान करें।
- चांदी की चेन अथवा लॉकेट धारण करें।

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको अचानक धन प्राप्त हो सकता है। शेयर बाज़ार अथवा अन्य क्षेत्र में पूँजी निवेश करना आपके लिए सही नहीं होगा इसलिए इस समय पूँजी निवेश से बचें। ज़रुरत के समय मित्र व सहयोगी अगूंठा दिखा सकते हैं इसलिए दूसरों की बजाय ख़ुद पर निर्भर रहें और स्वयं पर भरोसा रखें। गुरु के इस भाव में होने से आप व्यक्तिगत रूप से कंजूस और लालची बन सकते हैं। अपने चंचल मन पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। आपको पैतृक संपत्ति के माध्यम से भी धन लाभ होगा। अच्छी संगति से आपके अंदर अच्छे गुणों का विकास होगा और इससे आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा।

करियर

करियर के क्षेत्र में उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा हो सकता है कि आपको अनुभव हो कि आप के प्रयास विफल हो रहे हैं, यह बेकार जा रहे हैं परंतु आप मन लगाकर काम करते रहें। क्योंकि उचित प्रतिफल कुछ समय पश्चात आपको अवश्य प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर विरोधी भी आपको हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए ऐसे लोगों से सावधान रहें।

पारिवारिक जीवन

आपके परिवार में भी उथल-पुथल की स्थिति देखने को मिल सकती है। परिजनों के बीच तालमेल में कमी दिखाई दे सकती है। उनका रुखा व्यवहार भी आपको परेशान कर सकता है। इस अवधि में माँ के साथ आपके संबंध सामान्य रहेंगे हालांकि आपकी माता को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए उनका हर तरह से ख्याल रखें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के माध्यम से आपको धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। हालांकि इस दौरान जीवनसाथी या प्रियतम के साथ कुछ मामलों को लेकर मनमुटाव होने की संभावना है, इसलिए हर मसले को बातचीत के जरिये सुलझाने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

अष्टम भाव में बृहस्पति आपको मिलेजुले परिणाम देगा परंतु स्वास्थ्य जीवन में आपको शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। इस समय मानसिक रूप से आप बेचैन रह सकते हैं। किसी बात को लेकर मन में असुरक्षा का भाव पैदा हो सकता है। तनाव भी आपके स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- स्वयं की क्षमता और दिव्य ज्ञान का प्रयोग मानवता के कल्याण के लिए करें।
- अपने जीवन साथी तथा माता पिता के प्रति समर्पित रहे।

क्या न करें

- कोई भी अनैतिक कार्य करने से बचें।
- अत्यधिक धन संग्रह करने की आदत से बचें।

उपाय

- किसी वृद्ध ब्राह्मण को बेसन के लड्डू तथा पीले रंग के वस्त्र दान करें।
- चलते हुए पानी में बदायं नारियल पीले कपड़े में लपेटकर बहाएं।

मई 06, 2023 - जुलाई 03, 2023 दशा शनि

आर्थिक जीवन

आर्थिक रूप से यह समय आपके लिए अच्छा साबित होगा। इस दौरान आपके लिए छोटी यात्राएं ज्यादा उपयोगी रहेंगी। घर की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और आप धन को एकत्रित करने में भी सफल रहेंगे। आपको लंबे समय से अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

करियर

आप अपने कार्यक्षेत्र में बहुत अच्छा काम करेंगे। नौकरी अथवा व्यवसाय की परिस्थितियों में सुधार होगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से आपके सम्पर्क बढेंगे। रोजमर्रा के जीवन में आप अत्यधिक स्फूर्तिवान महसूस करेंगे। विरोधी आपका सामना करने से डरेंगे। करियर में अनुभवी लोगों से आपको बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा।

पारिवारिक जीवन

अपनी पारिवारिक स्थिति से आप संतुष्ट दिखाई देंगे। घर वालों से आपको अधिक प्यार मिलेगा। अपने माता-पिता से आपका लगाव अधिक रहेगी इसलिए आपको उनकी ज़्यादा चिंता होगी। भाई बहनों से संबंध मधुर रहेंगे। हालांकि छोटी-मोटी बातों को लेकर उनके साथ तकरार भी देखने को मिलेगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

आपको अपने वैवाहिक में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से आपका मनमुटाव हो सकता है अथवा उनकी सेहत ख़राब होने से आप चिंतित रह सकते हैं। वहीं प्रेम जीवन के लिए परिस्थितियाँ प्रतिकूल रहेंगी। साथी से किसी बात को लेकर विवाद पैदा हो सकते है।

स्वास्थ्य

इस अवधि के मध्य में आपको छोटी मोटी बीमारी होने की संभावना है जिस पर आपको थोड़ा ध्यान रखने की आवश्यकता होगी। हरी-पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें और खाद्य पदार्थों में सलाद का सेवन करें। इस समय वाहन चलाते समय सावधानी अवश्य बरतें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने आलस्य का त्याग करें।
- प्रत्येक कार्य के प्रति अपडेट रहे और मन लगा कर कार्य करें।

क्या न करें

- अपनी सेहत को बिल्कुल भी नजरअंदाज ना करें।
- कार्य स्थल पर लोगों के आप के प्रति व्यवहार को लेकर चिंतित ना हो।

उपाय

- शनि बीज मंत्र का जाप करें।
- किसी दिव्यांग की सहायता करें।

जुलाई 03, 2023 - अगस्त 24, 2023 दशा बुध

आर्थिक जीवन

बुध का द्वितीय भाव में स्थित रहना आर्थिक दृष्टिकोण से बेहद उत्तम रहेगा। बिजनेस में होने वाले सौदों से बड़ा लाभ मिलेगा। इस अवधि में आपको धन लाभ होगा और आप अपनी बुद्धि से धन अर्जन करेंगे। हर परिस्थिति में आप अपनी समझबूझ से दूसरों को आसानी से मना लेंगे। इस अवधि में आपको बहुत प्रसिद्धि मिलेगी। यदि आपको किसी से पैसे लेने हैं या कोई लोन चुकाना है तो इस अवधि में यह कार्य पूरा हो जाएगा।

करियर

बुध के प्रभाव से आप विचारक या वक्ता बन सकते हैं। इसके फलस्वरुप किसी सभा या लोगों के बीच दिया गया आपका भाषण बहुत प्रभावशाली और ओजस्वी होगा। कविता और धार्मिक चिंतन में भी आपकी रुचि बढ़ेगी। यदि आप लेखन, अध्यापन और लिपिक श्रेणी के कार्यों से जुड़े हुए हैं तो इस अवधि में आपको सफलता और सम्मान की प्राप्ति होगी। इस अवधि में यात्राएं आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगी। आप अपने गुण और उदारता से लोगों में जाने जाएंगे। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी।

पारिवारिक जीवन

परिवार में शांति और सद्भाव का माहौल बना रहेगा। घर-परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति आपका व्यवहार अच्छा रहेगा। आपके सौम्य स्वभाव से सदस्य काफी प्रसन्न रहेंगे और हर परिस्थिति में आपकी मदद करने के लिए तैयार रहेंगे।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम संबंधों के लिए अच्छा समय है। आपके कम्युनिकेशन स्किल्स में निखार आएगा और इससे आपको सफलता मिलेगी। यदि आप विवाहित हैं तो जीवन साथी कुछ कटु वचन बोल सकता है, इसलिए थोड़ा संयम रखें। कुल मिलाकर स्थिति आपके अनुकूल ही रहेगी।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपकी सेहत अच्छी रहेगी और आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। अगर कोई पुरानी बीमारी है तो उसमें सुधार देखने को मिलेगा। अच्छी सेहत का असर आपके काम में भी देखने को मिलेगा। फलस्वरुप आप अपना हर काम बेहतर ऊर्जा के साथ करेंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- प्रतिदिन कुछ रसेदार मीठा व्यंजन खाए।
- पैसों का लेनदेन सोच समझ कर करें।

क्या न करें

- किसी के प्रति अपमानजनक शब्दों का प्रयोग ना करें।
- परिवार के सदस्यों से झगड़ा ना करें।

उपाय

- हरे रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें।
- श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

वर्षफल विवरण 2023

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1978	जन्म दिनांक	24/08/2023
23:53:18	जन्म समय	12:45:48
बुधवार	जन्म दिन	गुरूवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	12:24:40
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 54 : 54
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 52 : 21
वृषभ	लग्न	वृश्चिक
शुक्र	लग्नस्वामी	मंगल
मेष	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि स्वामी	मंगल
भरणी	नक्षत्र	अनुराधा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
वृ	योग	इन्द्र
वणिज	करण	विष्टि
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-33-30	अयनांश	024-11-12
लाहिड़ी	अयनांश नाम	लाहिड़ी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2023

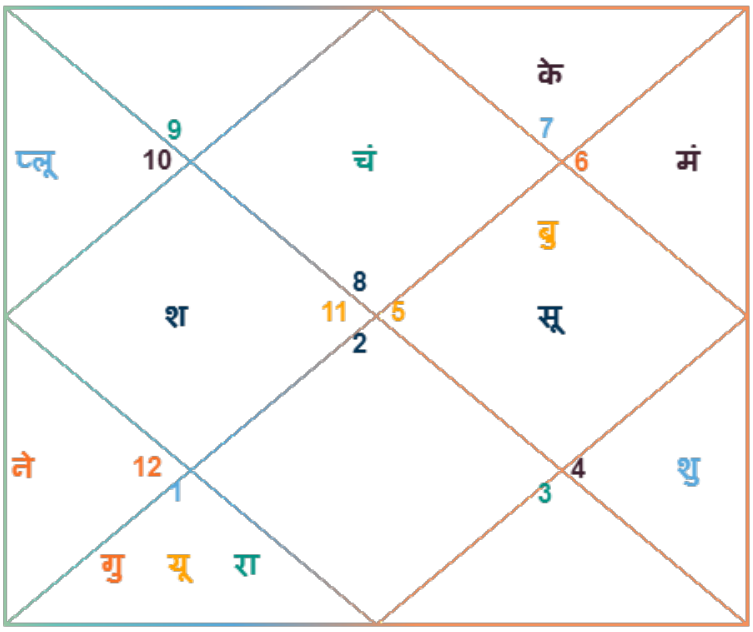

वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	वृश्चिक	05-02-10
सूर्य	सिंह	06-42-49
चंद्र	वृश्चिक	05-20-36
मंगल	कन्या	03-45-08
बुध	सिंह	27-39-25
गुरु	मेष	21-10-40
शुक्र	कर्क	20-18-55
शनि	कुंभ	09-52-26
राहु	मेष	03-33-13
केतु	तुला	03-33-13
यूरेनस	मेष	28-56-48
नेपच्यून	मीन	02-42-41
प्लूटो	मकर	04-00-17

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	शनि
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	मंगल
त्रिराशी स्वामी	मंगल
दिनरात्रि स्वामी	सूर्य

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	24/08/2023
वर्षप्रवेश जन्म-समय	12:45:48
मुन्था राशि	कुंभ
घर में मुन्था	4
जन्म कुण्डली में मुन्था	10

वर्षफल सहम

सहम	अंश		ग्रह
पुण्य	कुंभ	03 . 39 . 57	शनि
शिक्षा	कन्या	06 . 24 . 22	बुध
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	कुंभ	22 . 32 . 52	शनि
मित्र	कुंभ	23 . 03 . 19	शनि
पिता	वृषभ	08 . 11 . 46	शुक्र
माता	कुंभ	20 . 03 . 50	शनि
जीवन	सिंह	23 . 43 . 54	सूर्य
कर्ण	धनु	11 . 07 . 51	गुरू
मृत्यु	कन्या	12 . 04 . 20	बुध
विदेश यात्रा	सिंह	09 . 44 . 25	सूर्य
धन-सम्पत्ति	मिथुन	21 . 24 . 00	बुध
व्यभिचार	तुला	18 . 38 . 15	शुक्र
बीमारी	धनु	04 . 43 . 42	गुरू
वैकल्पिक व्यवसाय	सिंह	00 . 30 . 20	सूर्य
वाणिज्य	मकर	12 . 43 . 20	शनि
कार्य सिद्धि	मीन	09 . 52 . 25	गुरू
विवाह	वृषभ	15 . 28 . 38	शुक्र
संतान	मिथुन	28 . 33 . 24	बुध
प्रेम	कर्क	07 . 46 . 34	चंद्र

सहम	अंश		ग्रह
व्यापार	धनु	11 . 07 . 51	गुरू
शत्रु	मिथुन	28 . 54 . 51	बुध
कारावास	तुला	28 . 49 . 40	शुक्र
वित्तीय लाभ	कुंभ	20 . 03 . 50	शनि

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

ग्रह	से आरंभ करके	तक
शुक्र	24/08/2023	24/10/2023
सूर्य	24/10/2023	11/11/2023
चंद्र	11/11/2023	12/12/2023
मंगल	12/12/2023	02/01/2024
राहु	02/01/2024	26/02/2024
गुरु	26/02/2024	14/04/2024
शनि	14/04/2024	11/06/2024
बुध	11/06/2024	02/08/2024
केतु	02/08/2024	23/08/2024

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	ग्रह	से आरंभ करके	तक
पिंगला	सूर्य	24/08/2023	13/09/2023
धान्या	गुरु	13/09/2023	13/10/2023
भ्रामरी	मंगल	13/10/2023	23/11/2023
भद्रिका	बुध	23/11/2023	13/01/2024
उल्का	शनि	13/01/2024	14/03/2024
सिद्धा	शुक्र	14/03/2024	24/05/2024
संकटा	राहु	24/05/2024	13/08/2024
मंगला	चंद्र	13/08/2024	23/08/2024

वर्षफल विवरण 2023 - 2024

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा चतुर्थ भाव में है।

मुंथा के लिए यह स्थिति अनुकूल नहीं है। यह वर्ष आपके लिए परेशानियों भरा रहेगा। माता की वजह से आप तनावग्रस्त रहेंगे। अपने घनिष्ठ सहयोगियों व रिश्तेदारों से विवाद की संभावना है। पद खोने अथवा घटने की भी संभावनाएं हैं।

दशा शुक्र
अगस्त 24, 2023 - अक्टूबर 24, 2023

दशा सूर्य
अक्टूबर 24, 2023 - नवंबर 11, 2023

दशा चंद्र
नवंबर 11, 2023 - दिसम्बर 12, 2023

दशा मंगल
दिसम्बर 12, 2023 - जनवरी 02, 2024

दशा राहु
जनवरी 02, 2024 - फ़रवरी 26, 2024

दशा गुरु
फ़रवरी 26, 2024 - अप्रैल 14, 2024

दशा शनि
अप्रैल 14, 2024 - जून 11, 2024

दशा बुध
जून 11, 2024 - अगस्त 02, 2024

दशा केतु
अगस्त 02, 2024 - अगस्त 23, 2024

अगस्त 24, 2023 - अक्टूबर 24, 2023 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

आप के थोड़े प्रयत्न करने पर ही आपकी आमदनी बढ़ जायेगी। इस अवधि के दौरान विपरीत परिस्थितियों से सही तौर पर निपटने की आपकी क्षमता का विकास होगा। नवम भाव में शुक्र की स्थिति आर्थिक संपन्नता को भी दर्शाती है, अतः इस अवधि में आर्थिक समृद्धता बनी रहेगी। इस अवधि में लंबी दूरी की यात्राएं भी लाभकारी सिद्ध होंगी। इन यात्राओं के माध्यम से आपको व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

करियर

उच्च पदस्थ लोगों से आप सम्मान प्राप्त करेंगे और उनकी कृपा आप पर बनी रहेगी। अगर आपकी पदोन्नति होने ही वाली है तो आपको मनचाही सफलता मिलने की संभावना है। आपके आत्मविश्वास में

कोई कमी नही आएगी, इसलिए आप बड़ी से बड़ी चुनौतियों को आसानी से मात दे सकेंगे। परंतु एक बात ध्यान अवश्य रखें, आलस्य के कारण किसी भी कार्य बीच में अधूरा न छोड़ें।

पारिवारिक जीवन

माता पिता और गुरूजनों से संबंध अति मधुर रहेंगे। इस अवधि के दौरान आप सुदूर प्रदेशों की यात्रा करेंगे। पारिवारिक जीवन आपके लिये सुखद एवम् अनुकूल रहेगा। अच्छे कार्यों में घर वाले आपकी सहायता करेंगे। इस समय परिवार के सदस्यों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग से जुड़े मामलों और वैवाहिक जीवन के लिए उत्तम समय रहेगा। अपने जीवनसाथी या प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान आपके रिश्तों में एक नई मजबूती आएगी। आप दोनों के बीच कभी-कभार मनमुटाव की स्थिति भी बन सकती है इसलिए हर मसले को बातचीत के जरिये सुलझाने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आप स्वस्थ और ऊर्जावान रहेंगे। यदि किसी पुरानी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं तो इस अवधि में आपकी सेहत में सुधार देखने को मिल सकता है। प्रातः जल्दी उठकर योग और व्यायाम करना आपके लिए लाभकारी होगा। इससे आपको शारीरिक एवं मानसिक लाभ मिलेगा।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने ससुराल पक्ष से बेहतर संबंध स्थापित करें।
- नए-नए स्थानों पर घूमने जाएं और नए लोगों को जाने।

क्या न करें

- स्वयं की स्वतंत्रता के पीछे अधिक ना भागे।
- उच्च शिक्षा की ओर ध्यान केंद्रित करें।

उपाय

- श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।
- पानी में इलायची डालकर स्नान करें।

अक्टूबर 24, 2023 - नवंबर 11, 2023 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

दशम भाव में स्थित सूर्य अनुकूल परिणाम देता है। सूर्य के प्रभाव से आपको प्रसिद्धि मिलेगी। इस अवधि में आप बहुत सक्रिय और व्यस्त रहेंगे। इस समय अवधि में आपको आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। सूर्य के प्रभाव से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

करियर

व्यापार व नौकरी में सफलता अर्जित करेंगे और आपको वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलता रहेगा। यह समय आपकी कर्मठता और लगन का समय सिद्ध होगा, इसलिए आप अपनी मेहनत से इस अवधि में बहुत कुछ प्राप्त करेंगे। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा करेंगे, ये यात्राएं सफल होंगी। सफलता और लाभ मिलने से आपको संतोष की प्राप्ति होगी। इसके प्रभाव से कार्यस्थल पर आप एक नये जोश व ऊर्जा के साथ काम करेंगे। आपके अंदर नेतृत्व की जबरदस्त क्षमता देखने को मिलेगी, इसलिए आप लोगों का नेतृत्व करेंगे। इस अवधि में आपको कोई अहम सरकारी पद प्राप्त हो सकता है या फिर आप सरकार द्वारा सम्मानित किये जा सकते हैं। यदि आप राजनीति में सक्रिय हैं तो आपको मंत्री पद की प्राप्ति हो सकती है। आप अपने उदार चरित्र की वजह लोकप्रियता हासिल करेंगे।

पारिवारिक जीवन

वैदिक ज्योतिष में सूर्य को पिता का कारक माना गया है इसलिए इसलिए इस अवधि में आपके संबंध अपने पिता से अच्छे रहेंगे। दशम भाव में स्थित सूर्य कुछ परेशानियां भी उत्पन्न करता है। फलस्वरूप आपकी माता को कुछ कष्टों का सामना करना पड़ सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अतः जीवनसाथी के साथ बहसबाजी से बचें। प्रेम जीवन के लिए अच्छा समय है। प्रियतम के साथ घूमना-फिरना होगा। मनोरंजन के लिए भी एक साथ जाया जा सकता है। कोई ऐसा काम न करें जिससे समाज में आपकी और साथी की बदनामी हो।

स्वास्थ्य

आपका स्वास्थ्य जीवन अच्छा रहेगा। यदि आप किसी पुरानी बीमारी से जूझ रहे हैं तो उसमें सुधार होगा। समय-समय पर अपनी सेहत की जाँच अवश्य कराएं। मानसिक तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दे। पर्याप्त नींद के ज़रिए आपके शरीर में ताज़गी आएगी। स्मार्टफ़ोन पर ज़्यादा व्यस्त न रहें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- कार्य और पारिवारिक जीवन के मध्य संतुलन स्थापित करें।
- अपनी माताजी की सेहत की देखभाल करें।

क्या न करें

- स्वयं की प्रशंसा स्वयं करने से बचे।
- सरकारी कर्मचारी तथा वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध ना बिगाड़ें।

उपाय

- आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।
- केसर मिश्रित दूध का सेवन करें।

नवंबर 11, 2023 - दिसम्बर 12, 2023 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

आर्थिक क्षेत्र में आपको सोच समझकर कदम बढ़ाने होंगे। आपका आर्थिक जीवन सुदृढ़ होगा परंतु आपके स्वयं के विचारों में मतभेद होने के कारण कई मौके आपके हाथ से निकल सकते हैं। सामान्य रूप से धन लाभ होगा। अनावश्यक ख़र्चों पर लगाम लगाएं और धन के अहमियत को समझें।

करियर

प्रथम भाव में स्थित चंद्रमा के प्रभाव से आपको मिले-जुले फल मिलेंगे। इस अवधि में आपको नौकरी, व्यवसाय और निजी जीवन में कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। हालांकि ये आप पर निर्भर करेगा कि आप इन अवसरों का लाभ कैसे उठाते हैं। ध्यान रखें कि आपको इन अवसरों को पहचानना होगा। वहीं चंद्रमा के प्रभाव से आपके व्यक्तित्व में एक अजीब सा आकर्षण होगा और आप सदैव प्रसन्न रहेंगे। ओजस्वी व्यक्तित्व के प्रभाव से समाज में आपका मेलजोल बढ़ेगा और नए संपर्क बनेंगे। प्रथम भाव में स्थित चंद्रमा के प्रभाव से आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। आप नौकरी, व्यवसाय या अन्य किसी कारण से विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी रुचि धार्मिक कार्यों में भी हो सकती है और आप इस क्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप कलात्मक और रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं तो इस अवधि में आप इस क्षेत्र में कुछ खास कर सकते हैं। मित्र, परिजन और सहयोगियों से किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बनेगी, इसलिए सभी से संयमित व्यवहार करें। इस अवधि में होने वाली यात्राएं आपके लिए कुछ खास नहीं रहेंगी, अत: बेवजह यात्रा करने से बचें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन सुखमय व्यतीत होगा। परिवार के लोगों में समरसता का भाव देखने को मिलेगा। घर में एकता दिखेगी। आपको माता-पिता जी का आशीर्वाद प्राप्त होगा। घर के सदस्य भी अपने-अपने कार्यों में तरक्की करेंगे। भाई-बहनों से आपको किसी तरह की आर्थिक मदद मिल सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

आप अपने जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। इससे जीवनसाथी के साथ आपको रोमांस करने का भरपूर मौका मिलेगा। यदि आप अविवाहित हैं और सच्चे प्रेम की तलाश कर रहे हैं तो उसमें आपको सफलता मिलेगी। ऐसी कोई बात न कहें जिससे जीवनसाथी/प्रियतम के दिल को ठेस पहुँचे।

स्वास्थ्य

चंद्रमा के प्रथम भाव में स्थित होने से आपके माता-पिता की सेहत पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है, लिहाज़ा आपको उनकी सेहत का ख़्याल रखना होगा। इसके अलावा आप अपनी भी सेहत की देखभाल करें। आपको बुखार, खांसी, जुकाम अथवा खुजली जैसी समस्या हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पहले हाथ में लिया काम पूरा करें तभी दूसरा काम हाथ में लें।
- जितना संभव हो ध्यान करें।

क्या न करें

- किसी भी कार्य में जल्दबाज़ी न करें।
- स्वयं को अत्यधिक भावुक न होने दें।

उपाय

- भगवान शिव की आराधना करें और उन्हें श्वेत पुष्प अर्पित करें।
- नियम पूर्वक पूर्णमासी का व्रत रखें।

दिसम्बर 12, 2023 - जनवरी 02, 2024 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

विभिन्न स्रोतों से आपको लाभ मिलने की प्रबल संभावना है। इससे आपकी आय में वृद्धि होगी और आपको धन लाभ होगा। महंगी वस्तुओं को ख़रीदने में आप अपना पैसा ख़र्च कर सकते हैं। एकादश भाव में स्थित मंगल के प्रभाव से आप अधिक निवेश करेंगे और ये सभी निवेश कार्य आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगे, इसलिए यदि आप निवेश से संबंधित कोई योजना बना रहे हैं तो इसे समझदारी के साथ अवश्य करें।

करियर

इस दौरान आपको सहयोगियों से लाभ मिलेगा। ज़रुरत के समय आपको इनके द्वारा भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। हालांकि कभी-कभार किसी मुद्दे पर उनसे मतभेद भी हो सकते हैं। इस दौरान आपकी लंबे समय से रुकी हुई कोई इच्छा पूर्ण हो सकती है। आपकी लंबी यात्राएं सफल रहेंगी।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में ख़ुशियाँ आएंगी और आपके आसपास का भी वातावरण अच्छा रहेगा। इस समय आप धैर्य से काम करेंगे और जल्दबाज़ी नहीं करेंगे। आप दोस्तों अथवा परिजनों के साथ किसी सुहावने सफर में जा सकते हैं। भाई-बहन ऊर्जावान रहेंगे। इस समय आप दूसरों पर एक राजा की तरह हुक्म जता सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में मधुरता और बढ़ेगी। आप जीवनसाथी के संग मधुर पलों का आनंद लेंगे। वहीं प्रेम संबंधों के लिए भी यह समय अच्छा साबित होगा। आप अपने प्रियतम के साथ अपने मन की बात साझा कर सकते हैं। हालांकि इस अवधि में आपको मर्यादित आचरण बनाये रखना होगा।

स्वास्थ्य

आपकी सेहत अच्छी रहेगी और आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। अच्छी सेहत के कारण आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। आप प्रत्येक कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आप में गज़ब का जोश और उत्साह दिखाई देगा। इसके अलावा आप ऊर्जा से भी भरपूर रहेंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- एक टीम की तरह काम करने की आदत डालें।
- अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए स्वार्थी ना बने।

क्या न करें

- नए रिश्ते बनाने के लिए अपने पुराने मित्रों का साथ ना छोड़ें।
- दूसरों के प्रति जलन की भावना को छोड़ दें।

उपाय

- किसी मंदिर अथवा गार्डन में अनार का पेड़ लगाएं।
- मंगल ग्रह के बीज मंत्र का जाप करें।

जनवरी 02, 2024 - फ़रवरी 26, 2024 दशा राहु

आर्थिक जीवन

साधारण रूप से आपके पास धन का आगमन होगा। इस समय आप फायदे का सौदा करेंगे। यदि आप अपने आर्थिक पक्ष को मजबूत बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं तो आप इसमें अवश्य ही सफल होंगे। असफलताओं को अपनी ताक़त बनाएं। इस दौरान आपके ख़र्चों में वृद्धि संभव है।

करियर

इस अवधि में आप अपने उद्यमों में काफी सफल होंगे। करियर क्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके अनुकूल होंगी। सत्ता में उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों से आपके संबंध स्थापित होंगे जिनका आपको लाभ प्राप्त होगा। आप अपने विरोधियों को परास्त करने में सफल होंगे और यात्रा से आपको लाभ प्राप्त होगा।

पारिवारिक जीवन

अपने पारिवारिक जीवन में आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इस समय आपके स्वभाव में क्रोध की मात्रा बढ़ सकती है। अपने ग़ुस्से को काबू करें और घरेलू समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास करें। परिजनों के बीच तालमेल की कमी दिखाई दे सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए यह समय मिलाजुला रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर मनमुटाव होने की संभावना है। वहीं प्रेम जीवन में भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिलेगी। प्रेम अथवा वैवाहिक रिश्ते में यदि कोई ग़लतफ़हमी है तो उसको तत्काल दूर रखें।

स्वास्थ्य

इस समय आपका स्वास्थ्य जीवन दुरुस्त रहेगा। हालांकि इस समय आपको नेत्र संबंधी रोग होने की संभावना है इसलिए अपनी आँखों की देखभाल अच्छी तरह से करें और इस संबंध में लापरवाही न बरतें। आपको उच्च रक्तचाप की समस्या से भी गुजरना पड़ सकता है। ऐसी परिस्थिति में डॉक्टर की सलाह लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने ससुर, नाना-नानी एवं मरीज़ लोगों का सम्मान करें।
- कुत्तों की देखभाल करें।

क्या न करें

- शराब एवं मांस का सेवन न करें।
- बासी एवं गरिष्ठ भोजन न करें।

उपाय

- कुत्तों को भोजन दें।
- कुष्ठ रोगियों की सेवा करें।

फ़रवरी 26, 2024 - अप्रैल 14, 2024 दशा गुरु

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। वहीं थोड़े से लाभ के लिये आपको बहुत मेहनत करनी पड़ सकती है। आमदनी की तुलना में खर्च अचानक से बढ़ने से आपका बजट गड़बड़ा सकता है। व्यर्थ के कार्यों में भी कुछ धन खर्च हो सकता है, इसलिए इस अवधि में धन से जुड़े मामलों में समझदारी के साथ काम लेना बेहतर होगा।

करियर

प्रोफेशनल लाइफ में संघर्ष करना पड़ सकता है। नौकरी और व्यवसाय में उम्मीद के अनुसार सफलता मिलने की संभावना कम है। सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और संघर्ष करना होगा। विरोधी पक्ष पर हावी होने की कोशिश करेगा। इस दौरान कुछ लोग आपकी छवि को हानि पहुंचा सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। बेहतर होगा कि, कार्यस्थल पर सहकर्मी और अधिकारियों के साथ किसी भी विवाद से बचें।

पारिवारिक जीवन

परिवारजनों से संबंध भी इस अवधि में अच्छे नहीं रहेंगे। विरोधी प्रबल होंगे। हालांकि इस अवधि में आपके बच्चे उन्नति कर सकते हैं। आपके पिता के लिए भी यह स्थित शुभ परिणाम देगी और उन्हें किसी बड़े पद पर प्रतिष्ठित कराएगी। इस समय में माँ का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम-प्रसंग के मामलों के लिए यह समय अच्छा रहने वाला है। हालांकि इस दौरान अपने विचार प्रियतम पर थोपने की कोशिश ना करें। वहीं यदि आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी से भी मतभेद की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि विवाद की स्थिति में संयम के साथ काम लें और बातचीत के जरिये मामले का हल निकालने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें परेशान करेंगी। इस अवधि में आपको मोटापे या पेट से संबंधित कोई विकार परेशान कर सकता है। परिवार में किसी व्यक्ति की सेहत खराब हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर तुरंत डॉक्टरी परामर्श लें। क्योंकि छोटी सी लापरवाही आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- जहां तक संभव हो अन्य लोगों की सहायता करें।
- मेहनत करने की आदत डालें।

क्या न करें

- भोजन के प्रति गंभीर रहे और अत्यधिक वसा युक्त भोजन ना करें।
- किसी भी काम में बाल की खाल ना निकाले।

उपाय

- नहाने वाले पानी में पीपल की जड़ डालकर स्नान करें।
- बृहस्पतिवार के दिन चने की दाल किसी ब्राह्मण को दान में दे।

आर्थिक जीवन

इस समय आपको आर्थिक रूप से लाभ होगा। आपके पास धन आएगा और उस धन का प्रयोग आप अपने सुख-साधनों की वृद्धि के लिए करेंगे। इस अवधि में आप भौतिक सुखों का आनंद लेंगे। आपकी संपत्ति में भी वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। धन की बचत पर आप ज़्यादा ध्यान नहीं देंगे। परिजनों को भी आर्थिक लाभ हो सकता है।

करियर

करियर में असफलता से आप निराश हो सकते हैं। इस समय आपके शत्रु भी सक्रिय रहेंगे। वे आपकी छवि बिगाड़ने का प्रयास करेंगे, इसलिए उनसे सावधान रहें। इसके अलावा आप पर झूठे इल्जाम लगाए जा सकते हैं। अपने करियर पर फोकस करें और असफलताओं को अपना हथियार बनाकर आगे बढ़ें।

पारिवारिक जीवन

इस दौरान आपके पारिवारिक जीवन में सुखों का अभाव रह सकता है। किसी काम के चलते घर से दूर जाने की संभावना है। काम में व्यस्त रहने के कारण आप अपने परिवार को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। कभी-कभार घरेलू समस्याएं आपके तनाव का कारण भी बन सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

जीवनसाथी के कारण आपको वैवाहिक जीवन में शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। लाइफ पार्टनर को करियर में लाभ होने की संभावना है। दूसरी ओर आप उनसे दूर भी जा सकते हैं। प्रेम जीवन के लिए भी चुनौतीपूर्ण समय रह सकता है। कोशिश करें कि प्रियतम से रिश्ते मधुर बने रहें।

स्वास्थ्य

इस समय अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं तो पूरी सावधानी बरतें। यदि खान-पान की चीज़ों में आपको परहेज़ करना पड़े तो अवश्य करें, अन्यथा रोग में सुधार होना मुश्किल होगा। शराब इत्यादि नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने परिवार का ध्यान रखें और उनकी आवश्यकताओं को पूर्ण करें।
- अपनी स्वयं की गलतियों से सीखने का प्रयास करें।

क्या न करें

- परिवार में माता पिता अथवा बुजुर्गों की सेहत को नजरअंदाज ना करें।
- अत्यधिक रुढ़ीवादी बनने का प्रयास न करें।

उपाय

- प्रतिदिन भोजन करते समय थाली में से एक हिस्सा गाय को एक हिस्सा कुत्ते को एवं एक हिस्सा कौवे को खिलाएं।
- काला सुरमा किसी निर्जन स्थान पर जमीन में दबाएं।

जून 11, 2024 - अगस्त 02, 2024 दशा बुध

आर्थिक जीवन

दशम भाव में स्थित बुध शुभ फल प्रदान करता है, इसलिए इस अवधि में आपको अच्छे अनुभव प्राप्त होंगे। नौकरी और व्यवसाय में उन्नति व लाभ की प्राप्ति होगी। आप अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं। आप पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपना काम करेंगे। समाज के प्रतिष्ठित और सरकार से जुड़े वरिष्ठ व्यक्तियों से संबंधों में सुधार होगा। इस अवधि में इन लोगों से आपको हर तरह की मदद प्राप्त होगी। आपको वाहन सुख का आनंद मिलेगा। इस अवधि में आप आर्थिक रूप से समृद्ध रहेंगे और इसका परिणाम यह होगा कि, आपके पास धन की कोई कमी नहीं रहेगी।

करियर

आप सरकारी सहयोग से भी धनार्जन कर सकते है या फिर सरकार में आपको कोई बड़ा पद प्राप्त हो सकता है।आप व्यापार के माध्यम से लाभ और यश दोनों कमाएंगे। विदेशी भूमि से आपको शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। विदेश स्थित किसी कंपनी से बिजनेस या नौकरी का शानदार ऑफर मिल सकता है। आमदनी अच्छी होगी और इसमें बढ़ोत्तरी होगी। धनवान होने के साथ-साथ आप विभिन्न प्रकार की सम्पत्ति अर्जित करेंगे।

पारिवारिक जीवन

घर में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। आप माता-पिता और गुरुजनों का आदर करेंगे एवं उनके आशीर्वाद से आपकी उन्नति होगी। इस अवधि में आप जिस काम को करेंगे उससे शुरुआत में ही सफलता मिलेगी। दशम भाव स्थित बुध के कारण आप न्यायप्रिय और नीति निपुण होंगे। आपके व्यवहार में अंदर धैर्य और विनम्रता आएगी।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में कुछ परेशानी उत्पन्न हो सकती हैं अथवा विचारों के मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं वहीं दूसरी और प्रेम जीवन के लिए समय सामान्य रहेगा आप अपने साथी से संवाद बनाए रखें धीरे-धीरे स्थिति आपके पक्ष में आ जाएगी।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ा सकता है। नेत्र या त्वचा संबंधी विकार से परेशानी होने की संभावना है, इसलिए इस मामले में कोई लापरवाही ना बरतें। यदि किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं तो समय पर इलाज लेते रहें, वरना बीमारी बढ़ने की संभावना है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- कार्यस्थल पर अपने विचारों और कार्य क्षमता का भरपूर प्रयोग करें
- अपने चरित्र को ऊपर उठाने के लिए प्रयासरत रहें।

क्या न करें

- अपने काम में बेईमानी बिल्कुल ना करें।
- महिला सहकर्मियों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें।

उपाय

- हरी सब्जियों का दान करें।
- हरे रंग के कपड़े किन्नरों को उपहार स्वरुप भेंट करें।

अगस्त 02, 2024 - अगस्त 23, 2024 दशा केतु

आर्थिक जीवन

इस समय आपके ख़र्चों में अधिक वृद्धि हो सकती है, परंतु आपको अपने ख़र्चों में लगाम लगाना होगा अन्यथा आपके सामने आर्थिक संकट की परिस्थिति आ सकती है। इस अवधि में आपका आर्थिक पक्ष कमज़ोर रह सकता है इसलिए इस समय बड़े आर्थिक निर्णय लेने से बचें।

करियर

करियर के लिए यह समय कमज़ोर रहेगा। आप दूसरों की सही सलाह को नज़रअंदाज़ करेंगे जिसका ख़ामियाज़ा आपको भुगतना पड़ सकता है। कम समय में सफलता पाने की ख़ातिर आप कोई गलत रास्ता भी चुन सकते हैं, परंतु ऐसा बिल्कुल भी न करें और अपनी मेहनत के बल अपनी मंज़िल को प्राप्त करें। सकारात्मक सोच के साथ करियर की राह में आगे बढ़ें।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन आपको मिलेजुले परिणाम प्राप्त होंगे। भाई-बहनों को सफलता मिलेगी, परंतु संतान के लिए यह अवधि कष्टकारी हो सकती है। माता-पिताजी की सेहवा करें और उनकी सेहत का ध्यान रखें। घर की सुख-शांति के लिए आप कोई धार्मिक कार्य संपन्न करा सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन के लिए समय अनुकूल नहीं है। जीवनसाथ से तनाव किसी स्थिति रह सकती है। किसी ग़लतफ़हमी के कारण दोनों के बीच दूरी बढ़ सकती है इसलिए जो भी ग़लतफ़हमी हो उसे दूर करें। प्रेम जीवन में प्रियतम के साथ तकरार देखने को मिल सकती है।

स्वास्थ्य

यह अवधि आपकी सेहत के लिए ज़्यादा अनुकूल नहीं रहेगी इसलिए आपको स्वास्थ्य के प्रति अधिक सावधान रहना होगा। मानसिक तनाव, सिरदर्द, बुखार, जुकाम-खांसी की समस्या आपको रह सकती है। नेत्र विकार भी होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक परामर्श लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- पुत्र, भतीजा एवं छोटे लड़कों के साथ अच्छे संबंध बनाए।
- प्रतिदिन शॉवर में स्नान करें अथवा सर से ऊपर से जल गिराकर स्नान करें ।

क्या न करें

- किसी निःसंतान व्यक्ति से प्रॉपर्टी न खरीदें।
- ग्रे, भूरा या विविध रंग का प्रयोग न करें।

उपाय

- श्री भैरव मंदिर के अंदर काला ध्वज लगाएं।
- विभिन्न रंगो से बना कम्बल गरीबों को दान करें।

वर्षफल विवरण 2024

जन्म	शीर्षक	वर्ष
स्त्री	लिंग	स्त्री
23/8/1978	जन्म दिनांक	23/08/2024
23:53:18	जन्म समय	18:54:58
बुधवार	जन्म दिन	शुक्रवार
Delhi	जन्म स्थान	Delhi
28	अक्षांश	28
77	रेखांश	77
00 : 21 : 07	स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
23:32:10	स्थानीय औसत समय	18:33:50
05 : 54 : 14	सूर्योदय	05 : 54 : 46
18 : 53 : 28	सूर्यास्त	18 : 52 : 37
वृषभ	लग्न	कुंभ
शुक्र	लग्नस्वामी	शनि
मेष	राशि	मीन
मंगल	राशि स्वामी	गुरू
भरणी	नक्षत्र	रेवती
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	बुध
वृ ि	योग	गण्ड
वणिज	करण	कोलव
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-33-30	अयनांश	024-12-03
लाहिड़ी	अयनांश नाम	लाहिड़ी

ताजिक वर्षफल कुण्डली - 2024

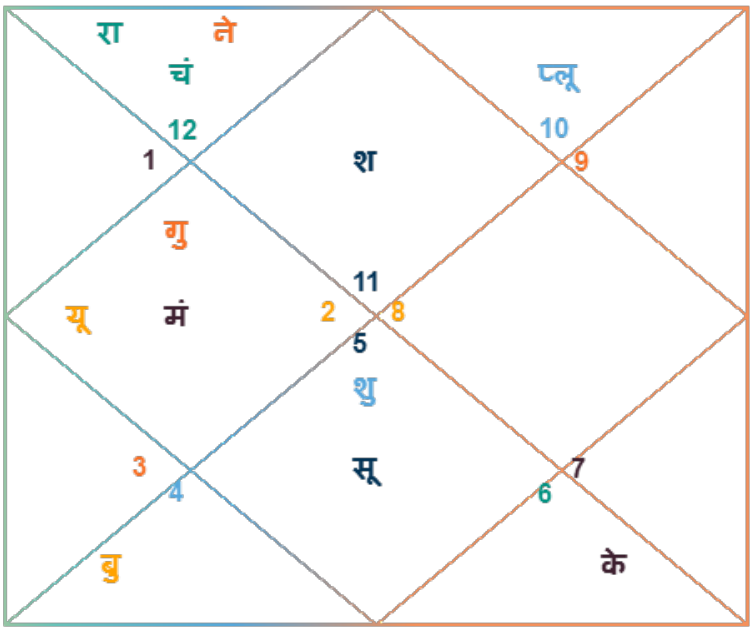

वर्षफल तालिका

ग्रह	राशि	रेखांश
लग्न	कुंभ	08-54-16
सूर्य	सिंह	06-42-49
चंद्र	मीन	29-23-37
मंगल	वृषभ	28-11-45
बुध	कर्क	28-58-36
गुरु	वृषभ	23-43-45
शुक्र	सिंह	28-27-55
शनि	कुंभ	22-59-15
राहु	मीन	14-11-53
केतु	कन्या	14-11-53
यूरेनस	वृषभ	03-04-30
नेपच्यून	मीन	04-59-31
प्लूटो	मकर	05-46-06

पंचाधिकारी

स्वामी	ग्रह
मुन्था स्वामी	गुरु
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	शनि
त्रिराशी स्वामी	गुरु
दिनरात्रि स्वामी	गुरु

वर्ष विवरण

शीर्षक	विवरण
वर्षप्रवेश जन्म-तिथि	23/08/2024
वर्षप्रवेश जन्म-समय	18:54:57
मुन्था राशि	मीन
घर में मुन्था	2
जन्म कुण्डली में मुन्था	11

वर्षफल सहम

सहम	अंश		ग्रह
पुण्य	कर्क	16 . 13 . 28	चंद्र
शिक्षा	तुला	01 . 35 . 04	शुक्र
लोकप्रियता और प्रसिद्धि	वृषभ	01 . 23 . 59	शुक्र
मित्र	कर्क	13 . 06 . 18	चंद्र
पिता	सिंह	22 . 37 . 50	सूर्य
माता	सिंह	07 . 58 . 33	सूर्य
जीवन	मिथुन	09 . 38 . 46	बुध
कर्ण	वृषभ	09 . 41 . 06	शुक्र
मृत्यु	कन्या	05 . 33 . 05	बुध
विदेश यात्रा	मेष	25 . 27 . 00	मंगल
धन-सम्पत्ति	वृश्चिक	27 . 07 . 58	मंगल
व्यभिचार	मेष	00 . 39 . 21	मंगल
बीमारी	मकर	18 . 24 . 55	शनि
वैकल्पिक व्यवसाय	मकर	02 . 29 . 54	शनि
वाणिज्य	तुला	09 . 19 . 17	शुक्र
कार्य सिद्धि	सिंह	00 . 08 . 07	सूर्य
विवाह	कन्या	14 . 22 . 55	बुध
संतान	वृषभ	14 . 09 . 06	शुक्र
प्रेम	वृषभ	24 . 15 . 52	शुक्र

सहम	अंश		ग्रह
व्यापार	धनु	08 . 07 . 25	गुरू
शत्रु	वृश्चिक	03 . 41 . 45	मंगल
कारावास	कन्या	15 . 40 . 03	बुध
वित्तीय लाभ	कन्या	09 . 49 . 58	बुध

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

ग्रह	से आरंभ करके	तक
सूर्य	23/08/2024	11/09/2024
चंद्र	11/09/2024	11/10/2024
मंगल	11/10/2024	01/11/2024
राहु	01/11/2024	26/12/2024
गुरु	26/12/2024	13/02/2025
शनि	13/02/2025	11/04/2025
बुध	11/04/2025	02/06/2025
केतु	02/06/2025	23/06/2025
शुक्र	23/06/2025	23/08/2025

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	ग्रह	से आरंभ करके	तक
धान्या	गुरु	23/08/2024	22/09/2024
भ्रामरी	मंगल	22/09/2024	02/11/2024
भद्रिका	बुध	02/11/2024	23/12/2024
उल्का	शनि	23/12/2024	22/02/2025
सिद्धा	शुक्र	22/02/2025	04/05/2025
संकटा	राहु	04/05/2025	24/07/2025
मंगला	चंद्र	24/07/2025	03/08/2025
पिंगला	सूर्य	03/08/2025	23/08/2025

वर्षफल विवरण 2024 - 2025

वर्ष सारांश

मुंथा ताजिक वर्षफल में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। इस वर्ष की कुंडली में आपका मुंथा द्वितीय भाव में है।

आकस्मिक धन प्राप्ति का योग है। यह धन लॉटरी, शेयर में सट्टेबाजी आदि माध्यमों से प्राप्त हो सकता है। विभिन्न व्यवसायिक सौदों से आप अधिक धन प्राप्त करने में सक्षम होंगे। पुराने घर की खरीद बिक्री से भी आपको धन मिलेगा। मान सम्मान की प्राप्ति होगी, बेहतर भोजन का आनंद लेंगे और प्रशासनिक सहयोग प्राप्त करेंगे।

दशा सूर्य
अगस्त 23, 2024 - सितंबर 11, 2024

दशा चंद्र
सितंबर 11, 2024 - अक्टूबर 11, 2024

दशा मंगल
अक्टूबर 11, 2024 - नवंबर 01, 2024

दशा राहु
नवंबर 01, 2024 - दिसम्बर 26, 2024

दशा गुरु
दिसम्बर 26, 2024 - फ़रवरी 13, 2025

दशा शनि
फ़रवरी 13, 2025 - अप्रैल 11, 2025

दशा बुध
अप्रैल 11, 2025 - जून 02, 2025

दशा केतु
जून 02, 2025 - जून 23, 2025

दशा शुक्र
जून 23, 2025 - अगस्त 23, 2025

अगस्त 23, 2024 - सितंबर 11, 2024 दशा सूर्य

आर्थिक जीवन

सप्तम भाव में स्थित सूर्य सामान्यत: कठिनाइयां पैदा करता है, अत: यह समय आपके लिए चुनौतियों से भरा रह सकता है। धन हानि भी उठानी पड़ सकती है। सूर्य के इस भाव में स्थित होने की वजह से किसी बात को लेकर आप बेहद चिंतित रह सकते हैं।

करियर

सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी, सफलता आपको अवश्य मिलेगी लेकिन कड़े संघर्ष के बाद। यदि आप पार्टनरशिप में बिजनेस करते हैं तो आपके साथी आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं

इसलिए उन पर जरुरत से ज्यादा विश्वास ना करें। यह चिंता परिवार, नौकरी, व्यवसाय या शिक्षा से जुड़ी हो सकती है। बेहतर होगा कि आप इस अवधि में अधिक चिंता या तनाव करने की बजाय चिंतन और मनन करें। सरकार, सत्ता पक्ष या सरकारी विभागों की ओर से परेशानियां हो सकती हैं।

पारिवारिक जीवन

सप्तम भाव में सूर्य की उपस्थिति आपको जरुरत से ज्यादा स्वाभिमानी बना सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि, लोग आपको अहंकारी समझने लगेंगे, इसलिए अपने अहंकार का त्याग करें। यदि परिजनों के बीच किसी बात को लेकर मनमुटाव है तो उसका समाधान करने के लिए पहल करें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

सूर्य की इस भाव में स्थिति वैवाहिक जीवन के लिए भी ठीक नहीं मानी गई है, इसलिए जीवन साथी से भी मतभेद संभव है। इस अवधि में वैवाहिक जीवन में संतुलन बनाकर चलें। विवाद या मतभेद होने की स्थिति में संयम के साथ काम लें और बातचीत के जरिये समस्याओं का समाधान करें।

स्वास्थ्य

आपको स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। बुखार, सिरदर्द अथवा पित्त संबंधी रोगों से आपका सामना हो सकता है। इस समय अपनी सेहत का विशेष ख़्याल रखें। यदि स्वास्थ्य ख़राब है तो चिकित्सक की सलाह के अनुसार उपचार लें। आलस का त्याग कर शारीरिक परिश्रम भी करें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने जीवनसाथी को पूर्ण रुप से स्वीकार करें।
- अपने व्यवसायिक साझेदार के साथ इमानदारी बरते।

क्या न करें

- स्वयं से निचले स्तर के व्यक्तियों का तिरस्कार ना करें।
- व्यर्थ के वाद विवाद को ना बढ़ने दे।

उपाय

- रविवार के दिन लाल वस्त्र का दान करें।
- जल में लाल कनेर के फूल डालकर स्नान करें।

सितंबर 11, 2024 - अक्टूबर 11, 2024 दशा चंद्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको हर क्षेत्र में आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। आपकी आमदनी अच्छी होगी साथ ही आप धन की बचत भी कर पाएंगे। लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति में समय समय पर कुछ उतार चढ़ाव भी सम्भव है। मित्र और सहयोगी आपके लिए काफी सहायक सिद्ध होंगे। यात्राएं शुभ फल देंगी।

करियर

आपके व्यक्तित्व में और निखार आएगा। इसके अलावा आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और आपको भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। द्वितीय भाव में स्थित चंद्रमा के प्रभाव से आप बहुत प्रसन्न रहेंगे। आप इस समय का जितना सदुपयोग करेंगे उतना ही अच्छा रहेगा।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आपका परिवार बड़ा और खुशहाल होगा। चंद्रमा की यह स्थिति आपके आर्थिक पक्ष को भी मजबूत करने वाली सिद्ध होगी। आपके बच्चे विदेश यात्रा करेंगे। यदि वे बिजनेस करते हैं तो, अपना व्यवसाय परिवर्तित कर सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन में नयापन देखने को मिलेगा और आपका मन प्रफुल्लित होगा अपने प्रेमी के साथ आप अच्छे पल व्यतीत करेंगे। वहीं जो विवाहित हैं उनके जीवन साथी को कुछ मानसिक तनाव रह सकता है। इसका असर आपके वैवाहिक रिश्ते पर भी पड़ सकता है इसलिए जीवनसाथी की सेहत का ख़्याल रखें।

स्वास्थ्य

चंद्रमा की यह स्थिति आपको स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा भी दे सकती है। चंद्रमा मन का कारक है, इसलिए आप मनोविकार से पीड़ित हो सकते हैं। मन को स्थिर और शांत रखने के लिए योग व ध्यान क्रिया का सहारा लें। इससे आपको ताज़गी का अहसास होगा। छोटी-मोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी मनपसंद वस्तुओं को दूसरों के साथ साझा करें।

- अपने मन की बातों को खुलकर दूसरों को बताएं।

क्या न करें

- किसी से भी ऋण न लें।
- किसी को भी अपने भावुक बंधन में जबरन न बांधें।

उपाय

- अपने भोजन के लिए चांदी के बर्तनों का प्रयोग करें।
- चंद्र बीज मंत्र का जाप करें।

अक्टूबर 11, 2024 - नवंबर 01, 2024 दशा मंगल

आर्थिक जीवन

सुख-संपत्ति से आपको वंचित रहना पड़ सकता है। आर्थिक क्षेत्र में भी आपको संभलकर चलना होगा। आपके ख़र्चों में वृद्धि की संभावना है। अनावश्यक कार्यों में पैसा अधिक ख़र्च हो सकता है। अचानक आपको धन की हानि भी हो सकती है। पैतृक संपत्ति के खोने अथवा उसमें कमी होने का भय है।

करियर

कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी। इस समय आपके प्रतिद्वंदी आपसे अधिक बलवान होंगे। सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। इस समय अपनी असफलता पर निराश न हों, बल्कि इस समय और कड़ी मेहनत कर चुनौतियों को मात दें। इस अवधि में गलत कार्य आपको अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

मंगल की यह स्थिति आपके पिताजी के लिए कष्टकारी रह सकती है। उन्हें परिवार से दूर रहना भी पड़ सकता है। इसके अलावा उनको किसी प्रकार का आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। संकट के समय परिजनों के द्वारा आशानुरूप मदद मिलने की संभावना कम है इसलिए आपको स्वयं ही संकट से निकलने का रास्ता तलाशना होगा। भाई-बहनों से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी से मतभेद होने की संभावना है। किसी कारणवश आपको अपने परिवार से दूर जाना पड़ सकता है। घर में किसी क्लेश की

स्थिति पैदा हो सकती है। पारिवारिक मसलों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको मानसिक पीड़ा से गुज़रना पड़ सकता है, इसका बुरा असर आपकी सेहत पर भी दिखाई दे सकता है। आग से दूरी बनाए रखें और मन में किसी प्रकार की टेंशन को न पालें। द्रवीय पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें और योग और कसरत को अपनी दिनचर्या में जोड़ें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- प्रॉपर्टी में निवेश करने का प्रयास करें।
- देशभक्ति की भावना अपने हृदय में बनाए रखें।

क्या न करें

- अपनी माता अथवा परिवार के अन्य लोगों से झगड़ा ना करें।
- माता जी की सेहत को नजरअंदाज बिल्कुल ना करें।

उपाय

- ऋण हर्ता गणेश स्त्रोत का पाठ करें।
- मंगलवार के दिन तांबे के पात्र का दान करें।

नवंबर 01, 2024 - दिसम्बर 26, 2024 दशा राहु

आर्थिक जीवन

इस अवधि में धन का निवेश सोच-समझकर करें। इस समय में धन लाभ के योग भी हैं, लेकिन इसके लिए आपको कार्यक्षेत्र में जमकर पसीना भी बहाना होगा। वाहन सुख के योग बन रहे हैं लिहाज़ा इसका लाभ उठाएं। लालच में आकर ग़लत रास्ता न अपनाएं। इससे आपको नुकसान होगा।

करियर

शत्रु आपके करियर में बट्टा लगाने की फिराक़ में रहेंगे, अतः उनसे बचें। सोना और तांबा जैसी धातुओं का व्यापार आपके लिए लाभकारी हो सकता है। नौकरी में कड़ी मेहनत के बावजूद आपको अच्छे परिणाम न मिलें। ऐसे में अपना धैर्य न खोएं और सही समय का इंतज़ार करें, सफलता अवश्य मिलेगी।

पारिवारिक जीवन

घर का वातावरण तनावपूर्ण रह सकता है। परिजनों के बीच मतभेद की स्थिति रह सकती है। पारिवारिक संबंधों को लेकर भी मन में असंतोष रह सकता है परंतु यदि आप धैर्य और संयम के साथ काम लेंगे तो सारी समस्याएं आसानी से दूर हो जाएंगी। विवादों को बातचीत के माध्यम से सुलझाएं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में उतार-चढाव देखने को मिलेगा। हालांकि आपको हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है इसलिए उनकी सेहत का ख़्याल रखें। लव लाइफ में प्रियतम की भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस अवधि में आपको आँखों से संबंधित विकार हो सकता है। इसलिए अपनी आँखों को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना बरतें। यदि इस तरह की कोई परेशानी हो, तो तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। मन में किसी प्रकार की बेचैनी रह सकती है और आपको मानसिक तनाव रह सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपनी बातों से दूसरों को प्रभावित करने की कला का सदुपयोग करें।
- अच्छा भोजन करने की आदत डालें और समय पर भोजन करें।

क्या न करें

- ज्यादा धन कमाने के चक्कर में अपने परिवार की अनदेखी ना करें।
- चालाकी और झूठ बोलने की आदत से दूर रहें।

उपाय

- जौ को दूध से धो कर बहते पानी में प्रवाहित करें।
- सप्तधान्य (सतनाजा) का रात्रि काल में दान करें।

दिसम्बर 26, 2024 - फ़रवरी 13, 2025 दशा गुरु

आर्थिक जीवन

इस अवधि में जीवन यापन सुविधा सम्पन्न रहेगा। घर की वस्तुओं चल अचल सम्पती आदि पर व्यय होगा तथा व्यापार/व्यवसाय के विकास पर भी धन व्यय करेंगे। अचानक लाभ प्राप्त करेंगे। सम्पत्ति पर धन व्यय होगा। अच्छे वाहन, अच्छे मित्र और अचल सम्पत्ति की प्राप्ति के लिए आपको अधिक मेहनत नहीं करनी पड़ेगी, क्योंकि ये चीजें आपको सहजता से प्राप्त हो जाएंगी।

करियर

बड़े अफसरों और शक्तिवान व्यक्तियों के सम्पर्क में आयेंगे। आपकी ख्याति और सम्मान में इजाफा होगा। यदि आप नौकरी करते हैं तो इस अवधि में आपको पदोन्नति मिलने की प्रबल संभावना है। वहीं व्यापार में कोई बड़ा आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। इस अवधि में आप अपने विरोधियों पर हावी रहेंगे। नौकरी और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में आय में वृद्धि होगी।

पारिवारिक जीवन

इस अवधि में आपको पारिवारिक सुख मिलेगा। माँ के आशीर्वाद से आपको सफलता और सम्मान की प्राप्ति होगी। यदि आप पैतृक घर के रख रखाव में सहयोग करते रहते हैं तो यह कार्य आपके लिए मंगलकारी होगा। इस अवधि में आप परिवार के साथ जलीय स्थानों वाली जगह पर घूमने जा सकते हैं। ये समुद्र या झील के किनारे स्थित पर्यटन स्थल हो सकते हैं।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

यदि विवाहित हैं तो आपके जीवनसाथी को लोकप्रियता मिलेगी। इस अवधि में आपके निवास स्थान में परिवर्तन होने की संभावना है। प्रेम जीवन में प्रियतम के साथ सुहाने पल व्यतीत करने का अवसर मिलेगा। कार्यस्थल पर किसी ख़ास शख़्स के साथ आपकी नज़दीकियाँ बढ़ सकती हैं।

स्वास्थ्य

इस अवधि में बृहस्पति के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं तो इस समय में आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा परंतु इस बीच कोई भी लापरवाही न बरतें, अन्यथा उसके विपरीत परिणाम हो सकते हैं। दीर्घायु के लिए अच्छी जीवन शैली को अपनाएं।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

- परिवार के अतिरिक्त बाहरी लोगों से भी अच्छे संबंध रखें।
- अपने कार्यस्थल पर मेहनत करने की आदत डालें।

क्या न करें

- स्वयं की प्रशंसा स्वयं करने से बचें।
- भौतिक सुखों के प्रति अधिक आसक्त ना रहे।

उपाय

- चलते हुए पानी में बादाम एवं नारियल पीले कपड़े में लपेट कर बहाएं।
- गुरु बृहस्पति बीज मंत्र का जाप करें।

फ़रवरी 13, 2025 - अप्रैल 11, 2025 दशा शनि

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपका आर्थिक जीवन सामान्य गति से चलेगा। हालांकि आपके सहयोगियों की लापरवाही के कारण आपको आर्थिक क्षेत्र में बड़ा धक्का लग सकता है, इसलिए थोड़ा इस मामले में सचेत रहें। इस अवधि का आखिरी हिस्सा आपको कुछ राहत देगा और इस समय आपको आर्थिक लाभ होगा।

करियर

करियर में आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके अधिकतर कार्यों में किसी न किसी प्रकार की अड़चन आ सकती है। अपने करियर को लेकर आपके मन में कभी कभी असुरक्षा की भावना भी पैदा हो सकती है। इस समय आपके ऊपर काम का बोझ बहुत रहेगा और फालतू के कामों में भी आप फँस सकते हैं।

पारिवारिक जीवन

आपको पारिवारिक जीवन में इस समय दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। आपकी फ़ैमिली लाइफ़ में ख़ुशियों का अभाव रह सकता है। परिजनों की सेहत में गिरावट देखी जा सकती है। इस कारण आप थोड़े चिंतित भी रह सकते हैं। अपने माता-पिता की सेहत की देखभाल करें और छोटे भाई-बहनों के साथ प्रेम पूर्ण व्यवहार बनाए रखें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में समस्या उत्पन्न हो सकती हैं। किसी बात को लेकर जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं। वहीं प्रेम जीवन में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने साथी के प्रति भरोसा जताएं और उनके भी भरोसे को टूटने न दें। रिलेशनशिप को मजबूत बनाने के लिए यह एक बेहतर फॉर्मूला है।

स्वास्थ्य

इस समय आपकी सेहत नाजुक रह सकती है। आपको किसी न किसी प्रकार की शारीरिक पीड़ा रह सकती है। आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर होने की संभावना है। इस समय अपने शरीर को बलवान बनाएँ और इम्युनिटी पॉवर को मजबूती प्रदान करने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- मेहनत करते रहे साथ ही सेहत का पूरा ध्यान रखें।
- अंतर्मुखी प्रवृति से बाहर निकलने का प्रयास करें।

क्या न करें

- स्वयं को असहाय मानना बंद करें।
- निराशावादी दृष्टिकोण से स्वयं को दूर करें।

उपाय

- प्रतिदिन भोजन करते समय थाली में से एक हिस्सा गाय को एक हिस्सा कुत्ते को एवं एक हिस्सा कौवे को खिलाएं।
- लोहे की कटोरी में तेल का छाया पात्र दान करें।

अप्रैल 11, 2025 - जून 02, 2025 दशा बुध

आर्थिक जीवन

बुध का षष्ठम भाव में स्थित होना सामान्यतः कष्टकारी होता है। यहां स्थित बुध दर्शाता है कि इस अवधि में आपके खर्च बढ़ेंगे, इसलिए बेहतर होगा कि फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। विरोधियों की ओर से चुनौती मिल सकती है और वे आपकी छवि को चोट पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं, अतः अपने शत्रुओं से सावधान रहने की कोशिश करें। आप अच्छे और परोपकारी कार्यों के लिए धन खर्च करेंगे।

करियर

नौकरी व व्यवसाय के क्षेत्र में हालात सुधरेंगे हालांकि काम का बोझ बढ़ेगा, इसलिए काम की अधिकता की वजह से ज्यादा तनाव ना लें। इसके अलावा व्यर्थ के कामों से बचने की कोशिश करें। इस अवधि में वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों की आलोचना और कड़वे शब्द बोलने से बचें। इस दौरान यात्रा करने से भी बचें। क्योंकि इस समय में यात्राएं सार्थक होने की उम्मीद बेहद कम है। अच्छी बात है कि बुध के प्रभाव से इस समय में आप परिश्रम के बल पर सफलता अर्जित करेंगे। हालांकि इस दौरान लोगों के साथ आपके विवाद भी हो सकते हैं, इसलिए तालमेल बनाकर चलने की जरुरत है। इस अवधि में लेखन के प्रति आपकी रुचि बढ़ सकती है। वहीं यदि आप लेखन या पत्रकारिता से जुड़े हैं तो इस अवधि में और बेहतर करेंगे।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में तनाव उत्पन्न हो सकता है और विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है, इसलिए थोड़ा संयम के साथ काम लें। जहां तक हो सके परिवार में बेवजह के विवादों से बचने की कोशिश करें। इस अवधि में माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

प्रेम जीवन के लिए अच्छा समय रहेगा। इस दौरान आप अपने प्रियतम के लिए कोई गिफ्ट खरीद सकते हैं। वहीं दूसरी ओर वैवाहिक जीवन में कुछ मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, इसलिए संयम के साथ काम लें और जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध बनाये रखने की कोशिश करें।

स्वास्थ्य

इस समय अवधि में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होने की संभावना है, अतः सेहत को लेकर कोई लापरवाही ना बरतें। त्वचा और स्नायु तंत्र से संबंधित विकारों से परेशानी हो सकती है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टरी परामर्श लें।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- स्वयं की सेहत का भरपूर ध्यान रखें।
- मौसी, मामी, बुआ, बहन आदि से अच्छा व्यवहार करें।

क्या न करें

- मानसिक अवसाद की अवस्था में जाने से बचें।
- अत्यधिक कार्य करने की आदत से बचे ।

उपाय

- प्रतिदिन गौ ग्रास निकालें।
- अपामार्ग की समिधा से हवन करें।

जून 02, 2025 - जून 23, 2025 दशा केतु

आर्थिक जीवन

इस अवधि में आपको अचानक लाभ होने की संभावना है। आपकी संपत्ति बढ़ सकती है। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन कमाने के साथ-साथ आप पैसों की बचत भी करेंगे। जीवनसाथी के सहयोग से भी धन लाभ हो सकता है।

करियर

कार्यक्षेत्र में सीनियर्स के साथ आप आपके रिश्ते बिगड़ सकते हैं, लिहाज़ा आपको इस समय एक अनुशासित कर्मी बनकर रहना होगा। ऐसा कोई भी कार्य न करें जिससे आपके कार्य को कम करके आंका जाए। ऑफिस आदि में किसी विवाद का हिस्सा न बनें। इसके अलावा लालच में शॉर्ट कट का रास्ता न अपनाएं।

पारिवारिक जीवन

पारिवारिक जीवन में सुख-शांति का वातावरण देखने को मिलेगा। परिवार के साथ आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं। यह यात्रा आपके पारिवारिक जीवन के लिए सुखद रहेगी। समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। घर के सदस्य अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनके द्वारा आपको कोई ख़ुशख़बरी प्राप्त हो सकती है।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव की परिस्थिति रह सकती है। रिश्तेदारों से आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम जीवन में भी परिस्थितियाँ आसान नहीं है। इसमें आपको अपने कामुक विचारों पर लगाम लगाना होगा। रिश्ते को अधिक से अधिक पारदर्शी बनाएं।

स्वास्थ्य

सेहत में कमी के कारण आप थोड़े बेचैन रह सकते हैं। किसी नेत्र रोग से आपका सामना हो सकता है। पित्त संबंधित विकार होने की भी संभावना है। ऐसे में अपनी सेहत का ख़्याल रखें और आवश्यकता पड़ने पर डॉक्टर से परामर्श लें। धार्मिक क्रियाकलापों से आपको शांति का अनुभव प्राप्त हो सकता है।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- स्वयं की दिव्य चेतना का प्रयोग जनहित में करें।
- अपनी सेहत की देखभाल करें और अच्छे भोजन की आदत डालें।

क्या न करें

- कीड़े मकोड़ों, हथियारों और नुकीली वस्तुओं से दूर रहें।
- किसी भी प्रकार की सर्जरी ना कराएं।

उपाय

- तारपीन के तेल का दीपक जलाएं।
- चितकबरी गाय अथवा कुत्ते की सेवा करें और उन्हें भोजन दें।

जून 23, 2025 - अगस्त 23, 2025 दशा शुक्र

आर्थिक जीवन

इस अवधि में धन लाभ होगा, साथ ही संपत्ति मिलने की संभावना भी है। घर के सदस्यों को आर्थिक क्षेत्र में लाभ के योग बन रहे हैं। व्यापार में होने वाले सौदे से बड़ा धन लाभ होगा। शुक्र की कृपा से भाग्य साथ देगा और थोड़े ही प्रयास में आपको मनचाही सफलता मिल सकती है। यदि आप विदेश गमन की इच्छा रखते हैं तो इस अवधि में आपका यह मनोरथ पूरा हो सकता है।

करियर

व्यवसाय और व्यापार में आप बहुत अच्छा काम करेंगे। आपके मिलनसार स्वभाव की वजह से आपके कई लोगों के साथ सम्पर्क में बनेंगे। यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो इन संपर्कों की मदद से आपको नई जॉब मिलने की संभावना है। वहीं अगर आप व्यवसायी हैं तो आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। सुदूर स्थलों या विदेश से कोई अच्छी खबर मिलेगी। इस आपको आपके व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलने की

संभावना है।

पारिवारिक जीवन

परिजनों के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिलेगा और घर में सुख-शांति का वातावरण होगा। इस अवधि में आपके घर में कोई मंगल कार्य संपन्न होने की संभावना है। माता-पिता के अलावा बुजुर्ग लोगों की सेवा करें। क्योंकि उनका आशीर्वाद आपको कामयाबी की राह में आगे बढ़ाएगा। इस समय में बुरे कार्यों और बुरी संगति से दूर रहें।

वैवाहिक और प्रेम जीवन

सप्तम भाव में शुक्र की स्थिति आपके वैवाहिक जीवन के लिए सुखद होगी। इस दौरान जीवनसाथी के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे और आपको कदम क़दम पर उनका साथ मिलेगा। आप दोनों के बीच एक अच्छा तालमेल बनता दिखाई देगा। आपको अपने जीवनसाथी के साथ खूब यात्राएं करने का अवसर मिलेगा। वहीं प्रेमी युगल के लिए भी यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है।

स्वास्थ्य

इस अवधि में शारीरिक और मानसिक रूप से आप एकदम चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। इस अवधि में आप स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा को महसूस करेंगे और अपना हर काम पूरे जोश के साथ करेंगे। आपके बेहतर स्वास्थ्य का असर आपके काम और स्वभाव में देखने को मिलेगा। इसके फलस्वरुप आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

इस दौरान याद रखने योग्य बातें

क्या करें

- अपने जीवन साथी के प्रति समर्पित रहे।
- यदि आप व्यापार करते हैं तो उसे गंभीरता से लें।

क्या न करें

- वासनात्मक विचारों से यथा संभव दूर रहें।
- अत्यधिक खर्चों पर धन व्यय ना करें।

उपाय

- शुक्र बीज मंत्र का जाप करें।
- घर में सफेद रंग के पुष्प का पौधा लगाएं।

रत्न

चमकाएं अपनी किस्मत

100% वास्तविक एवं लैब प्रमाणित

अभी खरीदें >

5 करोड़ से भी ज्यादा लोगों का विश्वास

"मैंने अपने बेटे की राशि अनुसार एस्ट्रोसेज से रत्न ख़रीदा, जिसे धारण करते ही अब न केवल उसका मन पढ़ाई में लगता है बल्कि वो अपनी पूरी क्लास में अव्वल आता है।"

- ज्योति शर्मा , नॉएडा

"पहले मेरी शादी में कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही थी, लेकिन जब से मैंने एस्ट्रोसेज के ज्योतिष द्वारा सुझाया गया रत्न धारण किया तब से ही मुझे एक से एक यहाँ तक की विदेशों से भी अच्छे रिश्ते आ रहे हैं।"

- दीपक सागर , मुरादाबाद

"मुझे एस्ट्रोसेज से ख़रीदे रत्न से बहुत लाभ हुआ है। इसकी वास्तविक पर कोई भी निःसंदेह विश्वास कर सकता है।"

- रोहित सिंह , पंजाब

A-139, Sector 63, Noida (UP) 201307. India

ईमेल: query@astrosage.com
वेबसाइट: https://www.AstroSage.com
दूरभाष: +91 95606 70006, +91 120 4138503

Disclaimer

We want to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment, that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report is provided as-is and we provide no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case of any disputes, the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).

Icons source - freepik.com